THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 74 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) वटपूर्णिमा 2082 मंगलवार, 10 जून-2025

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✻ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

देश में कोरोना के 358 नए मरीज मिले

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। देशभर में कोरोना वायरस के एक्टिव केसों की संख्या 6491 पहुंच गई है। बीते 24 घंटे में 358 नए केस सामने आए हैं। केरल में सबसे ज्यादा 1957 केस हैं। इसके बाद गुजरात में 980, पश्चिम बंगाल में 747 और दिल्ली में 728 एक्टिव मामले हैं। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, जनवरी 2025 से अबतक 11 राज्यों में कोरोना से 65 मरीजों की मौत हुई हैं। इनमें से 58 मौतें बीते 10 दिन में हुई हैं। एक हफ्ते से हर दिन औसतन 5-6 की जान जा रही है। हालांकि, रविवार को एक भी मौत नहीं हुई है। स्वास्थ्य विभाग के ऑफिशियल सोर्स के मुताबिक- कोरोना के बढ़ते केसों के बीच केंद्र सरकार तैयारियों की मॉक ड्रिल कर रहा है।

> अमित शाह ने बताईं एनडीए की उपलब्धियां

'यह जनसेवा का स्वर्णिम काल'

जयराम रमेश ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

कांग्रेस ने केंद्र सरकार के 11 साल पूरे होने पर पीएम मोदी की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर सवाल उठाए। कांग्रेस ने पूछा कि पीएम मोदी बिना किसी पूर्व तैयारी के प्रेस कॉन्फ्रेंस क्यों नहीं करते हैं? वह अब भी क्यों भाग रहे हैं या फिर सवाल-जवाब तैयार करने और उनसे चापलूसी भरे तरीके से सवाल पूछने के लिए उपयुक्त व्यक्ति ढूंढने में समय लग रहा है। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी ने प्रधानमंत्री को चुनौती दी है कि वह सरकार के 11 वर्ष पूरे होने पर पहली बार बिना स्क्रिप्ट वाली प्रेस कॉन्फ्रेंस करें।

रमेश ने एक्स पर कहा कि प्रधानमंत्री अभी भी क्यों भाग रहे हैं? या फिर उन्हें प्रश्न और उत्तर तैयार करने तथा उनसे चापलूसी भरे अंदाज में प्रश्न करने के लिए उपयुक्त व्यक्तियों को खोजने में समय लग रहा है? या फिर भारत मंडपम पूरी तरह से तैयार नहीं है? जयराम रमेश ने कहा कि दुनिया भर के नेता समय-समय पर स्वतंत्र प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हैं, लेकिन हमारे यहां 11 वर्षों से कोई प्रेस कॉन्फ्रेंस नहीं हुई है।

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। एनडीए सरकार के 11 साल पूरे होने पर सोमवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उपलब्धियां बताईं। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का 11 साल का कार्यकाल जनसेवा के प्रति संकल्प, प्रयास और समर्पण का स्वर्णिम काल रहा। वहीं कांग्रेस ने सरकार के 11 साल के कार्यकाल और पीएम मोदी को लेकर सवाल उठाए हैं।

भारत आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ा :

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नया भारत सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन की शक्ति के साथ विकास और आत्मनिर्भरता की ओर तेजी से आगे बढ़ रहा है। देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाकर भारत को हर क्षेत्र में नंबर वन बनाने की यात्रा जारी रहेगी। केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार के ऐतिहासिक 11 वर्ष जनसेवा के प्रति संकल्प, प्रयास और समर्पण का स्वर्णिम काल रहे हैं। देश ने आर्थिक पुनरुद्धार, सामाजिक न्याय, सांस्कृतिक गौरव और राष्ट्रीय सुरक्षा का एक नया युग देखा है। अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने साबित कर दिया है कि जब नेतृत्व स्पष्ट हो, संकल्प दृढ़ हो और इरादा जनसेवा का हो तो सेवा, सुरक्षा और सुशासन के नए कीर्तिमान बनते हैं। जब प्रधानमंत्री मोदी ने 2014 में देश की बागडोर संभाली तो देश में नीतिगत निष्क्रियता थी। सरकार में कोई नीति, कोई नेतृत्व नहीं था। घोटाले चरम पर थे, अर्थव्यवस्था खस्ताहाल थी और शासन प्रणाली दिशाहीन थी। गृह मंत्री ने कहा कि सेवा के 11 सालों के दौरान न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन ने देश के विकास की गति और पैमाने को बदल दिया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों, महिलाओं, पिछड़ों, दलितों और हाशिए पर पड़े लोगों को शासन के केंद्र में लाए तथा तुष्टिकरण के बजाय सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास की कार्य संस्कृति बनाई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार के 11 साल राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में भी मील का पत्थर साबित हुए हैं। नक्सलवाद अपने अंतिम चरण में है। जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर में शांति स्थापित हो चुकी है। भारत अब आतंकवादियों के घर में घुसकर आतंकवादी हमलों का जवाब देता है।

सऊदी अरब की यात्रा के लिए भारतीयों पर कोई प्रतिबंध नहीं

विदेश मंत्रालय ने खारिज की अटकलें

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। हज के लिए सऊदी अरब जाने वाले भारतीयों पर प्रतिबंध की अटकलों को विदेश मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विदेश मंत्रालय के सूत्रों ने बताया कि सऊदी अरब की यात्रा के लिए भारतीयों पर कोई प्रतिबंध नहीं लगाया गया है। विदेश मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि सऊदी अरब ने ऐसी कोई अधिसूचना जारी नहीं की है। देश ने पुरानी परंपरा के अनुसार हज के दौरान भीड़भाड़ को रोकने के लिए अल्पकालिक वीजा पर अस्थायी प्रतिबंध लगाया है। जो हज के समापन के साथ ही समाप्त हो जाएंगे। दरअसल पहले मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सऊदी अरब ने भारत समेत कई देशों के लिए ब्लॉक वर्क वीजा को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया है। बताया गया था कि यह फैसला सुरक्षा और प्रशासनिक दृष्टि से लिया गया। ऐसा इसलिए क्योंकि हज अवधि के दौरान तीर्थयात्रियों के प्रबंधन और आव्रजन अनुपालन में दिक्कत होती है। यात्रा प्रतिबंध 30 जून तक लागू रहेगा। हज 2025 के लिए भारत से 1.75 लाख जायरीन जा रहे हैं। इस बार भारत को 1,75,025 तीर्थयात्रियों का कोटा आवंटित किया गया है। इससे पहले 13 जनवरी, 2025 को जेद्दा में भारत के संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू और सऊदी अरब के हज और उमराह मंत्री, महामहिम डॉ. तौफीक बिन फौजान अल-रबिया ने प्रमुख समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

तमिलनाडु सरकार की याचिका पर तुरंत सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

> केंद्र पर शिक्षा फंड रोकने का आरोप

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तमिलनाडु सरकार की केंद्र सरकार के खिलाफ दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई से इनकार कर दिया। तमिलनाडु सरकार का आरोप है कि केंद्र ने समग्र शिक्षा योजना के तहत केंद्रीय शिक्षा फंड के 2,151 करोड़ रुपये रोक रखे हैं। जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा और जस्टिस मनमोहन की पीठ ने कहा कि इस मामले पर तुरंत सुनवाई करने की जरूरत नहीं है और गर्मियों की छुट्टियों के बाद भी इस पर सुनवाई हो सकती है। इससे पहले मई में भी तमिलनाडु सरकार ने इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।राज्य सरकार ने आरोप लगाया है कि केंद्र सरकार जबरन राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने की कोशिश कर रही है, लेकिन राज्य सरकार खासकर पीएम श्री स्कूल योजना और तीन भाषा नीति का कड़ा विरोध कर रही है।

राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से अपील की कि राज्य सरकार को नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति और पीएम श्री स्कूल योजना पर तब तक बाध्य न किया जाए, जब तक तमिलनाडु के भीतर उनके कार्यान्वयन को लेकर औपचारिक समझौता नहीं हो जाता। तमिलनाडु सरकार ने ये भी घोषित करने की मांग की गई है कि नई शिक्षा नीति लागू न करने के लिए समग्र शिक्षा नीति के तहत तमिलनाडु का शिक्षा फंड रोकना असंवैधानिक, अवैध और अनुचित है। याचिका में राज्य सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से केंद्र को दो हजार करोड़ रुपये का भुगतान करने का भी निर्देश देने की भी मांग की। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के दो पत्रकारों को गिरफ्तारी से सुरक्षा दी है। आरोप है कि इन पत्रकारों को भिंड में अवैध रेत खनन की रिपोर्टिंग करने के लिए भिंड पुलिस द्वारा पीटा गया था।

पुलिस के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए पूर्व एसआईबी प्रमुख

> तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में हैं आरोपी

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में विशेष खुफिया ब्यूरो (एसआईबी) के पूर्व प्रमुख टी प्रभाकर राव सोमवार को पुलिस के सामने पूछताछ के लिए पेश हुए। पुलिस ने फोन टैपिंग मामले में उनसे कई सवाल किए। फोन टैपिंग मामले के मुख्य आरोपी प्रभाकर राव ने बीते दिनों खराब स्वास्थ्य का हवाला दिया था। वे अमेरिका में थे। बताया गया कि राव रविवार रात हैदराबाद पहुंचे। 29 मई को सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व एसआईबी प्रमुख को दंडात्मक कार्रवाई से अंतरिम संरक्षण दिया था। साथ ही टी प्रभाकर राव को जांच अधिकारी के समक्ष पेश होने का निर्देश दिया था और कहा कि उनका पासपोर्ट उन्हें उपलब्ध कराया जाए। इससे पहले उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया था और उनका पासपोर्ट रद्द कर दिया गया था।

राव ने दायर की थी याचिका :

तेलंगाना फोन टैपिंग मामले में मुख्य आरोपी राव ने अपनी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इससे पहले 20 मई को हैदराबाद की एक अदालत ने फोन टैपिंग मामले में राव के खिलाफ आदेश जारी किया है। आदेश के मुताबिक अगर राव 20 जून तक अदालत में पेश नहीं होते हैं तो उन्हें भगोड़ा घोषित किया जा सकता है। एसआईबी के निलंबित डीएसपी समेत चार पुलिस अधिकारियों को हैदराबाद पुलिस ने मार्च 2024 में गिरफ्तार किया था। इन पर विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स से खुफिया जानकारी मिटाने और पिछली बीआरएस सरकार के दौरान कथित तौर पर फोन टैपिंग का आरोप है। >14

'हम दिल्ली या महाराष्ट्र नहीं मोदी-शाह से नहीं डरते'

> डीएमके सांसद ए. राजा का बयान

चेन्नई, 9 जून (एजेंसियां)। डीएमके सांसद ए राजा ने भाजपा पर निशाना साधा है और दावा किया है कि भगवा पार्टी कभी भी तमिलनाडु में अपने पैर नहीं जमा पाएगी। ए राजा ने इसकी वजह बताते हुए कहा कि तमिलनाडु के पास भाजपा की विचारधारा का मुकाबला करने के लिए द्रविड़ विचारधारा है। रविवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह तमिलनाडु दौरे पर थे और उन्होंने मदुरै में एक जनसभा को संबोधित करते हुए तमिलनाडु की डीएमके सरकार पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए थे और दावा किया था कि आगामी विधानसभा चुनाव में तमिलनाडु में भाजपा की सरकार बनेगी। सोमवार को चेन्नई में एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए डीएमके सांसद ने अमित शाह के आरोपों को खारिज कर दिया और दावा किया कि गृह मंत्री ने झूठ बोला और डीएमके पर गलत आरोप लगाए। लोकसभा सांसद ने कहा कि अरविंद केजरीवाल सत्ता में कैसे आए... उन्होंने सिर्फ भ्रष्टाचार का विरोध किया, लेकिन उनके पास कोई विचारधारा नहीं थी। हम अमित शाह और मोदी से नहीं डरते क्योंकि ये आम लोग हैं। उनकी विचारधारा हर जगह अतिक्रमण कर रही है और वे जीत रहे हैं, लेकिन वे यहां नहीं जीत सकते क्योंकि हमारे पास उनकी विचारधारा के मुकाबले में हमारी विचारधारा है। ए राजा ने कहा कि जब तक द्रविड़ियन विचारधारा यहां है, तब तक कोई भी तमिलनाडु में अपने पांव नहीं जमा सकता। हम दिल्ली, महाराष्ट्र या हरियाणा नहीं हैं। हम द्रविड़म हैं और भाजपा यहां नहीं आ सकती।

> राहुल का मोदी सरकार पर हमला

वर्तमान की बात बंद कर अब 2047 के सपने दिखा रहा केंद्र

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोमवार को मोदी सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार के 11 सालों में कोई जवाबदेही नहीं रही, सिर्फ प्रचार हुआ है। उन्होंने कहा कि अब केंद्र ने वर्तमान की बात करना बंद कर दिया है और 2047 के सपने दिखा रही है।

कांग्रेस नेता की यह टिप्पणी महाराष्ट्र के ठाणे जिले में चलती लोकल ट्रेन से गिरकर कम से कम चार यात्रियों की मौत के बाद आई है, जिसमें भीड़भाड़ के चलते छह लोग गिरकर घायल भी हो गए। राहुल ने एक्स पर पोस्ट में लिखा, जब मोदी सरकार अपने 11 साल के 'सेवा काल' का जश्न मना रही है, तब देश की सच्चाई मुंबई से आ रही एक दुखद खबर में दिख रही है- कई लोग ट्रेन से गिरकर मर गए।

भारतीय रेल असुरक्षा-अराजकता का प्रतीक बनी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि भारतीय रेल करोड़ों लोगों के जीवन की रीढ़ है, लेकिन आज यह असुरक्षा, भीड़भाड़ और अराजकता का प्रतीक बन गई है। उन्होंने लिखा, मोदी सरकार के 11 साल- ना कोई जवाबदेही, ना कोई सुधार, सिर्फ प्रचार। सरकार ने 2025 की बात करना बंद कर दिया है और अब 2047 के सपने बेच रही है। कांग्रेस नेता ने आगे कहा कि आज देश जिन मुश्किल हालातों से गुजर रहा है, उनकी जिम्मेदारी कौन लेगा? राहुल गांधी ने हादसे में जान गंवाने वाले मृतकों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि यह हादसा दिवा और कोपर रेलवे स्टेशनों के बीच हुआ। उन्होंने बताया कि ट्रेन कसारा की ओर जा रही थी। हालांकि, रेलवे अधिकारियों ने मृतकों की संख्या की पुष्टि नहीं की। उन्होंने कहा कि यह हादसा संभवत: दो भीड़भाड़ वाली ट्रेनों के फुटबोर्ड से लटके यात्रियों और उनके बैग के एक-दूसरे से टकराने के कारण हुआ।

राहुल ने पूछा-ईसी हरियाणा-महाराष्ट्र चुनाव डेटा कब शेयर करेगा

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोमवार को हरियाणा और महाराष्ट्र में 2009 से 2024 के दौरान हुए चुनावों का डेटा शेयर करने के चुनाव आयोग के फैसले की सराहना की। राहुल ने पूछा कि क्या चुनाव आयोग डिजिटल फॉर्मेट में डेटा सौंपने की तारीख बता सकता है।

राहुल ने यह सवाल एक्स पर एक पोस्ट के जरिए पूछा। उन्होंने 7 जून को पब्लिश एक मीडिया रिपोर्ट का स्क्रीनशॉट भी शेयर किया, जिसमें दावा किया गया है कि चुनाव आयोग ने 2025 की शुरूआत में दिल्ली हाईकोर्ट को 2009 से 2024 तक हरियाणा और महाराष्ट्र के वोटर्स लिस्ट का डेटा शेयर करने का आश्वासन दिया था। >14

सिंगापुर के कार्गो शिप में आग लगी

22 क्रू मेंबर्स में से 5 घायल, 4 लापता इंडियन कोस्ट गार्ड के 6 शिप रेस्क्यू में जुटे

कोच्चि, 9 जून (एजेंसियां)। केरल के कोच्चि में सिंगापुर के कार्गो शिप एमवी डब्ल्यूएएन एचएआई 503 में सोमवार सुबह आग लग गई। कार्गो श्रीलंका के कोलंबो पोर्ट से 7 जून को रवाना हुआ था। इसे 10 जून को नवी मुंबई के जवाहरलाल नेहरू पोर्ट (न्हावा शेवा पोर्ट) पहुंचना था।

इंडियन कोस्ट गार्ड के मुताबिक घटना के दौरान कार्गो पर 18 क्रू मेंबर्स सवार थे। इनमें से 4 मेंबर्स लापता बताए जा रहे हैं, 5 घायल हैं। न्यू मंगलौर के पास इंडियन कोस्ट गार्ड के शिप- राजदूत, अर्नवेश, सचेत, समुद्र प्रहरी, राजदूत और सी-144 रेस्क्यू में जुटे हैं। इंडियन नेवी का आईएनएस सूरत भी ऑपरेशन में शामिल है। कोच्चि के नेवी एयर स्टेशन आईएनएस गरुड़ से नेवी डोर्नियर प्लेन की मदद की लेने की तैयारी की जा रही है। डिफेंस के अधिकारियों के मुताबिक, सोमवार सुबह 10.30 मुंबई मैरीटाइम ऑपरेशन सेंटर ने कोच्चि के मैरीटाइम अधिकारियों के कार्गो में आग लगने की जानकारी दी थी। पहले धमाके की बात कही गई थी, लेकिन ऐसा नहीं है। कार्गो के अंडर डेक में आग लगी है। वह अभी भी समुद्र में बह रहा है।

केरल में ही लाइबेरिया का कार्गो शिप डूबा था :

केरल में कोच्चि तट पर लाइबेरिया का कार्गो शिप एमएससी एल्सा 3 डूबा था। इंडियन कोस्ट गार्ड (आईसीजी) और नेवी ने सभी 24 क्रू मेंबर्स का रेस्क्यू किया था। शिप पर लदे 640 कंटेनर्स में कैल्शियम कार्बाइड, डीजल, फर्नेस ऑयल समेत कुछ खतरनाक केमिकल्स भरे थे। >14

बांग्लादेश हिंसा में शामिल व्यक्ति बंगाल का मतदाता निकला

> ममता सरकार पर लगे गंभीर आरोप

कोलकाता, 9 जून (एजेंसियां)। बीते साल अगस्त में शेख हसीना सरकार के खिलाफ भड़की हिंसा में शामिल एक व्यक्ति पश्चिम बंगाल में मतदाता पाया गया है। इसके बाद इस पर राजनीतिक विवाद शुरू हो गया है और भाजपा ने ममता बनर्जी सरकार पर राज्य की मतदाता सूची में घुसपैठियों को शामिल करने का गंभीर आरोप लगाया है। बांग्लादेशी हिंसा में शामिल व्यक्ति की पहचान न्यूतन दास के रूप में हुई है, जिसने 2024 में ढाका में हुए छात्र विरोध प्रदर्शन में शिरकत की थी। अब वह बंगाल के काकद्वीप में मतदाता पाया गया है। बांग्लादेश में हुए विरोध प्रदर्शनों ने शेख हसीना सरकार को सत्ता से अपदस्थ करने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं विवाद के बाद न्यूतन दास ने दावा किया कि उसके पास भारतीय नागरिकता है और उसने पैन कार्ड और आधार कार्ड भी होने का दावा किया। दास ने दावा किया कि वह 2024 में वह बांग्लादेश गया था और किन्हीं कारणों से बांग्लादेश में फंस गया। बांग्लादेश में उसकी पैतृक संपत्ति है। दास ने बताया कि वह साल 2014 से काकद्वीप में मतदाता है और साल 2016 के विधानसभा चुनाव में उसने मतदान भी किया था। वहीं न्यूतन दास के चचेरे भाई ने बताया है कि न्यूतन का जन्म बांग्लादेश में हुआ था और वह दोनों देशों में वोट करता है। वह कोरोना महामारी के दौरान अपनी कुछ पैतृक संपत्ति बेचने भारत आया था, लेकिन उसके बाद से यहीं रह गया। उसे दोनों देशों में मतदाता बनने के लिए जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए। यह सही नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि एक व्यक्ति जो बांग्लादेश में छात्र आंदोलन के दौरान लाठी उठाए दिख रहा है, वह अब काकद्वीप में बतौर मतदाता पंजीकृत है। टीएमसी और बंगाल की सीएम ममता बनर्जी अवैध घुसपैठ के नेटवर्क को बढ़ावा दे रही हैं। नेता विपक्ष सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि बंगाल में लाखों बांग्लादेशी मतदाता पंजीकृत हैं।

मैतई नेता की गिरफ्तारी के विरोध में हिंसा जारी

निषेधाज्ञा के बावजूद रात भर हुए विरोध प्रदर्शन

इंफाल, 9 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में मैतेई नेता और चार अन्य की गिरफ्तारी के विरोध में जारी प्रदर्शन जारी हैं। रविवार रात को प्रदर्शनकारियों ने निषेधाज्ञा का उल्लंघन करते हुए रात भर मशाल जुलूस निकाला। सरकारी इमारत को जला दिया गया और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा बलों के साथ झड़प हुई। हिंसा के चलते मणिपुर के कई जिलों में इंटरनेट सेवाएं बंद कर दी गई हैं।

पुलिस ने बताया कि इंफाल पश्चिम जिले के क्वाकेथेल और सिंगजामेई इलाकों में प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों की झड़प हुई। पुलिस ने कई राउंड आंसू गैस के गोले छोड़कर और रबर की गोलियां चलाकर भीड़ को तितर-बितर किया। इंफाल पूर्वी जिले में सब डिविजनल कलेक्टर के कार्यालय को प्रदर्शनकारियों ने आग लगा दी, जिससे कार्यालय की इमारत को नुकसान पहुंचा है। साथ ही कार्यालय में रखे आधिकारिक दस्तावेज नष्ट हो गए हैं। पुलिस ने इस घटना की जांच शुरू कर दी है और ये पता लगाया जा रहा है कि इस आगजनी की घटना के पीछे कौन है।

हालात को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। इंफाल पूर्वी जिले के सेकमाई और कोइरेनगाई इलाकों में प्रदर्शनकारियों ने सड़कों को बाधित कर दिया ताकि सुरक्षाबल मूवमेंट न कर सकें। सड़कों पर टायर जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया। वांगखेई, यैरीपोक और खुराई इलाकों में भी सुरक्षाकर्मियों और प्रदर्शनकारियों को बीच झड़प हुई। कई जगहों पर महिलाओं ने भी प्रदर्शन किया। उल्लेखनीय है कि शनिवार को मणिपुर पुलिस ने अरमबाई टेंगोल संगठन के एक सदस्य को इंफाल एयरपोर्ट से गिरफ्तार किया था।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद डीजीएमओ लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई की पदोन्नति

बने उप सेना प्रमुख (रणनीति)

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। 'ऑपरेशन सिंदूर' में सफल भूमिका निभाने वाले भारतीय सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन (डीजीएमओ) लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को पदोन्नति दी गई है। सोमवार को उनकी पदोन्नति की जानकारी सामने आई।

लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई को अब भारतीय सेना का उप सेना प्रमुख नियुक्त किया गया है। बतौर उप सेना प्रमुख वह रणनीति मामलों को देखेंगे। उप सेना प्रमुख बनने के बावजूद लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई पूर्व की भांति फिलहाल डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशन यानी डीजीएमओ का कार्यभार भी संभालते रहेंगे। लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के पद पर पदोन्नत किए गए हैं।

दरअसल, भारतीय सेना में यह एक महत्वपूर्ण पद है। सेना के सभी ऑपरेशनल कार्यक्षेत्र, उप सेना प्रमुख (रणनीति) के कार्यालय को रिपोर्ट करते हैं। वहीं, भारत-पाकिस्तान के बीच सैन्य स्तर पर होने वाली बातचीत का नेतृत्व डीजीएमओ द्वारा किया जाता है। 22 अप्रैल को जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया था। ऑपरेशन सिंदूर के अंतर्गत पाकिस्तान में और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर में स्थित विभिन्न आतंकवादी ठिकानों पर भारतीय सेना ने हमला किया था, जिसमें सौ से अधिक आतंकवादी मारे गए। पाकिस्तानी सेना ने इसके जवाब में भारतीय सैन्य और नागरिक ठिकानों पर हमले किए, जिसका मुंह तोड़ जवाब भारतीय सेना ने दिया। भारतीय सेना ने पाकिस्तान के कई एयरबेस व एयर डिफेंस सिस्टम नष्ट कर दिए। इसके बाद पाकिस्तान ने युद्ध विराम की मांग की।

पाकिस्तानी सेना के डायरेक्टर जनरल ऑफ मिलिट्री ऑपरेशंस ने भारतीय डीजीएमओ से संपर्क किया। दोनों के बीच यह वार्ता हॉटलाइन पर हुई थी। बीते महीने हुई इस वार्ता में पाकिस्तान ने कहा था कि वह सीमा पार से एक भी गोली नहीं चलाएगा।

'भ्रष्टाचार दूर करके तैयार किया विकसित भारत का आधार'

> जेपी नड्डा ने पेश किया एनडीए का रिपोर्ट कार्ड

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एनडीए सरकार के 11 साल आज पूरे हो रहे हैं। इसे लेकर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एनडीए का 11 साल का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले की सरकार भ्रष्टाचार और नकारात्मकता से भरी हुई थी। हम विकसित भारत की बात करते हैं। हमने इसे दूर करके 11 वर्षों में विकसित भारत का आधार तैयार किया।

एनडीए पारदर्शी और भविष्यदर्शी सरकार है। लोग गर्व से कहते हैं कि मोदी है तो मुमकिन है। पिछले 11 वर्षों में हम सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास के मंत्र के साथ आगे बढ़े हैं।
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश में 11 साल पहले तुष्टिकरण और समाज को खंडित करके अपनी कुर्सी को सुरक्षित रखना राजनीतिक संस्कृति का तरीका बन गया था। 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व वाली जिम्मेदार व जवाबदेह सरकार आई। जिसने रिपोर्ट कार्ड की राजनीति शुरू की।

हम जो काम कर रहे हैं, उसे जनता के सामने रखें। केंद्र सरकार ने भारत की राजनीति की संस्कृति को बदला है। यह बात स्वर्ण अक्षरों में लिखी जानी चाहिए कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 11 वर्षों में उल्लेखनीय परिवर्तन हुए हैं।
उन्होंने कहा कि मोदी सरकार जनता के नेतृत्व वाली सरकार है। यह अमृत काल है। पिछले 11 सालों ने वास्तव में विकसित और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखी है। देश मान चुका था कि ये संभव नहीं है, लेकिन मोदी सरकार ने जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को हटाया। लोकसभा में टर्नआउट 58.46 प्रतिशत रहा, जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव में टर्नआउट 63 प्रतिशत रहा। ये बदलाव मोदी सरकार के कड़े निर्णय की वजह से आया है। जेपी नड्डा ने कहा कि पिछले दशक में हमने एससी-एसटी-ओबीसी समेत समाज के सभी वर्गों की चिंता की है। उसी तरीके से हमने महिला नेतृत्व विकास को आगे बढ़ाया है। महिलाओं को पायलट बनाने से लेकर आर्मी में कमीशन देने तक, सैनिक स्कूलों में दाखिले से लेकर एनडीए में भर्ती तक, लखपति दीदी से लेकर स्वयं सहायता समूह को प्रमोट करने तक। मोदी सरकार में महिलाओं और एससी-एसटी और ओबीसी सभी को मुख्यधारा से जोड़ा गया है।
उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने लगातार राष्ट्रहित में साहसिक और ऐतिहासिक फैसले लिए हैं। हमने अनुच्छेद 370 को हटाया और तीन तलाक को खत्म किया। हमने नया वक्फ अधिनियम बनाया और नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) पारित किया। हमने विधायी निकायों में महिलाओं के लिए 33% आरक्षण भी सुनिश्चित किया। हमने गरीब कल्याण करके दिखाया है। देश में 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं।
जेपी नड्डा ने कहा कि नोटबंदी के समय कैसे हमारे राजनीतिक दल लाभ उठाने के लिए जनता को उकसा रहे थे। लेकिन भारत का आम व्यक्ति बैंक के सामने घंटों खड़ा रहा और मोदी सरकार के नोटबंदी के फैसले का समर्थन किया। जब नेतृत्व पर भरोसा होता है, तो जनता समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि यह वही देश है, जहां पहले शिक्षा मंत्री भी एक साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस करने के लिए संघर्ष करते थे।

लेकिन आज हम सामूहिक रूप से राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) पर सहमत हुए हैं। हमने बिना किसी भ्रम या अराजकता के एक नई राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति को सुचारू रूप से पेश किया।

ठाणे में ट्रेन से गिरकर 4 यात्रियों की मौत

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। ठाणे के मुंब्रा रेलवे स्टेशन पर आज सुबह लोकल ट्रेन से 9 यात्री नीचे गिर गए। इनमें 8 पुरुष, 1 महिला शामिल हैं।

इनमें से 4 की मौत होने की खबर है। 5 घायल बताए जा रहे हैं। ये सभी ट्रेन के गेट पर बैठे थे। घटना सुबह 9:30 बजे कसारा-सीएसएमटी लोकल ट्रेन की है। सुबह ऑफिस जाने के समय भीड़ ज्यादा होने से यह हादसा हुआ।

घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया है। रेलवे प्रशासन और पुलिस घटना स्थल पर पहुंच चुकी है। हादसे की जांच शुरू हो गई है। मामले के चलते लोकल ट्रेनों की सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं।

मोदी सरकार हर क्षेत्र में रच रही इतिहास : पीयूष गोयल

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 वर्षों से भारत के सबसे परिवर्तनकारी समय में से एक का नेतृत्व कर रहे हैं और उनके प्रयासों के कारण आज देश अर्थव्यवस्था से लेकर टेक्नोलॉजी तक और समाज से लेकर समावेशी विकास तक हर क्षेत्र में नया इतिहास बना रहा है।
केंद्रीय मंत्री ने कहा कि 11 साल पहले जहां देश हर तरह से पिछड़ रहा था, वहीं मोदी सरकार के दौरान भारत विकास की ऊंचाइयों को छू रहा है और उनकी सरकार की नीतियों में आए दूरगामी बदलावों से समाज का कोई भी वर्ग अछूता नहीं रह गया है। उन्होंने कहा, यह कालखंड गरीबों, युवाओं, किसानों और महिला सशक्तिकरण की दिशा में सेवा के माध्यम से सुशासन का प्रतीक साबित हुआ है। सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास, यह सिर्फ मंत्र नहीं बल्कि नए भारत की ताकत है। भारत के दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में उभरने पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत तेजी से विकास, व्यापक बदलाव और जन भागीदारी के साथ दुनिया का नेतृत्व करते हुए विकसित बनने की राह पर लगातार आगे बढ़ रहा है।
आईएमएफ ने पिछले महीने अपनी वर्ल्ड इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा था कि भारत 2025 में दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। इस दौरान देश की जीडीपी बढ़कर 4,187.017 अरब डॉलर हो जाएगी। वहीं, जापान की जीडीपी का आकार 4,186.431 अरब डॉलर रहने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है और अगले दो वर्षों में 6 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज करने वाला एकमात्र देश है। उच्च विकास दर के कारण भारत की जीडीपी 2028 में 5,584.476 बिलियन डॉलर हो जाएगी, और देश जर्मनी को पीछे छोड़कर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगी।

दिल्ली एयरपोर्ट पर अमृतसर के तीन युवक गिरफ्तार

अमृतसर, 9 जून (एजेंसियां)। पंजाब के तीन युवक स्पेन जाने की कोशिश में पकड़े गए। ये घटना 29 मई की है, जब ये लोग दिल्ली एयरपोर्ट पर मैड्रिड की फ्लाइट पकड़ने पहुंचे। लेकिन एयरलाइन स्टाफ को शक हुआ और जांच में इनके पास फर्जी शेंगन वीजा निकला। तीनों युवक अमृतसर के अजनाला इलाके के रहने वाले हैं और पंजाब के एनआरआई मंत्री कुलदीप धालीवाल के हलके से हैं। इनमें हरजीत सिंह (44), भगवंत सिंह (25) और गुरचरण सिंह (28) शामिल हैं। इनसे कहा गया था कि उन्हें स्पेन भेजा जाएगा। इसके बदले उन्हें नकली वीजा और हवाई टिकट दिए गए थे। दिल्ली पुलिस की जांच में सामने आया कि इस काम में एजेंट कमलदीप शामिल था।

हरियाणा में ब्रेक वायर से घोंटा बेटा-बेटी का गला

हत्यारा बाप एक महीने से कर रहा था प्लानिंग, धमकी से डरकर दादा-दादी ने घर छोड़ा

भिवानी, 9 जून (एजेंसियां)। हरियाणा में भिवानी के धनाना गांव में हुए बेटे और बेटी की हत्या के मामले में खुलासा हुआ है। 8 मई को पत्नी सरोज की मौत के बाद सुभाष ने बच्चों की हत्या और खुद को मारने की योजना बनानी शुरू कर दी थी। वह एक-एक, दो-दो करके नींद की गोलियां इकट्ठी कर रहा था। उसने जहर की गोलियां भी खरीद ली थीं। इसके लिए उसने पत्नी की मौत वाली तारीख ही चुनी। 8 जून को उसने सुबह दोनों बच्चों को मैंगो शेक में नींद की गोलियां दीं। बच्चे तुरंत बेसुध नहीं हुए। इसके बाद वह साइकिल उठाकर पंचर की दुकान पर चला गया। वहां से लौटते वक्त वह ब्रेक की तार उठा लाया। घर आया तो बेटी आरुषि सो चुकी थी, जबकि बेटा बसंत जागता मिला। इस पर उसने बेटे को सोने के लिए कहा। पिता के कहने पर बेटा भी सो गया। इसके बाद सुभाष ने ब्रेक वाले तार से पहले उनके गले घोंट दिए। तार खुल न जाए या दोनों बच्चे जिंदा न बच जाएं, इसके लिए चाबी और पाना तार में कस कर बांध दिया। फिर खुद भी जहर की गोलियां खा लीं। सुभाष की हालत भी गंभीर है। उसका रोहतक पीजीआई में इलाज चल रहा है। वह इस पूरी वारदात के लिए अपनी मां मेवा देवी और पिता आजाद सिंह को ही जिम्मेदार बता रहा है। हालांकि, मेवा देवी ने पोते-पोती की हत्या करने को लेकर सुभाष के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उनका कहना है कि बेटे की धमकी से डरकर वे रिश्तेदारों के रहने लगे थे।

बजरंग दल नेता मर्डर केस की जांच एनआईए करेगी

कर्नाटक के मंगलुरु में तलवारों से हमला किया था मामले में अब तक 16 गिरफ्तार

बेंगलुरु, 9 जून (एजेंसियां)। कर्नाटक में बजरंग दल नेता और 2022 के फाजिल हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुहास शेट्टी की हत्या मामले की जांच अब नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) करेगी। केंद्रीय गृह मंत्रालय के मुताबिक, हत्या के आरोपियों के तार प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस हत्या का उद्देश्य लोगों में डर और आतंक फैलाना था। एनआईए जल्द केस दर्ज कर जांच शुरू करेगी। मंगलुरु में 1 मई को सुहास शेट्टी की हत्या कर दी गई थी। इसके बाद से ही इलाके में तनाव फैल गया था। पुलिस ने इस मामले में अभी तक 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें अब्दुल सफवान, नियाज, मोहम्मद मुजम्मिल, खालंदर शफी, आदिल मेहरूफ, नागराज, रंजीत और रिजवान शामिल हैं। पुलिस ने अब तक इस केस में 16 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें 59 वर्षीय अब्दुल रजाक भी शामिल है, जो मुख्य आरोपी मोहम्मद मुजम्मिल का पिता और दूसरे आरोपी नौसाद वमनजूर उर्फ छोटे नौसाद का ससुर है। पुलिस के अनुसार, रजाक ने हत्या की साजिश में भाग लिया और आरोपियों को छिपाने में मदद की।

नाबालिग लड़की की हत्या के आरोप में सात गिरफ्तार सूटकेस में मिला था शव

बंगलूरू, 9 जून (एजेंसियां)। बंगलूरू के बाहरी इलाके में एक 17 साल की नाबालिग लड़की का शव सूटकेस से बरामद हुआ था। अब उस मामले में बंगलूरू पुलिस ने सोमवार को सात लोगों को गिरफ्तार किया है।
साथ ही बिहार के एक नाबालिग लड़के को भी हिरासत में लिया गया है। बीती 21 मई को नाबालिग की गला दबाकर हत्या की गई और फिर उसके शव को सूटकेस में भरकर चंदापुरा इलाके में रेलवे ट्रैक के पास फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि मृतका बिहार की निवासी थी और 18 मई को ही बंगलूरू आई थी। नाबालिग लड़की, आशिक कुमार नामक व्यक्ति के प्यार में पड़कर बंगलूरू पहुंची थी, जो पहले से ही शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं।

'उत्तर-पूर्व को यूं ही बदनाम मत किया करो'

नॉर्थ-ईस्ट को लेकर छिड़ी नई बहस, मंत्री बोले-सच्चाई सबके सामने आ गई

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। मेघालय में मृत पाए गए इंदौर के राजा रघुवंशी की 'लापता' पत्नी को गिरफ्तार किया गया है। सोनम को उत्तर प्रदेश पुलिस ने गाजीपुर के एक ढाबे से अरेस्ट किया। इस मामले पर अब पूर्वोत्तर को लेकर भी बहस छिड़ गई है। मेघालय के मंत्री ने कहा कि हमें उन सभी के खिलाफ मानहानि का मुकदम दायर करना चाहिए जो मेघालय और उसके लोगों की छवि खराब कर रहे हैं। न्यूज एजेंसी से बातचीत में मेघालय के मंत्री अलेक्जेंडर लालू हेक ने कहा, 'सच्चाई सब के सामने आ गई है।

इन दिनों राजा रघुवंशी के परिवार और दोस्तों ने मेघालय पुलिस और मेघालय सरकार को दोषी ठहराया और बेहद शर्मनाक बात यह है कि वे मेघालय के लोगों को दोषी ठहरा रहे थे। हमारी पुलिस ने शानदार काम किया है और 7 दिनों के अंदर अपराधी को पकड़ लिया है। हमें उन सभी के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करना चाहिए जो मेघालय और उसके लोगों की छवि खराब कर रहे हैं।'

उत्तर पूर्व को बदनाम मत किया करो – तेमजेन इम्ना अलॉन्ग

वहीं नागालैंड के कैबिनेट मंत्री तेमजेन इम्ना अलॉन्ग ने भी पूर्वोत्तर को बदनाम करने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर लिखा, 'आसान भाषा में, बीवी ने रची चाल, और चर्चा का केंद्र बना पूर्वोत्तर। उत्तर-पूर्व को यूं ही बदनाम मत किया करो।' मेघायल के मुख्यमंत्री कोनराड संगमा ने पोस्ट कर लिखा, 'राजा हत्याकांड में 7 दिनों के भीतर मेघालय पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। मध्य प्रदेश के रहने वाले 3 हमलावरों को गिरफ्तार कर लिया गया है, महिला ने आत्मसमर्पण कर दिया है और 1 अन्य हमलावर को पकड़ने के लिए अभियान अभी भी जारी है। बहुत बढ़िया मेघालय पुलिस।'

महाराष्ट्र की सियासत में उठापटक की सुगबुगाहट

> राज-उद्धव के बाद पवार परिवार के साथ आने की अटकलें

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की सियासत में बड़ी उठापटक की सुगबुगाहट तेज हो गई है। मनसे और शिवसेना (यूबीटी) के बीच संभावित गठबंधनों की अटकलों के बीच अब पवार परिवार के साथ आने की चर्चा तेज हो चली है। बताया जा रहा है कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुट (शरद और अजित) पार्टी के 26वें स्थापना वर्ष का कार्यक्रम मनाने की तैयारी में जुटे हैं। इस बीच सामने आ रहा है कि दोनों पक्षों कार्यक्रम के दौरान विलय कर सकते हैं।
हाल ही में राज ठाकरे ने पिछले महीने फिल्म निर्माता महेश मांजरेकर के साथ एक इंटरव्यू में संकेत दिए थे कि मराठी मानुस के लिए वे शिवसेना यूबीटी से हाथ मिला सकते हैं। इसके कुछ घंटों बाद ही उद्धव ठाकरे ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी थी। इसके बाद ही दोनों पार्टियों में गठबंधन की चर्चा शुरू हो गई थी। इसके बाद महाराष्ट्र के एक और बड़े सियासी परिवार के बीच गठबंधन की चर्चा शुरू हो गई। बताया जा रहा है कि शरद पवार और अजित पवार साथ आ सकते हैं।

सुप्रिया सुले को लेना है अंतिम फैसला

हाल ही में एनसीपी (अजित पवार) के एक वरिष्ठ एमएलसी और करीबी सहयोगी अमोल मिटकरी ने कहा था कि अजित पवार और सुप्रिया सुले आषाढ़ी एकादशी (6 जुलाई) से पहले एक साथ आ जाएंगे। यह पहली बार नहीं था। इससे पहले पार्टी के प्रमुख शरद पवार ने कहा था कि पार्टी में दो विचार है। एक यह है कि हम अजित के साथ फिर से जुड़ जाएं, जबकि दूसरा कहता है कि हमें भाजपा के साथ नहीं जाना चाहिए। इस पर अंतिम फैसला मेरी बेटी सुप्रिया सुले को लेना है।

अजित और सुप्रिया भी दे चुके हैं संकेत

शरद पवार के साथ ही सुप्रिया सुले और अजित पवार भी गठबंधन के संकेत दे चुके हैं। हाल ही में सुप्रिया सुले ने कहा था कि एनसीपी का गठन शरद पवार ने किया था। इस पार्टी में बहुत से लोगों ने भारी योगदान दिया है - यहां तक कि उन लोगों ने भी जो आज किसी दूसरी पार्टी में हैं। जबकि अजित पवार गुट ने कहा था कि अगर दूसरे पक्ष से कोई प्रस्ताव मिलता तो विचार करेंगे। हालांकि दोनों गुटों ने कहा कि वे 10 जून को अलग-अलग स्थापना दिवस समारोह करेंगे। दोनों गुटों के कार्यक्रम पुणे में होंगे। शरद पवार सुबह के कार्यक्रम में विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों को संबोधित करेंगे, जबकि अजित पवार उसी शाम पुणे में अपने गुट के स्थापना दिवस कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे।

बेंगलुरु में इंजीनियर ने प्रेमिका को 17 बार चाकू मारा

2 बच्चों की मां की मौत; दूसरी घटना-पत्नी का कटा सिर लेकर थाने पहुंचा पति

बेंगलुरु, 9 जून (एजेंसियां)। बेंगलुरु बेंगलुरु से हत्या की दो घटनाएं सामने आई हैं। टेक इंजीनियर यशस (25 साल) ने अपनी प्रेमिका हरिनी (33 साल) की चाकू मारकर हत्या कर दी। घटना 6-7 जून की रात पूर्णा प्रजना लेआउट के ओयो होटल के कमरे में हुई। दोनों एक-दूसरे को एक महीने से जानते थे। सीडीपी साउथ लोकेश बी जगलासर ने बताया कि महिला आरोपी से रिश्ता खत्म करना चाहती थी और दूरी बना रही थी। इसी बात से गुस्साए आरोपी यशस ने उसपर चाकू से 17 बार हमला किया। इससे उसकी मौत हो गई। मृतक हरिनी के 2 बच्चे भी थे। आरोपी को गिरफ्तार कर पुलिस जांच कर रही है। वहीं, बेंगलुरु के अनेकल इलाके से हत्या का एक दूसरा मामला सामने आया है। यहां 28 साल के शंकर ने अपनी पत्नी मानसा (26 साल) का सर काटकर हत्या कर दी। इसके बाद थाना जाकर सरेंडर कर दिया। पुलिस के मुताबिक, शंकर को पत्नी के अवैध संबंधों के बारे में पता चल गया था। पुलिस ने अनेकल की घटना के बारे में बताया कि शंकर और मानसा कुछ समय पहले से हीललिगे गांव में किराए के मकान में रह रहे थे। 3 जून की रात को शंकर काम पर चला गया और मानसा को बताया कि वह अगली सुबह वापस आएगा।

खबरे जरा हटके

खड़े पहाड़ पर चढ़ रहे थे लोग, फिर भरभराकर गिरीं सीढ़ियां, लोग भी निकले सयाने, समझ लिया खेल!

सोशल मीडिया पर अगर कोई रील वायरल करनी हो तो क्या किसी दुर्घटना का वीडियो वायरल हो सकता है. जी हां हाल ही में अगर ऐसी कोई घटना हुई हो, और लोग उस समय उस दुर्घटना के बारे में जानने को उत्सुक हों तो शायद उसका वीडियो वायरल हो जाए. पर लोग किसी दूसरे देश के वीडियो को एडिट कर उसे वायरल करने की कोशिश करते हैं. इस काम में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस उनकी खूब मदद कर सकता है. अजीब बात ये है कि ये कई बार वायरल भी हो जाते हैं. एक वीडियो में ऐसा ही कुछ हो रहा है. लोगों ने कमेंट सेक्शन में इसके फेक होने का अंदाजा भी लगा लिया. फिर भी अजीब बात ये है कि ये वीडियो वायरल हो गया है.
वायरल वीडियो में, हिंदी फिल्मों की तरह इमोशन का फॉर्मूला सदाबहार है. जिस तरह से दशकों से हिंदी सिनेमा में इमोशनल कार्ड पर फिल्में बना कर उन्हें हिट करवाने की कोशिश की जाती हैं, वह एक मिसाल है. दिलचस्प बात ये है कि उनमें से कई सफल भी रहती हैं. उन्हीं की सफलता को देख लोग कई बार मसाला फिल्म बना देते हैं और फिर उनके हिट होने पर हैरानी जताई जाती है. ऐसा ही कुछ इस वीडियो के साथ ही हो गया लगता है. इसमें हुआ हादसा नकली है और यह पहचानने में देर नहीं लगती है. हादसे के वीडियो को बनाना आसान काम नही हैं. वीडियो में बहुत छेड़छाड़ करनी होती है और आम तौर पर सामान्य वीडियो एडिटिंग से यह संभव नहीं होता है. इसके लिए अब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक वरदान की तरह आया है और इसके लिए किसी तरह के प्रशिक्षण की जरूरत भी नहीं होती. इसीलिए इस भीड़ वाले वीडियो को भी हादसे में बदलने की कलाकारी कर दी गई है.

'मां को घूमने दो', बोतल में बंद करके समुद्र में बहा दी अस्थियां, लेकिन 12 घंटे बाद जो हुआ-परिवार भी हैरान

सोचिए अगर आपकी मां का एक अधूरा सपना हो, और आप उसे पूरा करने की ठान लें- तो क्या करेंगे आप? यूके की 24 साल की कारा मेलिया ने कुछ ऐसा ही किया, जो अब पूरी दुनिया में इंसानियत की सबसे प्यारी मिसाल बन चुका है. उनकी मां वेंडी चैडविक की जिंदगी एक लंबी कुर्बानी थी. पांच बच्चों की अकेली मां थीं और जिंदगीभर अपने बच्चों को पालने में लगी रहीं. इस वजह से वो कभी विदेश घूमने का सपना पूरा नहीं कर पाईं. उनकी मौत के बाद कारा ने तय किया कि अब मां को वो सफर मिलेगा, जिसकी उन्हें हमेशा ख्वाहिश थी. कारा ने मां की कुछ राख को एक कांच की बोतल में रखा. साथ ही एक प्यारी और भावुक चिट्ठी भी डाली, जिसमें लिखा था – "ये मेरी मां हैं. इन्हें वापस समंदर में डाल दो, ये अब दुनिया घूम रही हैं." फिर वो बोतल समंदर में स्केगनेस के बीच पर छोड़ दी गई. कारा की उम्मीद थी कि समंदर की लहरें उनकी मां की राख को दूर-दराज देशों तक ले जाएंगी. शायद किसी खूबसूरत देश के किनारे पहुंच जाए – बारबाडोस या स्पेन जैसे किसी टूरिस्ट स्पॉट पर. यही उनका सपना था.

मां की राख लौटी उसी बीच पर

पर कहानी में ट्विस्ट तब आया जब सिर्फ 12 घंटे बाद वही बोतल उसी बीच पर वापस आ गई, जहां से उसे छोड़ा गया था. पास ही बटलिंस नाम की जगह पर एक व्यक्ति ने बोतल को देखा और जब उन्होंने चिट्ठी पढ़ी, तो वो भी भावुक हो गए. उन्होंने तुरंत बोतल को फिर से समंदर में डाल दिया और सोशल मीडिया पर लिखा – "आज हमें ये प्यारी महिला मिलीं. जैसा कहा गया था, हमने उन्हें दोबारा समंदर में भेज दिया. शुभ यात्रा, कारा की मां." बीबीसी से बात करते हुए कारा ने कहा, "मां कभी दुनिया घूम नहीं पाईं क्योंकि ज़िम्मेदारियां हमेशा उनके आगे खड़ी रहीं. अब वो बोतल कहीं बहुत दूर जाकर किसी नई जगह पहुंचे, बस यही मेरा सपना है." बोतल में राख डालने का आइडिया उनके कज़िन और बेस्ट फ्रेंड ने दिया था, और ये आइडिया अब एक ऐसा संदेश बन चुका है, जो लोगों को रिश्तों की अहमियत समझा रहा है.

सड़क पर बाइक चलाते समय लोगों ने पहना अजीब हेलमेट सिर को ठंडक देने के लिए बना दिया उसे मछलीघर!

बाइक चलाते समय हेलमेट पहनना बहुत जरूरी होता है. ऐसा चालान से बचने के लिए नहीं बल्कि गलती से एक्सीडेंट होने पर हेलमेट इंसान को मौत से बचा सकता है. लेकिन बहुत से लोग इस बात को नहीं समझते हैं. वहीं कई लोग हेलमेट को नियमित रूप से पहनते हैं और दूसरों के बीच इसका प्रचार भी करते हैं. पर क्या आपने किसी को अजीब से हेलमेट लगाए हुए देखा है.सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ लोग ऐसा हेलमेट लगाए हैं जिनमें पूरा का पूरा एक छोटा सा फिश एक्वेरियम ही है. जी हां, इस हेलमेंट के अंदर पानी भरा है जिसमें जिंदा मछलियां तैर रही हैं.
आमतौर पर हेलमेट को अजीब बनाने में आप उम्मीद करेंगे कि उसकी डिजाइन कुछ अलग ही तरह की होगी. हेटमेट के सिर के ऊपर वाले हिस्से में इंसान के लंबे बाल लगाने की भी कोशिश हो चुकी है. पर यह प्रयोग पहली बार देखा जा रहा है जिसमें हेलमेट में मछलियों के लिए जगह बनाने के लिए पानी की व्यवस्था है और उसके अंदर मछलियां भी हैं.

मछलियों का रखरखाव

मछलियों के लिए फिश एक्वेरियम का रखरखाव करना होता है. उसे मेंटेन करना होता है. ध्यान रखना होता है कि वह चौकोर आकार का टैंक चाहे छोटा हो या बड़ा टूटे नहीं. इसके अलावा समय समय पर उनके भोजन की व्यवस्था का भी ख्याल रखना पड़ता है. तो क्या ऐसे में अगर हेलमेट में ही मछलियां रख दी जाएं. तो उनका रखरखाव कैसे होगा, .यह भी एक सवाल है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 10 जून, 2025 3

सु वि चा र: सफलता को इससे ना आके की अभी आप कैसे कार्य कर रहे हो छोटे - छोटे कदमों से बड़ी सफलता मिलती है ।

सरकार बदलने के साथ तालमेल बैठाने के लिए आरटीसी का आधुनिकीकरण कर रही है : भट्टी

उपमुख्यमंत्री ने 45 इलेक्ट्रिक बसों का उद्घाटन किया

सूर्यापेट, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि विरासत में मिली आरटीसी जैसी सार्वजनिक संपत्तियों और सरकारी संस्थाओं को बदलते हालात के अनुकूल बनाने के लिए सुधार की जरूरत है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तेलंगाना में कांग्रेस सरकार इस दिशा में आगे बढ़ रही है। उपमुख्यमंत्री ने सोमवार को यहां 45 इलेक्ट्रिक बसों का उद्घाटन करने के बाद सूर्यपेट बस डिपो में एक जनसभा को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि आम लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए स्थापित आरटीसी घाटे में चल रही है और पिछली सरकारें इस पर विचार कर रही थीं कि इसे बनाए रखा जाए या छोड़ दिया जाए। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि आरटीसी इसलिए बची है क्योंकि यह लोगों की सरकार है। उन्होंने मंत्री पोन्नम प्रभाकर की सराहना की, जो प्रगतिशील सोच और कैबिनेट में विस्तृत चर्चा के साथ जन-केंद्रित पहलों को लागू कर रहे हैं और आरटीसी को मजबूत करने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आरटीसी दुनिया भर के विचारों को अपनाकर आगे बढ़ रहा है। सूर्यपेट आरटीसी डिपो को 79 बैटरी बसें मंजूर की गई हैं, एक ही दिन में 45 बैटरी बसें लॉन्च करना ऐतिहासिक है। यह पहल पूरे राज्य में जारी रहेगी। भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि हैदराबाद शहर को प्रदूषण से बचाने के लिए राज्य सरकार ने आउटर रिंग रोड के भीतर 2,800 बैटरी बसें शुरू की हैं। उन्होंने कहा कि राज्य भर में महिलाओं को कहीं से भी कहीं भी स्वतंत्र रूप से यात्रा करने में सक्षम बनाने के लिए सरकार ने महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा योजना शुरू की है। योजना की शुरूआत से लेकर अब तक आरटीसी ने 182 करोड़ शून्य-किराया टिकट जारी किए हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की ओर से राज्य सरकार ने आरटीसी को 6,088 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। भट्टी विक्रमार्क ने कहा, ऐसे समय में जब आरटीसी के भविष्य को लेकर आशंकाएं थीं, तब महिलाओं के लिए मुफ्त यात्रा योजना के माध्यम से यह मुनाफे की ओर बढ़ गई है। महालक्ष्मी योजना के कारण, आरटीसी की बसें अब पूरी क्षमता से चल रही हैं। अगर सरकार ने मुफ्त टिकट योजना का वित्तीय बोझ नहीं उठाया होता, तो आरटीसी की स्थिति चिंताजनक होती। इस अवसर पर परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, विधान परिषद के अध्यक्ष गुथा सुखेंद्र रेड्डी, विधायक पद्मावती रेड्डी और मंडुला समेल, एमएलसी शंकर नायक, पर्यटन निगम के अध्यक्ष पटेल रमेश रेड्डी और अन्य नेता मौजूद थे।

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, एक घायल

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला में हनुमान मंदिर के पास रविवार देर शाम एक लापरवाही से चलाए जा रहे ट्रक ने स्कूटर को टक्कर मार दी, जिससे एक युवक की मौत हो गई और उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना का कारण तेज गति व लापरवाही से वाहन चलाना माना जा रहा है। पीड़ित विनय कुमार (18) सुराराम का निवासी है, जिसने हाल ही में इंटरमीडिएट प्रथम वर्ष पास किया था और पार्ट टाइम नौकरी के लिए एक निजी कंपनी में शामिल हुआ था।

पुलिस के अनुसार रविवार को छुट्टी होने के कारण विनय अपने दोस्त के साथ मौज-मस्ती के लिए घर से निकला था। रास्ते में जब वे हनुमान मंदिर के पास पहुंचे तो एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी। दोनों सड़क पर गिर गए और विनय को भारी वाहन ने रौंद दिया। उसे गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। विष्णु भी इस दुर्घटना में घायल हो गया। उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। जीडीमेटला पुलिस जांच कर रही है।

दुनिया की पहली अत्यधिक गर्मी सहन करने वाली अरहर विकसित

गर्मियों के उच्च तापमान को झेल सकती है अरहर

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कृषि के लिए एक महत्वपूर्ण प्रगति में, अर्द्ध शुष्क उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों के लिए अंतर्राष्ट्रीय फसल अनुसंधान संस्थान (आईसीआरआईएसएटी) के वैज्ञानिकों ने आईसीपीवी 25444 विकसित किया है, जो अपनी तरह की पहली अरहर की किस्म है, जो गर्मियों के उच्च तापमान को झेल सकती है और केवल 125 दिनों में पक जाती है। भारत में कर्नाटक, ओडिशा और तेलंगाना में सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है, जिसमें प्रति हेक्टेयर 2 टन की उपज प्रदर्शित की गई है। महत्वपूर्ण रूप से, यह अरहर की खेती में एक बड़ी सफलता है, जिससे फसल को न केवल पारंपरिक बरसात (खरीफ) के मौसम में बल्कि गर्मियों की भीषण गर्मी में भी उगाया जा सकता है, जहां तापमान 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है।

अब तक, अरहर की खेती को फोटोपीरियड और तापमान के प्रति संवेदनशीलता के कारण कुछ खास मौसमों तक ही सीमित रखा गया है। आईसीपीवी 25444, जो वर्तमान में खेतों में परीक्षण के दौर से गुजर रहा है, एक महत्वपूर्ण मोड़ है- अरहर की खेती को सभी मौसमों में उगाई जाने वाली फसल में बदलना और भारतीय किसानों के लिए नई संभावनाओं को खोलना। आईसीआरआईएसएटी के महानिदेशक डॉ. हिमांशु पाठक ने कहा, गर्मियों के लिए अनुकूल अरहर की किस्म विकसित करने में यह सफलता इस बात का एक शानदार उदाहरण है कि विज्ञान जब तत्परता और उद्देश्य से प्रेरित हो तो क्या हासिल कर सकता है।

तेलंगाना ने त्रुटिरहित मतदाता सूची अद्यतन के लिए संशोधन के पूर्व अभियान शुरू किया

सीईओ सी सुदर्शन रेड्डी ने जिला कलेक्टरों और ईआरओ को निर्देश दिए

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्य निर्वाचन अधिकारी सी सुदर्शन रेड्डी ने सोमवार को एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के दौरान जिला कलेक्टरों और निर्वाचन पंजीकरण अधिकारियों (ईआरओ) को मतदाता सूची के आगामी विशेष सारांश संशोधन (एसएसआर) के लिए सभी संशोधन-पूर्व गतिविधियों को पूरा करने का निर्देश दिया, जिसमें मतदान केंद्रों को युक्तिसंगत बनाने, रिक्त पदों को भरने और अधिकारियों को प्रशिक्षण देने पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा कि भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के दिशा-निर्देशों के अनुसार, 1200 से अधिक मतदाताओं वाले मतदान केंद्रों को मतदाता पहुंच बढ़ाने के लिए युक्तिसंगत बनाया जाना चाहिए, साथ ही ऊंची इमारतों, समूह आवास समितियों और झुग्गी बस्तियों में नए स्थानों की पहचान करने के लिए सर्वेक्षण किया जाना चाहिए। ईआरओ, सहायक ईआरओ और बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) सहित सभी रिक्त पदों को तुरंत भरा जाना चाहिए, साथ ही संभावित नए मतदान केंद्रों के लिए अतिरिक्त बीएलओ नियुक्त किए जाने चाहिए। सभी अधिकारियों के लिए चुनावी कानूनों, 258णआईटी प्रणालियों और घर-घर जाकर सत्यापन पर व्यापक प्रशिक्षण अनिवार्य है। सी सुदर्शन रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि ईसीआई के एसएसआर दिशा-निर्देश सटीक और विश्वसनीय मतदाता सूची सुनिश्चित करने के लिए संशोधन-पूर्व गतिविधियों को आवश्यक बताते हैं। ईसीआई के मतदान केंद्रों पर मैनुअल 2020 के अनुसार युक्तिसंगत बनाने का उद्देश्य मतदाताओं को समान रूप से वितरित करना है, यह सुनिश्चित करना है कि मतदान केंद्रों पर परिवार एक साथ रहें। सर्वेक्षणों में मतदान की पहुंच को बेहतर बनाने के लिए ऊंची इमारतों, आरडब्ल्यूए कॉलोनियों और झुग्गी बस्तियों के पास के क्षेत्रों में सामुदायिक हॉल को प्राथमिकता दी जाएगी। सी सुदर्शन रेड्डी ने कहा कि मतदान केंद्रों में अपेक्षित वृद्धि के कारण सत्यापन का प्रबंधन करने और मतदाताओं को फॉर्म भरने में सहायता करने के लिए अतिरिक्त बीएलओ की आवश्यकता है। प्रशिक्षण कार्यक्रम ईआरओ, एईआरओ, बीएलओ और पर्यवेक्षकों को चुनावी कानूनों और कुशल डेटा प्रबंधन के लिए नवीनतम आईटी अनुप्रयोगों के ज्ञान से लैस करेंगे। बीएलओ को चुनावी प्रविष्टियों को अपडेट करने और फॉर्म जमा करने की सुविधा के लिए घर-घर जाकर सर्वेक्षण करने का काम सौंपा गया है। सी सुदर्शन रेड्डी ने एक निर्बाध संशोधन प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए ईसीआई के निर्देशों का सख्ती से अनुपालन करने पर जोर दिया, जिससे तेलंगाना की एक मजबूत चुनावी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता मजबूत हुई।

सुरक्षा ही सर्वोच्च प्राथमिकता : अरुण जैन

महाप्रबंधक ने ट्रेन सुरक्षा और समय की पाबंदी पर समीक्षा बैठक की

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन ने सोमवार को रेल निलयम, सिकंदराबाद में ट्रेन सुरक्षा और समय की पाबंदी पर ध्यान केंद्रित करते हुए एक व्यापक समीक्षा की। एससीआर के अतिरिक्त महाप्रबंधक नीरज अग्रवाल ने विभागाध्यक्षों के साथ भाग लिया, जबकि विजयवाड़ा, गुंटकल, गुंटूर, सिकंदराबाद, हैदराबाद और नांदेड़ डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से शामिल हुए। महाप्रबंधक ने दोहराया कि रेलवे संचालन में सुरक्षा सर्वोपरि है, उन्होंने सुरक्षा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करने और शॉर्टकट तरीकों से बचने पर जोर दिया। उन्होंने कर्मचारियों को सतर्क रहने और सुरक्षा नियमों का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने की सलाह दी।

रेलवे कर्मियों के बीच सुरक्षा जागरूकता को सुदृढ़ करने के लिए नियमित क्षेत्र-स्तरीय परामर्श का निर्देश दिया गया। सड़क के नीचे के पुलों (आरयूबी) और लेवल क्रॉसिंग पर सुरक्षा उपायों पर विशेष जोर दिया गया, साथ ही ट्रैक सुरक्षा को बढ़ाने के लिए सभी आरयूबी पर कम से कम दो ऊंचाई गेज लगाने के निर्देश दिए गए। हाल की घटनाओं को संबोधित करते हुए, उन्होंने मवेशियों के कुचलने के मामलों की समीक्षा की, ट्रेन की आवाजाही में व्यवधान को रोकने के लिए सक्रिय उपायों की आवश्यकता पर बल दिया। कमजोर ट्रैक खंडों के साथ बाड़ लगाने की स्थिति की भी जांच की गई। एससीआर के चल रहे डिजिटल परिवर्तन के हिस्से के रूप में, अरुण कुमार जैन ने 'अल्फा इंस्पेक्टर' एप्लिकेशन लॉन्च किया- एक वेब और मोबाइल प्लेटफ़ॉर्म जो आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जीपीएस तकनीकों का लाभ उठाता है। मुख्य लोको इंस्पेक्टरों की दक्षता बढ़ाने के लिए डिज़ाइन किया गया, यह एप्लिकेशन मूवमेंट ट्रैकिंग और रिकॉर्ड-कीपिंग को स्वचालित करता है, जिससे मैनुअल वर्कलोड कम होता है। यह लोको पायलट (एलपी) और सहायक लोको पायलट (एएलपी) के परिचालन डेटा तक वास्तविक समय की पहुंच प्रदान करता है, जिससे मंडल और क्षेत्रीय स्तरों पर विसंगतियों पर त्वरित प्रतिक्रिया संभव होती है।

आग के खतरों को हल्के में नहीं लेना चाहिए : सीवी आनंद

आईसीसीसी बिल्डिंग, बंजारा हिल्स में फायर मॉक ड्रिल आयोजित

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। टीजी आईसीसीसी के निदेशक की देखरेख में हैदराबाद के बंजारा हिल्स में आईसीसीसी बिल्डिंग में एक व्यापक फायर मॉक ड्रिल सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस ड्रिल में अग्निशमन विभाग, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, नगर निगम, हाइड्रा, एनडीआरएफ, आर एंड बी, बिजली विभाग, 108 एम्बुलेंस सेवा, जल कार्य और हैदराबाद सिटी पुलिस विभाग (यातायात और कानून एवं व्यवस्था) सहित विभिन्न विभागों ने भाग लिया। इस ड्रिल का प्राथमिक उद्देश्य यह प्रदर्शित करना था कि आग जैसी आपात स्थिति के दौरान इमारत में काम करने वाले कर्मचारियों को कैसे सुरक्षित रूप से बाहर निकाला जाए और वे स्वतंत्र रूप से अपनी सुरक्षा कैसे कर सकते हैं। इस अवसर पर, वी.बी. कमलासन रेड्डी, आईपीएस (सेवानिवृत्त), निदेशक, टीजी आईसीसीसी ने कहा कि इमारत 83.26 मीटर ऊंची है और आग लगने के दौरान ऊपरी मंजिलों पर रहने वालों को अधिक खतरा होता है। उन्होंने सलाह दी कि आग लगने की स्थिति में, तत्काल प्राथमिकता आग पर काबू पाना होनी चाहिए। उन्होंने बताया कि टीजी आईसीसीसी बिल्डिंग में सभी आवश्यक अग्नि सुरक्षा सुविधाएं मौजूद हैं और सभी से आग्रह किया कि वे आपात स्थिति में इनका प्रभावी ढंग से उपयोग करें। उन्होंने यह भी घोषणा की कि प्रत्येक मंजिल पर एक फायर मार्शल और एक सहायक की नियुक्ति की जाएगी। ये व्यक्ति अपने आवंटित फ्लोर पर कर्मचारियों के विवरण से परिचित होंगे और उन्हें आपातकालीन स्थिति में कैसे कार्य करना है, इस बारे में मार्गदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि यदि कोई लापता होता है, तो ये फायर मार्शल नीचे की टीमों को सूचित करेंगे। उन्होंने कहा कि इस तरह की मॉक ड्रिल महीने के हर पहले शनिवार को आयोजित की जाएगी। मॉक ड्रिल का अवलोकन करने के बाद, डीजी-हैदराबाद सिटी पुलिस कमिश्नर सी.वी. आनंद ने सभा को संबोधित किया और बहुमंजिला इमारतों में फायर मॉक ड्रिल के महत्वपूर्ण महत्व पर जोर दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी इमारतों में रहने और काम करने वाले कर्मचारियों को इमारत की संरचना, आपातकालीन निकास मार्गों, फायर अलार्म और अग्नि सुरक्षा उपकरणों के स्थान के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि टीजी आईसीसीसी बिल्डिंग का निर्माण सभी व्यापक एहतियाती उपायों के साथ किया गया है। 7.5 एकड़ के भूखंड के भीतर इसका केंद्रीय स्थान आपात स्थिति के दौरान दमकल गाड़ियों और 108 एम्बुलेंस वाहनों के लिए आसान पहुंच सुनिश्चित करता है। उन्होंने बताया कि इमारत में प्रत्येक टॉवर के लिए दो सीढ़ियां हैं। उन्होंने सभी को आग के खतरों को हल्के में न लेने या उनके खतरे को कम न आंकने की चेतावनी दी। उन्होंने उल्लेख किया कि लगभग 2000 कर्मचारी टीजी आईसीसीसी भवन में काम करते हैं और उन्हें सलाह दी कि वे आपात स्थिति के दौरान लिफ्टों के बजाय प्रत्येक टॉवर में दो सीढ़ियों का उपयोग करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन उपायों का उद्देश्य टीजी आईसीसीसी भवन को मल्टी-एजेंसी ऑपरेशन सेंटर में बदलना है। पुलिस आयुक्त ने कहा कि इस तरह के अभ्यास आपातकाल के दौरान प्रतिक्रिया करने के तरीके को समझने में अत्यधिक लाभकारी होते हैं और वे निवासियों को निकासी मार्गों से परिचित होने में मदद करते हैं। उन्होंने कहा, हम यह बताने का प्रयास कर रहे हैं कि हैदराबाद शहर में सभी के लिए सुरक्षा महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, विभिन्न एजेंसियों के सहयोग से इस तरह के अभ्यास आयोजित करना सुनिश्चित करता है कि हमारा समाज किसी भी तरह की आपात स्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। इमारत में आग का अलार्म बजने के साथ अभ्यास शुरू हुआ। अलार्म सुनते ही सभी निवासियों ने तुरंत बाहर निकलना शुरू कर दिया। वे किसी भी भगदड़ से बचते हुए शांतिपूर्वक और व्यवस्थित तरीके से आगे बढ़े। नकली धुएं की स्थिति के दौरान, लोगों ने नीचे झुकने या जमीन पर रेंगने का अभ्यास किया। अधिकारियों ने सलाह दी कि जब धुआं घना होता है, तो फर्श के पास की हवा साफ रहती है, जिससे सांस लेना आसान होता है। इमारत से बाहर निकलने के बाद, सभी लोग एक निर्दिष्ट सुरक्षित सभा स्थल पर एकत्र हुए, जहां एक हेडकाउंट आयोजित किया गया।

माओवादी नेता का किया गया अंतिम संस्कार

आदिलाबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कुमराम भीम मंचेरियल डिविजनल कमेटी के सचिव और मारे गए माओवादी नेता मैलारापु अडेलू उर्फ भास्कर का सोमवार को बोथ मंडल के पोचेरा गांव में अंतिम संस्कार किया गया। शुक्रवार को छत्तीसगढ़ के बीजापुर में एक राष्ट्रीय उद्यान में प्रतिबंधित माओवादियों और सुरक्षा बलों के बीच गोलीबारी में अडेलू मारा गया था। उनका शव उनके परिवार को सौंप दिया गया, जिन्होंने अंतिम संस्कार किया। बोथ विधायक अनिल जाधव अंतिम संस्कार में शामिल हुए, अडेलू को श्रद्धांजलि दी और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि अडेलू के परिजनों को सहायता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पर दबाव डाला जाएगा। जाधव ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार ऑपरेशन कगार की आड़ में निर्दोष लोगों की जान ले रही है और उन्होंने मांग की कि सरकार गैरकानूनी उग्रवादियों से विचार-विमर्श करके उनकी चिंताओं का समाधान करे। उन्होंने मृतक माओवादी के परिवार को हर संभव सहायता देने की कसम खाई। इस अवसर पर बोथ के पूर्व एम.पी.पी. तुला श्रीनिवास, पूर्व सरपंच एसोसिएशन के अध्यक्ष श्रीधर रेड्डी और कई अन्य लोग उपस्थित थे। एडेलू इंटरमीडिएट की पढ़ाई के दौरान वामपंथी विचारधारा की ओर आकर्षित हुए और 1985 में माओवादी पार्टी के इंदरवेली दस्ते में शामिल हो गए। वर्षों से, वे संगठन में वरिष्ठ पदों पर पहुंचे और पुलिस को चकमा देने के लिए रणनीति बनाने के लिए जाने जाते थे। वे तत्कालीन आदिलाबाद जिले में सुरक्षा बलों के साथ कई मुठभेड़ों में बच गए थे और उनके सिर पर 25 लाख रुपये का इनाम था।

ट्रिमर चार्ज करते समय युवक की करंट लगने से मौत

जगतियाल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। एंडापल्ली मंडल के मुंजमपल्ली गांव में रविवार को अपने घर पर ट्रिमर चार्ज करने का प्रयास करते समय एक 32 वर्षीय व्यक्ति की बिजली लगने से मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, नरेगा योजना के तहत काम करने वाले मजदूर तिरुपति को बाथरूम में चार्जिंग के लिए ट्रिमर लगाते समय बिजली का झटका लगा। उसके परिवार के सदस्य उसे धर्माराम के एक अस्पताल में ले गए, जहां से उसे बेहतर इलाज के लिए करीमनगर के एक निजी अस्पताल में ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

स्थानांतरण पर रोक के कारण शीर्ष अस्पतालों में वरिष्ठ शिक्षकों की कमी

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के राज्य संचालित तृतीयक अस्पतालों में चिकित्सा शिक्षा और रोगी देखभाल की गुणवत्ता लगातार खराब होती जा रही है, क्योंकि वरिष्ठ संकाय दूरदराज के स्वास्थ्य केंद्रों में तैनात हैं, जहां रोगियों की पर्याप्त संख्या नहीं है और विशेषज्ञता के स्तर के अनुरूप स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल छात्र भी नहीं हैं। प्रोफेसरों सहित कुशल शिक्षकों को स्वास्थ्य सेवा सुविधाओं में नियुक्त किया जाता है, जहां न तो पीजी छात्र होते हैं और न ही जटिल चिकित्सा मामले होते हैं।

कार्डियोलॉजी, रेडियोलॉजी, जनरल सर्जरी, जनरल मेडिसिन और पीडियाट्रिक्स जैसे विभागों में भी ऐसी ही समस्या देखने को मिल रही है। कई वरिष्ठ प्रोफेसर ऐसे स्थानों पर तैनात हैं, जहां केवल प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं की आवश्यकता है। इस बीच, गांधी अस्पताल, उस्मानिया जनरल अस्पताल और काकतीय मेडिकल कॉलेज जैसे तृतीयक देखभाल केंद्र- जहां उच्च स्तरीय देखभाल की आवश्यकता है- पर्याप्त वरिष्ठ संकाय के बिना काम कर रहे हैं। अनुभवी संकाय के गलत आबंटन से चिकित्सा शिक्षा और रोगी परिणाम दोनों पर गंभीर असर पड़ रहा है, विशेष रूप से उन संस्थानों में जहां राज्य में पीजी मेडिकल सीटों की संख्या सबसे अधिक है।

इस समस्या के समाधान के लिए, तेलंगाना सरकारी डॉक्टर्स एसोसिएशन (टीजीडीए) के तहत वरिष्ठ सरकारी डॉक्टरों ने एक महीने पहले स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा को एक ज्ञापन सौंपा था, जिसमें उनसे स्थानांतरण पर जारी प्रतिबंध को हटाने का आग्रह किया गया था। टीजीडीए के राज्य अध्यक्ष डॉ.बी. नरहरि ने कहा, हम तृतीयक अस्पतालों की मौजूदा स्थिति को सुधारने के लिए स्वास्थ्य अधिकारियों और स्वास्थ्य मंत्री के संपर्क में बने रहेंगे। 25 अतिरिक्त सरकारी मेडिकल कॉलेजों की जल्दबाजी में स्थापना ने संकाय की कमी को और बढ़ा दिया है।

बस पास किराए में 20 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी कर सकता है टीजीएसआरटीसी

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) सभी श्रेणियों के बस पास किराए में लगभग 20 प्रतिशत की वृद्धि करने की संभावना है।

किराये में वृद्धि साधारण और छात्र बस पास पर भी लागू होगी। रिपोर्टों के अनुसार, साधारण बस पास का किराया 1,150 रुपये से बढ़ाकर 1,400 रुपये किए जाने की संभावना है, जबकि मेट्रो एक्सप्रेस पास का किराया 1,300 रुपये से बढ़ाकर 1,600 रुपये और मेट्रो डीलक्स बस पास का किराया 1,450 रुपये से बढ़ाकर 1,800 रुपये किया जाएगा। नये किराये 9 जून से लागू होने की उम्मीद है। टीजीएसआरटीसी अधिकारियों ने अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है।

पूर्व तट रेलवे

सूचना सं.eT-East-WAT-17-2025, दिनांक : 28.05.2025

कार्य का नाम : वाल्टियर मण्डल स्थित समस्त स्टेशन में दिव्यांगजन के लिए सुविधाओं का प्रावधान कार्य से संबंधित वरिष्ठ मण्डल अभियन्ता/ईस्ट/वाल्टियर के अधिकार क्षेत्र के अधीन विभिन्न स्टेशन में राम्प (Ramps) हेतु टैक्टाइल टाइल्स एवं हैंड रेल का प्रावधान।

कार्य की अनुमानित लागत (रुपये में) : 3,41,39,601.09, EMD(रुपये में) : 3,20,700/-, कार्य पूरा होने की अवधि : 12 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : दिनांक 19.06.2025 को 1500 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही ये सभी फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव के संबंध में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा बंद होने के कम से कम 15 (पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

मण्डल रेल प्रबंधक (इंजीनियरिंग), वाल्टियर

PR-211/Q/25-26

अदाओं से लूटा 'यूपी-बिहार', अधूरा रहा पहला प्यार, अब सफल बिजनेस वुमन हैं शिल्पा शेट्टी

90 के दशक की पॉपुलर एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी आज अपना 50वां जन्मदिन मना रही हैं। उनका जन्म 8 जून, 1975 को मंगलौर, कर्नाटक में सुनंदा शेट्टी और सुरेंद्र शेट्टी के घर पर हुआ था। वो अपनी फिल्मों के साथ-साथ खूबसूरती और फिटनेस को लेकर भी खूब सुर्खियों में रहती हैं। आज उन्हें सिर्फ एक अभिनेत्री ही नहीं, बल्कि एक सफल बिजनेस वुमन के रूप में देखा जाता है। शिल्पा शेट्टी के फिल्मी करियर की शुरुआत 1993 में फिल्म 'बाजीगर' से हुई थी जिसमें उन्होंने काजोल की छोटी बहन का किरदार निभाया था। हालांकि बॉलीवुड में शिल्पा का सफर काफी उतार-चढ़ाव भरा रहा। उन्होंने साल 2009 में बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की थी। उनके दो बच्चे वियान और समीषा हैं। चलिए एक नजर डालते हैं शिल्पा शेट्टी के जीवन से जुड़ी कुछ बातों पर।

16 साल में किया एक्टिंग डेब्यू

मॉडलिंग से अपने करियर की शुरुआत करने वालीं शिल्पा शेट्टी ने महज 16 साल की उम्र में साल 1991 में अपना पहला विज्ञापन किया था। उन्हें लिम्का का एक ऐड मिला था जिसमें अभिनेत्री ने काम किया। इसके बाद 17 साल की होते-होते उन्हें शाहरुख खान की फिल्म 'बाजीगर' मिल गई, जिससे उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। इस फिल्म में शिल्पा के काम को इतना पसंद किया गया था कि उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस सपोर्टिंग के फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नॉमिनेट किया गया था। हालांकि उन्हें अवॉर्ड मिला नहीं।

कैसे मिली थी पहली फिल्म?

एक इंटरव्यू में खुद शिल्पा ने बताया था कि उन्हें पहली फिल्म मिलना किसी चमत्कार से कम नहीं था। नॉन फिल्मी बैकग्राउंड से होने के चलते उनके लिए बॉलीवुड में आना बिल्कुल भी आसान नहीं था। उन्होंने बताया था, 'जब मैं किशोरी थी तो एक फैशन शो में गई थी, यहां मेरी मुलाकात एक फोटोग्राफर से हुई थी। इसके बाद उसी ने मुझे मेरी पहली फिल्म दिलाने में मदद की थी। हालांकि इंडस्ट्री में टिके रहना मेरे लिए बिल्कुल भी आसान नहीं था। मुझे कई बार बिना कारण बताए कई फिल्मों से बाहर का रास्ता दिखा दिया जाता था।'

करीब 40 फिल्मों में किया काम

अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी ने हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा को मिलाकर करीब 42 फिल्मों में काम किया है। फिल्म 'बाजीगर' से बॉलीवुड में डेब्यू के बाद लीड रोल में वो पहली बार फिल्म 'आग' (1994) में नजर आई थीं। 'शूल', 'धड़कन', 'कर्ज', 'जानवर', 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'खुशी', 'इंसाफ', 'आओ प्यार करें', 'इंडियन', 'शादी करके फंस गया यार', 'रिश्ते', 'फरेब' और 'दस' जैसी फिल्मों में उनके काम को काफी पसंद किया गया था। आखिरी बार शिल्पा को वेब सीरीज 'इंडियन पुलिस फोर्स' में देखा गया था जिससे ठीक पहले उन्हें 'सुखी' फिल्म में एक दमदार महिला के रोल में देखा गया।

शिल्पा शेट्टी की प्रेम कहानी

ये बात 1994 की है, जब फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' के दौरान अक्षय कुमार और शिल्पा शेट्टी की पहली मुलाकात हुई थी। एक ही नजर में दोनों एक दूसरे को दिल हार बैठे थे। दोनों के प्यार के चर्चे उन दिनों खूब हुए थे। लोग यह भी मानकर चल रहे थे कि दोनों जल्द शादी करने वाले हैं। लेकिन दोनों का रिश्ता सिर्फ तीन साल तक ही चल पाया और दोनों की राहें अलग हो गईं। अक्षय के अलग होने के बाद शिल्पा की जिंदगी में कोई नहीं आया। फिर अचानक से उनके लंदन बेस्ड बिजनेसमैन राज कुंद्रा से शादी की खबर ने सभी को चौंका दिया। शिल्पा शेट्टी से राज कुंद्रा पहली बार यूके के शो 'बिग ब्रदर' के बाद प्रोडक्ट प्रमोशन के सिलसिले में मिले थे। शिल्पा से पहली मुलाकात में ही राज अपना दिल हार गए थे। शिल्पा उस वक्त सिंगल ही थीं और राज का अपनी पहली पत्नी से तलाक हो चुका था। ऐसे में दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ने लगीं। बाद में शिल्पा और राज ने धूमधाम से शादी रचा ली थी। इस कपल की शादी नवंबर 2009 में हुई थी। दोनों की शादी को 16 साल पूरे हो चुके हैं।

शिल्पा शेट्टी की नेट वर्थ

कमाई करने के मामले में भी शिल्पा शेट्टी का कोई जवाब नहीं है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो उनकी कुल नेटवर्थ 150 करोड़ रुपये है। शिल्पा फिल्मों के अलावा विज्ञापन से भी पैसा कमाती हैं। ऐसा कहा जाता है कि वो विज्ञापन के लिए एक करोड़ रुपये की फीस लेती हैं। शिल्पा साल साल 2019 से मुंबई स्थित बास्तियन रेस्टोरेंट की भी मालकिन हैं। इसमें उनकी हिस्सेदारी 50 फीसदी है।

शिल्पा शेट्टी की हिट फिल्में

- बाजीगर (1993)
- मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी (1994)
- दिलवाले (1994)
- धड़कन (2000)
- रिश्ते (2002)
- फिर मिलेंगे (2004)
- गरम मसाला (2005)
- शादी करके फंस गया यार (2006)
- अपने (2007)
- लाइफ इन अ... मेट्रो (2007)

फिल्ममेकर पार्थो घोष का निधन

कौन थे पार्थो घोष? जो माधुरी दीक्षित-जैकी श्रॉफ संग कर चुके काम; 75 की उम्र में हुआ निधन

हिंदी सिनेमा के इतिहास में कई दिग्गज निर्देशक हुए, जिनमें पार्थों घोष का भी नाम शामिल था। पार्थो घोष एक ऐसे फिल्ममेकर थे, जिन्होंने 1990 और 2000 के दशक में दर्शकों को रोमांच, भावनात्मक और सामाजिक सोच से जुड़ी कहानियां दीं और उन्होंने इसे खूब सराहा था।

पार्थो घोष का जन्म 8 जून 1949 को पश्चिम बंगाल के कोलकाता शहर में हुआ था। उनका बचपन साहित्य, कला और संगीत में ही बीता। साल 1985 में उन्होंने एक सहायक निर्देशक के तौर पर अपने करियर की शुरुआत की। करियर की शुरुआत उन्होंने बंगाली फिल्मों से किया था, फिर बाद में कई हिंदी फिल्में बनाई।

'100 डेज' फिल्म से मिली पहचान

निर्देशक पार्थो घोष ने 1991 में '100 डेज' फिल्म का निर्देशन किया। इस संस्पेंस-थ्रिलर फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों द्वारा अच्छा रिस्पांस मिला था। इस फिल्म में माधुरी दीक्षित और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े सितारे मुख्य भूमिका में थे। इसके बाद पार्थो घोष ने साल 1992 में दिव्या भारती और अविनाश वधावन अभिनीत 'गीत' का निर्देशन किया। आयशा जुल्का अभिनीत उनकी फिल्म 'दलाल' ने उन्हें एक प्रतिष्ठित निर्देशक के रूप में पहचान दी।

कैसा रहा फिल्मी सफर?

कई शानदार फिल्में देने के बाद फिल्ममेकर पार्थो घोष ने साल 1996 में 'अग्नि साक्षी' बनाई, जिसमें नाना पाटेकर, जैकी श्रॉफ और मनीषा कोइराला ने अभिनय किया था। इसकी कहानी को दर्शकों द्वारा बेहद पंसद किया था। सिनेमाई करियर के दौरान उन्होंने 15 से ज्यादा फिल्मों का निर्देशन किया, जिसमें उन्होंने सस्पेंस से लेकर रोमांस तक की जॉनर की फिल्में बनाई थी। आखिरी फिल्म की बात करें तो वह 'मौसम इकरार के दो पल प्यार के' थी, जो 2018 में रिलीज़ हुई थी।

पुरस्कार और सम्मान

फिल्ममेकर पार्थो घोष को उनके शानदार करियर में कुछ सम्मान भी मिले थे। उनकी फिल्म 'अग्नि साक्षी' को फिल्मफेयर पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के लिए नामांकित किया गया था।

वह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला था' शराब की लत से छुटकारे पर बोले फरदीन खान

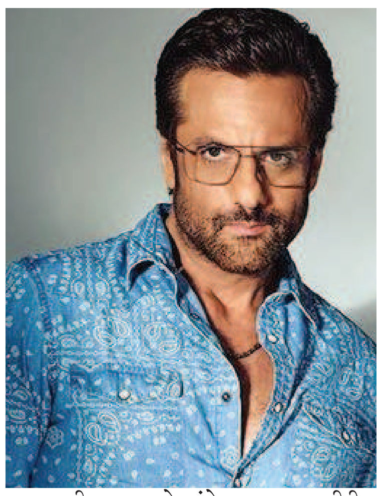

फरदीन खान ने लंबे वक्त बाद सीरीज 'हीरामंडी' के जरिए वापसी की। अब वे फिल्म 'हाउसफुल 5' में नजर आ रहे हैं। इस मल्टीस्टारर फिल्म में फरदीन का अहम रोल है। इस फिल्म की रिलीज से पहले फरदीन इन दिनों अपने बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर भी सुर्खियां बटोर रहे हैं। उन्होंने कई किलो वजन घटाया है। हाल ही में उन्होंने इस बारे में बात की। एक्टर ने यह खुलासा भी किया कि उन्हें शराब की लत थी, लेकिन अब वे इससे दूर हैं।

फरदीन ने घटाया 25 किलो वजन

फरदीन खान ने साइरस ब्रोचा के साथ बातचीत के दौरान कहा, 'मुझे पता था कि मुझे एक निश्चित शेप में आना होगा। मेरा वजन 102 या 103 किलो हो गया था। यह मेरा सबसे ज्यादा वजन था और मसल्स नहीं थीं। बस शरीर में चर्बी थी। अब पिछले सप्ताह जब मैंने अपना वजन किया तो यह 78 किलोग्राम था। मैंने अपना करीब 25 किलोग्राम वजन कम किया है'।

इस तरह छोड़ी शराब की लत

फरदीन खान ने आगे शराब की लत छोड़ने को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि उन्हें शराब कैसे छोड़नी पड़ी। एक्टर ने कहा, 'मैं एक ऐसे मुकाम पर था जहां मैं खुद को महसूस नहीं कर पा रहा था। मैं 2020 में शांत हो गया। मैंने एक ही बार में शराब छोड़ दी। मुझे यह लत छोड़नी थी। इससे मेरी जिंदगी पर असर पड़ रहा था। इससे छुटकारा पाने के लिए मैंने प्रोफेशनल तरीके से मदद ली और यह मेरी जिंदगी का सबसे अच्छा फैसला था।

बोले- 'बहुत कम उम्र में लगी आदत'

फरदीन खान ने कहा, 'मैंने बहुत कम उम्र में शराब पीना शुरू कर दिया था। इसलिए यह पहली बार था जब दिमाग से कोहरा छटा और मैंने इस लत से छुटकारा पाने का फैसला लिया'। बात करें फिल्म 'हाउसफुल 5' की तो इसमें अक्षय कुमार, रितेश देशमुख, अभिषेक बच्चन, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ और जैकलीन फर्नांडीस जैसे सितारे हैं। फिल्म 6 जून को रिलीज हुई है। बॉक्स ऑफिस पर ओपनिंग डे पर फिल्म ने अच्छा प्रदर्शन किया है।

बेहतरीन फिल्मों से नाम कमा कर बॉलीवुड से दूर हुई अमृता राव, अब क्या करती हैं एक्ट्रेस?

अमृता राव ने बीच में छोड़ी पढ़ाई

अमृता राव के जन्मदिन के बारे में विरोधाभास है। इसकी वजह है कि उन्होंने अपना जन्मदिन सार्वजनिक नहीं किया है। हिंदुस्तान टाइम्स ने बताया है कि 7 जून को उनका जन्मदिन है। अमृता राव ने मुंबई के कनोसा गर्ल्स स्कूल में पढ़ाई की। इसके बाद सोफिया कॉलेज में पढ़ाई की। वह मनोविज्ञान में स्नातक की पढ़ाई कर रही थीं लेकिन उन्होंने मॉडलिंग के लिए बीच में ही पढ़ाई छोड़ दी।

अमृता राव की हिट फिल्में

अमृता राव ने अपने बॉलीवुड करियर की शुरूआत साल 2002 में की। पहली फिल्म 'अब के बरस' के लिए उन्हें फिल्मफेयर अवॉर्ड नामांकन मिला। साल 2003 में अमृता 'इश्क विश्क' में नजर आईं। यह फिल्म हिट रही। साल 2004 में अमृता ने एक और हिट फिल्म दी जिसका नाम है 'मस्ती'। इसी साल अमृता राव शाहरुख खान की फिल्म 'मैं हूं ना' में नजर आईं। यह फिल्म हिट रही। साल 2006 में अमृता राव की फिल्म 'विवाह' आई। इस फिल्म में उनकी अदाकारी को काफी सराहा गया। फिल्म हिट रही। अमृता राव की हिट फिल्मों में 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी', 'दीवार' और 'जॉली एलएलबी' शामिल हैं।

अमृता राव को मिले कई अवॉर्ड्स

अमृता राव की पहली ही फिल्म 'अब के बरस' के लिए फिल्म फेयर अवॉर्ड का नामांकन मिला। इश्क विश्क में बेहतरीन काम करने के लिए अमृता को 'आइफा अवॉर्ड' दिया गया। इसके अलावा उन्हें 'इश्क विश्क' के लिए स्टारडस्ट अवॉर्ड दिया गया। 'विवाह' फिल्म के लिए आनंदालोक पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा 'वेलकम टू सज्जनपुर' के लिए उन्हें स्टारडस्ट अवॉर्ड दिया गया।

सात साल डेट करने के बाद कर ली शादी

अमृता राव अपने बारे में बहुत ज्यादा अपडेट नहीं देती हैं। हालांकि मीडिया में आई खबरों से पता चला है कि अमृता राव ने अपने बॉयफ्रेंड अनमोल सूद को सात साल तक डेट करने के बाद 15 मई 2016 को शादी कर ली। उनके पति एक रेडियो जॉकी हैं। 1 नवंबर 2020 को अमृता राव ने एक बच्चे को जन्म दिया। अमृता राव ने अपने पति के साथ मिलकर एक किताब लिखी जिसका नाम 'कपल ऑफ थिंग्स' है। इसे उन्होंने फरवरी 2023 में लॉन्च किया। इसी नाम से दोनों अपना यूट्यूब चैनल चलाते हैं।

अब क्या करती हैं अमृता राव?

अमृता राव 2014 के बाद आखिरी बार साल 2019 में फिल्म 'ठाकरे' में नजर आई थीं। इसके बाद उन्होंने कोई फिल्म नहीं की। फिलहाल वह अपने पति आरजे अनमोल के साथ परिवारिक जिंदगी गुजार रही हैं। वह अपने पति के साथ मिलकर 'कपल ऑफ थिंग्स' नाम का यूट्यूब चैनल चलाती हैं और कई सेलेब्रिटीज का इंटरव्यू करती हैं।

गोविंदा का करियर बर्बाद करने में इन चार लोगों का हाथ, अभिनेता की पत्नी सुनीता ने किया बड़ा खुलासा

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा, जिन्हें उनके बेबाक अंदाज के लिए जाना जाता है। उन्होंने हाल ही में बताया कि गोविंदा के करियर में आई गिरावट में उनके कुछ करीबी लोगों का हाथ हैं। इस पर उन्होंने कई खुलासे किए हैं और अपने विचार रखे हैं।

गोविंदा के करियर पर की बात

दिग्गज अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा हाल ही में एक इंटरव्यू में शामल हुईं, जहां उन्होंने कई मुद्दों पर बात की। उन्होंने बातचीत के दौरान अभिनेता के करियर में गिरावट को लेकर कुछ लोगों को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा, 'गोविंदा पिछले 17 सालों से बड़े पर्दे पर क्यों नहीं दिखे?

क्योंकि उनके आसपास रहने वाले लोग पूरी तरह से गलत हैं, वो सब सिर्फ वाह-वाह करने वाले लोग हैं। मेरा और गोविंदा का झगड़ा भी होता है, क्योंकि मैं झूठ नहीं बोल सकती और लोगों की चापलूसी नहीं कर सकती।

आज उनके पास एक लेखक, एक सेक्रेटरी और एक दोस्त जैसा वकील है, जो सब फालतू हैं, क्योंकि वो सिर्फ उनकी तारीफ करते हैं और कहते हैं कि क्या शानदार काम किया है। वहीं जब मैं सच बोलती हूं, तो वो चिढ़ जाते हैं।'

अभिनेता को पत्नी ने दी सलाह

गोविंदा की पत्नी ने आगे बात करते हुए कहा, 'मैंने उनसे कहा, 90 का दशक खत्म हो चुका है। आज क्या चल रहा है, यह देखिए- नेटफ्लिक्स और ओटीटी प्लेटफॉर्म। लेकिन वे अपने वाह-वाह प्रोडक्शंस के घेरे में फंसे हुए हैं। मैंने उनसे कहा कि वे अपने आस-पास के लोगों को बदलें, क्योंकि जब तक वे चार या पांच लोग उनके साथ हैं, वे उन्हें आगे नहीं बढ़ने देंगे।

कोई व्यक्ति जो 90 के दशक में लगातार हिट फिल्में दे रहा था, वह यह मानने लगा कि मैं सोलो-हीरो फिल्में करूंगा और वे चलेंगी। लेकिन 'बड़े मियां छोटे मियां' सोलो-हीरो फिल्म नहीं थी और ना ही 'आंखें' थीं। उनके आस-पास के लोगों ने उनके दिमाग में यह मिथक बैठा दिया कि वह बहुत शानदार हीरो हैं। लेकिन आज सोलो-हीरो फिल्में नहीं चलती हैं, जब तक उसमें मजबूत विषय और एक अच्छा निर्देशक ना हो।'

एक नजर गोविंदा के करियर पर

90 के दशक में गोविंदा ने कई हिट फिल्म दी थीं। अभिनेता को आखिरी बार साल 2019 में आई कॉमेडी फिल्म 'रंगीला राजा' में देखा गया था, जिसका निर्देशन सिकंदर भारती ने किया था। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई थी।

श्रद्धा कपूर हैं पद्मिनी कोल्हापुरे की फेवरेट, बोलीं- 'आशिकी 2' मैंने कई बार देखी

अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे ने बहुत छोटी उम्र में ही स्टारडम देख लिया था। फिल्म 'प्रेम रोग', 'वो सात दिन', 'साजन बिना सुहागन' जैसी कई सुपरहिट फिल्मों से उन्होंने लोगों के दिलों में जगह बनाई। अब सालों बाद वो टीवी पर लौट रही हैं, हालांकि आज की नई पीढ़ी और उनके काम को एक्ट्रेस बखूबी समझती हैं। अमर उजाला डिजिटल से बातचीत के दौरान, जब उनसे पूछा गया कि आज की एक्ट्रेसेज में उन्हें कौन सबसे पसंद है तो उन्होंने बिना एक भी पल रुके कहा श्रद्धा कपूर। क्योंकि श्रद्धा सिर्फ उनकी भांजी नहीं, बल्कि एक टैलेंटेड और मेहनती एक्ट्रेस भी हैं। चलिए आपको बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

आज की हीरोइनों में आपकी फेवरेट कौन है?

बिल्कुल श्रद्धा कपूर और ये मैं सिर्फ इसलिए नहीं कह रही कि वो मेरी भांजी है, बल्कि इसलिए भी कि उसने अपने दम पर जो मुकाम हासिल किया है, वो काबिल-ए-तारीफ है। मैंने उसे बचपन से देखा है - बेहद मेहनती, ईमानदार और सच्चे दिल से काम करने वाली है। 'आशिकी 2' जैसी फिल्म से उसने जो छाप छोड़ी, वो बहुत कम कलाकारों में दिखती है।

क्या आपने उनकी कोई फिल्म कई बार देखी है?

हां, 'आशिकी 2' मैंने कई बार देखी है। उस फिल्म में उसकी परफॉर्मेंस दिल छू लेने वाली थी। उसके इमोशन्स, मासूमियत और सादगी सब कुछ इतना नैचुरल लगा। मुझे लगता है वो रोल जैसे उसी के लिए लिखा गया था। जब आप स्टार बनीं तब उम्र बहुत कम थी, तब उस स्टारडम को संभालना कितना मुश्किल था?

बहुत मुश्किल था। लोग बस परदे पर चमक-धमक देखते हैं, पर पीछे कितना दबाव होता है, ये कोई नहीं समझता। उस दौर में सोशल मीडिया नहीं था, लेकिन फिर भी कैमरे और लोगों की नजरों में रहना आसान नहीं था। मेरे माता-पिता और बहन शिवांगी ने मुझे हमेशा बैलेंस बनाए रखने में मदद की। आज की लड़कियों को देखकर लगता है कि उनका काम और भी कठिन है।

क्या आज की फिल्मों में महिला किरदार पहले से बेहतर दिखाए जा रहे हैं?

बिल्कुल। पहले हीरोइन की भूमिका स्क्रिप्ट के आखिर में जुड़ती थी, अब कहानियां उसी से शुरू होती हैं। आज की एक्ट्रेसेस को मजबूत और लेयर्ड किरदार मिल रहे हैं। कई फिल्में तो एक्ट्रेस को ध्यान में रखकर ही लिखी जाती हैं।

इंडस्ट्री में अब सबसे बड़ा बदलाव क्या लगता है?

अब सब कुछ बहुत प्रोफेशनल हो गया है। पहले हम इमोशन और इंस्टिंक्ट से काम करते थे, अब हर चीज प्लान के मुताबिक होती है। आज के एक्टर्स अपने रोल के लिए मेहनत करते हैं, वर्कशॉप्स करते हैं, स्क्रिप्ट पर काम करते हैं। टेक्नोलॉजी और तैयारी - दोनों जबरदस्त हैं।

आपकी कोई पुरानी फिल्म जिसका रीमेक बनता देखना चाहेंगी?

'प्रेम रोग', 'वो सात दिन', 'साजन बिना सुहागन', इन फिल्मों का रीमेक अगर बने और दिल से बने तो जरूर देखना चाहूंगी। पर हर फिल्म की एक आत्मा होती है, उसे बनाए रखना बहुत जरूरी है।

आप किस फिल्म की शूटिंग कर रही हैं इन दिनों?

एक फिल्म कर रही हूं, जिसका वर्किंग टाइटल है 'रशीकरण'। ये एक साइको थ्रिलर है जिसमें यशपाल शर्मा मेरे पति का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म की शूटिंग देहरादून में होगी। मेरी भूमिका इस बार काफी अलग है – थोड़ी रहस्यमयी, थोड़ी गंभीर और बहुत मजबूत। मुझे कहानी पढ़कर तुरंत हां कहने का मन हुआ क्योंकि मैं दिल से काम चुनती हूं।

वर्कफ्रंट पर अभिनेत्री पद्मिनी कोल्हापुरे

बता दें पद्मिनी इन दिनों चक्रवर्ती सम्राट पृथ्वीराज चौहान शो मे राजमाता के किरदार में नजर आ रही हैं। ये शो 4 जून से शुरू हुआ है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर करें इन चीजों का दान

लक्ष्मी-नारायण देंगे सुख समृद्धि का आशीर्वाद

ज्येष्ठ पूर्णिमा हिंदू धर्म में महत्वपूर्ण है। पूर्णिमा तिथि भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित होती है। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भक्त पवित्र नदियों में स्नान करते हैं, दान करते हैं और भगवान की पूजा करते हैं। ऐसे में आइये जानिए ज्येष्ठ पूर्णिमा पर क्या दान करें। साथ ही ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपाय भी जानिए।

ज्येष्ठ पूर्णिमा का हिंदू धर्म में विशेष महत्व है। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष तौर पर पूजा की जाती है। वैसे भी सनातन धर्म में पूर्णिमा तिथि का अपना महत्व है। इस पर ज्येष्ठ मास को हिंदू धर्म में बड़े महीने का दर्जा दिया गया है। ऐसे में ज्येष्ठ मास की पूर्णिमा का महत्व और बढ़ जाता है। इस दिन स्नान ध्यान के साथ साथ दान पुण्य का भी महत्व है। ऐसे में आइये जानते हैं ज्येष्ठ पूर्णिमा पर किन किन चीजों का दान करना चाहिए।

ज्येष्ठ पूर्णिमा का कब है

सबसे पहले आइये जानते हैं ज्येष्ठ पूर्णिमा किस दिन है। पंचांग के अनुसार, ज्येष्ठ पूर्णिमा 10 जून सुबह 11.36 बजे से 11 जून दोपहर 1.14 बजे तक रहेगी। उदया तिथि की वजह से ज्येष्ठ पूर्णिमा का व्रत 11 जून को रखा जाएगा। इस दिन ज्येष्ठा नक्षत्र और साध्य योग का भी उत्तम संयोग बनेगा। जहां दोपहर 1.14 बजे तक ज्येष्ठा नक्षत्र रहेगा, वहीं दोपहर 2.04 बजे तक साध्य योग प्रभाव में रहेगा।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के दान

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर पवित्र नदी में स्नान करने, भगवान का पूजन करने और दान पुण्य करने का विशेष महत्व है। ज्येष्ठ पूर्णिमा पर कुछ चीजों का दान उत्तम माना गया है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर जरूरतमंदों को पंखा, ठंडक प्रदान करने वाली वस्तुओं का दान करें।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर तरबूज, खीरा, ककड़ी आदि शीतलता प्रदान करने वाले फलों का दान करें।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर सूती वस्त्र, अन्न और धन का दान करना शुभ माना जाता है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा पर दही, घी, दूध, चावल, गुड़, खीर आदि के दान से लक्ष्मी नारायण की कृपा प्राप्त होती है।

ज्येष्ठ पूर्णिमा के उपायज्येष्ठ पूर्णिमा पर चंद्रमा को दूध अर्पित करें। ज्येष्ठ पूर्णिमा के दान चंद्रोदय का समय शाम 7.29 बजे है। ऐसे में चंद्रमा की पूजा के बाद दूध अर्पित करें। इसके अलावा घर के मंदिर में श्रीयंत्र की प्रतिष्ठा करें।

इसके बाद इसे घर की उत्तर दिशा में साफ स्थान पर टांग दें। इसके बाद चावल, हल्दी की गांठ और एक रुपये का सिक्का लाल कपड़े में बांधकर रख दें और 108 बार ऊं श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं ऊं महालक्ष्मी नमः मंत्र का जप करें। इससे आपकी आर्थिक परेशानियां दूर होंगी।

कर्ज से कुंडली में है मंगलदोष तो इस दिन करें ये उपाय

मंगलवार का दिन प्रभु श्रीराम के सबसे प्रिय भक्त हनुमान जी को समर्पित होता है। इस दिन मंगल ग्रह की पूजा करने का भी विधान है। गुमला जिले में ऐतिहासिक धार्मिक स्थल आंजन धाम है। आंजन धाम को हनुमान जी की जन्मस्थली माना जाता है। ये धाम चारों ओर हरे-भरे पेड़-पौधे, पहाड़, जंगलों के बीच चोटी में है। मान्यता के अनुसार, इन्हीं पहाड़ की चोटी की गुफा में माता अंजनी ने हनुमान जी को जन्म दिया था, और यहां हनुमान जी की अति दुर्लभ प्रतिमा स्थापित है।

मंगल दोष और कर्ज निवारण

यहां माता अंजनी की गोद में हनुमान जी अपने बाल स्वरूप में विराजमान हैं। शास्त्र के अनुसार, जिन लोगों की कुंडली में मंगल दोष होता है, उनके जीवन में विभिन्न तरह की परेशानियां आती हैं। मंगल दोष से निवारण व कर्ज से मुक्ति पाने के लिए मंगलवार के दिन कुछ विशेष उपाय कर इससे छुटकारा पा सकते हैं।

इन उपायों से मिलेगी मुक्ति

कर्ज से मुक्ति पाने के लिए मंगलवार के दिन हनुमान जी को पान का बीड़ा चढ़ाने से कर्ज से मुक्ति मिलती है। पान का बीड़ा चढ़ाने से हनुमान जी की कृपा बनती है और व्यक्ति के ऊपर जो कर्ज का बीड़ा है, पान का बीड़ा चढ़ाने से वह धीरे-धीरे घटता है और कर्ज खत्म होता है। इसके अलावा आप मंगलवार के दिन हनुमान जी को सिंदूर चढ़ाएं।

ऋणमोचक मंगल स्तोत्र का पाठ करें, 11 पीपल के पत्तों पर चंदन से श्रीराम लिखकर हनुमान जी को अर्पित करें। नारियल को अपने सिर के ऊपर से सात बार घुमाकर हनुमान जी के चरणों में छोड़ आएं, 108 बार हनुमान चालीसा का पाठ करें। इन उपायों से कर्ज से छुटकारा पा सकते हैं।

मंगल दोष दूर करने के उपाय

अगर किसी व्यक्ति को मांगलिक दोष लगा हुआ है तो वो व्यक्ति मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा-पाठ करे। मंगलवार के दिन हनुमान जी को गुलाब का फूल चढ़ाएं और विवाह के लिए संकल्प कराएं, तो इससे भी मंगल दोष कटता है। इसके साथ ही मसूर की दाल, चना-गुड़ आदि का दान करने से भी मांगलिक दोष दूर होता है। इसके अलावा मंगलवार के दिन कुछ टोटका भी किया जाता है जिससे भी मंगल दोष को काटा जा सकता है और यह सब हनुमान जी की कृपा से ही संपन्न हो सकता है।

पैरों के अंगूठे और उंगलियों पर बाल आना शुभ या अशुभ?

सामुद्रिक शास्त्र एक प्राचीन भारतीय विद्या है, जिसके माध्यम से व्यक्ति के शरीर की बनावट, चेहरों के भाव, हाथ-पैरों की रेखाओं और अंगों की विशेषताओं को देखकर उसके स्वभाव, भविष्य और जीवन की दिशा के बारे में जाना जा सकता है।

पैरों की उंगलियों पर बाल होना दुर्लभ लक्षण

सामान्य तौर पर पैरों की उंगलियों पर बाल नहीं होते या बहुत हल्के होते हैं। लेकिन कुछ लोगों के पैरों की अंगुलियों पर मोटे और साफ बाल नजर आते हैं। यह कोई आम बात नहीं मानी जाती। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार यह एक विशेष लक्षण होता है, जो व्यक्ति के व्यक्तित्व और भविष्य को दर्शाता है।

धन और समृद्धि का संकेत

पैरों की उंगलियों पर बाल होना धन, वैभव और सुख-सुविधाओं का संकेत माना जाता है। ऐसा व्यक्ति आर्थिक रूप से मजबूत होता है और अपने बलबूते पर जीवन में ऊंचाइयों को छूता है। वह मेहनती जरूर होता है लेकिन उसे किस्मत का साथ भी मिलता है। ऐसे लोग अक्सर व्यवसाय, नौकरी या किसी विशेष क्षेत्र में बड़ी सफलता प्राप्त करते हैं।

जिम्मेदार और आत्मनिर्भर व्यक्तित्व

जिन व्यक्तियों के पैरों की उंगलियों पर बाल होते हैं, वे बहुत आत्मनिर्भर, जिम्मेदार और आत्मविश्वासी माने जाते हैं। ये लोग अपनी बात पर अडिग रहते हैं और निर्णय लेने में हिचकते नहीं हैं। इनके अंदर नेतृत्व करने की क्षमता भी होती है।

गूढ़ विषयों में रुचि रखने वाला

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, ऐसे व्यक्ति ज्योतिष, तंत्र, ध्यान, योग और आध्यात्म जैसे विषयों में गहरी रुचि रखते हैं। वे बाहरी दुनिया की चकाचौंध से ज्यादा आत्मज्ञान की खोज में रहते हैं। यह लक्षण दर्शाता है कि व्यक्ति में गहराई से सोचने और समझने की क्षमता होती है।

क्रोधी स्वभाव भी संभव

हालांकि यह लक्षण ज्यादातर मामलों में शुभ माना गया है, लेकिन कुछ ग्रंथों में बताया गया है कि अगर उंगलियों पर बाल बहुत ज्यादा और मोटे हों, तो यह व्यक्ति के भीतर छुपे क्रोध और अहंकार की तरफ भी संकेत कर सकता है। ऐसे लोग कभी-कभी बहुत गुस्से में असंतुलित निर्णय भी ले लेते हैं। इसलिए इन्हें ध्यान और संयम की सलाह दी जाती है।

झारखंड के ये हैं 4 अनोखे मंदिर, यहां धागा-चुनरी बांधकर भक्त मांगते हैं मन्नतें

रांची के महादेव मंदिर में नारियल चढ़ाकर, राधा कृष्ण मंदिर में बरगद पर कलावा बांधकर, शिव मंदिर में पीपल पर कलावा बांधकर और पहाड़ी मंदिर में चुनरी बांधकर मन्नत मांगी जाती है।

रांचीः इसमें सबसे पहला नाम रांची के नामकोम स्थित मराशिलि पहाड़ स्थित महादेव का आता है। जहां पर नारियल चढ़ा कर मन्नत मांगा जाता है। यहां मन्नत वाला नारियल को फोड़ा नहीं जाता है। बल्कि, महादेव के चरणों में चढ़ा दिया जाता है। इसे फिर बाहर में बांध दिया जाता है।

यहां मंदिर के पुजारी जगमोहन बताते हैं कि मुराद पूरी होने पर भक्त आते हैं। फिर उस नारियल को फोड़ते हुए प्रसाद के रूप में लोगों को देते हैं। यहां पर खासतौर पर शादी की मुराद पूरी होती है। कहते हैं यहां पर अगर कुंवारे आते हैं तो 6 महीने के भीतर ही उनकी शादी हो जाती है। कई सारे लोग हैं जिनकी शादी 6 महीने के अंदर हुई और 1 साल के भीतर उनको पुत्र की प्राप्ति भी हुई।

पुजारी ने आगे बताया कि यहां पर ऐसे भी कई पिता को उन्होंने देखा है, जिन्होंने यहां पूजा कराई है। जिनकी चार-चार बेटियां हैं और किसी की शादी नहीं हो रही थी। यहां पर मन्नत मांगने के बाद 2 साल के भीतर चारों के हाथ पीले हो गए और चारों सुखी संपन्न है। इसके बाद आप आ जाइए रांची

के चुटिया स्थित राधा कृष्ण मंदिर में। जो की 350 साल पुराना है। यहां पर बरगद के पेड़ में कलावा बांधकर मन्नत मांगते हैं। यहां पर आई हुई महिला सुगंधा देवी बताती हैं कि मेरे घर में बहुत पहले लड़ाई झगड़ा हुआ करता था।

अब मंदिर में दर्शन-पूजन से ऐसा चमत्कार हुआ कि आज घर में सब सुखी संपन्न हैं। अब घर की बहुएं बहुत अच्छे से रहती हैं। साथ ही मेरी सेवा भी करती हैं। मुझे भी समझ में नहीं आता है कि आखिर ऐसा हो क्या गया। हां, यहां पर मन्नत जरूर मांगा था।

इसके बाद आप आ जाइए रांची का सहजानंद चौक स्थित शिव मंदिर में। यहां पर पीपल का पेड़ है और यहां के कलावा बांधा जाता है। यहां पर पेड़ में कलावा को ही देखकर आपको समझ में आ जाएगा कि कितने लोगों ने मन्नतें मांगी होंगी। कहते हैं कि जो भी यहां पर सिर्फ एक बार हाथ भी जोड़ ले तो वह खाली हाथ नहीं लौटता है।

इसके बाद आप आ जाइए रांची के पहाड़ी मंदिर में। पहाड़ी मंदिर के पास एक चुनरी स्थल है। वहां पर आपको चुनरी बांधकर मुराद मंगानी है। कहते हैं कि चुनरी बांधकर सच्चे मन से जो भी कामना करंते है, महादेव जरूर पूरी करते हैं।

यहां पर आपको हजारों चुनरी बंधे हुए दिखाई देंगे। कोई ना कोई कभी ना कभी बांधते दिख जाएगा और आप उनसे पूछेंगे तो बोलेंगे कि पहले एक मन्नत पूरा हो गया। अब यह दूसरा मन्नत पूरा करने आए हैं। इस तरीके से यहां बाबा भोलेनाथ मनोकामना पूरी करते हैं।

यहां पर खासतौर पर लोग जॉब के लिए आते हैं या फिर पैसे की तंगी, आर्थिक समस्या यह सारी चीज का निवारण के लिए मन्नत मांगते हैं और उनकी आर्थिक स्थिति भी पहले के मुकाबले बहुत शानदार होती है।

ज्येष्ठ माह का आखिरी बड़ा मंगल आज

ज्येष्ठ माह के मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है, जब भगवान राम और हनुमान जी का मिलन हुआ था। इस दिन हनुमान पूजा, व्रत और दान करने से मंगल दोष दूर होता है। आइए जानते है आख़री बड़े मंगलवार किन उपायों से बजरंगबली को प्रसन्न कर सकते है।

हिन्दू धर्म में ज्येष्ठ माह को सबसे बड़ा महीना माना गया है, इसलिए इसका नाम ज्येष्ठ पड़ा। ज्येष्ठ महीने में पड़ने वाले मंगलवार को भी बेहद शुभ माना जाता है। इस महीने में पड़ने वाले प्रत्येक मंगल पर हनुमानजी की उपासना परम पुण्यकारी बताई गई है। इस महीने आने वाले प्रत्येक मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहा जाता है।

मान्यता है कि ज्येष्ठ के मंगलवार को ही भगवान राम से हनुमानजी की मुलाकात हुई थी। भक्त और भगवान के इसी मिलन की तिथि को उत्सव के रूप में मनाने की परंपरा है। यह परंपरा त्रेतायुग से जुड़ी हुई है। उज्जैन के आचार्य आनंद भारद्वाज ने बताया कि अंतिम बड़ा मंगल 10 जून यानी कल है। इस दिन कुछ उपाय करके आप बजरंगबली की कृपा प्राप्त कर सकते हैं और जिन जातक की कुंडली मे मंगल दोष है वो भी दूर हो सकता है।

जानिए बड़े मंगल का धार्मिक महत्व?

पौराणिक कथाओं के अनुसार, ज्येष्ठ माह में मंगलवार के दिन भगवान श्रीराम और हनुमानजी का मिलन हुआ था। इसी वजह से ज्येष्ठ माह में पड़ने वाले सभी मंगलवार को बड़ा मंगल कहा जाता है। धार्मिक मान्यता है कि ज्येष्ठ माह के मंगलवार के दौरान प्रभु राम अपने भक्तों की सभी इच्छाओं को पूर्ण करते हैं।

कुंडली में मंगल दोष के छुटकारा पाने के उपाय

– अगर आपकी कुंडली में मंगल दोष हैं तो इस दिन हनुमान जी की पूजा,व्रत और उन्हें कुछ चीजें जरूर चढ़ानी चाहिए। मान्यता है कि इससे हनुमान जी प्रसन्न होंगे और आपको सौभाग्य वरदान में देंगे।

– हनुमान जी को प्रसन्न करने के लिए हनुमान चालीसा का पाठ करें और उन्हें सिंदूर जरूर चढ़ाएं। बड़ा मंगल के दिन व्रत रखें और यथाशक्ति हनुमान मंदिर में बूंदी का प्रसाद बांटे।

– आज के दिन लाल रंग के कपड़े, मिठाई, मसूर की दाल, शहद, गुड़ चना आदि गरीबों में दान करें। इसके अलावा, अपने पास लाल रंग के रूमाल रखें।

जरूर करें मंगल मंत्र का जाप

ॐ क्रां क्रीं क्रौं सः भौमाय नमः या फिर ॐ भौं भौमाय नमः मंत्र का 10 हजार जाप करें। अगर यह मुमकिन नहीं तो आज के दिन कम से कम 1100 बार इन मंत्र का जाप करें।

बलराम की पत्नी रेवती का ऐसे हुआ था जन्म

रेवती, हिंदू धर्मग्रंथों में वर्णित एक देवी हैं। रेवती, दशावतार में से एक हैं। रेवती का वर्णन महाभारत और भागवत पुराण जैसे कई हिंदू ग्रंथों में मिलता है। रेवती कई युग बड़ी थीं। वे सतयुग की महिला थीं। लगभग कई फ़ुट लंबी थीं। देवताओं में इंद्र भी रेवती से विवाह करना चाहते थे। लेकिन रेवती ने इंद्र से विवाह करने से इनकार कर दिया था।

बलराम की पत्नी रेवती, राजा रेवतक की बेटी थीं। रेवती का जन्म दिव्य अग्नि से हुआ था। वे बहुत सुंदर थीं।

रेवती को देवराज इंद्र ने श्राप दे दिया था। वह कभी मां नहीं बन पाएंगी।

मथुरानाथ शास्त्री ने बताया कि रेवती माता बहुत सुंदर थीं, इसलिए सभी देवता उनसे वर्ण करना चाहते थे। रेवती का वर्णन महाभारत और भागवत पुराण जैसे कई हिंदू ग्रंथों में मिलता है। इंद्र को श्राप देने की बात रेवती माता ने कही। इंद्र इस बात से नाराज होकर रेवती माता को निःसंतनता का श्राप दे देता है। रेवती माता कभी भी मां बनने का सुःख नहीं भोग पाईं।

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार मधुबन में माता रेवती और बलराम का मंदिर स्थित है। परिक्रमा मार्ग का 84 कोस का पहला पड़ाव मधुबन गांव से ही शुरू होता है। यह मंदिर अति प्राचीन है।

नकारात्मक विचार हमें पतन और असफलता की ओर ले जाते हैं, ऐसे विचारों से बचना चाहिए

आज जूनापीठाधीश्वर आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद जी गिरि के जीवन सूत्र में जानिए मन हमारे हित में कब काम करता है?आत्म निरीक्षण करना भी एक साधना है। इस साधना से हमारी निरंतर प्रगति होती है। जब हम आत्म निरीक्षण करते हैं तो हमारी कमजोरी और गलतियां मालूम होती हैं। हमारे नकारात्मक विचार ही हमें पतन की ओर, असफलता की ओर लेकर जाते हैं। ऐसे विचारों से बचना चाहिए। व्यक्ति विजेता तब बनता है, जब उसके विचार सकारात्मक होते हैं।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 10 जून - 2025

जब चौथा स्तंभ असुरक्षित हो तो लोकतंत्र कितना मजबूत रहेगा?

सुरेश गांधी

लोकतंत्र के तीन संवैधानिक स्तंभ : विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका : संविधान से तय हैं। लेकिन चौथा स्तंभ : पत्रकारिता : एक ऐसा प्रहरी है, जिसकी जिम्मेदारी न केवल सूचना देना है, बल्कि सत्ता से जवाब भी मांगना है। विडंबना देखिए, जो आवाज हर पीड़ित की आवाज बनती है, वही आवाज आज अपनी सुरक्षा के लिए चीख रही है। सत्ता को आइना दिखाने वाली कलम अब खुद बेआवाज, बेसहारा और बेपरवाह सिस्टम की शिकार होती जा रही है। पिछले 5 वर्षों में भारत में 156 पत्रकारों पर हमले, जिनमें 30 से अधिक की मौत। 2023 में भारत प्रेस की स्वतंत्रता में 161 देशों में 159वें स्थान पर रहा। 80 फीसदी पत्रकार ठेके, पार्ट टाइम या फ्रीलांस पर, जिन्हें कोई संस्थागत सुरक्षा नहीं। कोविड काल में अकेले उत्तर प्रदेश, बिहार, एमपी में 9000 पत्रकारों को नौकरी से निकाला गया, जिनमें से सिर्फ 600 को आंशिक मुआवजा मिला। बता दें, विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका को सुरक्षा और अन्य सुविधाएं प्रदान करने के पीछे मुख्य कारण उनकी संवैधानिक भूमिका और स्वतंत्रता की रक्षा करना है। इन अंगों की निष्पक्षता और स्वतंत्रता लोकतंत्र के लिए आवश्यक है। जबकि पत्रकार लोकतंत्र के एक महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, उनकी सुरक्षा और स्वतंत्रता को सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी सरकारों, मीडिया मालिकों और समाज की होती है, बावजूद इसके उसे कोई सुविधा, सुरक्षा नहीं है, जबकि सियासी पार्टियां सार्वजनिक मंचों से कहते नहीं अघाते पत्रकार देश के चौथा स्तंभ है। ऐसे में बड़ा सवाल तो यही है जब पत्रकार देश के चौथा स्तंभ है तो न्याय पालिका, कार्यपालिका व विधायिका की तर्ज पर उन्हें सुविधाएं क्यों नहीं दी जाती? हाल यह है कि सुविधाएं तो दूर जब कभी भी पत्रकार तथ्यों के साथ इन तीनों स्तंभों की काले कारनामे उजागर करने की कोशिश करता है तो संबंधित पत्रकार को किसी न किसी बहाने उत्पीड़न किया जाता है। हाल यह है कि कलम जो कभी सच की मशाल थी, अब सुरक्षा के लिए गुहार बनती जा रही है... मतलब साफ है जब समाज का प्रहरी खुद असहाय हो जाए, तो अन्याय निर्भीक हो जाता है। सवाल उठाना, सत्ता से जवाब मांगना और जनता के दर्द को आवाज देना, पत्रकार का धर्म है। परंतु अगर कलम टूटने लगे, और उसके लिए कोई हाथ आगे न बढ़े, तो यह केवल पत्रकारिता का नहीं, लोकतंत्र का संकट है। या यू कहे "जब आवाजें दम तोड़ने लगें और सन्नाटा साजिश बन जाए, तब जरूरी है कि कलम की रक्षा, लोकतंत्र की रक्षा बन जाए... आज यह सवाल बेमानी नहीं कि जब न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका को हर प्रकार की सरकारी सुरक्षा और सुविधाएं प्राप्त हैं, तो पत्रकार : जो इन तीनों की निगरानी और आलोचना करता है : उसे सुरक्षा क्यों नहीं? जब पत्रकार मारा जाता है, तो केवल एक व्यक्ति नहीं मरता : सच की उम्मीद, जनता की आवाज और लोकतंत्र की सांस दम तोड़ती है। सरकारें अगर अब भी नहीं जागीं, तो अगला खतरा सिर्फ पत्रकारों का नहीं होगा, हम सबका होगा। काशी पत्रकार संघ के पूर्व अध्यक्ष अत्री भारद्वाज कहते है "जब कलम खामोश हो जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा भी मर जाती है" पत्रकारों की सुरक्षा नहीं, तो जनता की सच्चाई भला कैसे उजागर होगी? भारतीय संविधान में पत्रकारिता को अलग से "चौथे स्तंभ" के रूप में मान्यता नहीं दी गई है, लेकिन अनुच्छेद 19(1)(एं) के अंतर्गत "अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता" का अधिकार प्रेस की स्वतंत्रता का मूल आधार है। लेकिन समस्या यह है कि न तो भारतीय संसद ने अब तक "प्रेस स्वतंत्रता कानून" पारित किया है। न ही पत्रकारों को न्यायपालिका या विधायिका की तरह संवैधानिक संरक्षण मिला है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार प्रेस की भूमिका की सराहना की है, लेकिन उनके लिए कोई संस्थागत सुरक्षा तंत्र नहीं बनाया गया। उनका कहना है कि प्रेस की आज़ादी को लोकतंत्र की आत्मा बताया गया। लेकिन अब सवाल यह है : जब न्यायपालिका खुद प्रेस को लोकतंत्र का प्राण कहती है, तो प्राण की रक्षा का कोई तंत्र क्यों नहीं है? "आवाज़ जो लोकतंत्र की सांस थी, अब चीख बनती जा रही है" अब जीवन जोखिम पर है, उदाहरण बहुत हैं और चौंकाते हैं: बलिया (यूपी, 2021): भू-माफिया के खिलाफ रिपोर्टिंग कर रहे पत्रकार राकेश सिंह को जिंदा जला दिया गया। बिहार : पत्रकार चंदन तिवारी की हत्या : उसका गुनाह था कि वह मनरेगा में भ्रष्टाचार उजागर कर रहा था। छत्तीसगढ़ : 2015 से अब तक 17 से अधिक ग्रामीण पत्रकार माओवादियों और पुलिस के बीच पिस चुके हैं। मध्य प्रदेश : पत्रकार सुशील पांडे पर खनन माफिया का हमला : आज तक न्याय नहीं। इन मामलों में पीड़ित परिवारों को न कोई सरकारी सहायता मिली, न न्याय। केवल एक ठंडी सी पंक्ति : "मामले की जांच जारी है..." अनुच्छेद 19(1)(ए) पत्रकारों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देता है, पर यह व्यवहारिक सुरक्षा नहीं देता। मतलब साफ है न कोई अलग पत्रकार सुरक्षा कानून है, न ही कोई स्वतंत्र न्यायिक आयोग। प्रेस कौंसिल आफ इंडिया जैसे संस्थान केवल "सिफारिश" कर सकते हैं, उनके पास दंड देने का अधिकार नहीं। नेशनल ह्यूमन राइट्स कमीशन के सामने पत्रकारों पर हमलों की सुनवाई लंबित रहती है : फैसले नदारद। सुप्रीम कोर्ट भले प्रेस को लोकतंत्र की आत्मा मानता हो, लेकिन सरकारें उसे सुरक्षा देने में कंजूसी बरतती हैं। छत्तीसगढ़ की ग्रामीण पत्रकार सुरक्षा योजना : अभी तक केवल कागज़ों में। महाराष्ट्र की पत्रकार शहीद योजना : न फंडिंग स्पष्ट, न प्रक्रिया। झारखंड, ओडिशा ने प्रस्तावित पत्रकार सुरक्षा विधेयक तैयार किया, लेकिन पास नहीं किया। अब बात सुझावों की नहीं, व्यवस्था बदलने की है। सरकार, संस्थान और समाज को मिलकर निम्न कदम उठाने होंगेः 1. राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा कानून लाया जाए, जो पत्रकारों पर हमले को गैर-जमानती अपराध घोषित करे। 2. पत्रकार कल्याण कोष : हमले या मौत की स्थिति में पीड़ित परिवार को 10 लाख तक मुआवजा। 3. पत्रकार बीमा योजना लागू हो जिसमें सभी पंजीकृत और स्वतंत्र पत्रकार कवर हों। 4. स्थायी मान्यता नीति : जिला स्तर तक काम करने वाले पत्रकारों को उचित वेतन और सुविधा के अलावा सेवा सुरक्षा नीति लागू की जाए। 5. पत्रकार न्याय आयोगः शिकायतों की स्वतंत्र जांच के लिए संवैधानिक निकाय। यानी स्वतंत्र पत्रकार सुरक्षा आयोग गठित किया जाए, जो हमलों की निगरानी और रिपोर्टिंग करे। 6 : आपदा, युद्ध, चुनाव और आपराधिक विषयों पर रिपोर्टिंग करने वाले पत्रकारों को विशेष जोखिम भत्ता मिले. 7 : मीडिया संस्थानों को कानूनी रूप से अपने पत्रकारों की सुरक्षा की जिम्मेदारी देनी चाहिए. भारत में 2023 तक 150 से अधिक पत्रकारों पर हमले, जिनमें 26 की हत्या। 85 फीसदी पत्रकार संविदा या फ्रीलांस पर, जिनके पास कोई बीमा, पेंशन या सुरक्षा गारंटी नहीं। 12,000 से अधिक पत्रकार कोविड के दौरान नौकरी से निकाले गए, मुआवजा केवल 7 फीसदी को। 40 फीसदी स्थानीय संवाददाता अपने संसाधनों से रिपोर्टिंग करते हैं, बिना संस्थागत सहयोग के। पंजाब-हरियाणा चुनावी व किसानों के मुद्दों पर रिपोर्टिंग में हिंसा की खबरे आई, लेकिन कोई अलग पत्रकार सुरक्षा पहल के बजाय लगातार उत्पीड़न हो रहा है। यह रवैया सिर्फ अमानवीय नहीं, बल्कि पेशेवर धोखा भी है। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी पत्रकारों पर केस दर्ज होते रहते है। वाराणसी मंडल में 2020-23 तक कोविड के चलते 31 पत्रकारों की मृत्यु, जिनमें से केवल 5 को सरकारी सहायता मिली। यूपी प्रेस क्लब रिपोर्ट के अनुसार, 70 फीसदी पत्रकार किसी प्रेस मान्यता सूची में शामिल नहीं, फिर भी वे रोज जान जोखिम में डालते हैं। यह शहर सिर्फ प्रधानमंत्री का संसदीय क्षेत्र नहीं, यह बुद्ध और तुलसी की नगरी भी है : जहाँ विचार, प्रश्न और सत्य की परंपरा रही है। अगर यहीं के पत्रकार असुरक्षित हैं, तो सवाल पूरे लोकतंत्र की आत्मा पर खड़ा होता है। काशी, जहां ज्ञान की मशालें जलती हैं, वहीं से आज एक सवाल उठता हैक्या वह कलम, जो अंधेरे में सच की रोशनी देती है, अब खुद अंधेरे में क्यों डूबी है? वाराणसी, भदोही, बलिया, मऊ, गाजीपुर से लेकर लखनऊ, प्रयागराज तक पत्रकार आज केवल खबरें नहीं लिख रहे, बल्कि अपनी सुरक्षा की फरियाद भी कर रहे हैं। और दुर्भाग्य देखिए, उनकी आवाज़... अखबारों में छपती है, लेकिन सरकारों के कानों तक नहीं पहुँचती।

सुहाग की कातिल

इंदौर के राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हुई बहुचर्चित हत्या के मामले में जिस तरह से खुलासे सामने आ रहे वो चौंकाने वाले हैं। पूरा मामला प्यार, शादी और धोखे का ऐसा कॉकटेल है जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया है। पुलिस खुलासे में पत्नी सोनम रघुवंशी ही इस हत्याकांड की मास्टरमाइंड है। खबरों के अनुसार सोनम किसी और से प्यार करती थी। घरवालों ने उसकी शादी राजा से करवा दी। मनमर्जी का प्यार न मिल पाने से खफा पत्नी सोनम ने ही राजा को रास्ते से हटाने की ये साजिश रची। पूरे घटनाक्रम ने लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया कि जब पत्नी ही अपने सुहाग की कातिल बन जाए तो शादी जैसे पवित्र रिश्ते पर कैसे भरोसा किया जाएगा। राजा रघुवंशी और सोनम की शादी 11 मई को इंदौर में बड़े धूमधाम से हुई थी। शादी के वीडियो में राजा और सोनम बेहद खुश नजर आ रहे हैं। वे डांस करते दिख रहे। शादी के बाद सोनम ने ही हनीमून के लिए शिलॉन्ग की टिकट कराई थी। राजा रघुवंशी का हनीमून पर जाने का प्लान नहीं था। लेकिन पत्नी की जिद के आगे वो तैयार हो गया। जबकि सोनम ने वापसी का टिकट नहीं कराया था। मेघालय पहुंचने के बाद 23 मई को अचानक ही राजा रघुवंशी और सोनम लापता हो गए। फिर राजा की लाश तो मिली लेकिन सोनम का पता नहीं चला। 9 जून की सुबह सोनम ने यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे के पास पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया। इस बीच सोनम के अलावा तीन और लोग अलग-अलग लोकेशन से पकड़े गए। इसके बाद पूरे घटनाक्रम की परतें खुलने लगीं। 17 दिन से लापता इंदौर की सोनम रघुवंशी ने ऐसे खुलासे किए हैं, जिसे जानकर हर कोई सकते में आ गया। गाजीपुर एसपी इराज राजा ने कहा कि मध्य प्रदेश पुलिस से सूचना मिली थी कि सोनम नाम की महिला काशी ढाबे पर मौजूद है। उसे पकडने के बाद इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और फिर गाजीपुर के वन स्टॉप सेंटर में ले जाया गया। इस बीच खुलासा हुआ है कि सोनम को राज कुशवाह से प्यार था।

अपने पिता के दबाव में उसने राजा रघुवंशी से शादी की। फिलहाल, पुलिस जांच में जुटी है। सोनम के परिजन अब सीबीआई जांच की मांग कर रहे। इस बीच मृतक राजा रघुवंशी की मां उमा रघुवंशी ने कहा कि हमें सोनम पर कभी शक नहीं हुआ। अगर उसने घटना को अंजाम दिया है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी ही। राज कुशवाह के बारे में मुझे कुछ नहीं पता। राज कुशवाह के बारे में तो सोनम के घरवालों को पता होगा। सोनम के पिता का कहना है कि सीबीआई जांच होना चाहिए, ताकि सब पता चल जाए। सोनम का हमारे साथ अच्छा व्यवहार था। अगर उसने राजा को मरवाया है तो उसे फांसी की सजा हो। अपने जवान बेटे को खोने के बाद राजा की मां ने जिस तरह से बेहद भावुक ढंग से अपनी बात रखी वो अहम है। उन्होंने अपनी बहू सोनम को लेकर कुछ भी ऐसा वैसा नहीं कहा।

हालांकि, ऐसी खबरें आ रही कि राजा ने परिवार से कहा था कि सोनम का उसमें इंट्रेस्ट नहीं है। ये ऐसी बातें हैं जो उनके रिश्तों पर सवाल खड़े कर रही हैं। हालांकि, यहां सवाल ये भी है कि सोनम को अगर राजा पसंद नहीं था तो वो उससे अलग भी हो सकती थी। आखिर जिसने बेइंतहा प्यार में उसकी मांग भरी, पत्नी बनाया उसने ही उसके मर्डर की साजिश क्यों रची? यह वाकई झकझोरने वाला है। ये पूरा घटनाक्रम और सोनम का पति के प्रति किया गया धोखा दिल दुखाने वाला है। जिसने भी सुना सन्न रह गया।

आपका अंतिम उपहार किसी की पहली रोशनी

प्रो. आरके जैन "अरिजीत"

जब जीवन की अंतिम साँसें गिनती शुरू होती हैं, तब भी किसी और के जीवन में उजाला भरने का संकल्प लेना इंसान को साधारण से असाधारण बना देता है। नेत्रदान एक ऐसा पुण्य कार्य है, जो न केवल हमारे जीवन को सार्थकता प्रदान करता है, बल्कि किसी अंधेरी दुनिया में रोशनी की किरण बनकर किसी और का जीवन संवार देता है। विश्व नेत्रदान दिवस, जो हर साल 10 जून को मनाया जाता है, हमें यह अवसर देता है कि हम अपनी आँखों से केवल अपनी दुनिया को ही नहीं, बल्कि किसी और की दुनिया को भी रंगों से भर दें। यह एक ऐसा मौका है, जो हमें याद दिलाता है कि मानवता की सबसे बड़ी सेवा किसी को देखने की शक्ति देना है। भारत में नेत्रहीनता एक गंभीर समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, भारत में लगभग 1.2 करोड़ लोग कॉर्नियल ब्लाइंडनेस से पीड़ित हैं, और इनमें से करीब 20 लाख लोग ऐसे हैं, जिन्हें नेत्र प्रत्यारोपण के माध्यम से दृष्टि प्रदान की जा सकती है। नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस एंड विजुअल इम्पेयरमेंट (एनपीसीबी&वीआई) के आँकड़ों के अनुसार, भारत में प्रतिवर्ष केवल 50,000 से 60,000 नेत्रदान होते हैं, जबकि आवश्यकता 1 लाख से अधिक कॉर्निया की है। इस कमी का प्रमुख कारण है जागरूकता की कमी, सामाजिक मिथक, और नेत्रदान की प्रक्रिया के प्रति भय। कई लोग यह मानते हैं कि नेत्रदान से मृत शरीर की शक्ल बिगड़ जाती है या यह धार्मिक मान्यताओं के खिलाफ है। लेकिन सच्चाई यह है कि नेत्रदान एक सरल, सुरक्षित और मानवीय प्रक्रिया है, जो किसी की भी धार्मिक या सांस्कृतिक भावनाओं का उल्लंघन नहीं करती। नेत्रदान मृत्यु के बाद किया जाने वाला एक ऐसा कार्य है, जो कुछ ही मिनटों में पूरा हो जाता है। मृत्यु के 6 से 8 घंटों के भीतर कॉर्निया निकाल लिया जाता है, जो आँख का वह पारदर्शी हिस्सा है, जो प्रकाश को केंद्रित करता है। यह प्रक्रिया इतनी सूक्ष्म होती है कि मृत व्यक्ति के चेहरे की सामान्य पहचान पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता। राष्ट्रीय नेत्र बैंक और अन्य प्रमाणित संस्थानों ने इस प्रक्रिया को और भी विश्वसनीय और पारदर्शी बनाया है। आश्चर्यजनक रूप से, नेत्रदान के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। एक नवजात शिशु से लेकर 80 वर्ष के बुजुर्ग तक, कोई भी व्यक्ति नेत्रदान कर सकता है। यहाँ तक कि चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग भी नेत्रदान के लिए पात्र हैं, बशर्ते उनकी कॉर्निया स्वस्थ हो। कैंसर, एचआईवी, या कुछ संक्रामक रोगों को छोड़कर, अधिकांश लोग इस पुण्य कार्य का हिस्सा बन सकते हैं। नेत्रदान की प्रक्रिया को समझना भी आवश्यक है। जब कोई व्यक्ति नेत्रदान का संकल्प लेता है, तो उसका पंजीकरण निकटतम नेत्र बैंक में किया जाता है। मृत्यु के बाद, परिवार के सदस्यों को तुरंत नेत्र बैंक को सूचित करना होता है। विशेषज्ञों की टीम कॉर्निया को सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से निकालती है। इसके बाद, कॉर्निया को नेत्र प्रत्यारोपण के लिए उपयुक्त मरीजों तक पहुँचाया जाता है। भारत में कई नेत्र बैंक, जैसे दिल्ली का डॉ. राजेंद्र प्रसाद सेंटर फॉर ऑफ्थैल्मिक साइंसेज और चेन्नई का शंकर नेत्रालय, इस क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य कर रहे हैं। ये संस्थान न केवल नेत्रदान को प्रोत्साहित करते हैं, बल्कि यह भी सुनिश्चित करते हैं कि दान की गई कॉर्निया जरूरतमंद तक समय पर पहुँचे। नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए समाज के हर वर्ग को एकजुट होना होगा। स्कूलों और कॉलेजों में नेत्रदान पर कार्यशालाएँ आयोजित की जानी चाहिए।

कहां तक ये मन को अंधेरे छलेंगे, उदासी भरे दिन कभी तो ढलेंगे

मनोज कुमार अग्रवाल

राहुल गांधी ममता बनर्जी और अखिलेश यादव समेत विपक्षी नेता बेशक सरकार की कितनी ही आलोचना करें लेकिन सरकार और देश के लिए एक काफी अच्छी खबर है कि देश काफी तेजी से गरीबी के अभिशाप से मुक्ति की दिशा की ओर तेजी में आगे बढ़ रहा है है दावा सरकार नहीं विश्व बैंक कर रहा है। विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले 11 वर्षों में 26.9 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं, जो निःसंदेह एक बड़ी उपलब्धि कही जा सकती है। चरम गरीबी दर 2011-12 के 27.1 फीसदी से गिरकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत पर पहुंच गई। विश्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक, 2011-12 में देश में 34.45 करोड़ लोग चरम गरीबी में जीवनयापन कर रहे थे, जो 2022-23 में घटकर 7.52 करोड़ रह गए है। सबसे बड़ी बात यह है कि दुनिया भर में चरम गरीबों की संख्या में वृद्धि हो रही है, इसके विपरीत भारत में गरीबी का दायरा काफी तेजी से घट रहा है। विश्व बैंक के अनुसार पूरी दुनिया में चरम गरीबी की संख्या में 12.5 करोड़ की वृद्धि हुई है, मगर भारत इस मामले में एक सकारात्मक अपवाद सावित हुआ है। हाल ही में जारी रिपोर्ट के आंकड़ों के अनुसार भारत में 2011-12 के दौरान कुल 344.47 मिलियन (34 करोड़ 44 लाख 70 हजार) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जो कि 2022-23 के दौरान घटकर लगभग 75.24 मिलियन (7 करोड़ 52 लाख 40 हजार) लोग रह गए हैं। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश पांच राज्यों में 2011-12 के दौरान भारत के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते थे। वहीं, इन राज्यों ने 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में होने वाली कुल गिरावट में दो-तिहाई योगदान दिया है। विश्व बैंक का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय गरीबी रेखा (2021 की कीमतों का उपयोग कर) पर आधारित है, जो कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में व्यापक कमी दर्शाता है। विश्व बैंक के अनुमानों के अनुसार, 2.15 डॉलर प्रतिदिन की खपत पर (2017 की कीमतों पर आधारित पिछली गरीबी रेखा) अत्यधिक गरीबी में रहने वाले भारतीयों की हिस्सेदारी 2.3 प्रतिशत है, जो 2011-12 में दर्ज 16.2 प्रतिशत से काफी कम है। नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 2022 में 2.15 डॉलर प्रतिदिन की गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की संख्या 33.66 मिलियन दर्ज की गई है, जो 2011 में 205.93 मिलियन दर्ज की गई थी। आंकड़ों से यह भी पता चला कि यह तीव्र गिरावट समान रूप से देखी गई, जिसमें ग्रामीण अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई और शहरी अत्यधिक गरीबी पिछले 11 वर्षों में 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई। आपको बता दें कि रिपोर्ट बताती है कि भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी शानदार प्रगति की है। आंकड़ों के अनुसार, बहुआयामी गरीबी सूचकांक (एमपीआई) 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 तक 16.4 प्रतिशत हो गया और 2022-23 में और अधिक घटकर 15.5 प्रतिशत हो गया। पांच सबसे अधिक आबादी वाले राज्यों में 54 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक गरीबी 18.4 प्रतिशत से घटकर 2.8 प्रतिशत हो गई है। शहरी क्षेत्रों में यह 10.7 प्रतिशत से घटकर 1.1 प्रतिशत हो गई है। जिससे ग्रामीण शहरी अंतर 7.7 प्रतिशत से घटकर 1.7 प्रतिशत रह गया है। यह 16 प्रतिशत की वार्षिक गिरावट है। इसके अलावा, भारत ने बहुआयामी गरीबी को कम करने में भी शानदार प्रगति की है। बहुआयामी गरीबी सूचकांक 2005-06 में 53.8 प्रतिशत से घटकर 2019-21 तक 16.4 प्रतिशत हो गया और 2022-23 में और अधिक घटकर 15.5 प्रतिशत हो गया है। निःसंदेह केंद्र में भाजपा के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की बड़ी उपलब्धि है। साफ है कि पिछले 11 सालों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के एनडीए सरकार ने लोगों को गरीबी से उबारने के महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं, जिसका फायदा दिख रहा है। दरअसल सत्ता में आने के बाद मोदी सरकार ने पूववर्ती कांग्रेस की योजनाओं को जारी रखते हुए कई अन्य योजनाओं की शुरूआत की है, जिसका लाभ गरीबों को मिल रहा है। आवास योजना से लोगों को घर मिले, उज्वला योजना से स्वच्छ रसोई गैस कनेक्शन, जन धन योजना से बैंक खाते और आयुष्मान भारत से मुफ्त इलाज की सुविधा दी गई। इसके अलावा डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी), डिजिटल सर्विसेज और ग्रामीण विकास से जुड़े कामों ने भी गरीबों को आर्थिक रूप से सशक बनाया है। एक और बड़ी बात यह है कि गरीबों के कल्याण के लिए जो योजनाएं लागू की हैं और उसे पारदर्शी बनाया है। उससे वास्तविक गरीबों को समुचित लाभ मिलने लगा है। गरीबों के बैंक खाते खोले गए हैं, जिसमें सीधे राशि आ जाती है। इस लिए अब सरकारी मदद में बिचौलिए सेंध नहीं लगा पा रहे हैं। नतीजतन गरीबों के जीवन स्तर में लगातार सुधार परिलक्षित हो रहा है। सरकार वास्तविक गरीबों के हितों का संरक्षण जरूर कर रही है। लेकिन उनके हक पर डाका डालने वाले फर्जी गरीबों के खिलाफ उतनी तेजी से अभियान नहीं चला रही है जैसी अपेक्षित है। इसके अलावा भारत की अर्थव्यवस्था ने इस दौरान तेजी से विकास किया है, जिससे रोजगार के अवसर बढ़े हैं। विश्व बैंक के अनुसार, यह विकास न केवल शहरी क्षेत्रों में, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी देखा गया है। विश्व बैंक ने भी इस बात को माना है कि मुफ्त और रियायती खाद्यान्न वितरण से गरीबी में कमी आई है और ग्रामीण व शहरी गरीबी का अंतर कम हुआ है। हालांकि अर्थव्यवस्था के बारे में रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की वास्तविक जीडीपी वित्त वर्ष 2025 तक कोरोना के पहले के स्तर से लगभग 5 प्रतिशत कम है। विश्व बैंक ने यह भी कहा है कि यदि वर्तमान वैश्विक अनिश्चितताओं का व्यवस्थित ढंग से समाधान कर लिया जाता है तो 2027-28 तक भारत का विकास धीरे-धीरे अपनी संभावित स्थिति में पहुंच जाएगा। हालांकि भारतीय आर्थिक परिदृश्य में महत्वपूर्ण नकारात्मक जोखिम विद्यमान हैं, और इसका कारण वैश्विक स्तर पर नीतिगत बदलाव जारी रहना है। रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ने से भारत के निर्यात की मांग कम होगी और निवेश में सुधार में और देरी होगी। साफ है कि भारत के समक्ष चुनौतियां बरकरार है। खुशी की बात है कि गरीबी घटी है, लेकिन अभी भी सात करोड़ से ज्यादा लोग अत्यधिक गरीबी के नीचे जीवनयापन कर रहे हैं। इसलिए भारत को अपनी संवेदनशील आबादी की जरूरतों को हल करने के लिए और बेहतर व्यवस्था की आवश्यकता है। देश में समतापूर्ण और संतुलित विकास पर ध्यान देना होगा।

युद्ध लोलुपता और आतंकवाद का परिणाम

संजीव ठाकुर

भारत को पहलगाम में आतंकवादी हमले से 27 निरीह लोगों की हत्या के परिणाम स्वरूप जवाबी कार्रवाई पर ऑपरेशन सिंदूर चला कर पाकिस्तान के अंदर घुसकर आतंकवादियों के ठिकानों तथा लगभग 21 हवाई ठिकानों को नष्ट करना पड़ा तब जाकर पाकिस्तान घुटनों पर आया और संधि वार्ता के लिए रहम की भीख मांगता रहा। इसराइल पर हमास ने आतंकवादी हमला कर 700 लोगों की जान ले ली उसे आतंकवादी हमले के जवाब में इजरायल हमास तथा गाजा पट्टी को समूल नष्ट करने पर उतारू है। रूस ने यूक्रेन पर अपनी विस्तारवादी सनक के कारण ताबड़तोड़ हमले किये, ताजा स्थिति में जब यूक्रेन के सैकड़ो ड्रोन अटैक से उसके कई फाइटर जेट नष्ट हुए हैं जवाब में रूस ने भी यूक्रेन पर लगातार श्रृंखला में आक्रमण शुरू कर दिया है। किसी देश की विस्तारवादी लालसा को भी आतंकवाद की श्रेणी में रखा जा सकता है, अपनी भौगोलिक सीमाओं को आगे ले जाना और अपनी देश की पड़ोसी देश की इच्छा के विरुद्ध उसे पर हमला करना भी एक तरह का राजनीतिक आतंकवाद ही है। इन सब के प्रणाम स्वरूप विश्व युद्ध को विकल्प के तौर पर नहीं माना जाना चाहिए विश्व युद्ध मानवता के लिए एवं मानवीय जगत के लिए अभिशाप भी माना जाता है। हमलायुद्ध और हिंसा क्रोध से शुरू होकर पश्चाताप और दुखों के चिंतन में खत्म होता है। मौजूदा रूप से इसराइल हमास युद्ध में हजारों लोगों की जानें चली गई और लाखों फिलिस्तीनी लोग बेघर हो गए, ईरानी राष्ट्रपति रईस की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मौत भी इसराइल की प्रति हिंसा का परिणाम माना जा रहा है विस्तृत जांच होना शेष है।युद्ध अभी तक थमा नहीं है युद्ध की चिंगारी एक दूसरे आक्रमण करने से भड़कती जा रही है न जाने इसका अंजाम क्या होगा। इसी तरह रूस और यूक्रेन युद्ध कि इतने दिनो से ज्यादा के युद्ध की परिणति में शिवाय पश्चाताप के कुछ नहीं है1 रूस अपने सनकी राष्ट्रपति पुतिन की जिद की बलि चढ़ गया है। वह यूक्रेन से जीत कर भी मानसिक और वैचारिक रूप से हार गया है1 रूस अपने को जितना बलशाली, शक्तिशाली समझता था अब उसकी पोल खुल गई है, 3 सालों में युद्ध में रूस यूक्रेन जैसे छोटे देश को जीत नहीं पाया है1 यूक्रेन भी अपनी राष्ट्रपति की हठधर्मिता के कारण पूर्ण रूप से बर्बाद हो चुका है. यूक्रेन के 1करोड़40लाख नागरिक देश छोड़कर शरणार्थी बन चुके हैं। 40 हजार इमारतें बर्बाद हुई 20 लाख बच्चे घरों से दूर होकर शिक्षा से वंचित हो गए। ईसी तरह यूक्रेन तथा रूस के लगभग 50 हजार सैनिक युद्ध में मारे गए है।यह युद्ध की विभीषिका कहां तक जाएगी इसका आकलन करना तो कठिन है पर इसके परिणाम अत्यंत अमानवीय,कारुणिक और आर्थिक नुकसान देने वाले साबित हुए हैं। रूस के साथ युद्ध में यूक्रेन के तथाकथित दोस्तों अमेरिका तथा नैटो देशों ने सक्रियता से मैदान में साथ नहीं दिया, केवल दूर से यूक्रेन को शाबाशी देते रहे यूक्रेन अब संपूर्ण बर्बादी के कगार पर है। रूस का उसके अपने ही राष्ट्र में युद्ध के खिलाफ विरोध के स्वर उभर रहे हैं। नोबेल पुरस्कार प्राप्त पत्रकार ने अपने पूर्व में प्राप्त नोबेल पुरस्कार मेडल को बेचने का ऐलान किया है एवं यूक्रेन में मरने वाले हजारों बच्चों के हित में वह धनराशि रेड क्रॉस को प्रदान करेगा। पत्रकार ने कहा कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण का रूस की जनता अंदरूनी तौर पर विरोध करती है एवं भारी असंतोष भी है1 मैं आपको रूस यूक्रेन युद्ध की पृष्ठभूमि का इतिहास बताता हूं। यूक्रेन एक छोटा सा राज्य है, उसकी सैन्य शक्ति भी इतनी क्षमतावान नहीं है कि रूस या अन्य शक्तिशाली देश का सैन्य मुकाबला कर सके,पर अमेरिका, ब्रिटेन और नाटो के 30 देशों के बहकावे में आकर उसने रूस को नाराज करना शुरू कर दिया था। यूक्रेन को यकीन था कि रूस के आक्रमण के समय अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, इजरायल और नाटो के कई देश उसकी रक्षा करेंगे, पर ताकतवर,शक्तिमान रूस के हमले के सामने ना तो अमेरिका ने अपना सैन्य आक्रमण किया ना ब्रिटेन ने अपनी सेना ही भेजी और ना ही अन्य नाटो देश में रूस के खिलाफ किसी तरह की जंग ही की है ,केवल दूर से बैठकर समझौते करने की बात करते रहे और रूस के आक्रमण की निंदा ही की है। यह आलेख लिखते तक रूस ने कीव पर कब्जा भी कर लिया होगा और उसके समस्त एयर बेस सैनिक अड्डों को नष्ट कर दिया है। यूक्रेन का एयर डिफेंस पूरी तरह चरमरा गया है। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने बताया कि रूस ने सभी सैनिक हवाई अड्डों पर रॉकेट लॉन्चर दाग कर उन्हें पूरी तरह नष्ट कर दिया है, यूक्रेन के लगभग 40 सैनिकों को मार भी गिराया है, इसमें 10 निर्दोष नागरिक भी मारे गए हैं। रूस ने दावा किया था कि वह नागरिक ठिकानों पर बमबारी नहीं करेंगा पर मिसाइल तथा गोलियां सैनिकों तथा नागरिकों को अलग-अलग नहीं पहचानती है, और यही वजह है कि सैनिकों के साथ नागरिक भी मारे गए।

हम सहमत नहीं होंगे

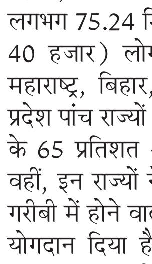

डॉ टी महादेव राव

सुबह की सैर में मेरा पड़ोसी मिल गया। साथ साथ चलते चलते हम बातें कर रहे थे। बातें क्या कर रहे थे ठंडे ढंग से एक दूसरे से असहमति जता रहे थे। वैसे वह हमेशा किसी बात से सहमत नहीं होता। सदा परेशान और हमेशा त्रस्त जीव। मैं ने कहा बहुत गर्मी है। सुबह छह बजे हैं और अभी से उमस और गर्मी परेशान कर रही है। ग्रीष्म ऋतु है और नौ तप्पा चल रहा है। गर्मी तो होगी ही। नया क्या है? मैं चुप रह गया। थोड़ी देर बाद बोला जानते हो हमारे वॉचमैन का बेटा हमारे मोहल्ले की अमीर घर की लड़की को भागा ले गया है। क्या हो रहा है? नया क्या है? फिल्मों में जब ऑटो वाले और करोड़पति की लड़की में प्यार हो तो तालियां पीटकर आप लोग खुश हो जाते हैं, उसे हीरो और उस लड़की को हीरोइन मानकर। सच में ऐसा हो तो माथा पीटते हो? लेकिन फिल्में और जिंदगी में फर्क तो है न? फिल्मों की कहानियां भी तो जिंदगी से ली जाती हैं। यह सब सामान्य है। मुझे लगा और झेल न पाऊंगा। मैं ने पूछा इस बार आपको क्या लगता है, कौन जीतेगा इलेक्शन में? जीते कोई भी हम और आप इसी तरह मॉर्निंग वॉक करते रहेंगे। बेफजूल की बातें भी करते हुए कदम गिनेंगे। जीतने वाला नोट गिन रहा होगा। लगा मुझे कि इतनी तटस्थता किसी बहुत ज्यादा बीमार व्यक्ति में या पहुंचे हुए संत महात्मा में ही हो सकती है। मतलब अब सरकार किसकी बनेगी? किसी की भी बने। आयकर, सेवाकर, उनके मेवा कर और हैं हम चाकर उनके नौकर। कोई फ़र्क नहीं। जैसे थे बस वैसे ही रहेंगे। मैने विषय बदलना चाहा। घर में सब कैसे हैं? उनको क्या हुआ है? मैं कमा रहा हूं और सब डटके उड़ा रहे हैं। बच्चों की पढ़ाई कैसे चल रही है। पढ़ाई कछुए की चाल में और खर्चे खरगोश की रफ्तार में। बुक्स की जगह फेस बुक और मेरे पास बुक पर उनका सारा ध्यान रहता है। आपके कोई दोस्त नहीं होंगे न दफ्तर में?क्या जरूरत है सिवाय अपना खर्चा बढ़ाने के। मेरे मातहत हों या ऊपर वाले अधिकारी सभी दफ्तर में काम ही तो करने आते हैं। दोस्ती प्यार मोहब्बत थोड़ी ही करेंगे। पता नहीं क्यों हर बात पर असहमत होते इस आदमी से किसी भी बात पर सहमत होने को मजबूर करूं ऐसी ज़िद आ गई मुझमें। वह सब तो ठीक है। आपकी हॉबीज़ यानी शौक क्या हैं? कोई खेल, कोई टी वी शो या कुछ भी। कोई शौक नहीं है मेरा। समय कहां है? दफ्तर, घर, मॉर्निंग वॉक बस इसी में मजा लेता हूं। मॉर्निंग वॉक अंतिम चरण में आ गया। मैं ने कहा चलिए यहां जूस पी लेते हैं। यहां फलों का अच्छा और ताज़ा जूस मिलता है। हां। चलो पीते हैं। पीने के बाद मुझे रोकते हुए पड़ोसी ने पैसे दिए। मैने कहा महंगाई काफी बढ़ गई है। सारे चीजों के दाम दुगुने हो गए हैं।उन्होंने हामी भरते हुए पर्स को जेब के हवाले किया और कहा आप बिल्कुल ठीक कहते हैं। महंगाई बहुत बढ़ गई है। मैं सहमति के इस पल ही की प्रतीक्षा कर रहा था। उनके साथ लंबे लंबे डग भरता हुआ घर की ओर चल पड़ा। कितना मुश्किल है आजकल सहमति के स्वर को सुन पाना।

शिलांग जैसी 8 कहानियां: कहीं शादी के 14 दिन बाद पत्नी ने कराया कत्ल

कहीं प्रेमी से मिलकर पति के 15 टुकड़े किए

शिलांग, 9 जून (एजेंसियां)। मेघालय के शिलांग में हनीमून मनाने गए इंदौर के राजा रघुवंशी की हत्या की गुत्थी सुलझ गई है। राजा की पत्नी सोनम रघुवंशी ने ही उनकी हत्या की साजिश रची। सोनम को सोमवार सुबह उत्तर प्रदेश के गाजीपुर जिले के नंदगंज थाना इलाके में पाया गया। मेघालय पुलिस का दावा है कि सोनम ने गाजीपुर में आत्मसमर्पण किया है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

इससे पहले डीजीपी आई नोंग्रांग ने सोमवार सुबह बताया कि इंदौर के पर्यटक राजा रघुवंशी की हत्या कथित तौर पर मेघालय में हनीमून के दौरान उनकी पत्नी की ओर किराए पर बुलाए गए लोगों ने की। उन्होंने बताया कि पत्नी सोनम ने उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है, जबकि तीन अन्य हमलावरों को रात भर की छापेमारी में गिरफ्तार किया गया।

इससे पहले मध्य प्रदेश के इंदौर से हनीमून मनाने के लिए मेघालय पहुंचे एक जोड़े के लापता होने का मामला काफी दिनों से चर्चा में था। 23 मई को जब यह जोड़ा लापता हुआ, तब माना जा रहा था कि मेघालय के सोहरा क्षेत्र में घने जंगलों और कम आबादी की वजह से पति-पत्नी की खोज-खबर नहीं मिल पा रही है। इसके बाद मामला उलझता चला गया। लापता युवक का शव दो जून (सोमवार) को 150 फीट गहरी खाई में मिला था।

सोनम रघुवंशी से पहले भी ऐसे ही चौंकाने वाले मामले सामने आ चुके हैं, जहां अपनों से ही रिश्तों का गला घोंट दिया है। हम आपको ऐसी ही कुछ घटनाएं बता रहे हैं, जहां पत्नी या प्रेमिका ने ही अपने साथी का कत्ल कर दिया या करवा दिया।

पति के शव के 15 टुकड़े किए, ड्रम में रखकर सीमेंट से चिनाई करा दी

इस साल मार्च में उत्तर प्रदेश के मेरठ से एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई थी। यहां एक महिला ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को बेरहमी से मार डाला था। इतना ही नहीं सबूत छिपाने के लिए महिला ने पति के शव के 15 टुकड़े किए और फिर इन्हें ड्रम में रखकर उसके ऊपर सीमेंट से चिनाई करा दी थी। घटना के बाद महिला अपने प्रेमी के साथ शिमला घूमने चली गई थी। वहां से लौटने के बाद महिला ने ही खुद इस हत्याकांड का खुलासा किया। पुलिस ने मामले में महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया था।

दरअसल, मेरठ में लंदन से लौटे सौरभ कुमार (29) की तीन मार्च की रात पत्नी मुस्कान रस्तोगी ने प्रेमी साहिल शुक्ला के साथ मिलकर हत्या कर दी थी। आरोपियों ने शव के 15 टुकड़े ड्रम में रखकर ऊपर से चिनाई कर दी। मुस्कान अपनी पांच साल की बेटी को मायके में छोड़कर प्रेमी के साथ चार मार्च की शाम को हिमाचल घूमने चली गई। वापस लौटकर मुस्कान ने अपने पिता को सौरभ की हत्या करने की जानकारी दी।

पत्नी ने प्रेमी के साथ मिलकर शादी के 14 दिन बाद पति को मरवा डाला

इसी साल मार्च में औरैया जिले में शातिर दिमाग के चलते हाइड्रा चालक की नई नवेली पत्नी प्रगति और उसके प्रेमी अनुराग ने इंसानियत को शर्मसार करने वाली घटना को अंजाम दे डाला। उसने शादी के 14 दिन बाद पति दिलीप को मरवा डाला। उसका प्रेमी बेरोजगार था, लेकिन वह प्रेमी के साथ ही रहना चाहती थी। घरवाले राजी नहीं थे। ऐसे में प्रेमी के साथ

रिश्तों को तार-तार करने वाले चेहरे

जीवन बिताने में परेशानी न हो। इसके लिए प्रगति ने रसूखदार लड़के हाइड्रा चालक दिलीप से शादी की। उसका इरादा था कि पति की हत्या कर उसकी संपत्ति लेकर प्रेमी के साथ खुशी से जिंदगी जिएगी। वह सोच रही थी कि शादी के कुछ ही दिन बाद जब वह विधवा हो जाएगी तो दूसरी शादी अपने प्रेमी से कर लेगी। विधवा होने के नाते परिजन भी इसमें सहयोग करेंगे, लेकिन सुपारी की रकम के लेनदेन को लेकर पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया।

पत्नी ने प्रेमी संग मिलकर गला दबाकर की पति की हत्या, फिर सांप से डसवाया

इसके बाद इसी साल अप्रैल में मेरठ के बहसूमा में शहर के सौरभ हत्याकांड जैसा ही एक और मामला सामने आया है। यहां पत्नी ने पति की प्रेमी संग मिलकर न सिर्फ हत्या की, बल्कि पकड़ी न जा सके इसके लिए सांप के काटने की कहानी गढ़ दी। पुलिस जांच-पड़ताल के बाद बुधवार को पूरे मामले का खुलासा कर दिया। अकरबपुर सादात गांव के अमित कश्यप उर्फ मिक्की (25) की मौत वाइपर सांप के काटने से नहीं हुई थी। अमित की हत्या उसकी पत्नी रविता ने प्रेमी अमरदीप के साथ मिलकर की थी। दोनों आरोपियों ने गला दबाकर पहले हत्या की और फिर वारदात को हादसा दर्शाने के लिए जहरीला सांप उसके बिस्तर पर छोड़ दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में दम घुटने से मौत की पुष्टि के बाद पुलिस ने बुधवार देर रात दोनों आरोपियों को हिरासत में लेकर चौंकाने वाला खुलासा किया है।

अमरोहा में महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पूरे परिवार को उतारा मौत के घाट

अमरोहा के बावनखेड़ी गांव के लोगों के जहन में आज भी 14/15 अप्रैल 2008 की काली रात का खौफ है। दरअसल, इस रात अमरोहा में गांव के लोगों ने जो देखा, वह किसी सदमे से कम नहीं था। यहां एक ही परिवार के सात सदस्यों की बेरहमी से कत्ल कर दिया गया था। इस परिवार की सिर्फ एक महिला शबनम जिंदा बची थी, जिसने गांववालों को बुलाया तो हैवानियत देखकर हर किसी के बदन में सिहरन दौड़ गई।

पुलिस ने जब इस मामले में जांच की तो पता चला कि हत्या से पहले सभी मृतकों को कोई नशीला पदार्थ दिया गया था जिसके कारण सभी बेहोश हो गये थे। ऐसे में पुलिस का सीधा शक शबनम पर गया क्योंकि उसने सोने से पहले रात में सभी के लिए चाय बनाई थी। बाद में जब इस घटना की परतें खुलती हैं तो सामने आता है कि हत्या किसी और ने नहीं बल्कि शबनम ने ही अपने प्रेमी के साथ मिलकर की थी। शबनम ने अपने परिवार के सात सदस्यों को कुल्हाड़ी से वार कर मौत के घाट उतार दिया था। जिन लोगों की हत्या की गई, उनमें एक 8 महीने का बच्चा भी शामिल था।

शबनम ने प्रेमी सलीम के साथ मिलकर अपने पिता मास्टर शौकत, मां हाशमी, भाई अनीस और राशिद, भाभी अंजुम, भतीजे अर्श और फुफेरी बहन राबिया का कुल्हाड़ी से वार कर कत्ल कर दिया था। इस घटना को अब 17 साल गुजर चुके हैं। लेकिन अब यहां गांववाले अपनी बेटियों का नाम इस घटना को अंजाम देने वाली शबनम के नाम पर नहीं रखते। शबनम और सलीम को फांसी की सजा सुनाई जा चुकी है। शबनम का डेथ वारंट जारी होना बाकी है।

अभिनेत्री ने प्रेमी के साथ मिलकर दोस्त के किए 300 टुकड़े

मुंबई स्थित एक प्रोडक्शन हाउस में काम करने वाले नीरज ग्रोवर की मई 2008 में लाश मिली थी। नीरज की लाश के कई टुकड़े कर दिए गए थे और उन टुकड़ों को तीन कूड़ा रखने वाले थैलों में भरकर उनमें आग लगा दी गई थी। इस मामले में नीरज की महिला मित्र मारिया सुसाइराज ने पुलिस के पास उनके गुमशुदा होने की शिकायत की थी। इसके बाद कई हफ्तों तक नीरज की कोई खबर नहीं मिली। पूरे शहर में पोस्टर चिपकवाए गए, लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिली।

हालांकि, जब पुलिस ने अपनी जांच आगे बढ़ाई और नीरज के मोबाइल लोकेशन के जरिए उसे खोजने की कोशिश की तो पूरा मामला खुलकर सामने आ गया। बाद में मारिया की बिल्डिंग के सिक्योरिटी गार्ड से पूछताछ हुई तो सामने आया कि 7 मई 2008 की रात को मारिया और उनके बॉयफ्रेंड एमएल जेरोम कुछ बैग्स में भारी सामान ले जाते दिखे थे। पुलिस ने इस जानकारी के आधार पर मारिया सुसाइराज को गिरफ्तार किया।

मारिया ने गिरफ्तारी के बाद पूरे मामले की पोल खोल दी। सामने आया कि नीरज की हत्या मारिया के प्रेमी लेफ्टिनेंट एमएल जेरोम ने की थी। दरअसल, जेरोम को शक था कि नीरज और मारिया के बीच अवैध संबंध थे। मारिया खुद अभिनय की दुनिया में काम तलाशने के लिए कुछ समय से ग्रोवर के अपार्टमेंट भी जा रही थी। इस बीच 7 मई 2008 की रात जब मारिया ने नीरज को मिलने के लिए बुलाया तो अचानक उनके फ्लैट पर जेरोम भी पहुंच गया। इसके बाद जेरोम ने कथित तौर पर गुस्से में आकर नीरज की हत्या कर दी। इतना ही नहीं जेरोम और मारिया ने इस घटना के बाद जिस कमरे में लाश पड़ी थी, वहीं कई बार शारीरिक संबंध भी बनाए।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दोनों ने इसके बाद जुर्म को छिपाने के लिए बाद में एक शॉपिंग मॉल से पॉलीबैग और धारदार चाकू खरीदे।

बाद में दोनों ने ग्रोवर की लाश के 300 टुकड़े किए और इन्हें पॉलीबैग में भरा। दोनों ने इन पॉलीबैग्स को एक सुनसान जगह पहुंचाने के बाद इनमें आग लगा दी।

छोटी मोटी चोरी करने वाली दो बहनें बन गईं मासूमों की सीरियल किलर

रेणुका शिंदे और सीमा गावित को 1990 से 1996 के बीच कोल्हापुर जिले और उसके आसपास के इलाके में 13 बच्चों का अपहरण करने और उनमें से 9 की हत्या करने के लिए दोषी ठहराया गया था। बताया जाता है कि बच्चों के अपहरण और हत्या में दोनों की मां अंजनाबाई भी शामिल थी। हालांकि, मुकदमा शुरू होने से पहले ही साल 1997 में मां की मौत हो गई थी।

हालांकि, यह कहानी इतनी भी सीधी नहीं थी। भीड़भाड़ वाले इलाकों में चोरी, चेन स्नेचिंग, पर्स छीनने की घटनाओं को अंजाम देने वाली रेणुका और सीमा देखते ही देखते सीरियल किलर बन गईं। दोनों बहनें कथित तौर पर कई वर्षों तक अपनी मां के साथ मिलकर मासूम बच्चों की किडनैपिंग कर उनसे अपराध करवाती थीं और मकसद पूरा हो जाने पर उनकी बेरहमी से हत्या कर देती थीं। मां-बेटियों की इस तिकड़ी ने 1990 से 1996 के बीच 35 से ज्यादा बच्चों को किडनैप किया। इनमें ज्यादातर नवजात या 12 साल से कम उम्र के बच्चे थे। इन लोगों के खिलाफ 100 से ज्यादा केस दर्ज हुए थे।

पकड़े जाने तक तीनों महिलाएं पुख्ता तौर पर 15 बच्चों की किडनैपिंग और 9 बच्चों की हत्या को अंजाम दे चुकी थीं। मां अंजनीबाई गावित की पकड़े जाने के एक साल बाद ही मौत हो गई। उनके पकड़े जाने के बाद एक बड़ा खुलासा यह हुआ कि तीनों बच्चों के अपहरण के बाद अपना राज न खुल जाए, इस डर से उनकी हत्या कर देती थीं। एक मौके पर तो तीनों ने 18 महीने के बच्चे की बस स्टैंड पर लोहे की रॉड पर सिर पटक-पटककर हत्या कर दी थी।

इतना ही नहीं इसके बाद तीनों ने वड़ा पाव खाकर पार्टी की। एक और चौंकाने वाले घटनाक्रम में तीनों ने ढाई साल की बच्ची को मारकर उसका शव बैग में भरा। इसके बाद तीनों बैग लेकर सिनेमा हॉल पहुंचीं और पूरी फिल्म देखी।

नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट में एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहीद

फूट-फूटकर रोए जवान, कोंटा एसडीओपी और टीआई जख्मी, सुकमा में पैदल गश्त पर निकले थे

सुकमा, 9 जून (एजेंसियां)। सुकमा के कोंटा में नक्सलियों के आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आकर कोंटा डिवीजन के एडिशनल एसपी आकाश राव गिरिपुंजे शहीद हो गए हैं।

घटना में कोंटा एसडीओपी भानुप्रताप चंद्राकर और टीआई सोनल ग्वाला घायल हैं। मौके के लिए फोर्स को रवाना किया गया है।

दरअसल, नक्सलियों ने कल यानी 10 जून को भारत बंद का आह्वान किया था, इसे लेकर एएसपी आकाश राव अपनी टीम के साथ पैदल गश्त पर निकले थे, इसी दौरान कोंटा-एर्राबोर मार्ग

पर डोंड्रा के पास नक्सलियों के लगाए गए आईईडी ब्लास्ट की चपेट में आ गए।

ब्लास्ट में घायल एसडीओपी और टीआई की हालत खतरे से बाहर हैं उन्हें बेहतर इलाज के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र एयरलिफ्ट किया जा रहा है। वहीं एएसपी की शहादत की सूचना मिलने पर उनकी टीम के जवान फूट-फूटकर रोते रहे। गार्ड ऑफ ऑनर देने के लिए उनका शव रायपुर लाया गया है।

शहीद एएसपी आकाश राव गिरिपुंजे रायपुर और महासमुंद में भी पोस्टेड रहे। उनका परिवार रायपुर में ही रहता है। उनकी स्कूलिंग भी रायपुर में हुई है। वे पूर्व कांग्रेसी पार्षद के भतीजे हैं। वहीं उनकी शहादत की खबर के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

चाचा बसंत राव गिरिपुंजे से जब हमने बात करने की कोशिश की तो उनके आंसू छलक आए। उन्होंने बताया कि आकाश बचपन से होनहार था। उनके पिता पढ़े लिखे नहीं थे, पीएससी में आकाश के सिलेक्ट होकर डीएसपी बनने से उस पर परिवार, समाज गर्व महसूस करता था।

इससे पहले हमने खबर की थी कि नक्सलियों ने बम या आईईडी जमीन के दो फीट से ज्यादा गहराई में लगाई हो, तो जवानों के पास ऐसी कोई मशीन नहीं कि उसका पता लगाया जा सके। बीजापुर में हुए नक्सली हमले में भी यही हुआ। इसमें 1 ड्राइवर और 8 जवान शहीद हो गए थे। इसमें आईईडी को करीब पांच फीट नीचे लगाया गया था।

छत्तीसगढ़ के 5 जिलों में फैला कोविड टोटल केस 56

एक्टिव 41, सबसे ज्यादा रायपुर में, पिछले 2 दिनों में 15 रिकवर भी हुए

रायपुर, 9 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में अब तक 56 कोविड के मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 14 रिकवर हो चुके हैं। वहीं 41 अब भी एक्टिव हैं। पिछले 24 घंटे की बात करें कोविड के 3 नए मरीज मिले हैं। इनमें दो रायपुर और एक दुर्ग के हैं।

इससे पहले शुक्रवार को रायपुर में कोविड के एक ही दिन में 11, बिलासपुर में 5 और बालोद में 1 कुल 17 मरीज मिले थे। नया वैरिएंट आने के बाद से ये एक दिन में सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके बाद पूरा प्रशासन हाई अलर्ट मोड पर आ गया था।

5 जिलों में यलो अलर्ट, बस्तर-दंतेवाड़ा में बिजली गिरेगी

सुकमा-कोंडागांव में अंधड़ चलेगी, 11 जून से प्रदेश भर में गरज-चमक के साथ बौछारें पड़ेंगी

रायपुर, 9 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में कल यानी 10 जून के बाद बारिश की गतिविधियों में तेजी आएगी। प्रदेश में अभी एक से दो दिन तक मौसम ड्राई रहेगा। इसके बाद गरज-चमक के साथ प्रदेश भर में बारिश होगी। लेकिन इससे पहले प्रदेश का औसत तापमान एक से दो डिग्री और बढ़ सकता है। मौसम विभाग की माने तो आज और कल मध्य छत्तीसगढ़ में टेम्प्रेचर 41-43 डिग्री तक पहुंच सकता है।

दरअसल, मानसून को आगे बढ़ाने वाले दोनों बड़े सिस्टम बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आने वाली हवाएं फिलहाल कमजोर पड़ गई हैं। इसका असर ये हुआ है कि मानसून नारायणपुर और कोंडागांव से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। बस्तर में अटक गया है।

इस बीच मौसम विभाग ने आज बस्तर संभाग के बीजापुर, दंतेवाड़ा, बस्तर, कोंडागांव और सुकमा में थंडर स्टॉर्म का यलो अलर्ट जारी किया है। यहां गरज-चमक के साथ 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। बिजली गिर सकती है। अन्य जिलों में मौसम सामान्य रहेगा। रविवार को रायपुर 42.2°सी के साथ सबसे गर्म रहा।

बारिश की स्थिति की बात करें तो रविवार को बस्तर में 37.6 एमएम, दंतेवाड़ा में 20.0 एमएम, जशपुर और गरियाबंद में 10 एमएम बारिश हुई है।

पिछले माह लगातार बने सिस्टम और करीब 14 दिन पहले आए मानसून ने पूरे छत्तीसगढ़ में मई महीने में जमकर बारिश कराई। इस दौरान औसत से 373 फीसदी ज्यादा पानी गिर गया। इसके बाद से मानसून पिछले करीब 12 दिनों से ठहरा है। यह आगे ही नहीं बढ़ रहा है। इस वजह से जून का पहला सप्ताह लगभग सूखा बीत गया। पिछले सात दिनों में हुई बारिश औसत से 30 फीसदी कम है।

सांसद सुखदेव भगत ने दिल्ली में किया गृह प्रवेश

आदिवासी रीति-रिवाज के साथ किया अनुष्ठान, साथ लेकर गए थे पाहन

रांची, 9 जून (एजेंसियां)। नई दिल्ली स्थित फिरोज शाह रोड 14सी में हाल ही में आवंटित सरकारी आवास में लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत ने पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाजों के साथ गृह प्रवेश अनुष्ठान संपन्न किया।

यह अवसर इसलिए भी ऐतिहासिक माना जा रहा है क्योंकि ऐसा पहली बार हुआ है जब किसी आदिवासी सांसद ने दिल्ली के सरकारी आवास में आदिवासी परंपरा के अनुरूप गृह प्रवेश कराया है।

सांसद सुखदेव भगत अपने गांव लोहरदगा जिला के नदिया

गांव से पारंपरिक पाहन-पुजारी को विशेष रूप से दिल्ली लेकर आए थे। पाहन पुजारी ने पारंपरिक सरना धर्म के अनुसार डंडा कट्टना अनुष्ठान करवाकर गृह प्रवेश की रस्म अदा कराई। यह अनुष्ठान किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत के पहले किया जाने वाला महत्वपूर्ण रीति-रिवाज है, जो प्रकृति पूजन और पूर्वजों के आशीर्वाद की कामना के साथ किया जाता है।

इस विशेष मौके पर सांसद के साथ उनकी पत्नी अनुपमा भगत, पुत्र अभिनव सिद्धार्थ एवं शाश्वत सिद्धार्थ भी उपस्थित थे।

हॉस्पिटल के बाथरूम में निकला 5 फीट लंबा सांप

कोरबा, 9 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले के मुड़ापार स्थित एसईसीएल अस्पताल में एक जहरी ला नाग दिखने से हड़कंप मच गया। 8 जून की रात अस्पताल के बाथरूम के पास स्टाफ को पहले रस्सी जैसा कुछ दिखा। मोबाइल टॉर्च की रोशनी में देखा तो 5 फीट लंबा नाग फन फैलाए खड़ा था।

डॉक्टर सीमा सिंह ने तुरंत स्नेक कैचर टीम को सूचना दी। सर्पमित्र उमेश यादव मौके पर पहुंचे। उन्होंने सांप को सुरक्षित तरीके से पकड़ा।

एक प्लास्टिक के डिब्बे में कैद किया फिर जंगल में छोड़ दिया।

पाकिस्तान की 'हूर' पहुंची रायपुर

मैंगो फेस्टिवल में बस्तर से अफगानिस्तान तक 200 से ज्यादा वैराइटी, प्रदर्शनी में 2-15 इंच तक के आम

रायपुर, 9 जून (एजेंसियां)। जापान का 'मियाजाकी' आम दुनिया के महंगे आमों में से एक है। एक से डेढ़ किलो की कीमत 3 लाख 45 हजार रुपए है। रायपुर के इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित राष्ट्रीय आम महोत्सव में इस आम को प्रदर्शनी के लिए रखा गया है। इस महोत्सव में देश के कई राज्यों के 450 से अधिक किसानों ने कई किस्मों के 2000 से ज्यादा आमों का प्रदर्शनी लगाया है।

इस आम महोत्सव में दुनिया की अलग-अलग आम की वैराइटी के अलावा छत्तीसगढ़ के बस्तर के जंगलों में होने वाले छोटे और गोल मटोल आम भी लोगों

को लुभा रहे हैं। यहां पाकिस्तान और अफगानिस्तान के आम भी हैं। सूरजपुर में रिटायर्ड जनरल मैनेजर ने मियाजाकी समेत कई आम लगाए हैं, जिनकी रखवाली खूंखार डॉग्स करते हैं। यह आम महोत्सव आज यानी 9 जून तक आम लोगों के लिए आयोजित किया गया है।

रायपुर की एक प्राइवेट संस्था ने आम की 50 से अधिक वैराइटी का शो-केस किया। इसमें एक आम का नाम हूर पाकिस्तानी था। इसका मतलब यह पाकिस्तान की अप्सरा है। एक आम की नस्ल को यह नाम दिया गया है। हालांकि, बाद में नेम प्लेट का हटा लिया गया।

इस आम को लाने वाली संस्था के कर्मचारी विजय ने बताया कि, आम की वैराइटी को लेकर कुछ कंफ्यूजन था। इस वजह से नेम प्लेट हटा लिया गया है। हालांकि, चर्चा यह भी थी कि कुछ लोगों ने पाकिस्तानी नाम को लेकर आपत्ति जताई। इस वजह से आयोजकों ने आम के नेम प्लेट को हटा लिया।

बड़े भाई को सब्बल से मार डाला

बिलासपुर, 9 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में जमीन विवाद के चलते मंझले भाई, उसकी पत्नी और तीन बेटों ने लाठी, सब्बल से पीट-पीटकर बड़े भाई की हत्या कर दी। वारदात रविवार की रात को हुई। पुलिस ने आरोपियों को पकड़ लिया है और पूछताछ कर रही है। घटना हिर्री थाना क्षेत्र की है।

बिलासपुर में एक दिन में 2 लोगों की हत्या हो गई है। रविवार सुबह सकरी थाना क्षेत्र में पति ने पत्नी पर तवा से ताबड़तोड़ वार कर हत्या कर दी थी। बच्ची की छट्ठी मनाने को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ था।

हिर्री मामले में टीआई अवनीश पासवान ने बताया कि ग्राम खरकेना निवासी फेंकूराम ध्रुव बड़ा भाई है। उसके 2 भाई लेखूराम और नारद गांव में ही रहते हैं। उनकी जमीन का बंटवारा हो चुका है। लेकिन, नारद का पट्टा में नाम नहीं है। उसका मंझला भाई लेखूराम उसे हिस्सा नहीं देना चाहता था।

जर्जर भवन में चल रहा देवघर का उच्च विद्यालय

छज्जा का टुकड़ा गिरने से एक छात्र घायल, माइंस के ब्लास्ट से कांपती हैं दीवारें

देवघर, 9 जून (एजेंसियां)। देवघर जिले के देवीपुर प्रखंड स्थित उत्क्रमित उच्च विद्यालय बलनाडीह की स्थिति चिंताजनक है। विद्यालय का भवन पूरी तरह जर्जर हो चुका है। छज्जे कभी भी गिर सकते हैं।

कुछ दिन पहले छज्जा का कुछ हिस्सा गिरने से एक छात्र के सिर में चोट आई।

इस घटना के बाद विद्यार्थी स्कूल आने से डर रहे हैं। शिक्षकों के अनुसार, स्कूल की खस्ता हालत के अलावा पास की माइंस में होने वाले ब्लास्ट से भी समस्या है। ब्लास्ट की आवाज और कंपन से स्कूल की दीवारें हिलती हैं।

स्थानीय ग्रामीण अपने बच्चों को डर के साथ स्कूल भेजते हैं। उन्होंने कई बार विभागीय अधिकारियों को शिकायत की, लेकिन केवल आश्वासन मिला।

इस क्षेत्र में 10 किलोमीटर के दायरे में कोई दूसरा उच्च विद्यालय नहीं है। इसलिए छात्रों के पास इसी खतरनाक भवन में पढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। स्थानीय लोगों और छात्रों की मांग है कि विद्यालय के भवन का पुनर्निर्माण किया जाए। इससे भविष्य में किसी बड़ी दुर्घटना से बचा जा सकेगा।

ऑपरेशन सिंदूर में शामिल बीएसएफ जवान का जोरदार स्वागत

सीमा पार से फायरिंग में हो गए थे जख्मी, मेडिकल लीव पर लौटे घर

धनबाद, 9 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वीरता और साहस का परिचय देने वाले बीएसएफ के जवान राजेश कुमार का नेताजी सुभाष चंद्र बोस जंक्शन (गोमो) पर गर्मजोशी से स्वागत किया गया। गोमो के कालीपारा निवासी राधिका राग के बेटे राजेश सीमा सुरक्षा बल की 120 बटालियन में तैनात हैं।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान वे जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में सीमा पार से होनेवाली गोलीबारी में घायल हो गए थे। उस स्थिति में भी उन्होंने हमले का मुंहतोड़ जवाब दिया। जख्मी हो जाने पर उन्हें शतवारी मिलिट्री अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इजाज के बाद उन्हें 2 जुलाई तक चिकित्सकीय अवकाश दिया गया है। उनके घर आने की खबर मिलते ही लोग ढोल-नगाड़े बजाते हुए गोमो स्टेशन पहुंच गए। जम्मूतवी-कोलकाता एक्सप्रेस से राजेश के आते ही लोगों ने भारत माता की जय के नारे बुलंद किया।

फूल माला पहना कर जवान का स्वागत किया और सम्मान के साथ घर पहुंचाया। इस दौरान तोपचांची के सीओ डॉ. संजय कुमार, हरिहरपुर थाना प्रभारी राहुल कुमार झा, इंस्पेक्टर असीम कमल टोपनो, आरपीएफ के दारोगा आलोक कुमार, जिप सदस्य विकास कुमार महतो आदि भी मौजूद रहे।

अमेरिका में 12 देश के नागरिकों की एंट्री-बैन

7 और देशों पर आंशिक प्रतिबंध, ट्रम्प ने सुरक्षा का हवाला देकर लगाई रोक

वॉशिंगटन, 9 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में आज से 12 देशों के नागरिकों की एंट्री पर बैन लागू हो गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 4 जून को इसे लेकर एक आदेश जारी किया था, जो आज 9 जून से लागू होगा। 12 देशों के अलावा 7 देशों के नागरिकों पर आज से आंशिक रोक लागू होगी। ये इमिग्रेशन और नॉन-इमिग्रेशन दोनों तरह के वीजा पर लागू होगी।

ट्रम्प ने अपने इस फैसले के पीछे अमेरिकी लोगों की सुरक्षा और जान की हिफाजत का हवाला दिया था। ट्रम्प ने 4 जून को कहा था- अमेरिका को ऐसे विदेशी नागरिकों से सुरक्षित रखना जरूरी है जो आतंकवादी हमले करने, राष्ट्रीय सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने, नफरत फैलाने या इमिग्रेशन कानूनों का गलत फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के मुताबिक पूर्ण बैन का मतलब है कि उस देश के अधिकतर नागरिकों का अमेरिका में प्रवेश पूरी तरह से प्रतिबंधित होता है। इनमें टूरिस्ट वीजा, स्टूडेंट वीजा, वर्क वीजा और इमिग्रेंट वीजा चाहने वाले लोग शामिल होते हैं।

वहीं, आंशिक बैन का मतलब है कि उस देश के नागरिकों पर कुछ खास प्रकार के वीजा या एंट्री पर रोक लगाई जाती है, बाकी पर नहीं। यानी इमिग्रेंट वीजा नहीं मिलेगा, लेकिन टूरिस्ट वीजा मिल सकता है। स्टूडेंट्स को परमिशन मिलेगी, लेकिन वर्क वीजा पर रोक रहेगी। ट्रम्प ने 4 जून को दूसरे देशों के नागरिकों को वीजा जारी करते वक्त सावधानी बरतने के लिए कहा था। उन्होंने कहा था कि वीजा जारी करते वक्त ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे लोग अमेरिका न आ सकें, जो अमेरिकियों या देश के हितों को नुकसान पहुंचा सकते हैं। इमिग्रेशन वीजा पर आने वाले लोग स्थायी निवासी बन जाते हैं, इसलिए उनकी जांच ज्यादा जरूरी और कठिन होती है।

सुरक्षा को खतरा होने पर भी इन लोगों को निकालना मुश्किल होता है। दूसरी तरफ नॉन-इमिग्रेशन वीजा पर आने वालों की जांच कम होती है। इसलिए जिन देशों में पहचान और जानकारी शेयर करने से जुड़ी व्यवस्थाएं ठीक नहीं हैं, वहां से आने वालों पर रोक लगाना जरूरी है।

वियतनाम की दुल्हन को गिफ्ट में 100 सिवेट बिल्लियां मिली

इनके मल से दुनिया की सबसे महंगी कॉफी बनती है

पूंजी, 9 जून (एजेंसियां)। वियतनाम में एक दुल्हन को उसके माता-पिता ने 100 सिवेट बिल्लियां गिफ्ट में दी हैं। इन बिल्लियों के मल से दुनिया की सबसे महंगी कॉफी 'कोपी लुवाक' बनाई जाती है।

ये बिल्लियां पके हुए कॉफी चेरी खाती हैं, और उनके मल से जमा बीजों को भूनकर यह महंगी कॉफी तैयार की जाती है।

इसके अलावा, वियतनाम और चीन में सिवेट बिल्ली का मांस एक लग्जरी भोजन माना जाता है और इसे पारंपरिक चीनी दवाओं में भी इस्तेमाल किया जाता है।

वियतनाम में एक मादा सिवेट बिल्ली की कीमत लगभग 700 डॉलर (लगभग 58,000 रुपए) है। अगर बिल्ली गर्भवती हो, तो उसकी कीमत 1,000 डॉलर (84 हजार रुपए) से भी ज्यादा हो सकती है।

दुल्हन को दी गईं 100 मादा सिवेट बिल्लियों की कीमत करीब 70,000 डॉलर (लगभग 58 लाख रुपए) है।

दुल्हन बिल्लियों के साथ-साथ दहेज में 25 सोने की छड़ें, 20,000 डॉलर (लगभग 16.5 लाख रुपए) नकद, 11,500 डॉलर (लगभग 9.5 लाख रुपए) के कंपनी शेयर, सात प्रॉपर्टी भी दी गई है।

अमेरिका के लॉस एंजिल्स में सड़कों पर आगजनी

अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में प्रदर्शनकारियों ने अमेरिकी झंडे जलाएं, ट्रम्प बोले– एक्शन लेंगे

लॉस एंजिल्स, 9 जून (एजेंसियां)। अमेरिका के लॉस एंजिल्स में अवैध प्रवासियों पर कार्रवाई के विरोध में तीन दिन से जारी प्रदर्शन हिंसक हो गया है। उपद्रवियों ने पूरे शहर में कई सड़कों पर आगजनी की है। इस दौरान सैकड़ों गाड़ियों को आग के हवाले किया है।

इस दौरान कई प्रदर्शनकारी मेक्सिको का झंडा लेकर प्रदर्शन करते आए। हालात को काबू करने के लिए अमेरिकी नेशनल गाड्र्स ने भारतीय समयानुसार रविवार देर रात प्रदर्शनकारियों पर आंसू गैस के गोले-रबर बुलेट्स दागीं और भीड़ को पीछे धकेला।

कई प्रदर्शनकारी अमेरिकी झंडे पर थूकते और जलाते भी नजर आए। घटना मेट्रोपॉलिटन डिटेंशन सेंटर के बाहर हुई, जहां प्रदर्शनकारी जुटे थे। कुछ प्रदर्शनकारी गो होम और शेम के नारे लगाने लगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर लिखा कि शहर पर अवैध प्रवासियों का कब्जा है, इसे जल्द आजाद कराया जाएगा। ट्रम्प ने प्रदर्शनकारियों पर एक्शन लेने की बात भी कही है।

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने लॉस एंजिल्स में हालात को काबू करने के लिए 2000 नेशनल गाड्र्स को भेजा है। हालांकि, कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम और लॉस एंजिल्स की मेयर कैरेन बैस ने नेशनल गाड्र्स भेजने का विरोध किया है। यह पहला मौका है जब किसी राज्य की नेशनल गार्ड को बिना गवर्नर की अनुमति के भेजा गया।

लॉस एंजिल्स में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इसी का विरोध हो रहा है। छापेमारी राष्ट्रपति ट्रम्प की डिपोर्टेशन पॉलिसी का हिस्सा है।

इससे पहले भारतीय समयानुसार रविवार सुबह भी प्रदर्शन हुए थे। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पत्थर और पटाखे चलाए। इसके अलावा प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षा बलों और इमिग्रेशन एंड कस्टम्स इन्फोर्समेंट (आईसीई) पर आंसू गैस और पैट्रोल बम दागे।

कई सरकारी इमारतों और गाड़ियों पर स्प्रे-पेंट से नारे लिखे, एक स्ट्रिप मॉल में आग लगा दी और कई दुकानों में तोड़फोड़ की।

इजराइल ने ग्रेटा थनबर्ग के जहाज को कब्जे में लिया

हिरासत में लिए गए सभी कार्यकर्ता, इजराइली सेना इन्हें हमास हमले का वीडियो दिखाएगी

तेल अवीव, 9 जून (एजेंसियां)। इजराइल ने स्वीडिश पर्यावरण कार्यकर्ता और नोबेल पीस प्राइज विजेता ग्रेटा थनबर्ग और उनके जहाज को कब्जे में ले लिया है। सोमवार तड़के इजराइल की 5 स्पीड बोट्स ने जहाज को घेर लिया। इसके बाद सैनिकों ने जहाज पर चढ़कर उसे अपने कंट्रोल में ले लिया।

यह जहाज गाजा के लोगों के लिए राहत सामग्री लेकर जा रहा था। मैडलीन नाम के इस जहाज पर 12 लोग सवार हैं। सभी सेना की हिरासत में हैं। अब इस जहाज को गाजा की जगह इजराइल ले जाया जा रहा है। इन सभी कार्यकर्ताओं को अशदोद पोर्ट ले जाया जा रहा है। यह इजराइल के पश्चिम में एक अहम पोर्ट है। गाजा से इसकी दूरी 27 किमी है।

इजराइल पहुंचने के बाद ग्रेटा थनबर्ग और बाकी लोगों को हमास के 7 अक्टूबर 2023 के हमले का वीडियो दिखाया जाएगा। रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने सेना को यह आदेश दिया है। काट्ज ने यह आदेश देते हुए खासतौर पर थनबर्ग का नाम लिया। उन्होंने कहा कि ग्रेटा और उनके हमास समर्थक साथियों को देखना चाहिए कि हमास असल में क्या है और उन्होंने कैसे इजराइल की महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को मारा। 43 मिनट के इस वीडियो में दिखाया गया है कि हमले के दौरान किस तरह निर्दोष लोगों की हत्या की गई और उनके शवों के साथ क्या क्रूरता हुई।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की रिहाई का रास्ता कैसे खुला?

11 जून को जेल से बाहर! शहबाज का काउंटडाउन?

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान 11 जून को जेल से बाहर आ सकते हैं। इमरान खान, जो अगस्त 2023 से कई मामलों में अदियाला जेल में बंद हैं, उन्हें अल-कादिर ट्रस्ट मामले में 11 जून को जमानत मिल सकती है। पीटीआई ने पार्टी के एक शीर्ष नेता ने इस जानकारी को समाचार एजेंसियों से पुष्टि की है। रिपोर्ट के मुताबिक इस्लामाबाद हाई कोर्ट 11 जून को उन याचिकाओं पर सुनवाई करने वाला है, जिनमें 190 मिलियन पाउंड के अल-कादिर ट्रस्ट मामले में इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी की सजा को सस्पेंड करने का अनुरोध किया गया है। इमरान खान पिछले कई महीनों से तोशाखाना केस, भ्रष्टाचार के मामलों और 9 मई की हिंसा से

जुड़े आरोपों में जेल में बंद हैं। उनकी रिहाई से न सिर्फ पाकिस्तान की राजनीति में भूचाल आ सकता है, बल्कि सेना और न्यायपालिका के बीच के समीकरणों पर भी इसका गहरा असर पड़ सकता है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के प्रमुख गौहर अली खान ने भरोसा जताया कि पार्टी के संस्थापक को 11 जून को जमानत मिल जाएगी। हालांकि कई एक्सपट्र्स का कहना है कि बिना पाकिस्तान की सेना की मर्जी के उनका जेल से बाहर आना नामुमकिन के बराबर है। ऐसे में अगर वो वाकई जेल से बाहर आ रहे हैं तो हो सकता है कि उनका सेना के साथ सुलह गो गया हो। हाल के हफ्तों में पाकिस्तान की इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने कई ऐसे संकेत दिए हैं, जो इमरान खान के पक्ष में जाते दिख रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भ्रष्टाचार के कुछ मामलों में सरकार की जांच और कानूनी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाए हैं, वहीं इस्लामाबाद हाईकोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी को 'प्रक्रियागत दोष' करार दिया है। इस्लामाबाद हाईकोर्ट में 11 जून को एक बड़ी सुनवाई होनी है जिसमें उनकी जमानत या रिहाई पर अंतिम फैसला आ सकता है।

कनाडा में पीएम मोदी की जान को खतरा

खालिस्तानियों ने जी7 में बुलाने के लिए कनाडाई पीएम को कहा शुक्रिया, खुलेआम दे रहे धमकियां

ओटावा, 9 जून (एजेंसियां)। कनाडा में खालिस्तानी बेलगाम हो चुके हैं। कनाडा के खालिस्तानी भारतीय प्रधानमंत्री को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं फिर भी कनाडा की सरकार उसे फ्रीडम ऑफ स्पीच बता रही है। ये हिप्पोक्रेसी की हद है। कनाडा में खालिस्तानियों ने एक प्रदर्शन का आयोजन किया था, जिसमें जी7 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी को आमंत्रित करने के लिए कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी को शुक्रिया कहा गया है। खालिस्तानियों का एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें भारत और प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ नफरती शब्दों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

आपको बता दें कि कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को जी7 सम्मेलन में आमंत्रित किया है । एक तरफ जहां यह कदम द्विपक्षीय रिश्तों को सुधारने की कोशिश मानी जा रही है, वहीं दूसरी ओर भारत ने खालिस्तानी रैलियों और हिंसा के चलते अपनी राजनयिकों और प्रवासी समुदाय को सुरक्षा खतरे के संदर्भ में सतर्क किया है । भारतीय विदेश मंत्रालय ने कई बार रैलियों में हिंसक प्रतीकों का इस्तेमाल करने और तिरंगे का अपमान करने के लिए गहरी आपत्ति जताई है, लेकिन कनाडा की तरफ से कोई कदम नहीं उठाए गये हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को कनाडा में जान का खतरा

खालिस्तान समर्थकों ने इससे पहले कनाडाई प्रधानमंत्री से भारतीय प्रधानमंत्री को न्योता नहीं भेजने का आग्रह किया था। बावजूद इसके कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने प्रधानमंत्री मोदी को टेलीफोन कर जी7 शिखर सम्मेलन के लिए न्योता दिया। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री मोदी जी7 में शामिल होने के लिए कनाडा की यात्रा करने वाले हैं। सिख फॉर जस्टिस, जो एक प्रतिबंधित संगठन है उसने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें मोदी की राजनीति को आने से जाने तक घेरने की कसम खाई गई है। वीडियो में पन्नू ने कहा, "मैं मार्क कार्नी को धन्यवाद देना चाहता हूं, जो एक कनाडाई पीएम से ज्यादा एक व्यवसायी हैं, जिन्होंने खालिस्तान समर्थक सिखों को जी 7 देशों के सामने मोदी की राजनीति को घेरने का ऐतिहासिक मौका दिया।

ब्रह्मोस बनी पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द

चीन के पास भी नहीं है भारत के 'ब्रह्मास्त्र' को रोकने की दीवार, क्या करेंगे मुनीर?

इस्लामाबाद, 9 जून (एजेंसियां)। ऑपरेशन सिंदूर के बाद चीन लगातार पाकिस्तान को अत्याधुनिक हथियार देने में लगा है। चीन ने पाकिस्तान को एक बड़ा डिफेंस पैकेज देने का फैसला किया है। इस पैकेज में जे-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान के साथ साथ एडब्ल्यूएसीएस सिस्टम, पीएल सीरिज की मिसाइलें, रडार और एयर डिफेंस सिस्टम शामिल हैं। लेकिन चीन के पास भारतीय ब्रह्नोस को रोकने का कोई तरीका नहीं है। इस वजह से ब्रह्मोस मिसाइल पाकिस्तान के लिए सबसे बड़ा सिरदर्द बन चुकी है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान की वायु रक्षा प्रणाली, ब्रह्मोस एसएएससीएम को रोकने में नाकाम रही। यदि भारत अपने नए मिसाइलों का बड़े पैमाने पर उपयोग करता है, तो पाकिस्तान वायु सेना की किसी भी प्रकार की

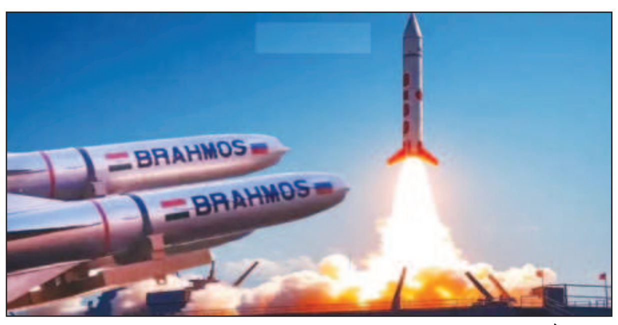

वायु शक्ति को स्थापित करने की क्षमता नष्ट होती चली जाएगी।

ब्रह्मोस मिसाइल की शुरुआत एक एंटी-शिप सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के रूप में हुई थी, लेकिन आज यह एक मल्टी-प्लेटफॉर्म, मल्टी-रोल हथियार सिस्टम बन चुका है। 2024 तक, इस प्रणाली का 76% हिस्सा भारत में ही विकसित किया जा चुका था और यह आंकड़ा 2025 तक 85% तक पहुंचने का अनुमान है। यह भारतीय रक्षा उत्पादन और स्वदेशी क्षमता की बड़ी कामयाबी है, जो आत्मनिर्भर भारत के तहत भारत के सैन्य आत्मनिर्भरता को दर्शाता है।

ब्रह्मोस मिसाइल सिर्फ सतह से दागी जाने वाली मिसाइल नहीं है। बल्कि इसके एयर-लॉन्च वेरिएंट ब्रह्मोस-ए, सू-30एमकेआई फाइटर जेट से लॉन्च किया जाता है और हालिया भारत-पाकिस्तान टकराव में इसकी भूमिका अहम रही। इसके अलावा सबमरीन-लॉन्च वर्जन भी विकासशील स्थिति में है, जिससे यह मिसाइल जल, थल और नभ – तीनों मोर्चों पर स्टैंड-ऑफ प्रिसिजन अटैक की क्षमताएं देती है।

इससे भारत को पाकिस्तान की रणनीतिक सुविधाओं, जैसे पाकिस्तान एयरफोर्स के एयरबेस पर पहले हमला करने की क्षमता मिलती है। ब्रह्मोस मिसाइस की सबसे बड़ी ताकत इसकी सुपरसोनिक स्पीड है। इसके अलावा ये काफी कम ऊंचाई पर उड़ान भरती है और प्रेसिजन टार्गेटिंग इसकी सबसे बड़ी खासियत है। इन खूबियों की वजह से पाकिस्तान के पारंपरिक एयर डिफेंस सिस्टम्स के पास प्रतिक्रिया देने का समय बहुत कम बचता है।

रूस का 'सबसे बड़ा' हमला, सहमा यूक्रेन का पड़ोसी नाटो देश

फाइटर जेट भेजकर पुतिन को दिया करारा जवाब

मास्को/वॉर्सा, 9 जून (एजेंसियां)। रूस ने यूक्रेन के पश्चिमी इलाके में भीषण हमला किया है। यूक्रेनी अधिकारियों का कहना है कि यह इस इलाके में सबसे बड़ा हमला है। यूक्रेन पर हुए इस हमले के बाद पड़ोसी नाटो देश पोलैंड भी दहशत में आ गया। रूसी खतरे को देखते हुए सोमवार को पोलैंड ने अपनी हवाई सीमा को सुरक्षित करने के लिए फाइटर जेट को भेज दिया। पोलैंड की वायुसेना के ऑपरेशनल कमांड ने एक बयान में कहा कि रूस की ओर से यूक्रेन पर भीषण हवाई हमले के बाद पोलैंड और अन्य सहयोगी देशों की वायुसेनाओं ने आज सुबह पोलैंड के हवाई क्षेत्र में उड़ान भरी है। यूक्रेनी इलाके के मेयर ने कहा है कि यह रूस की ओर से इस इलाके में किया गया अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला है।

यूक्रेन के रिवने इलाके के मेयर ओलेसंद्र ट्रेटयाक ने कहा कि रूस ने युद्ध के मोर्चे के साथ-साथ काफी अंदर तक हमला बोला है। इस दौरान रूस ने पश्चिमी यूक्रेन में दर्जनों ड्रोन और मिसाइलों से हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह रूस की ओर से इस इलाके में किया गया अब तक का सबसे बड़ा हमला है। हाल के दिनों में रूस और यूक्रेन ने एक-दूसरे पर हमले तेज कर दिए हैं। इससे यूरोप में दूसरे वश्वियुद्ध के बाद इस सबसे बड़े युद्ध में संघर्ष विराम होता नहीं दिख रहा है। पोलैंड यूक्रेन का सबसे करीबी सहयोगी देश है और यूक्रेन को भेजे लाने वाले पश्चिमी हथियारों का लॉजस्टिक हब है।

मार्च 2024 में नाटो के सदस्य पोलैंड ने आरोप लगाया था कि एक रूसी क्रूज मिसाइल ने उसके हवाई क्षेत्र का उल्लंघन किया था। इसके बाद पोलैंड ने रूस से जवाब मांगा था।

रूस ने रविवार को दावा किया कि उसकी सेना यूक्रेन के दनप्रिोपेटरोव्स्क इलाके में तीन साल की इस लड़ाई में पहली बार आगे बढ़ रही है। इसे एक बड़ी उकसावे कार्रवाई करार दिया है। इस बीच रूस के अधिकारियों ने रविवार को कहा कि युद्ध में मारे गए 6,000 सैनिकों के शवों को योजनाबद्ध तरीके से एक-दूसरे को सौंपे जाने के लिए मॉस्को अब भी कीव से आधिकारिक पुष्टि का इंतजार कर रहा है। इसके साथ ही रूस ने अपने उस आरोप को दोहराया कि यूक्रेन ने इस प्रक्रिया को स्थगित कर दिया है।

युद्ध के मोर्चे के बारे में रूस ने कहा कि वह यूक्रेन के दि्नप्रोपेट्रोव्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ गया है। रूस की सरकारी मीडिया ने रूसी वार्ताकार समूह के प्रतिनिधि लेफ्टिनेंट जनरल अलेक्जेंडर जोरिन के हवाले से कहा कि रूस ने सीमा पर विनिमय स्थल पर यूक्रेनी सशस्त्र बलों के सैनिकों के 1,212 शवों को पहुंचा दिया है और यूक्रेनी अधिकारियों से पुष्टि की प्रतीक्षा कर रहा है।

जोरिन ने कहा कि ऐसे 'संकेत' मिले हैं कि शवों को सौंपने की प्रक्रिया अगले सप्ताह तक स्थगित कर दी जाएगी।

हसीना की भतीजी के यूनुस से मुलाकात के अनुरोध पर बांग्लादेश की सफाई

कहा– हमें कोई पत्र नहीं मिला

ढाका, 9 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की पूर्व मंत्री ट्यूलिप सिद्दीकी की अंतरिम सलाहकार मोहम्मद युनूस से मुलाकात के अनुरोध पर उनके कार्यालय ने सफाई दी है। मोहम्मद यूनुस के कार्यालय के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि हमें अभी तक कोई पत्र नहीं मिला है।

प्रेस सचिव ने कहा कि हम पांच जून से ईद-उल-अजहा की छुट्टी पर हैं। हम सोमवार को शाम 7:30 बजे यूनाइटेड किंगडम के लिए रवाना होंगे। चूंकि हमें अभी तक पत्र नहीं मिला है, इसलिए इस मामले पर कुछ नहीं कह सकते। यूनुस 10-13 जून तक ब्रिटेन की अपनी चार दिवसीय यात्रा के दौरान किंग चार्ल्स और डाउनिंग स्ट्रीट में कीर स्टार्मर से मिलेंगे।

ब्रिटिश सांसद ट्यूलिप सिद्दीकी ने चार जून को पत्र लिखकर अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों पर गलतफहमी को दूर करने के लिए लंदन में यूनुस के साथ बैठक करने की मांग की है। सिद्दीकी ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि बैठक से ढाका में भ्रष्टाचार विरोधी समिति द्वारा फैलाई गई गलतफहमी दूर करने में मदद मिलेगी कि मुझे अपनी मौसी और बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के बारे में जवाब देने हैं।

मैं ब्रिटेन की नागरिक हूं, लंदन में जन्मी हूं और पिछले एक दशक से संसद में हैम्पस्टेड और हाईगेट के लोगों का प्रतिनिधित्व कर रही हूं। बांग्लादेश में मेरी कोई संपत्ति या कोई व्यावसायिक हित नहीं है। सिद्दीकी ने कहा कि मैंने एसीसी से इस बारे में स्पष्टीकरण मांगा है, लेकिन उन्होंने लंदन में मेरे वकीलों से बात करने से इनकार कर दिया है और जाहिर तौर पर ढाका में गलत पते पर पत्राचार किया जा रहा है। वहीं बांग्लादेश की भ्रष्टाचार विरोधी समिति (एसीसी) ने दावा किया कि हसीना की भतीजी सिद्दीकी या उनकी मां ने सत्ता और प्रभाव का दुरुपयोग करके 7,200 वर्ग फुट का भूखंड प्राप्त किया।

धनबाद समाहरणालय में शॉर्ट सर्किट से लगी आग

कर्मचारियों की सूझबूझ से रिकॉर्ड रूम बचा, फायर ब्रिगेड ने की जांच

धनबाद, 9 जून (एजेंसियां)। धनबाद के पुराने समाहरणालय भवन में सोमवार को बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। घटना कार्यालय समय के दौरान हुई। ग्राउंड फ्लोर पर स्थित बिजली मीटर से चिंगारी निकलने लगी। मीटर से आग की लपटें उठीं और निचले तले में धुआं फैल गया।

रिकॉर्ड रूम के कर्मचारियों ने सबसे पहले धुएं और चिंगारी को देखा। उन्होंने तुरंत कार्यालय में लगे फायर इक्विपमेंट से आग बुझाने का काम शुरू किया।

फायर एक्सटिंग्विशर की मदद से कुछ ही मिनटों में आग पर काबू पा लिया गया। समाहरणालय प्रशासन ने दमकल विभाग को सूचना दी। फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची।

भारत को फ्रीडम ऑफ स्पीच पर ज्ञान

अब अमेरिका में कैमरे के सामने पुलिस ने महिला पत्रकार को मारी गोली, कौन हैं लॉरेन टोमासी?

वॉशिंगटन, 9 जून (एजेंसियां)। अमेरिका दुनियाभर के देशों को फ्रीडम ऑफ स्पीच पर ज्ञान देता है। लेकिन खुद अमेरिका में पत्रकारों और फ्रीडम ऑफ स्पीच का क्या हाल है, वो लॉरेन टोमासी के साथ जो हुआ, उसे देखकर लगाया जा सकता है। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया के लिए काम करने वालीं अमेरिकी पत्रकार लॉरेन टोमासी उस वक्त घायल हो गईं, जब वो लॉस एंजिल्स में चल रहे प्रदर्शनों को कवर कर रही थीं। कैमरे के सामने उन्हें गोली लगी है। यह घटना उस समय हुई जब टोमासी और उनका कैमरामैन शहर में हिंसक प्रदर्शन को कवर कर रहे थे। वायरल वीडियो फुटेज में साफ दिखाई देता है कि एक पुलिस अधिकारी ने उनकी दिशा में बंदूक तानकर गोली चला दी। हालांकि बाद में पता चला कि वो रबर बुलेट थी। गोली लगते ही टोमासी

दर्द से चिल्लाईं और अपना पैर पकड़ लिया। घटना के तुरंत बाद एक स्थानीय प्रदर्शनकारी ने पुलिस पर चिल्लाते हुए कहा, तुमने रिपोर्टर को गोली मार दी!

आपको बता दें कि लॉरेन टोमासी एक ऑस्ट्रेलियाई पत्रकार हैं। वह लॉस एंजिल्स में नाइन न्यूज के लिए अमेरिका की संवाददाता के तौर पर काम कर रही हैं। हाल ही में, वह लॉस एंजिल्स में हो रहे विरोध प्रदर्शनों को कवर कर रही थीं। इस दौरान वह घायल हो गईं। खबरों के अनुसार, पुलिस ने प्रदर्शनकारियों पर रबर की गोलियां चलाईं। एक गोली लॉरेन टोमासी के पैर में लगी। यह घटना कैमरे में कैद हो गई। हालांकि, रबर की गोली लगने के बाद भी पत्रकार टोमासी ने उस व्यक्ति से कहा कि 'मैं ठीक हूं।' इसके बाद वह और उनके कैमरामैन सुरक्षित जगह पर चले गए। नाइन न्यूज ने बाद में बताया कि टोमासी को थोड़ी चोट लगी है, लेकिन वह ठीक हैं। उन्होंने विरोध प्रदर्शनों की कवरेज फिर से शुरू कर दी है। टोमासी ने सोशल मीडिया पर भी एक अपडेट दिया है। उन्होंने लिखा कि रात 8 बजे हैं। दर्जनों पुलिसकर्मी आ गए हैं। लोगों को हटाने की एक और कोशिश हो रही है। इसके अलावा उन्होंने लॉस एंजिल्स की सड़कों पर फैली अराजकता के बारे में बताया है। लॉरेन टोमासी एक अनुभवी पत्रकार हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू साउथ वेल्स से पत्रकारिता की डिग्री हासिल की है। उन्होंने कोलोराडो में भी पढ़ाई की, जहां उन्होंने एक लोकल रेडियो स्टेशन में न्यूज़ रीडर के तौर पर काम किया।

कम उम्र में ही क्यों सफेद होने लग जाते हैं बाल?

बालों की समस्या काफी तेजी से लगभग हर उम्र के लोगों में बढ़ती हुई देखी जा रही है। बालों के टूटने-झड़ने से लेकर इसके समय से पहले सफेद होने की दिक्कतें काफी सामान्य हैं, पर क्या आप इसकी वजह जानते हैं? स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, प्रदूषण, आहार में गड़बड़ी और तनाव जैसी स्थितियां बालों को नकारात्मक रूप से प्रभावित कर रही हैं। आमतौर पर 50 की उम्र के बाद बाल सफेद होने लग जाते हैं, पर कुछ लोगों में यह समस्या 20-30 या इससे पहले की उम्र में भी हो सकती है। इसके कारणों को समझना बहुत आवश्यक है।

डॉक्टर कहते हैं, उम्र बढ़ने के साथ सामान्य तौर पर बालों के रोम छिद्र में रंग का उत्पादन कम होने लग जाता है, जिससे इस तरह की दिक्कत होती है। पर यह किस कारण से होती है और इससे बचाव कैसे कर सकते हैं, आइए जानते हैं।

बालों के रंग के पीछे का साइंस समझिए

आपके बालों के रोम में वर्णक यानी रंगों का उत्पादन करने वाली कोशिकाएं होती हैं जो मेलेनिन नामक एक रसायन बनाती हैं जो आपके बालों को काला रंग देता है। जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, ये कोशिकाएं मरने लगती हैं। मेलेनिन की कमी के कारण नए बालों की समस्याएं शुरू हो जाती हैं, विशेषकर बाल ग्रे या सफेद रंग के होने लग जाते हैं। ध्यान रहे, एक बार जब कोई भी फॉलिकल मेलेनिन का उत्पादन बंद कर देता है तो इसके दोबारा शुरू होने की संभावना बहुत कम हो जाती है।

कम उम्र में होने वाली समस्या

उम्र के साथ बालों के सफेद होने की प्रक्रिया सामान्य है पर आखिर कम आयु में ही यह दिक्कत क्यों होने लगती है? इसके लिए विशेषज्ञ कई कारणों को जिम्मेदार पाते हैं जैसे- अधिक तनाव लेना या फिर कोई अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्या। शोध बताते हैं,

यह काफी हद तक आपके जीन पर भी निर्भर करता है जो तय करते हैं कि बाल कब सफेद होंगे। अगर आपके माता-पिता में से किसी के भी 30 साल की उम्र में बाल सफेद हो गए थे, तो इस बात की आशंका है कि आपके भी बाल जल्दी सफेद हो सकते हैं।

इन कारणों के बारे में भी जानिए

आनुवांशिकता के साथ कुछ और कारक भी हो सकते हैं जो समय से पहले आपके बालों के रंग को गायब कर देते हैं।

विटामिन बी 12 की कमी।

न्यूरोफाइब्रोमैटोसिस - आनुवांशिकता में मिली बीमारियां जो नसों, हड्डियों और त्वचा को प्रभावित करती हैं।

विटिलिगो की समस्या- इस स्थिति के कारण मेलानोसाइट्स (बालों के रोम के आधार पर कोशिकाएं जो रंग पैदा करती हैं) आपना रंग खो देती हैं।

एलोपीसिया एसरिटी की समस्या बालों के झड़ने से संबंधित है, पर इसके कारण भी आपके बाल सफेद हो सकते हैं।

बालों को सफेद होने से कैसे रोकें?

डॉक्टर कहते हैं, समय से पहले बालों को सफेद होने से रोकने के लिए कुछ प्रयास किए जा सकते हैं, हालांकि आनुवांशिकता के जोखिम में इसे कम नहीं किया जा सकता।

एंटीऑक्सीडेंट वाली चीजें अधिक खाएं। सब्जियों और फलों में बहुत सारे एंटीऑक्सिडेंट होते हैं जो बालों को सफ़ेद होने से रोकने में सहायक हैं।

धूम्रपान न करें।

आहार से पर्याप्त मात्रा में विटामिन्स लें। आपके बालों को स्वस्थ रखने के लिए विटामि बी-12 आवश्यक है।

पर्याप्त खनिज प्राप्त करें- बालों के विकास और कोशिकाओं को स्वस्थ रखने में मिनरल्स की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

हृदय को स्वस्थ रखने के दो 'मूल मंत्र'

हृदय रोगों का जोखिम वैश्विक स्तर पर पिछले एक दशक में तेजी से बढ़ा है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बताया कि जिस तरह से लोगों की लाइफस्टाइल खराब होती जा रही है इससे शरीर के इस महत्वपूर्ण अंग पर सबसे ज्यादा दुष्प्रभाव देखा जा रहा है। हृदय रोगों से सुरक्षित रहने के लिए जरूरी है कि हम नियमित रूप से स्वस्थ आहार और व्यायाम को दिनचर्या का हिस्सा बनाएं। शोधकर्ताओं ने बताया कि हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आहार की विशेष भूमिका रही है, हम क्या खाते हैं इसका सीधा असर हमारी सेहत पर होता है।

एक शोध में वैज्ञानिकों की टीम ने हृदय को स्वस्थ रखने के लिए दो मूल मंत्र बताए हैं। अगर हम सभी आहार में मैग्नीशियम और पोटैशियम युक्त चीजों की मात्रा के बढ़ा लेते हैं तो इससे हृदय को स्वस्थ रखने में विशेष लाभ मिल सकता है। रक्त वाहिकाओं को स्वस्थ रखने के साथ हृदय को कार्यों को बढ़ावा देने में इन दोनों पोषक तत्वों को बहुत महत्वपूर्ण पाया गया है।

हृदय के लिए फायदेमंद है मैग्नीशियम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ बताते हैं, मैग्नीशियम आपके हृदय को रक्त पंप करने में मदद करता है। इस खनिज का सही स्तर दिल की धड़कन के स्तर को बेहतर रखने और हृदय रोग या दिल का दौरा पड़ने की आशंका को कम कर सकता है। यह शरीर के सैकड़ों महत्वपूर्ण प्रक्रियाओं में भी मदद करता है।

आपकी मांसपेशियों और तंत्रिकाओं के काम करने के तरीके को नियंत्रित करने से लेकर हड्डियों को मजबूत रखने, दिल को स्वस्थ रखने और ब्लड शुगर को सामान्य रखने में भी इसके लाभ हैं। हृदय रोगियों के लिए मैग्निशियम युक्त चीजों का सेवन जरूर करना चाहिए।

आहार में इन चीजों को करें शामिल

आहार के माध्यम से आसानी से मैग्नीशियम की पूर्ति की जा सकती है। साबुत अनाज और गहरी हरे पत्तेदार सब्जियां मैग्नीशियम का अच्छे स्रोत हैं। कम वसा वाले दूध और दही में भी मैग्नीशियम होता है। बीन्स और फलियां (जैसे सोयाबीन, बेक्ड बीन्स, दाल और मूंगफली) और नट्स (जैसे बादाम और काजू) का सेवन करके भी मैग्नीशियम प्राप्त कर सकते हैं।

पोटेशियम से वाहिकाएं रहती हैं स्वस्थ

मैग्नीशियम की ही तरह से पोटेशियम भी हृदय को स्वस्थ रखने में मदद करती है, ये रक्त वाहिकाओं की दीवारों को आराम देता है, रक्तचाप को कम करता है और मांसपेशियों की ऐंठन से बचाता है। कई अध्ययनों ने पोटेशियम के कम सेवन के कारण रक्तचाप बढ़ने और स्ट्रोक के जोखिमों को लेकर लोगों को अलर्ट किया गया है। हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आहार में पोटेशियम को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

पोटेशियम कैसे प्राप्त करें?

आहार के माध्यम से पोटेशियम प्राप्त करने के लिए पत्तेदार साग, बीन्स, नट्स, डेयरी खाद्य पदार्थ, और स्टार्च वाली सब्जियों का सेवन किया जा सकता है। सूखे मेवे (किशमिश, खुबानी), बीन्स और दालें, आलू, पालक, ब्रोकोली, एवोकाडो और केले इस पोषक तत्व के अच्छे स्रोत हैं। आहार में इन चीजों को जरूर शामिल किया जाना चाहिए।

किसे ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा अधिक? कहीं आपको भी तो नहीं है जोखिम

ब्रेन में ट्यूमर होने की समस्या गंभीर और जानलेवा हो सकती है। कुछ दशकों पहले तक माना जाता था कि ये सिर्फ वयस्कों या बुजुर्गों को होने वाली दिक्कत है, हालांकि इसका खतरा कम उम्र के लोगों यहां तक कि बच्चों में भी देखा जा रहा है।

हमारा दिमाग शरीर का सबसे जरूरी हिस्सा है, जो पूरे शरीर के कार्यों को मैनेज करता है। जब इसके अंदर की कोशिकाएं किसी कारण से अनियंत्रित रूप से बढ़ने लगती हैं, तो इसे ट्यूमर बनना कहा जाता है। ये ट्यूमर कभी-कभी कैंसरकारक और जानलेवा भी हो सकता है। यही कारण है कि स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को मस्तिष्क की सेहत पर गंभीरता से ध्यान देते रहने की सलाह देते हैं।

ब्रेन ट्यूमर और उसकी चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने, रोगियों-परिवारों, चिकित्सा पेशेवरों और शोधकर्ताओं को एक साथ लाने के उद्देश्य से हर साल 8 जून को वर्ल्ड ट्यूमर डे मनाया जाता है।

आइए समझते हैं कि किन लोगों में ब्रेन ट्यूमर होने का खतरा अधिक होता है, जिसे समझते हुए बचाव के उपाय करते रहना जरूरी हो जाता है।

ब्रेन ट्यूमर का जोखिम और खतरा

ब्रेन ट्यूमर के जोखिम और खतरों के बारे में जानने से पहले इसके दुनियाभर में बढ़ते मामलों पर एक नजर डाल लेते हैं।

साल 2022 के आंकड़ों पर गौर करें तो पता चलता है कि इस साल दुनियाभर में मस्तिष्क और केंद्रीय तंत्रिका तंत्र में ट्यूमर के अनुमानित 3.22 नए मामले सामने आए। वहीं हर साल ब्रेन ट्यूमर या इसके कारण होने वाले कैंसर से 2.5 लाख से अधिक लोगों की मौत हो जाती है। सभी लोगों को इस खतरे से सावधान रहने के लिए उपाय करते रहना चाहिए।

डॉक्टर कहते हैं, अगर समय रहते ट्यूमर के लक्षणों की पहचान और इसका इलाज करा लिया जाए तो इससे होने वाले गंभीर खतरों से बचा जा सकता है।

आइए जानते हैं कि किसे इस समस्या का खतरा अधिक होता है?

किन लोगों को ब्रेन ट्यूमर का ज्यादा खतरा होता है?

डॉक्टर्स बताते हैं, कुछ स्थितियां हैं जो आपमें ब्रेन ट्यूमर होने का जोखिम बढ़ा देती हैं। इसे समझते हुए ऐसे लोगों को और सावधान रहना चाहिए।

जिनके परिवार में पहले किसी को ब्रेन ट्यूमर रहा हो, उनमें इसका खतरा अधिक हो सकता है।

बचपन में सिर पर रेडियोथेरेपी दी गई हो, तो भविष्य में इस तरह का जोखिम हो सकता है।

60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों में जोखिम अधिक होता है, हालांकि अब ये बच्चों में भी देखने को मिल रहा है।

कीटनाशक और रसायनों के अधिक संपर्क में रहने वाले लोगों को भी सावधान रहना चाहिए।

इम्यून सिस्टम कमजोर है तो इसके कारण भी आपको गंभीर समस्याओं का खतरा हो सकता है।

(हर साल 2.5 लाख से ज्यादा लोगों की जान ले लेता है ब्रेन ट्यूमर, समय पर इसकी पहचान कैसे करें?)

रेडियोथेरेपी हुआ है तो सावधान

डॉक्टर कहते हैं, जिन लोगों की रेडियोथेरेपी हो रही है या किसी कारण से कई बार सीटी स्कैन या सिर का एक्स-रे हुआ है उनमें उच्च जोखिम हो सकता है। रेडिएशन के नजदीक संपर्क में काम करने वालों में ब्रेन ट्यूमर का जोखिम अधिक होने का खतरा रहता है। ऐसे लोगों को डॉक्टर से मिलकर सलाह जरूर ले लेनी चाहिए।

ब्रेन ट्यूमर का समय से पहचान जरूरी

ब्रेन ट्यूमर कोई अचानक होने वाली बीमारी नहीं है। इसके पीछे कई कारण होते हैं, इसमें से कुछ आपके कंट्रोल में होते हैं, कुछ नहीं। हालांकि अगर हम शुरू से सावधानी रखें और शरीर के संकेतों को नजरअंदाज न करें, तो ट्यूमर या इसके कारण होने वाली समस्याओ को समय रहते पहचाना और रोका जा सकता है।

मधुमेह रोगियों को दोपहर में व्यायाम से मिल सकता है अधिक लाभ

डायबिटीज का खतरा वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहा है। डॉक्टर कहते हैं, लाइफस्टाइल और आहार में गड़बड़ी के कारण डायबिटीज और इसकी जटिलताएं बढ़ सकती हैं, इसलिए जरूरी है कि हम सभी स्वस्थ और पौष्टिक आहार का सेवन करने के साथ शारीरिक व्यायाम की नियमित आदत बनाएं। कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि यदि आप नियमित रूप से व्यायाम करते हैं तो इससे डायबिटीज की जटिलताओं के विकसित होने का जोखिम कम हो जाता है।

डायबिटीज वाले लोगों को कब व्यायाम करना चाहिए, इसको लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने विशेष सलाह दी है। डायबिटीज रोगियों पर किए गए अध्ययन के आधार पर शोधकर्ताओं ने बताया कि यदि आप दोपहर के समय व्यायाम करते हैं तो इससे अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

दोपहर में व्यायाम से मिल सकता है अधिक लाभ

जर्नल डायबिटीज केयर में प्रकाशित रिपोर्ट में अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि वैसे तो व्यायाम करना कभी भी लाभकारी हो सकता है पर मधुमेह के शिकार लोगों में पाया गया है कि यदि आप दोपहर में व्यायाम करते हैं तो यह सुबह या शाम की तुलना में अधिक लाभकारी हो सकता है।

बोस्टन स्थित ब्रिघम एंड वुमेन हॉस्पिटल में फिजियोलॉजिस्ट और अध्ययन के लेखक जिंगी कियान कहती हैं, यदि हम भोजन के बाद व्यायाम करते हैं, तो यह अधिक फायदेमंद हो सकता है। यह एक थ्योरी है जिससे लोगों में लाभ मिलता देखा गया है।

व्यायाम कभी भी करना फायदेमंद

शोधकर्ता कहते हैं, इसके विपरीत जो लोग सुबह व्यायाम करते हैं, अक्सर उनका नाश्ता देर हो जाता है, जो डायबिटीज में जटिलताओं को बढ़ाने वाला हो सकता है। हालांकि इसका मतलब यह नहीं है कि अगर आपको दोपहर में समय नहीं मिल रहा है तो आप वर्कआउट छोड़ दें। व्यायाम करने का सबसे अच्छा समय वही है जब आप कर सकते हैं और जहां भी आप कर सकते हैं।

अध्ययन में क्या पता चला?

अध्ययन के लिए, टाइप-2 डायबिटीज वाले 2,400 से अधिक लोगों को अपनी कमर पर एक उपकरण पहनने को कहा गया जो शारीरिक गतिविधि पर नज़र रखता था। जिन लोगों ने दोपहर 2 बजे से शाम 5 बजे के बीच में व्यायाम किया, ऐसे लोगों में एक वर्ष में ब्लड शुगर के स्तर में अधिक सुधार दिखा। इतना ही नहीं, जो लोग दोपहर में व्यायाम करते थे, उनमें अब ग्लूकोज कम करने वाली मधुमेह की दवाओं की आवश्यकता भी कम हो गई।

शोधकर्ताओं ने बताया कि इस अध्ययन में किसी विशेष प्रकार के व्यायाम को लेकर जांच नहीं की गई, प्रतिभागियों ने अपने मन से वर्कआउट किया था।

क्या है शोधकर्ताओं की सलाह?

यूनिवर्सिटी ऑफ यूटा हेल्थ में प्रोफेसर तान्या हॉलिंडे कहती हैं, टाइप-2 मधुमेह वाले लोगों के लिए व्यायाम करने के लिए दिन का कौन सा समय सबसे अच्छा है, इस समय के बारे में कोई भी सिफारिश करना जल्दबाजी होगी। हम अभी तक नहीं जानते हैं कि व्यायाम के समय ने इन परिणामों को कैसे प्रभावित किया है, हालांकि लाभ जरूर देखा गया है।

व्यायाम के समय के परिणामस्वरूप आहार या नींद के पैटर्न में परिवर्तन हो सकता है जो रक्त शर्करा में सुधार और शुगर की दवाइयों की जरूरतों को कम कर सकता है। हालांकि इस बारे में ठोस दावे के लिए अभी और भी अध्ययन किए जाने हैं।

कलौंजी शरीर में यूरिक एसिड को गलाकर कर देता है बाहर

कई अध्ययनों से पता चला है कि कलौंजी किडनी को नुकसान पहुंचाने से बचाती है और यूरिक एसिड को कंट्रोल करती है। यूरिक एसिड रक्त में पाया जाने वाला एक अपशिष्ट उत्पाद है। यह तब बनता है जब शरीर प्यूरीन नामक रसायन को तोड़ता है।

अधिकांश यूरिक एसिड रक्त में घुल जाते हैं,किडनी उन्हें फिल्टर करके यूरीन के जरिए बॉडी से बाहर निकाल देती है। प्यूरीन से भरपूर भोजन और पेय पदार्थ यूरिक एसिड के स्तर को बढ़ाते हैं।

डाइट में कुछ खास तरह के फूड्स जैसे मीठा पेय और मिठाईयां, फ्रुक्टोज का अधिक सेवन, अल्कोहल, मांस का अधिक सेवन, हेरिंग, स्कैलप्स, मसल्स, कॉडफ़िश, टूना सहित कुछ समुद्री भोजन,रेड मीट का अधिक सेवन यूरिक एसिड को तेजी से बढ़ाता है। जब शरीर में बहुत अधिक यूरिक एसिड रहता है, तो हाइपरयुरिसीमिया नामक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। हाइपरयुरिसीमिया यूरिक एसिड (या यूरेट) के क्रिस्टल बनने का कारण बन सकता है। ये क्रिस्टल जोड़ों में जम सकते हैं और गठिया का कारण बन सकते हैं। गठिया बहुत दर्दनाक हो सकता है। इसकी वजह से किडनी में पथरी हो सकती है।

डॉक्टर के मुताबिक यूरिक एसिड को कंट्रोल करने के लिए कालौंजी का सेवन बेहद असरदार साबित होता है। कालौंजी औषधीय गुणों से भरपूर एक ऐसा मसाला है जिसका सेवन करके आसानी से यूरिक एसिड को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए जानते हैं कि कलौंजी का सेवन कैसे यूरिक एसिड को कंट्रोल करता है।

कलौंजी कैसे यूरिक एसिड को कंट्रोल करती है

जिन लोगों का यूरिक एसिड हाई रहता है वो कालौंजी को अपनी डाइट में शामिल करें। कलौंजी में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो सूजन और गाउट के हमले को कंट्रोल करने में असरदार साबित होते हैं। इस बीज को लेने से गाउट के जोखिम को कम कर सकते हैं। एक अध्ययन में रुमेटीइड गठिया के 42 रोगियों को दो महीने तक रोजाना कलौंजी लेने को कहा गया। अध्ययन में शामिल जिन रोगियों ने कालौंजी का सेवन किया उन रोगियों को सूजन और दर्द से राहत मिली।

एक और रिसर्च से पता चला है कि कलौंजी सूजन को कंट्रोल करती है, गाउट अटैक की गंभीरता को कम करने में मदद कर सकती है। कलौंजी में एन-ब्यूटिलफ्थालाइड और बीटा-सेलिनिन नाम के दो कंपाउंड होते हैं जो कि बढ़े हुए यूरिक एसिड को कंट्रोल करने में मदद करते हैं। ये नाइट्रिक ऑक्साइड के क्रिस्टल्स को हड्डियों में जमा होने से रोकते हैं और यूरिक एसिड को कंट्रोल करते हैं।

यदि आप गाउट से पीड़ित हैं और यूरिक एसिड बढ़ने के कारण जोड़ों में क्रिस्टल जमा हो रहे हैं तो आप कलौंजी का सेवन करें।

कलौंजी का सेवन कैसे करें

इन चमत्कारी बीज का सेवन कई तरह से किया जा सकता है। आप इसका सेवन खाने में शामिल करके कर सकते हैं।आप इसे अपने सलाद, सॉस, करी, अचार और सब्जियों में इस्तेमाल कर सकते हैं। इसकी सुगंध और स्वाद दोनों बेहतर होता है। कलौंजी को सप्लीमेंट या पाउडर के रूप में भी लिया जा सकता है।

शरीर पर फुंसियों का आयुर्वेदिक उपचार बताएं

प्रश्न : मेरी उम्र 38 वर्ष है। नजर कमजोर हो गई है। साफ दिखाई नहीं पड़ता क्या करूं? बताएं।

- यादव राव, हैदराबाद

उत्तर : धुंधला दिखाई देना, आंख के सामने कल्पित रूपों को देखना, आंखों के आगे अलग-अलग प्रकार की चमक दिखाई पड़ना, वस्तुएं धुंधली, ढकी हुई सी दिखाई देना, यह सब दृष्टिमांद्य या नजर कम पडने के सामान्य लक्षण हैं।

त्रिफला क्वाथ में शुद्ध घृत मिलाकर लेने से काफी तेजी से आंखों की दृष्टि ठीक होती है। ऊंझा त्रिफला चूर्ण को शहद में मिलाकर लेने से नज़र ठीक होती है । ऊंझा सप्तामृत लौह इसकी परमौषधि है। सप्तामृत लौह टिकिया या उजाला टिकिया भी दृष्टिमांद्य की श्रेष्ठ औषधी है। इसे दूध के साथ 2 से 4 माह तक लेते रहने से नजर ठीक होने लगती है। प्लैनेट इंडिया का महात्रिफलादिघृतम सप्तावर्ती कैप्सूल सुबह शाम दूध से लेने पर आंखों की दृष्टि में अभूतपूर्व अंतर आता है। गाजर, चुकंदर , अंकुरित बीज, घी, मक्खन आदि का प्रयोग भी आंखों की रोशनी को ठीक करने में उपयोगी है।

प्रश्न : मेरे कोल्हू में बहुत दर्द रहने लगा है। एक्सरे की रिपोर्ट के अनुसार संधि -अवकाश संकीर्ण हो गया है। क्या मुझे एनकिलोजिंग स्पांडलाइटिस हो गया है या आमवात ? कृपा कर उपचार बताएं।

- प्रभाकर शर्मा, मनिकोंडा

उत्तर : आपने जिन रोगों के नाम गिनाएं हैं उनमें जीवन भर ही मैनेजमेंट की जरूरत पड़ती है । तभी मुश्किल से संधियों में लचीलापन बना रहता है। साथ ही शरीर की आकृति में विकृति नहीं आती। आप हर रोज हल्का व्यायाम करें। पीड़ा वाली सिंधियों औरा रूमाटाइज़ आईल लगाएं या महानारायण तेल लगाया करे। बैठने और सोने के पोश्चर को सही करें ।

ध्यान रहे कि चिकित्सा के दौरान आपको कब्जियत न हो। उसके लिए आप रात सोने से पहले निरोग चूर्ण या लैक्झोल पाउडर का प्रयोग करें। इस काम के लिए आप ऊंझा एरंड भृष्ट हरडे टिकिया का भी प्रयोग कर सकते है। सिंहनाद गुग्गुल, ऊंझा वात विध्वंसन रस का प्रयोग संधि में लचिलेपन व दर्द को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

औरा रूमाटाइज़ टिकिया, ऊंझा रुमूव केपस्यूल, ऊंझा स्वर्ण महायोगराज गुग्गुल के संग तेज दर्द में वात राक्षस रस का प्रयोग लाभकारी होता है। भोजन के बाद ऊंझा महारास्नादि काढ़ा १५ से २५ मिली लीटर दवा को ३० मिली लीटर गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करने से दर्द नियंत्रण में रहता है । यह सारे चिकित्सा कर्म दक्ष आयुर्वेद चिकित्सक की निगरानी में ही करवाएं।

प्रश्न : मेरी उम्र ,39 वर्ष है। पूरे शरीर पर फुंसियां हो गई है, जिनमें कभी कभी खून भी निकलता है। कमजोरी भी बढ़ गई है । आयुर्वेदिक उपचार बताएं।

- अंजी रेड्डी, वारंगल

उत्तर : पूरे शरीर पर फुंसियों, फोड़ों का आना और साथ में कमजोरी का बढ़ना दो इशारे कर रहा है। एक- मधुमेह और दूसरा खून की खराबी। मधुमेह के लिए रक्त में शक्कर की जांच करवाएं। व्यक्तिगत सफाई का पूरा ध्यान रखें । यदि शक्कर का स्तर रक्त में अधिक हो तो पहले उस पर नियंत्रण पाना जरूरी है। रक्त में संक्रमण और एंडोटॉक्सिंस के कारण भी शरीर में फोड़े फुंसियां हो सकती है।

आयुर्वेद में प्रमेहपिडिकाओं का का वर्णन मिलता है । मधुमेह या असाध्य प्रमेह में पिडिकाएं शरीर भर में पनपने लगती है । यह बड़ी कष्टदायी एवं खून-पीप से भर जाती है।

मेहयोग भोजन के पहले लेवें। जांब्रोस टेबलेट,चंद्रप्रभा वटी, आरोग्यवर्धिनी वटी एवं महामंजिष्ठादि घनवटी भोजन के बाद लेवे। प्रशांत का एट्रिन टैबलेट भी फुंसियों में बहुत उपयोगी साबित हुआ है।

किसी भी प्रकार का मीठा, मिठाई , शक्कर - गुड़ से बने पदार्थ, मीठे फल, तले पदार्थ न खाएं । जात्यादि तेल का प्रयोग पिडिकाओं पर किया जा सकता है।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

रेयर अर्थ मैटेरियल्स पर अमेरिका और चीन के बीच क्यों छिड़ी रार

जेफरीज ने बताया, क्या हैं इसके मायने

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। रेयर अर्थ मैटेरियल पर चीन के हालिया प्रतिबंधों को उन्नत सेमीकंडक्टर प्रौद्योगिकी पर अमेरिका की ओर से लगाए गए नियंत्रण की प्रतिक्रिया के रूप में देखा जा रहा है। रिपोर्ट के अनुसार चीन कड़ा रुख इसलिए अपना रहा है क्योंकि वह उन्नत अमेरिकी सेमीकंडक्टर्स तक पहुंच चाहता है, जो उसकी अर्थव्यवस्था को और उन्नत बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। जेफरीज ने अपनी एक रिपोर्ट में यह बात कही है। रिपोर्ट में कहा गया, अमेरिका को चीन के रेयर अर्थ मैटेरियल्स की भी उतनी ही आवश्यकता है, जितनी चीन को अमेरिकी उन्नत सेमीकंडक्टर्स तक पहुंच की आवश्यकता है। जेफरीज के अनुसार रेयर अर्थ मैटेरियल्स कई उच्च तकनीक वाले उपकरणों और रक्षा उपकरणों के उत्पादन के लिए बहुत जरूरी हैं। रिपोर्ट के अनुसार, बीजिंग प्रौद्योगिकी उत्पादों के निर्यात पर अमेरिकी प्रतिबंधों को आर्थिक हमले के रूप में देख रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह चीन को अपने तकनीकी क्षेत्र को आगे बढ़ाने से रोकता है।

जेफरीज ने अपनी रिपोर्ट में क्या कहा है?

जेफरीज सेमीकंडक्टर निर्यात पर प्रतिबंध अमेरिका के अपने राष्ट्रीय हितों को भी नुकसान पहुंचाते हैं। इस प्रतिबंध ने अमेरिकी टेक कंपनियों को उनके सबसे बड़े ग्राहकों में से एक चीन से अलग कर दिया है। इसके अलावा, इन प्रतिबंधों ने चीन को अपनी स्वयं की सेमीकंडक्टर तकनीकों को विकसित करने के प्रयासों में तेजी लाने के लिए प्रेरित किया है। इससे से भविष्य में अमेरिकी फर्मों पर उसकी निर्भरता कम हो जाएगी। ऐसे में रेयर अर्थ मैटेरियल्स पर नियंत्रण को अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान के लिए एक चेतावनी के रूप में भी देखा जा रहा है क्योंकि संभवतः अमेरिका का चीन पर अब उतना प्रभाव नहीं रह गया है। साथ ही, चीन ने हाल ही में जिनेवा में हुई चर्चा के दौरान रेयर अर्थ मैटेरियल्स के बारे में कोई विशेष वादा करे से इनकार कर दिया है। जेफरीज ने यह भी बताया कि चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने निर्यात नियंत्रण का बचाव करते हुए कहा कि दोहरे उपयोग वाले सैन्य और नागरिक विशेषताओं वाली वस्तुओं पर निर्यात नियंत्रण लागू करना एक सामान्य वैश्विक कदम है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन के लिए ऐसा सोचना बेमानी है कि चीन रेयर अर्थ मैटेरिल्स के निर्यात पर छूट देगा। ऐसा तब तक संभव नजीं है जब क अमेरिका भी अपने तकनीक से जुड़े कुछ निर्यातों पर प्रतिबंध नहीं हटाता है।

क्या हैं रेयर अर्थ मैटेरियल्स? इसके उत्पादन व निर्यात पर चीन का दबदबा क्यों?

रेयर अर्थ मैटेरियल्स, या दुर्लभ पृथ्वी तत्व, 17 विशिष्ट धातुओं के समूह को कहते हैं जिनका उपयोग विभिन्न उच्च-प्रौद्योगिकी उत्पादों में किया जाता है। इन उत्पादों में इलेक्ट्रिक वाहन, पवन टरबाइन, स्मार्टफोन और उन्नत सैन्य उपकरण शामिल है। 17 धातुओं में नियोडीमियम, डिस्प्रोसियम, टेरबियम और सेरियम जैसी धातुएं शामिल हैं। चीन का रेयर अर्थ मैटेरियल्स के उत्पादन और निर्यात पर दबदबा है। इसका कारण यह है कि चीन के पास दुनिया के सबसे बड़े रेयर अर्थ तत्वों के भंडार हैं। चीन दुनिया में उत्पादित रेयर अर्थ तत्वों का लगभग 60% उत्पादन करता है और वैश्विक स्तर पर रेयर अर्थ मैग्नेट्स की 90% से अधिक रिफाइनिंग क्षमता पर नियंत्रण रखता है। चीन ने हाल ही में कुछ रेयर अर्थ तत्वों के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति शृंखला प्रभावित हो रही है।

बैंकों से भर रही सरकार की झोली, आरबीआई के बाद अब एसबीआई ने दिया 8076 करोड़ का डिविडेंड

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। केंद्र सरकार लगातार बैंकों के डिविडेंड से अपनी झोली भर रही है। हाल ही में देश के सेंट्रल बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया रिकॉर्ड डिविडेंड दिया है। अब देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक एसबीआई ने भी सरकार को हजारों करोड़ रुपए का डिविडेंड दिया है। जानकारी के अनुसार देश की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को सोमवार को भारतीय स्टेट बैंक से 8,076.84 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक मिला है। जबकि पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में एसबीआई की ओर से सरकार को 6,959 करोड़ रुपए का डिविडेंड मिला था। यह चेक एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी ने प्रदान किया। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में, सीतारमण ने कहा कि एसबीआई के चेयरमैन सीएस सेट्टी की ओर से वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8076.84 करोड़ रुपए का डिविडेंड चेक प्राप्त हुआ है।

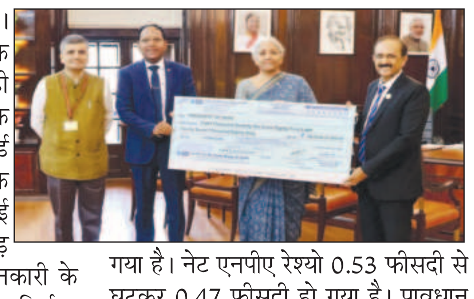

एसबीआई कैसे रहे थे नतीजे

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक का वित्त वर्ष 2025 की चौथी तिमाही में नेट प्रॉफिट साल दर साल 10 फीसदी गिरकर 18,643 करोड़ रुपए हो गया, जबकि शुद्ध ब्याज आय 2.7 फीसदी बढ़कर 42,775 करोड़ रुपए हो गया है। एसबीआई की असेट्स क्वालिटी में सुधार हुआ है, ग्रॉस एनपीए रेश्यो अक्टूबर-दिसंबर में 2.07 फीसदी से घटकर जनवरी-मार्च में 1.82 फीसदी हो गया है। नेट एनपीए रेश्यो 0.53 फीसदी से घटकर 0.47 फीसदी हो गया है। प्रावधान पिछले वर्ष के 1,608 करोड़ रुपए से बढ़कर 6,442 करोड़ रुपए हो गया है, कवरेज रेश्यो 19 बेसिस प्वाइंट से बढ़कर 92.08 फीसदी हो गया है। स्लिपेज रेश्यो भी 7 बेसिस प्वाइंट से बढ़कर 0.55 फीसदी हो गया है। इसके अलावा, एसबीआई के बोर्ड ने 15.9 रुपए प्रति शेयर का डिविडेंड घोषित किया है।

एसबीआई के शेयरों में तेजी

सोमवार को एसबीआई के शेयरों में तेजी देखने को मिली है। आंकड़ों के अनुसार एसबीआई का शेयर एक फीसदी की तेजी देखने को मिल रही है जिसके बाद बैंक का शेयर 821.15 रुपए पर कारोबार कर रहा है। जबकि कारोबारी सत्र के दौरान बैंक का शेयर 824.40 रुपए के साथ दिन के हाई पर पहुंचा। वैसे बैंक का शेयर 817.10 रुपए पर ओपन हुआ था। शुक्रवार को बैंक का शेयर 812.85 रुपए पर देखने को मिला था। बीते एक महीने में बैंक के शेयर में 5 फीसदी से ज्यादा की तेजी देखने को मिल रही है।

सोना 1,427 गिरकर 95,718 पर आया

चांदी 1.05 लाख किलो के ऑल टाइम हाई पर पहुंची; कैरेट हिसाब से देखें गोल्ड के दाम

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 9 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 1,427 घटकर 95,718 पर आ गया है। इससे पहले सोने की कीमत 97,145 प्रति 10 ग्राम थी। वहीं 1 किलो सोने का दाम 5 बढ़कर 1,05,290 हो गया है। ये इसका ऑल टाइम हाई है। इससे पहले चांदी 1,05,285 प्रति किलो पर पहुंच गई थी। सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों में 10 ग्राम सोने की कीमत

दिल्लीः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,840 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,700 मुंबईः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 कोलकाताः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550 चेन्नईः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,690 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,550भोपालः 24 कैरेट सोने की कीमत 97,740 और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,600हैदराबाद : 24 कैरेट सोने की कीमत 97,632और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,432

एमपीसी के फैसलों से बाजार में मजबूती बरकरार

सेंसेक्स 256 अंक उछला, निफ्टी 25100 के पार

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। मौद्रिक नीति समिति के फैसलों के बाद सोमवार को भी घरेलू बाजार में मजबूती दिखी और प्रमुख बेंचमार्क सूचकांक हरे निशान पर बंद हुए। रेपो रेट और सीआरआर में कटौती जैसे फैसलों ने बाजार में निवेशकों को आकर्षित किया। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी हरे निशान पर बंद होने में सफल रहे। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 256.22 अंक या 0.31 प्रतिशत चढ़कर 82,445.21 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 480.01 अंक या 0.58 प्रतिशत बढ़कर 82,669 पर पहुंच गया। वहीं, एनएसई निफ्टी 100.15 अंक या 0.40 प्रतिशत बढ़कर 25,103.20 अंक पर आ गया। इस दौरान रुपया पांच पैसे की बढ़त के साथ 85.63 (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स कंपनियों में कोटक महिंद्रा बैंक, बजाज फाइनेंस, एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, इंडसइंड बैंक, मारुति, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी सबसे ज्यादा लाभ में रहे। हालांकि, इटरनल, आईसीआईसीआई बैंक, टाइटन, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अदानी पोर्ट्स, टाटा स्टील और भारती एयरटेल पिछड़ गए।

यूरोपीय बाजारों में हुई मामूली गिरावट

एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का कोस्पी, जापान का निक्केई 225 सूचकांक,

शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक क्षेत्र में बंद हुए। यूरोपीय बाजार मामूली गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। शुक्रवार को अमेरिकी बाजार तेजी के साथ बंद हुए। अमेरिका और चीन के बीच व्यापार वार्ता के नए दौर को लेकर आशावाद ने भी बाजारों को ऊपर की ओर बढ़ाया।

ब्रेंट क्रूड मजबूत होकर 66.67 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंचा

वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 0.30 प्रतिशत बढ़कर 66.67 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 1,009.71 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। इससे पहले शुक्रवार को 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत बढ़कर 82,188.99 पर बंद हुआ। निफ्टी ने 25,000 के स्तर पर दोबारा पहुंच गया और 252.15 अंक या 1.02 प्रतिशत चढ़कर 25,003.05 पर बंद हुआ।

मुकेश अंबानी ने मिलाया चीनी कंपनी से हाथ

ऐसे बनाएंगे मेड इन इंडिया कपड़े

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। एशिया के सबसे अमीर कारोबारी मुकेश अंबानी ने एशिया की सबसे बड़ी इकोनॉमी चीन की कंपनी शीन के साथ हाथ मिला लिया है। दोनों मिलकर भारत में मेड इन इंडिया कपड़े बनाएंगे। जिसके मुकेश अंबानी ने हजारों फैक्ट्रीज के साथ बात फाइनल कर ली है और सैकड़ों मैन्युफैक्चर्स से बातचीत जारी है। मुकेश अंबानी और शीन दोनों ही मिलकर इंडियन सप्लायर्स की संख्या बढ़ाने में जुटे हुए हैं। दोनों अगले एक साल में मेड इन इंडिया शीन ब्रांड के कपड़ों को ग्लोबल लेवल पर बेचने की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट के अनुसार चीनी ब्रांड शीन और रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे पहले मेड इन इंडिया शीन ब्रांड के कपड़ों को अमेरिका और ब्रिटेन की वेबसाइट्स पर बेचने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस प्लानिंग को एग्जीक्यूट करने के लिए करीब 1000 से ज्यादा भारतीय फैक्ट्रीज को जोड़ा जाएगा। मौजूदा समय में इसकी संख्या 150 है और 400 से बातचीत का दौर चल रहा है। आपको बता दें कि साल 2028 में शीन की भारत में एंट्री हुई थी, लेकिन साल 2020 में चीन के साथ तनाव के कारण इस ऐप पर बैन लगा दिया गया था। फरवरी 2024 में रिलायंस के साथ लाइसेंसिंग डील के साथ भारत में शीन की वापसी हुई। जिसके बाद से SheinIndia.in लोकली तैयार बने शीन ब्रांड के कपड़े सेल किए जा रहे हैं।

कितने हो चुके हैं शीन ऐप डाउनलोड

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत में शीन ऐप काफी पॉपुलर हो चुका है। कंपनी के ऐप डाउनलोड लाखों में पहुंच चुके हैं। रिपोर्ट के अनुसार इस ऐप को 27 लाख बार डाउनलोन किया जा चुका है। डाउनलोड में हर महीने 120 फीसदी की ग्रोथ देखने को मिल रही है। खास बात तो ये है कि लॉन्च के शुरुआती चार महीनों में कंपनी ने ऐप पर 12,000 डिजाइंस पेश किए हैं, जो अमेरिका में 6 लाख से ज्यादा है। रिपोर्ट के अनुसार रिलायंस को शीन का ऑन-डिमांड मैन्युफैक्चरिंग मॉडल काफी पसंद आया है, जिसे वो अपनाने की योजना पर काम कर रहा है, जहां शुरुआती दौर में हर डिजाइन के 100 पीस बनाए जाते हैं और पसंद आने पर उसके प्रोडक्शन में इजाफा कर दिया जाता है। इसी मॉडल के तहत रिलायंस अपने इंडियन सप्लायर्स को ट्रेनिंग दे रहा है और जरुरत के हिसाब से मशीनरी के इंपोर्ट की भी बात सामने आई है।

क्या है शीन और रिलायंस की प्लानिंग

शीन मेड इन चाइना का सस्ता फैशन दुनिया को बेचता है, लेकिन टैरिफ जैसी समस्याओं को देखते हुए वह अब भारत को नया मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने में जुट गया है। शीन ने भारत में अपने ब्रांड का लाइसेंस रिलायंस को दिया है। रिलायंस कंपनी के प्रोडक्शन, सप्लाई चेन के साथ ऑपरेशन का भी काम संभाल रही है।

सरकारी कंपनी कोल इंडिया ने लिया बड़ा फैसला

क्या शेयरों में आएगी तेजी?

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भारत सरकार की कोल इंडिया लिमिटेड फिर से 32 खदानों को ओपन करने की तैयारी करने जा रही है। सरकार इस साल 5 नए ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट को लॉन्च करने जा रही है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत की ऊर्जा जरूरतें उसके नवीकरणीय बुनियादी ढांचे की मौजूदा कैपाबिलिटी से अधिक हो गई हैं, जिससे ऊर्जा मांग और क्लीन पावर सप्लाई के बीच बढ़ते अंतर के बीच कोयले की ओर वापसी का संकेत मिलता है। इस खबर का असर कंपनी के शेयरों पर देखने को मिल सकता है। कोल इंडिया के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर पीएम प्रसाद ने कहा कि खदानों मैनुअल और आउटडेटेज मशीनरी के चलते बंद हो गई हैं, जिनको शुरू करने के लिए हम नई प्राइवेट कंपनियों के साथ पार्टनरशिप करने जरा रहै है। जिसमें पैसे की भी साझेदारी होगी। हमें उम्मीद है कि इन बंद पड़ी खदानों में कम से कम 6 खदानों में इस फाइनेंशियल ईयर 2025-26 से प्रोडक्शन शुरू हो जाएगा।

देश में एनर्जी खपत

भारत में एनर्जी की खपत साल 2023 में लगभग 40.5 एक्साजूल के करीब पहुंच गई थी, जिसमें ट्रांसपोर्ट, रेसिडेंटशियल के साथ-साथ अदर्स सेक्टर को मिलाकर कुल हिस्सेदारी 49 प्रतिशत थी। सरकार का अनुमान है कि साल 2050 तक देश का एनर्जी कंजप्शन दोगुना हो जाएगा। प्रसाद ने कोयला मंत्रालय की दिसंबर 2024 की नीति का हवाला देते हुए पुष्टि की कि यह अब हो रहा है कि जिसका उद्देश्य घरेलू आपूर्ति को बढ़ावा देने और कोयले के आयात को कम करने के लिए बंद खदानों को बहाल करना है। इस साल अब तक 27 खदानों के लिए सूचनाएं दी जा चुकी हैं और पांच और पाइपलाइन में हैं।कोल इंडिया देश की एक सरकारी है। कंपनी की से खदानों को रीओपन करने की तैयारी करने वाली खबर का असर उसके शेयरों पर देखने को मिल सकता है। इस खबर के बाद आज कंपनी के शेयरों में तेजी देखने को मिल रही है। कोल इंडिया के शेयर बीएसई पर करीब 1 प्रतिशत की तेजी के साथ 402.80 पर कारोबार कर रहे हैं। कोल इंडिया के स्टॉक्स में 4 रुपये की रैली देखी जा रही है।

क्रेडिट कार्ड से होम लोन तक, डिपॉजिट बढ़ाने का अब बैंकों ने निकाला ये जुगाड़

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल के दिनों में रेपो रेट में 50 बेसिस प्वाइंट कम करने का ऐलान किया है, जिसके बाद रेपो रेट 6 प्रतिशत से घटकर 5.5 प्रतिशत पर आ गई. केंद्रीय बैंक ने लगातार तीसरी बार रेपो रेट में कटौती की है. इससे पहले फरवरी और अप्रैल में आरबीआई ने ब्याज दरों में 25-25 बेसिस प्वाइंट की कटौती की थी. लेकिन अब बैंक कई नए प्लान पर काम कर रहे हैं जिससे वो नए ग्राहकों को आकर्षित कर सकें। बैंकरों और निवेश सलाहकारों का कहना है कि फिक्स्ड डिपॉजिट-लिंक्ड क्रेडिट कार्ड, स्वीप-इन डिपॉजिट और बचत बैंक-लिंक्ड होम लोन जैसे प्रोडक्ट्स का पहले से ज्यादा प्रचार करना होगा और कई स्कीम्स पर ज्यादा ध्यान देना होगा. जैसे- वरिष्ठ नागरिक सरकारी बचत योजनाओं पर अधिक निर्भर होंगे और युवा शॉर्ट -टर्म शॉर्ट-टर्म डेब्ट फंड्स पर ज्यादा फोकस करेंगे. बैंकों के पास पहले से ही ऐसे प्रोडक्ट्स हैं जिनमें मंथली स्वीप-इन के साथ फिक्स्ड डिपॉजिट, होम लोन जो बचत खातों में सरप्लस बैलेंस को भी ध्यान में रखते हैं. बैंकों ने पहले ही पहल कर दी है. अलग-अलग तरह के बैंकों के रेट्स भी चिंताजनक हैं. जैसे छोटे वित्त बैंक टॉप कॉमर्शियल बैंक की तुलना में ज्यादा रेट ऑफर करते हैं. शेट्टी ने कहा कि रेपो दर में भारी कटौती और कैश रिवर्स रेश्यो में 1% की कटौती से नकदी जारी होने की संभावना के कारण डिपॉजिट रेट्स में गिरावट तेज हो जाएगी.भारतीय स्टेट बैंक द्वारा दी जाने वाली एक साल के फिक्स्ड डिपॉजिट पर इस समय रेट 6.5% से घटकर लगभग 6% होने की संभावना है. आईसीआईसीआई बैंक जैसे कुछ लेंडर्स ने अपनी होलसेल डिपॉजिट रेट्स में कटौती शुरू कर दी है. आने वाले वीक में 3 करोड़ रुपए से कम की रिटेल डिपॉजिट्स रेट्स में भी कटौती की जाएगी। जबकि बैंकों ने पहले ही अपनी खुदरा उधारी दर में कटौती कर दी है. कोविड-19 के प्रभाव के कारण 2020 और 2021 में ब्याज दरों में भारी कटौती के बाद जमा दरों में गिरावट आई थी. बैंकरों ने कहा कि हालांकि यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता कि दरें कितनी कम होंगी.एक्सिस बैंक के डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर राजीव आनंद ने कहा, "5.5% पर रेपो और सिस्टम में सफिसियेंट लिक्विडिटी के साथ ओवरनाइट रेट्स को 5.25% पर रखना सही है, जिसका मतलब है कि एक साल की जमा दरें 6% से ऊपर नहीं जा सकतीं. जो बचतकर्ता हाई रेट चाहते हैं, उन्हें अपने फंड को रिस्की एसेट्स में लगाना होगा. मनी मार्केट दरों में कमी आने के साथ म्यूचुअल फंड डेट निवेश पर रिटर्न भी एडजस्ट हो जाएगा. केंद्रीय बैंक की और से शर्त ये है कि लोग अधिक खर्च करेंगे, घर, कार खरीदेंगे और अपने क्रेडिट इस्तेमाल करेंगे जिससे अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगी.वरिष्ठ नागरिक बचत योजना अभी के समय में 8.2% की दर से ब्याज दे रही है. लेकिन इस योजना में पांच साल के लिए लॉक-इन टाइम है और अगर टाइम से पहले पैसा निकाला जाता है तो निकालने पर जुर्माना लगता है।

मिधानि में हिंदी कार्यशाला संपन्न

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड (मिधानि) में कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला संपन्न हुई। कार्यशाला के आरंभ में डॉ. बी. बालाजी, प्रबंधक (हिंदी अनुभाग एवं निगम संचार), मिधानि ने कार्यशाला के प्रतिभागियों का स्वागत किया उन्होंने प्रथम सत्र में कंप्यूटर पर हिंदी टंकण के बेसिक टिप्स विषय पर व्याख्यान दिया। दूसरा सत्र का विषय कार्यालयीन कामकाज में प्रयुक्त प्रशासनिक शब्दावली था। इस विषय पर हिंदी शिक्षण योजना, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के सहायक निदेशक (से.नि.) मु. कमालुद्दीन ने व्याख्यान दिया। विभिन्न प्रशासनिक शब्दावली के निर्माण पर चर्चा की। तृतीय सत्र में आईआरडीएआई के हिंदी अधिकारी रवि रंजन ने "कार्यालय में राजभाषा हिंदी कार्यान्वयन क्यों और कैसे?" विषय पर व्याख्यान दिया। उन्होंने राजभाषा नीति से संबंधित राजभाषा अधिनियम, 1963 की धाराओं व राजभाषा नियम 1976 के अंतर्गत बने नियमों के संबंध में चर्चा की। अपने व्याख्यान के दौरान उन्होंने रेखांकित किया कि भारत सरकार के कार्यालयों में राजभाषा के कार्यान्वयन का दायित्व उन सभी कर्मचारियों पर है विभिन्न प्रकार के दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करते हैं। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार के कर्मचारी के सहयोग के बिना राजभाषा कार्यान्वयन सुचारु रूप से नहीं हो सकता है। इसीलिए राजभाषा कार्यान्वयन में कर्मचारियों की सक्रिय भूमिका की अपेक्षा की जाती है। रवि रंजन ने कर्मचारी को अपने दैनिक कामकाज में राजभाषा के प्रयोग के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यशाला के सफल आयोजन में हिंदी विभाग की श्रीमती डी. वी. रत्नाकुमारी, कनिष्ठ कार्यपालक (एनयूएस), विकास कुमार आज़ाद और डाक अनुभाग के कर्मी जयपाल का सक्रिय सहयोग रहा।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	वृष	मे
चंद्र-	वृश्चिक	मे
मंगल	सिंह	मे
बुध-	वृष	मे
गुरु-	मिथुन	मे
शुक्र-	मीन	मे
शनि-	मीन	मे
राहु-	कुंभ	मे
केतु-	सिंह	मे

लग्नारंभ समय		
वृष---	04-04	बजे
मिथुन..	06-04	बजे
कर्क---	08-17	बजे
सिंह---	10-28	बजे
कन्या...	12-35	बजे
तुला....	14-42	बजे
वृश्चिक..	16-50	बजे
धनु.....	19-04	बजे
मकर....	21-14	बजे
कुंभ...	23-01	बजे
मीन....	00-39	बजे
मेष.....	02-15	बजे

श्री सिद्धार्थी नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2082
शक संवत् -1947, सूर्य उत्तरायणे, ऋतु- ग्रीष्म
महावीर निर्वाण संवत् -2551
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय 05-44
भोग्य कलि वर्ष-426874 सूर्यास्त 18-45
कलियुग संवत् -5126 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949126
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885126
दिशाशूल - उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्दशी 11-35 तक उपरान्त पूर्णिमा
मास - ज्येष्ठ शुक्ल, मंगलवार 10 June
नक्षत्र - अनुराधा 18-01 तक उपरान्त ज्येष्ठा
योग - सिद्ध 13-44 तक उप. साध्य
करण- वणिज 11-35 तक उप विष्टी (भद्रा)
विशेष:- पूर्णिमा व्रतं
व्रत -त्योहार - वट सावित्री व्रत पूर्णता

विशेषः- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:32 से 17:11 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो. 9247132654, 9167555710

दिन का चौघड़िया		
रोग	05:44 - 07:21	अशुभ
उत्पात	07:21 - 08:59	अशुभ
चंचल	08:59 - 10:37	शुभ
लाभ	10:37 - 12:16	शुभ
अमृत	12:16 - 13:54	शुभ
काल	13:54 - 15:32	अशुभ
शुभ	15:32 - 17:11	शुभ
रोग	17:11 - 18:45	अशुभ

रात का चौघड़िया		
काल	18:45 - 20:11	अशुभ
लाभ	20:11 - 21:32	शुभ
उत्पात	21:32 - 22:54	अशुभ
शुभ	22:54 - 00:16	शुभ
अमृत	00:16 - 01:37	शुभ
चंचल	01:37 - 02:59	शुभ
रोग	02:59 - 04:21	अशुभ
काल	04:21 - 05:44	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ,)
अपना बेहतर प्रयास डाले। आपने दुसरो का समर्थन किया है परन्तु वे अपने बारे में अच्छा नहीं सोचते न जानते और आपके प्रयासों की सराहना करना वे भूल गए। आप ऐसे लोगों के बारे में चिंता न करे और अपने प्रयास जारी रखे ! अपनी कार्य के प्रति अपनी भावनाओ को लगाये न की उन लोगो के लिए जो आपको महत्व नहीं देते।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
यह समय अपने कार्य क्षेत्र को दिशा या बदलाव देने का उचित समय है। कुछ समय से आप अस्थिरता को महसूस कर रहे है। नए और जोश भर देने वाले अवसर आज आपके सामने आ सकते है और आपको आशावादी रहकर उन्हें पकड़ना है। यह आपके कार्य क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में मदद करेगा और आगे जाकर आपकी कार्य क्षेत्र संबंधित समस्याओं का निराकरण करने में मदद करेगा।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
ग्रहों की स्थिति में परिवर्तन के कारण, एक नई ऊर्जा का संचार आप में हो सकता है। आप जीवंत महसूस करेंगे। आप में अधिक से अधिक काम लेने की इच्छा आप में प्रबल होगी और तब भी आप खुश रहेंगे। इससे पता चलता है की चीज़े सकारात्मक दिशा में आगे भड़ रही है। लेकिन इस उत्साह में, अपने स्वास्थ्य को नजरअंदाज न करे।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आप समय के महत्व को जानते हैं और आप आज एक लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। आप सही रास्ते पर हैं। कड़ी मेहनत करे, सफलता आप से दूर नहीं है। आपकी वित्तीय स्थिति स्थिर है और इसलिए आप व्यापार और शेयरों में कुछ जोखिम ले सकते हैं। आय के नए अवसर आज दिखाई दे सकते हैं। आगे जाने से पहले अपने शुभचिंतकों से परामर्श करें।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको अत्यधिक खर्चो का सामना करना पड़ सकता है इसलिए नहीं की वो खर्चे दूर नहीं किये जा सकते थे बल्कि इसलिए की आप खुद उन खर्चो को करना चाहते थे। यह ठीक है की आप अपने मुश्किल समय के लिए पैसे बचाते है जो की बुद्धिमता वाला काम है लेकिन आज आप अपने या अपने किसी ख़ास व्यक्ति जो आपके बहुत निकट है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
शनि देव जहां एक तरफ स्थितियों को कुछ अच्छा बनाएंगे तो वहीं आपके जीवनसाथी को ज्यादा स्पष्टवादी बना देंगे, उनका व्यवहार कुछ कड़वा सा महसूस हो सकता है लेकिन दिल से वह साफ होंगे इसलिए इस समय के दौरान उनकी बातों को अच्छे से सुनें, समझें और उनको मान्यता दें तथा कोई असहमति हो तो विचार विमर्श के द्वारा उसे हल कर लें। इससे आपका वैवाहिक जीवन खुशी से आगे बढ़ता रहेगा।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आप यह पता लगाने की कोशिश करें की कौन सी वस्तु या चीज़ से आप अपने आप से सर्वश्रेष्ट कार्य ले सकते है। यह आपकी विचारधाराओ और रचनात्मकता को भी अद्वितीय अनुभूति देगा। हालाँकि, आपके वित्तीय पुरस्कार में विलंब होगा, फिर भी अपने वित्तीय संकट से खुद को बचाने के लिए आपके पास पर्याप्त आय है।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आज का दिन अपने प्रयासों को तेज करने और अपनी महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए सबसे अच्छा समय है। आप अपनी परियोजना के सफलतापूर्वक अंतः के लिए प्रतिबद्ध है जिसके लिए आप कड़ी मेहनत करेंगे। आपका संकल्प और अच्छे प्रयास बर्बाद नहीं होंगे और आप निकट भविष्य में अच्छे फल की उम्मीद कर सकते है।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे ! इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे, आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी। यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आपका कार्य के समय हर छोटे बिंदु का मूल्यांकन और हर कार्य को पूरा करने के लिए सावधानी बरतना आपके वरिष्ठ अधिकारियों का ध्यान आपकी और आकर्षित करेगा। आपको और अधिक जिम्मेदारी दी जाएगी ।आपको अपने सामान्य कुशल तरीके से इन से निपटना होगा ताकि ये आपके कैरियर के अवसरों में आने वाले समय में वृद्धि कर सके।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपकी कोई ऐसी निजी घटना है जो आपको रोके हुए है और आपकी तरक्की की राह में बाधा बन रही है ।अगर आप खुद को गंभीर मुसीबतों से बचाना चाहते हैं तो इन मुद्दों को सुलझा लें। अपने रिश्तों की महत्ता समझने की कोशिश करें, अपने प्रयासों को रिश्तों की अहमियत देखकर ही निर्धारित करें।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपने अपने लिए बहुत ऊँचे मानक तय किये हैं और आप इन्हें हासिल करने के लिए बहुत प्रयास कर रहे हैं। फिर भी लक्ष्य तक पहुंचना मुश्किल होगा और इससे आपको थोड़ी निराशा होगी। आपको लक्ष्य तय करने से पहले अपनी क्षमताएं ध्यान में रखनी होंगी। समय कोई बड़ा फैसला लेने के लिए उपयुक्त नही है।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

मेघालय डीजीपी बोलीं-सोनम ने पति राजा की हत्या कराई

> यूपी में मिली > 4 संदिग्ध भी हिरासत में > पिता बोले-बेटी बेगुनाह > पुलिस ने कहानी गढ़ी

गाजीपुर, इंदौर, 9 जून (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की शिलॉन्ग में हत्या के बाद लापता उनकी पत्नी सोनम 17 दिन बाद यूपी के गाजीपुर में एक ढाबे पर मिलीं। इसके बाद मेघालय डीजीपी इदाशीशा नोंग्रांग ने दावा किया कि पत्नी (सोनम) ने ही पेशेवर हत्यारों को सुपारी देकर मर्डर कराया। इधर, सोनम के पिता ने इस बात को मानने से साफ इनकार कर दिया है कि उनकी बेटी ने अपने पति की हत्या कराई होगी। उनका कहना है कि मेरी बेटी बेगुनाह है। मेघालय पुलिस ने उसे फंसाने के लिए झूठी कहानी गढ़ी है।

मामले में चार संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है। राज कुशवाहा, विशाल चौहान को इंदौर जबकि आकाश राजपूत को इंदौर के पास और आनंद कुर्मी को बीना के बसारी गांव से पकड़ा गया। पुलिस इनसे पूछताछ कर रही है।

मेघालय के सीएम ने X पर पोस्ट कर दी जानकारी

इससे पहले मेघालय के सीएम कोनराड संगमा ने X पोस्ट में जानकारी दी थी कि वारदात में शामिल 3 हमलावरों को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। हमलावर मध्यप्रदेश के ही रहने वाले हैं। फिलहाल एक अन्य हमलावर की तलाश जारी है।

ढाबा मालिक बोला-मेरे फोन से फैमिली को कॉल किया, रो रही थी सोनम

गाजीपुर के जिस ढाबे पर रविवार देर रात 1 बजे सोनम पहुंची, उसके मालिक साहिल यादव ने बताया, 'सोनम बदहवास हालात में मेरे पास आई। वह रो रही थी। उसने मुझसे मोबाइल मांगा और कहा मुझे अपनी फैमिली से बात करनी है। फोन पर वह रोने लगी। ढाबे पर मौजूद एक परिवार की महिला ने उसे ढांढस बंधाया। समझाया। इतनी देर में सोनम के भाई का मेरे मोबाइल पर कॉल आया। उन्होंने मुझे पुलिस को फोन करने के लिए कहा।'

राजा की हत्या के आरोपियों में सोनम का कर्मचारी भी

पिता के बिजनेस में बिलिंग का काम करता था, डेढ़ साल पहले मकान छोड़ा, पर काम नहीं

इंदौर, 9 जून (एजेंसियां)। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी की हत्या के मामले में जिन 4 संदिग्धों को पुलिस ने हिरासत में लिया है, उनमें राज कुशवाह भी शामिल है। राज सोनम के पिता की दुकान पर काम करता था। डेढ़ साल पहले तक वह सोनम के घर के पास ही रहता था। हत्या के आरोप सोनम पर भी लग रहे हैं। हालांकि, सोनम ने खुद को पीड़िता बताते हुए उसका अपहरण होना बताया है। एडिशनल डीसीपी क्राइम ब्रांच राजेश दंडोतिया ने बताया कि राज, विशाल चौहान, आकाश राजपूत और आनंद कुर्मी को हिरासत में लिया है। चारों आरोपी इंदौर के नंदबाग इलाके में ही रह रहे थे। इंदौर में हिरासत में लिए गए संदिग्धों से मेघालय पुलिस पूछताछ कर रही है।

हमसे आरोपियों को पकड़ने के लिए मदद मांगी थी, हमने उन्हें पूरा सहयोग किया है। उधर, उत्तर प्रदेश पुलिस ने सोनम को गाजीपुर से रिकवर किया है। मेघालय पुलिस सोनम से पूछताछ करेगी। जो भी बरामदगी होगी उसे एविडेंस के रूप में लिया जाएगा। दंडोतिया ने बताया कि मेघालय पुलिस सोनम से पूछताछ करेगी तब खुलासा होगा कि वह हत्याकांड में शामिल थी या नहीं।

अपने ही पांच साल छोटे कर्मचारी से अफेयर

सूत्रों का कहना है कि अब सोनम रघुवंशी का प्लाईवुड का व्यापार है और राज कुशवाह उसी फर्म में बिलिंग का काम करता था। सोनम का अपने ही यहां काम करने वाले पांच साल छोटे कर्मचारी राज से कथित तौर पर प्रेम संबंध बताया जा रहा है। राजा से शादी के बाद भी वे संपर्क में रहे।

सोनम ने हमलावरों को पहले ही भेज दिया था

बताया जाता है कि सोनम और राज ने मिलकर राजा की हत्या की साजिश रची। सोनम और राज ने तीनों आरोपियों को पहले ही गुवाहाटी भेज दिया गया था, जहां से वे शिलॉन्ग पहुंचे। उन्होंने किराए पर बाइक ली और प्लान के अनुसार सोनम और राजा के पीछे-पीछे डबल डेकर एरिया तक पहुंच गए। वहीं, सोनम ने राजा को अकेले उस इलाके में ले जाकर उसकी हत्या कर दी।

चारों आरोपी इंदौर से ही पीछा कर रहे थे

सूत्रों के अनुसार, तीनों आरोपी इंदौर के राज के साथ लगातार सोनम और राजा रघुवंशी का पीछा कर रहे थे। इंदौर पुलिस ने इस मामले में कुछ भी कहने से इनकार कर दिया। कहा कि मेघालय पुलिस तीनों पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

बिहार चुनाव : सीट शेयरिंग पर चिराग पासवान बोले

एनडीए में अभी सीटों के समझौते पर कोई बातचीत नहीं हुई

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। बिहार चुनाव पर इस समय पूरे देश की निगाहें टिकी हुई हैं। किस गठबंधन में किसको कितनी सीटें मिल सकती हैं, इस पर भी कयासबाजी शुरू हो गई है। कहा जा रहा है कि इस बार एनडीए खेमे में भाजपा और जदयू सौ से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं, जबकि शेष सहयोगियों को शेष सीटों में सम्मानजनक बंटवारा किया जा सकता है। लेकिन लोजपा (रामविलास) नेता चिराग पासवान ने इन खबरों को बेसिर पैर करार दिया है। उन्होंने कहा है कि एनडीए खेमे में अभी सीटों के समझौते पर कोई बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने कहा है कि सीटों के बारे में वे अपनी राय गठबंधन की बैठक में पार्टी नेताओं के बीच रखेंगे। दरअसल, चिराग पासवान को इस समय बिहार की राजनीति का हॉट केक कहा जा रहा है। चिराग पासवान की आंखें राज्य के मुख्यमंत्री पद पर अटकी हुई हैं और वे नीतीश कुमार के बाद के समय में अपने आपको मुख्यमंत्री पद के दावेदार के रूप में पेश कर रहे हैं। बिहार की राजनीति के जानकारों का कहना है कि चिराग की यह कोशिश एनडीए के बीच अपने लिए ज्यादा से ज्यादा सीटों पर दावा ठोंकना है। पिछली बार चिराग पासवान की पार्टी ने 134 सीटों पर चुनाव लड़ा था। लेकिन एनडीए गठबंधन में वापसी करने के बाद यहां सीटों का बंटवारा काफी कड़ा हो गया है। गठबंधन में भाजपा-जदयू के अलावा हम, लोजपा (रामविलास) और उपेंद्र कुशवाहा बढ़ गए हैं।

ठाणे रेल हादसे पर सियासत : राज ठाकरे के विवादित बोल

मुंबई उपनगरीय रेलवे प्रणाली प्रवासियों के कारण ध्वस्त

पुणे, 9 जून (एजेंसियां)। ठाणे रेल हादसे के बाद सियासत शुरू हो गई है, जिसमें दो लोकल ट्रेनों से गिरकर चार लोगों की मौत और नौ लोग घायल हो गए। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) अध्यक्ष राज ठाकरे ने हादसे को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने रेलवे व्यवस्था के ध्वस्त होने के लिए दूसरे राज्यों से मुंबई आने वाले प्रवासियों को जिम्मेदार ठहराया। राज ठाकरे ने भीड़ को देखते हुए लोकल ट्रेनों में अपने आप बंद होने वाले दरवाजों की व्यवस्था करने की मांग के औचित्य पर भी सवाल उठाए। दूसरी ओर, एनसीपी (एसपी) अध्यक्ष शरद पवार ने मध्य रेलवे प्रशासन से भीड़भाड़ को देखते हुए लोकल ट्रेनों में स्वचालित दरवाजे लगाने की अपील की है।

हर कोई चुनाव प्रचार में व्यस्त

मनसे अध्यक्ष ठाकरे ने सोमवार को पुणे में संवाददाताओं से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा कि बाहर से मुंबई आने वाले लोगों की बाढ़ के कारण रेलवे व्यवस्था चरमरा गई है। लेकिन हर कोई चुनाव प्रचार में व्यस्त है। राज ठाकरे ने आगे कहा कि हर दिन लोकल ट्रेनों से जुड़ी घटनाएं होती हैं। यह केवल रेलवे की बात नहीं है, बल्कि हमारे सभी शहरों की हालत खराब है। उन्होंने कहा कि उचित सड़कें नहीं हैं। मुंबई और पुणे सहित कई शहरों में ट्रैफिक जाम एक नियमित समस्या है। अगर कहीं आग लग जाए तो फायर ब्रिगेड समय पर नहीं पहुंच पाती है। हाल ही में राज ठाकरे के नेतृत्व वाली मनसे और उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) के बीच संभावित गठबंधन को लेकर चर्चाएं चल रही हैं।

एयरफोर्स को 3 मॉडर्न आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट मिलेंगे

> दुश्मन के ठिकानों की सटीक जानकारी मिलेगी > ये तकनीक अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल के पास

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। एयरफोर्स (आईएएफ) को जल्द ही तीन मॉडर्न आई-स्टार (इंटेलिजेंस, सर्विलांस, टारगेट एक्विजिशन एंड रिकॉनिसेंस) स्पाय एयरक्राफ्ट मिलने जा रहे हैं। प्रोजेक्ट की लागत 10,000 करोड़ रुपए की है। इसका प्रस्ताव रक्षा मंत्रालय जून के चौथे हफ्ते में होने वाली हाई लेवल मीटिंग में मंजूरी के लिए रखेगा। एयरक्राफ्ट मिलने के बाद भारत अमेरिका, ब्रिटेन और इजराइल जैसे चुनिंदा देशों में शामिल हो जाएगा, जिनके पास यह टेक्नॉलॉजी है। आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट की मदद से वायुसेना को दुश्मन के जमीनी ठिकानों जैसे रडार स्टेशनों, एयर डिफेंस सिस्टम और मोबाइल टारगेट्स की सटीक जानकारी मिलेगी। ये तीनों एयरक्राफ्ट विदेशी कंपनियों जैसे बोइंग और बॉम्बार्डियर से खुले टेंडर के माध्यम से खरीदे जाएंगे, लेकिन इनके अंदर लगने वाले सभी सिस्टम पूरी तरह स्वदेशी होंगे।

डीआरडीओ द्वारा विकसित इंटरनल स्वदेशी सिस्टम से लैस होगा

मॉडर्न आई-स्टार स्पाय एयरक्राफ्ट के अंदर डीआरडीओ के सेंटर फॉर एयरबोन सिस्टम (कैब्स) की ओर से विकसित स्वदेशी सिस्टम लगाए जाएंगे। ये पहले ही परीक्षण में सफल हो चुके हैं। आई-स्टार विमान ऊंचाई से खुफिया जानकारी जुटाने, निगरानी करने, लक्ष्य पहचानने और उन पर हमले के लिए इस्तेमाल किए जाएंगे। ये दिन और रात में किसी भी मौसम में काम करने में सक्षम होंगे। इनके जरिए दुश्मन की गतिविधियों पर दूर से नजर रखी जा सकेगी। आई-स्टार सिस्टम हवाई और जमीनी दोनों हिस्सों में काम करेगा और भारतीय सेना की सुरक्षा क्षमताओं को कई गुना बढ़ाएगा। इससे देश को समय पर खतरों की पहचान करने और उन पर जवाबी कार्रवाई करने में बड़ी मदद मिलेगी।

27 मई को एमसीए के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिली थी

इससे पहले 27 मई को भारत में बनने वाले 5वीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान यानी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट (एएमसीए) के प्रोडक्शन मॉडल को मंजूरी मिली थी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि एयरक्राफ्ट को बनाने के लिए सरकारी के साथ निजी कंपनियों को भी बोली लगाने का मौका दिया जाएगा।

पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं की हुई स्वास्थ्य स्क्रीनिंग

केदारनाथ में 17 बेड का अस्पताल शुरू

देहरादून, 9 जून (एजेंसियां)। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा, चारधाम यात्रा में देश दुनिया से आने वाले श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा के साथ सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। कहा, यात्रा में अब तक पांच लाख से अधिक श्रद्धालुओं की स्वास्थ्य स्क्रीनिंग की गई।

स्वास्थ्य सचिव ने बताया, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के निर्देश पर विभाग ने यात्रा मार्ग पर स्वास्थ्य सेवाओं की बेहतर व्यवस्था की है। यात्रा में हर साल श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है। इनमें बड़ी संख्या में बुजुर्ग, हृदय व सांस रोगियों के अलावा पहाड़ी क्षेत्र में पहली बार आने वाले लोग भी होते हैं। इनके लिए उच्च हिमालयी क्षेत्रों में ठंड और ऑक्सीजन की कमी स्वास्थ्य संबंधी गंभीर जोखिम बन सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए इस बार स्वास्थ्य सेवाओं को त्रिस्तरीय स्तर पर सशक्त बनाया गया है।

यात्रा मार्गों पर 49 स्थायी स्वास्थ्य केंद्र

रुद्रप्रयाग, चमोली व उत्तरकाशी जिले में इस बार 49 स्थायी स्वास्थ्य केंद्र और 20 मेडिकल रिलीफ पोस्ट (एमआरपी) को सक्रिय किया गया है। इसके अलावा हरिद्वार, देहरादून, टिहरी और पौड़ी में भी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को मजबूत किया गया। यात्रा प्रारंभ वाले स्थानों पर 57 स्क्रीनिंग कियोस्क लगाए गए हैं। हरिद्वार, ऋषिकेश में दो-दो, विकासनगर में दो और पौड़ी के कालियासौड़ में एक नया स्क्रीनिंग सेंटर जोड़ा गया है। केदारनाथ धाम में इस बार श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए 17 बेड का अस्पताल शुरू किया गया। इसके अलावा यात्रा मार्गों पर 31 विशेषज्ञ डॉक्टर, 200 मेडिकल ऑफिसर, 381 पैरामेडिकल स्टाफ तैनात हैं। विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती में 47 विशेषज्ञ राज्य स्वास्थ्य सेवा, 13 केंद्र सरकार और पांच विशेषज्ञ निजी मेडिकल कॉलेजों से हैं।

29 श्रद्धालुओं को यात्रा न करने की दी सलाह

अब तक की गई स्क्रीनिंग में कई श्रद्धालु हाई ब्लड प्रेशर, सांस संबंधी समस्याएं या अन्य स्वास्थ्य स्थितियों से ग्रस्त पाए गए हैं। 29 श्रद्धालुओं को आगे यात्रा न करने की सलाह देकर उन्हें सुरक्षा के दृष्टि से वापस भेजा गया। 369 श्रद्धालुओं को एंबुलेंस से और 33 को हेली एंबुलेंस सेवा से रेफर कर इलाज के लिए भेजा गया।

एसीबी के सामने नहीं पेश हुए आप नेता मनीष सिसोदिया, वकील ने बताई ये वजह

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सोमवार को भ्रष्टाचार निरोधक शाखा के समन का जवाब देते हुए कहा कि वह पहले से निर्धारित कार्यक्रम के कारण पेश नहीं हो सकेंगे। उनके वकील ने इस संबंध में एसीबी को औपचारिक जवाब भेज दिया है। एसीबी ने सिसोदिया को एक मामले में पूछताछ के लिए तलब किया था। दिल्ली सरकार के स्कूलों में क्लासरूम निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पूछताछ के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने सत्येंद्र जैन को छह जून को एसीबी कार्यालय में बुलाया था।

असम में कम होने लगा नदियों का जलस्तर

धीरे-धीरे सुधर रहे हालात, 2.6 लाख लोग अभी भी प्रभावित

गुवाहाटी, 9 जून (एजेंसियां)। पूर्वोत्तर में मानूसनी बारिश अब थमने लगी है। बाढ़ प्रभावित असम में भी हालात सुधर रहे हैं। नदियों के जलस्तर में कमी आई है। इसके अलावा राज्य के छह जिलों के करीब 2.6 लाख लोग अभी भी बाढ़ से पीड़ित हैं।

पूर्वोत्तर राज्यों में मानसूनी बारिश ने कहर बरपाया है। बारिश, बाढ़ और भूस्खलन से 19 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है। जबकि सात लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हुए हैं। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बाढ़ का पानी घट रहा है। राज्य के अधिकांश हिस्सों में पिछले 24 घंटों में कोई बारिश नहीं हुई है। अगर आज बारिश नहीं हुई तो हमें उम्मीद है कि राज्य के अधिकांश हिस्सों में स्थिति में काफी सुधार होगा। एएसडीएमए ने रविवार को कहा था कि कामरूप जिले में तीन और लोगों की जान चली गई तथा छह जिलों में लगभग 2.6 लाख लोग बाढ़ से पीड़ित हैं। इसके बाद राज्य में इस साल बाढ़ और भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 26 हो गई है। अफसरों ने कहा कि श्रीभूमि सबसे अधिक प्रभावित है। यहां 1.62 लाख से अधिक लोग बाढ़ से पीड़ित हैं। इसके बाद हैलाकांडी में लगभग 52,000 और कछार में 36,000 से अधिक लोग बाढ़ के पानी से जूझ रहे हैं। प्रशासन चार जिलों में 130 राहत शिविर और राहत वितरण केंद्र संचालित कर रहा है। साथ ही 24,908 विस्थापित लोगों की मदद की जा रही है। अफसरों ने बताया कि पिछले 24 घंटों में बाढ़ पीड़ितों के बीच 262.2 क्विंटल चावल, 46.02 क्विंटल दाल, 21.2 क्विंटल नमक और 2,122.53 लीटर सरसों का तेल वितरित किया है।

741 गांवों में भरा पानी

एएसडीएमए ने कहा कि मौजूदा समय में 741 गांव जलमग्न हैं और असम में 6,311.16 हेक्टेयर फसल नष्ट हो गई है। कई जिलों में बाढ़ से तटबंध, सड़कें, पुल और अन्य बुनियादी ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए हैं। फिलहाल कोई भी नदी खतरे के स्तर से ऊपर नहीं बह रही है। वहीं राज्य में 1,44,597 से अधिक पालतू पशु और मुर्गियां प्रभावित हुई हैं।

आईएसएस जाने से पहले शुभांशु शुक्ला की फाइनल रिहर्सल

आज इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए रवाना होंगे; ऐसा करने वाले पहले भारतीय बनेंगे

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। इंडियन एस्ट्रोनॉट शुभांशु शुक्ला एक्सिओम मिशन 4 के तहत कल 10 जून को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) जाएंगे। इससे पहले रविवार को शुभांशु ने फुल ड्रेस फाइनल रिहर्सल की। इसमें असेंबली बिल्डिंग से रॉकेट तक जाने और उसमें बैठने के प्रोसेस को फॉलो किया।

इस दौरान शुभांशु ने कहा- यह एक बेहतरीन यात्रा रही है। ये पल बताते हैं कि आप किसी ऐसी चीज का हिस्सा बनने जा रहे हैं जो आपके खुद से बहुत बड़ी है। मैं बस इतना कह सकता हूं कि मैं बहुत सौभाग्यशाली हूं कि मुझे मिशन का हिस्सा बनने का अवसर मिला। एक्सिओम मिशन 4 (Ax-4) में चार देशों के चार एस्ट्रोनॉट 14 दिन के लिए स्पेस स्टेशन जाने वाले हैं। यह मिशन 10 जून 2025 को शाम 5:54 बजे लॉन्च होगा। शुभांशु आईएसएस पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय होंगे। इससे पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी।

शुभांशु के साथ तीन और एस्ट्रोनॉट जाएंगे

एक्सिओम 4 मिशन के चालक दल में भारत, पोलैंड और हंगरी के मेंबर शामिल हैं। स्लावोज़ उज़्नान्स्की 1978 के बाद स्पेस में जाने वाले पोलैंड के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। टिबोर कापू 1980 के बाद स्पेस में जाने वाले हंगरी के दूसरे एस्ट्रोनॉट होंगे। अमेरिकी की पैगी व्हिटसन का यह दूसरा कॉमर्शियल ह्यूमन स्पेस फ्लाइट मिशन है।

शुभांशु शुक्ला : एनडीए क्लियर करके आईएएफ पायलट बने

शुभांशु शुक्ला मूल रूप से उत्तर प्रदेश के लखनऊ के रहने वाले हैं। इनकी की शुरुआती पढ़ाई-लिखाई अलीगंज, लखनऊ के सिटी मॉन्टेसरी स्कूल से पूरी हुई। 12वीं के बाद उन्होंने नेशनल डिफेंस एकेडमी (एनडीए) का एंट्रेंस एग्जाम क्लियर किया और यहीं से ग्रेजुएशन की डिग्री हासिल की। एनडीए भारत में सशस्त्र बलों (थल सेना, नौसेना और वायुसेना) के लिए ऑफिसर कैडेट्स को प्रशिक्षण देने वाली एक प्रमुख संस्था है। ये ट्रेनिंग के साथ-साथ एकेडमिक डिग्री भी देती है, जो जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू), नई दिल्ली से एफिलिएटेड होती है।

2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस

शुभांशु को 17 जून, 2006 को भारतीय वायुसेना के फाइटर विंग में शामिल किया गया। वे एक अनुभवी फाइटर और टेस्ट पायलट हैं। उनके पास 2,000 घंटे से अधिक का फ्लाइंग एक्सपीरियंस है। उन्होंने सुखोई-30 एमकेआई, मिग-21, मिग-29, जगुआर, हॉक, डोर्नियर और एएन-32 जैसे लड़ाकू विमानों को उड़ाया है।

ड्रैगन कैप्सूल में चारों एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे

इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल में ये एस्ट्रोनॉट उड़ान भरेंगे। इस मिशन को फाल्कन-9 रॉकेट से फ्लोरिडा में नासा के कैनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। लॉन्च की तारीख फाइनल अप्रूवल और मिशन की तैयारियों के अनुसार घोषित होगी।

मिशन का उद्देश्य

Ax-4 का मुख्य उद्देश्य अंतरिक्ष में वैज्ञानिक अनुसंधान, प्रौद्योगिकी प्रदर्शन करना है। यह मिशन प्राइवेट स्पेस ट्रैवल को प्रोत्साहित करने और भविष्य में एक कॉमर्शियल स्पेस स्टेशन (एक्सिन स्टेशन) स्थापित करने की दिशा में एक्सिओम स्पेस की योजना का हिस्सा है।

कौशांबी में अंदरूनी लड़ाई में भाजपा के मंत्री, दो समाज के लोगों को आपस में लड़वा रहे हैं : अखिलेश यादव

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने एक सनसनीखेज आरोप लगाया है कि कौशांबी में भाजपा की अंदरूनी राजनीति अपने चरम पर है। उनके अनुसार, दो उप मुख्यमंत्री आपस में सत्ता की लड़ाई में 'पाल' जैसे समाजों को मोहरा बनाकर एक-दूसरे के खिलाफ भड़का रहे हैं।

सपा मुखिया अखिलेश यादव ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि भाजपा की अंदरूनी राजनीति की शर्मनाक लड़ाई में, अब कौशांबी में दो भाजपाई उप मुख्यमंत्री, दो समाज के लोगों को आपस में लड़वा रहे हैं। पहले एक उप मुख्यमंत्री ने नाइंसाफी करते हुए 'पाल' समाज के लोगों को मोहरा बनाया, फिर दूसरे उप मुख्यमंत्री ने अपने उस समाज के नाम पर झूठी सहानुभूति दिखाई, जो समाज इन दोनों के 'ऊपरवालों' को नहीं भाता है, इसलिए पीछे से वो भी सक्रिय हो गए, जिनकी पहले वाले उप मुख्यमंत्री से पुरानी खींचातानी है।

अखिलेश यादव ने आगे कहा कि इन 'ऊपरवालों' के 'ऊपर वालों' की भी आपस में टकराहट है, इसलिए केंद्र वाले, कौशांबी की राजनीति करने वालों के साथ खड़े हैं। ध्यान से समझा जाए तो ये भाजपा की अंदर की राजनीति में मचा एक बड़ा घमासान है, जिसमें दो या दो से अधिक समाजों को आपस में भिड़वाकर 'कौशांबी, लखनऊ, दिल्ली' की भाजपाई राजनीति अपना वीभत्स खेल-खेल रही है, जिसका शिकार जनता हो रही है। उन्होंने कहा कि इस लड़ाई में वो भी कूद पड़े हैं जिनका समाज 'सत्ता सजातीय' राजनीति का विशेष रूप से शिकार है और लगातार सत्ता के निशाने पर है, जिसके कारण दूसरे उप मुख्यमंत्री अपने समाज पर हो रहे अत्याचार और अपमान पर अपनी कुर्सी बचाने के लिए सुविधाजनक चुप्पी साधे बैठे हैं। कौशांबी के मामले में उनको लगा कि जब वो कुछ सक्रियता दिखाएंगे तो शायद सत्ता द्वारा निरंतर उत्पीड़ित व अपमानित किए जा रहे उनके अपने समाज में वो मुंह दिखाने लायक बन जाएंगे। अखिलेश ने पोस्ट में आगे कहा कि सच तो ये है कि भाजपाइयों को जनता या किसी समाज की कुछ नहीं पड़ी है, सब अपनी-अपनी खो चुकी ज़मीन फिर से तलाशना चाहते हैं। लेकिन अब जनता बहुत चौकन्नी और जागरूक है, वो भाजपा की विभाजनकारी नकारात्मक राजनीति को अब और पनपने नहीं देगी। शीर्ष भाजपाइयों और शिखर भाजपाइयों के आपसी झगड़े के कारण, हर वर्ग और समाज बीच में पिस रहा है। सच्चाई तो ये है कि समाज को बांटना और लड़ाना ही भाजपाइयों की पुरानी साज़िशाना सियासत रही है, जिसे उन्होंने उन अंग्रेज़ों से सीखा है, जिनका उन्होंने हमेशा साथ दिया था।

उन्होंने कहा कि कौशांबी भाजपा के अन्याय का शिकार है। भाजपा से हर वर्ग और समाज को अब और भी सचेत व सतर्क रहना पड़ेगा, नहीं तो ये भाजपाई समाजों के बीच आग लगाकर अपनी सियासी रोटी सेंकने में लगे रहेंगे, एक को फंसाकर आत्महत्या पर मजबूर करेंगे तो दूसरे पर इनाम घोषित करवाएंगे। कौशांबी का बच्चा-बच्चा जानता है कि सच क्या है।

भाजपा राजनीति को इस स्तर पर ले जाएगी किसी ने सोचा भी न था। अब जनता, भाजपा की बंटवारे की इस राजनीति को समझ रही है और समझदारी से इनके ख़िलाफ एकजुट हो रही है। यही कारण है कि जहाँ भी कुछ लोग और समाज भाजपा के विरुद्ध जाते दिखते हैं ये भाजपाई उनके बीच झूठे आरोप-प्रत्यारोप और एफ़आइआर-मुक़दमों की दीवार खड़ी कर देते हैं।

अखिलेश ने पोस्ट में अंत में लिखा कि भाजपा के सियासी षड्यंत्र का मुक़ाबला समाज की एकता ने देना शुरू कर दिया है। इसलिए हर पीड़ित-उत्पीड़ित भाजपा को हराने-हटाने के लिए लामबंद हो गया है। भाजपाई नाइंसाफी हारेगी।

'52वीं बार बिहार आ रहे पीएम मोदी'

तैयारियों का जायजा लेने पहुंचे एनडीए के दिग्गज नेताओं ने क्या कहा?

सीवान, 9 जून (एजेंसियां)। आगामी 20 जून को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सीवान दौरे को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। पचरुखी प्रखंड के जसौली गांव में आयोजित होने वाली जनसभा में पीएम मोदी बिहारवासियों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए एनडीए के सभी नेता सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। जनसभा की तैयारियों को लेकर आज सीवान के एक निजी होटल में एनडीए सारण प्रमंडल की बैठक आयोजित की गई, जिसमें बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, जदयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, शिक्षा मंत्री सुनील कुमार, स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय, लोजपा (आर), रालोमो और हम के नेताओं सहित सांसद और विधायक शामिल हुए।

मंगल पाडेय बोले- बिहार के लिए गौरव का विषय

स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने बताया कि पीएम मोदी का आगमन बिहार के लिए गौरव का विषय है। इस दौरान बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी उपस्थित रहेंगे। उन्होंने कहा कि पीएम के दौरे से सीवान और बिहार में विकास की गति तेज होगी, और हजारों करोड़ रुपये की योजनाओं का शुभारंभ होगा। सीवान, सारण और गोपालगंज सहित आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में लोग जनसभा में शामिल होंगे। कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है और सभी पीएम का गर्मजोशी से स्वागत करने को तैयार हैं। स्थानीय लोग भी इस ऐतिहासिक अवसर को लेकर उत्साहित हैं।

20 जून को प्रधानमंत्री का कार्यक्रम है

प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने बताया कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनने के बाद 52वीं बार बिहार आ रहे हैं। 20 जून को प्रधानमंत्री का कार्यक्रम है। उस दिन सीवान, छपरा और गोपालगंज जिले के लोग प्रधानमंत्री को सुनने आएंगे। उस दिन जितन राम मांझी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, चिराग पासवान और उपेंद्र कुशवाहा भी शामिल होंगे।

अयोध्या में जमीन खरीदना अब और भी महंगा

आठ साल बाद 30 से 200 फीसदी तक बढ़ा सर्किल रेट

सर्किल रेट बढ़ने के बाद 3 सबसे महंगे क्षेत्र की जमीन

क्षेत्र	नया रेट (प्रति स्क्वायर मीटर)
रिकाबगंज	₹27900
अंजनी पुरम देवकली	₹26200
अवध विहार आवासीय योजना	₹26600

अयोध्या, 9 जून (एजेंसियां)। रामनगरी में लंबे इंतजार के बाद आखिरकार जमीन के सर्किल रेट में वृद्धि कर दी गई है। 2017 के बाद सर्किल रेट बढ़ाने में जिला प्रशासन को आठ साल लग गए। सर्किल रेट में अलग- अलग क्षेत्रों में 30 से 200 फीसदी तक की वृद्धि की गई है। यह आदेश सात जून से जारी किया गया है, लेकिन नई दर पर जमीन की रजिस्ट्री सोमवार से शुरू हुई।

उपनिबंधक सदर शांति भूषण चौबे ने बताया कि जहां ज्यादा जमीन के बैनामें हो रहे थे, वहां 150 से 200 फीसदी तक की बढ़ोत्तरी की गई है। जबकि अन्य क्षेत्र में 30 से 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। इसमें जमीन के उपयोग और स्थान को आधार बनाया गया है।

सर्किल रेट बढ़ने के बाद सबसे महंगी जमीन शहर के रिकाबगंज, देवकाली और अवध विहार आवासीय योजना में हो गई है। राम मंदिर के आसपास के क्षेत्र की जमीन भी पहले से काफी महंगी हो गई है। इन इलाकों में 26,600 से 27,900 प्रति वर्ग मीटर नया रेट लागू हुआ है। सर्किल रेट में वृद्धि आवासीय, कृषि और व्यावसायिक क्षेत्र में अलग-अलग की गई है।

सर्किल रेट बढ़ाने का प्रस्ताव चार सितंबर वर्ष 2024 को मांगा गया था। प्रस्ताव के आधार पर नई दरों को जिलाधिकारी टीकाराम फुंडे ने मंजूरी प्रदान की है।

मेडिकल कॉलेज में बीमार पति को छोड़ गई पत्नी, मौत

झांसी, 9 जून (एजेंसियां)। झांसी मेडिकल कॉलेज में एक महिला अपने बीमार पति और 11 साल के बेटे को छोड़कर चली गई। जब वह काफी देर तक नहीं लौटी, तब नर्स ने उसे फोन लगाया। इस पर उसने जवाब दिया कि मुझे कोई मतलब नहीं, मैं नहीं आऊंगी। बच्चे ने भी उससे बात की, लेकिन महिला नहीं आई। आखिरकार बीमार पति ने 2 दिन बाद दम तोड़ दिया।

पति को टीबी की बीमारी थी। उसकी 5 दिन पहले अचानक तबीयत बिगड़ी। महिला ने पति को महारानी लक्ष्मीबाई मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। 3 दिन बाद अस्पताल से उसे डिस्चार्ज कर दिया गया, लेकिन पत्नी उसे घर नहीं ले गई। फिर बहन ने फोन पर बात करके उसे डिस्चार्ज कराया। वार्ड बॉय उसे सीढ़ियों तक छोड़कर गया। लेकिन जब तक बहन उसे लेने पहुंची, तब तक उन्होंने दम तोड़ दिया।

बिजनौर के इनायतपुर गांव में जंगली हाथी की रहस्यमयी मौत, वन विभाग में मचा हड़कंप

बिजनौर, 9 जून (एजेंसियां)। जनपद के साहूवाला वन रेंज क्षेत्र अंतर्गत आने वाले गांव इनायतपुर में सोमवार सुबह एक जंगली हाथी की मौत ने क्षेत्र में सनसनी फैला दी। यह हाथी पिछले कुछ दिनों से गांव और उसके आसपास के खेतों में घूमता देखा जा रहा था। ग्रामीणों के मुताबिक, यह हाथी कभी गन्ने के खेतों में, तो कभी गांव के पास जंगल की ओर देखा गया था। सोमवार को यह हाथी मृत अवस्था में खेतों में पाया गया।

मौत से पहले गांव के आसपास मंडरा रहा था हाथी

वन क्षेत्रीय अधिकारी कपिल कुमार ने पुष्टि की कि यह वही हाथी था जिसे पिछले कई दिनों से गांव वालों ने देखा था और जिसकी सूचना वन विभाग को भी दी गई थी। अधिकारी के अनुसार, प्रारंभिक दृष्टिकोण से हाथी की मौत बीमारी के कारण होने की आशंका है, हालांकि अंतिम पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पाएगी। 'हाथी की उम्र लगभग 20 वर्ष बताई जा रही है और इस उम्र में आमतौर पर हाथी स्वस्थ रहते हैं। ऐसे में बीमारी या जहरखुरानी की भी संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता' कपिल कुमार, वन क्षेत्रीय अधिकारी

मौके पर जुटी ग्रामीणों की भारी भीड़

हाथी की मौत की खबर जैसे ही इलाके में फैली, इनायतपुर गांव और आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में लोग मौके पर पहुंच गए। खेत में मृत पड़े हाथी को देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जिससे वन विभाग को भीड़ को नियंत्रित करने में मुश्किलों का सामना करना पड़ा। कई लोगों ने इस दुर्लभ दृश्य को अपने मोबाइल कैमरों में कैद किया।

मौके पर पहुंची डॉक्टरों की टीम, पोस्टमार्टम जारी

वन विभाग ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पशु चिकित्सकों की एक टीम को मौके पर बुलाया। डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया शुरू की।पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो पाएगा कि हाथी की मौत स्वाभाविक कारणों से हुई या इसके पीछे कोई अन्य वजह है।

हाथियों की मौजूदगी से क्षेत्र में डर का माहौल

ग्रामीणों का कहना है कि यह पहला मौका नहीं है जब इलाके में जंगली हाथियों की मौजूदगी देखी गई हो। बीते वर्षों में भी पास के जंगलों से भटके हुए हाथियों ने गांवों का रुख किया है। फसलें बर्बाद होना, मवेशियों की मौत, और ग्रामीणों में दहशत – इन समस्याओं से ग्रामीण अक्सर जूझते रहते हैं।

वन्यजीव विशेषज्ञों की राय

वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि लगातार घटते जंगल, खेती योग्य ज़मीन का विस्तार और जल स्रोतों की कमी के कारण जंगली हाथी जैसे पशु आबादी वाले क्षेत्रों की ओर बढ़ने को मजबूर हो रहे हैं। यह घटना न केवल हाथी की मौत की दुःखद गाथा है, बल्कि वन्यजीव संरक्षण नीति की खामियों की ओर भी संकेत करती है।

पंचायत चुनाव के पहले अलर्ट मोड पर सपा

आरक्षण-परिसीमन पर रखेगी नजर; इस तरह सौंपी गई जिम्मेदारियां

लखनऊ, 9 जून (एजेंसियां)। सपा पंचायत चुनाव के लिए खास तैयारियां कर रही है। पार्टी नेताओं का कहना है कि आरक्षण और परिसीमन के डाटा पर भी नजर रखी जा रही है, ताकि सत्ताधारी दल कोई गड़बड़ न कर सके। इसके लिए हर जिले में पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। वहीं, प्रदेश मुख्यालय स्तर पर भी कुछ वरिष्ठ नेताओं को इस काम में लगाया गया है। ताकि, कहीं से कोई गड़बड़ की जानकारी मिलने पर उसे तत्काल चुनाव आयोग तक पहुंचाया जा सके।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पहले ही कह चुके हैं कि भाजपा के पास डाटा और तकनीक है। वे आईटी प्रोफेशनल्स की मदद ले रहे हैं। ऐसे में इससे इन्कार नहीं किया जा सकता कि सत्ताधारी दल डाटा का अपने मनमुताबिक इस्तेमाल करने की कोशिश करेगा। सूत्रों के मुताबिक, सत्ताधारी पार्टी परिसीमन में ग्राम पंचायतों का जातीय आंकड़ा प्रभावित करने की कोशिश करेगी। ताकि, वहां पीडीए के सपा के गुणा-भाग पर विपरीत असर डाला जा सके।

सपा इस पर भी नजर रखेगी कि न सिर्फ आरक्षण का पालन हो, बल्कि इसमें किसी तरह का खेल भी न हो सके। इसके लिए सपा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित भी किया जा रहा है, जिससे वे अपने ग्राम, क्षेत्र व जिलास्तर पर अधिकारियों के सामने अपना पक्ष मजबूती से कर सकें। सपा नेतृत्व का कहना है कि अगर कहीं कोई गड़बड़ी होती हुई दिखी तो चुनाव आयोग से लेकर कोर्ट तक का विकल्प अपनाया जाएगा।

ललितपुर से मेघालय के चर्चित मर्डर केस का कनेक्शन उजागर, एक ही परिवार के चार सदस्य गिरफ्तार

ललितपुर/शिलांग, 9 जून (एजेंसियां)। इंदौर के चर्चित ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड और उनकी पत्नी सोनम रघुवंशी की रहस्यमयी गुमशुदगी के मामले में अब एक नया मोड़ सामने आया है। मेघालय पुलिस ने ललितपुर जिले के महरौनी कोतवाली क्षेत्र के चौकी गांव से एक ही परिवार के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया है, जिन पर इस हत्याकांड में शामिल होने का आरोप है।

गिरफ्तार किए गए आरोपी

मेघालय के शिलांग से आई पुलिस टीम ने जिन चार युवकों को गिरफ्तार किया है, उनके नाम हैं: आकाश राजपूत, राघवेंद्र राजपूत, राजेन्द्र राजपूत, राम नरेश राजपूत। इन चारों की गिरफ्तारी चौकी गांव से की गई, जहां ये कुछ दिनों से अपने पैतृक घर पर रह रहे थे। पुलिस के अनुसार, ये सभी इंदौर में निवास करते थे और घटना के कुछ ही दिन पहले ललितपुर लौटे थे।

होटल कारोबारी और उनके बेटे-बहन की दुर्घटना में मौत

शाहजहांपुर, 9 जून (एजेंसियां)। शाहजहांपुर में होंडा सिटी कार सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। हादसे में गोरखपुर के होटल कारोबारी, उनकी बहन और ढाई साल के बेटे की मौत हो गई। पत्नी और ड्राइवर और भांजा गंभीर रूप से घायल हैं। टक्कर इतनी भीषण थी कि 10 फीट की कार पिचक कर महज 7 फीट रह गई। कार का अगला हिस्सा ट्रक में चिपक गया।

परिवार के सभी लोग गाड़ी में फंस गए। पीछे एक अन्य कार में चल रहे परिजनों ने लोहे की सरिया से गेट तोड़कर घायलों को बाहर निकाला। घटना सोमवार सुबह 6:30 बजे रोजा थाना क्षेत्र में जमुका के पास की है। होटल कारोबारी के चचेरे भाई ने बताया कि एक युवक ने 500 रुपए लेने के बाद हॉस्पिटल का रास्ता बताया।

होटल कारोबारी अपने परिवार और रिश्तेदार के साथ दो कार से गर्मी की छुट्टियों में नैनीताल घूमने जा रहा थे। होंडा सिटी कार में होटल कारोबारी, उनकी पत्नी, ढाई साल का बेटा और बड़ी बहन और भांजा बैठा हुआ था। कार ड्राइवर चला रहा था। जबकि दूसरी कार में अन्य रिश्तेदार थे। हादसे के बाद थोड़ी देर में घटनास्थल पर पहुंचे। होटल कारोबारी यूपी के पूर्व सीएम कमलापति त्रिपाठी के रिश्तेदार थे, जबकि उनकी बहन गोरखपुर के डिप्टी सीएमओ की पत्नी हैं।

बंद घर में मिला होटल कर्मी का तीन दिन पुराना शव

कानपुर, 9 जून (एजेंसियां)। नवाबगंज थानाक्षेत्र में रविवार देर शाम बंद पड़े घर में एक होटलकर्मी का शव पड़ा मिला। कमरे से दुर्गंध आने पर मकान मालिक ने परिजनों और पुलिस को सूचना दी। मौसेरे भाई की मौजूदगी में पुलिस दरवाजा तोड़कर अंदर दाखिल हुई तो शव बेड पर पड़ा मिला। फॉरेंसिक टीम ने कमरे में साक्ष्य जुटाए। परिजनों के अनुसार अवसाद में रहने के कारण युवक परिवार से अलग रह रहा था। मैनावती मार्ग निवासी विशाल जोयल (48) कुछ समय पहले एक होटल में मैनेजर था। कुछ समय पहले उसकी नौकरी छूट गई थी। नौकरी की तलाश करते-करते वह अवसाद में चला गया। पत्नी रितु ने बताया कि पति विशाल अलग और वह बेटे एलन के साथ अलग रह रही थी। मृतक की मां वीरा और छोटा भाई सचिन लखनऊ में रहते हैं।

रेत से भरे ट्रैक्टर ने दो युवकों को कुचला, मौके पर ही मौत

नोएडा, 9 जून (एजेंसियां)। नोएडा के थाना सेक्टर-63 क्षेत्र अंतर्गत बहलोलपुर पुलिस चौकी के पास सोमवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवकों की जान चली गई। घटना उस समय घटी जब बाइक पर सवार दोनों युवक सड़क से गुजर रहे थे, तभी एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने उन्हें पीछे से टक्कर मार दी और उन्हें कुचलते हुए आगे निकल गया। ट्रैक्टर रेत से भरा हुआ था और संभवतः तेज रफ्तार में था।

हादसा इतना भयानक था कि दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। बहलोलपुर पुलिस चौकी की टीम मौके पर पहुंची और शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक मौके से भागने की कोशिश कर रहा था लेकिन लोगों की सतर्कता और पुलिस की तत्परता से उसे पकड़ लिया गया। ट्रैक्टर को भी पुलिस ने जब्त कर लिया है।

ड्राइवर ने रिश्वत ली, बीडीओ मैडम की टेबल पर रखी,गिरफ्तार

हाजीपुर, 9 जून (एजेंसियां)। वैशाली के लालगंज प्रखंड विकास पदाधिकारी (बीडीओ) नीलम कुमारी और उनके ड्राइवर अविनाश कुमार को रिश्वत लेते हुए निगरानी विभाग की टीम ने सोमवार को गिरफ्तार कर लिया है। मामला प्रधानमंत्री आवास योजना से जुड़ा है। मिली जानकारी के अनुसार करताहा निवासी मिथिलेश कुमार सिंह ने निगरानी विभाग में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आवास योजना में उनका आवेदन पास हुआ है। पहली किस्त के 40 हजार रुपए आने के बाद बीडीओ की ओर से रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत के बाद निगरानी विभाग ने वेरिफिकेशन किया। फिर शिकायतकर्ता ने 20,000 रुपए की रिश्वत राशि दी।

ऑपरेशन सिंदूर : पाकिस्तानी ड्रोन हमले में घायल बक्सर के सपूत शहीद सुनील सिंह यादव को राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई

बक्सर, 9 जून (एजेंसियां)। देश की रक्षा करते हुए पाकिस्तान की नापाक साजिश का शिकार हुए बक्सर जिले के चौसा प्रखंड निवासी जवान सुनील सिंह यादव (46 वर्ष) को रविवार को उनके पैतृक गांव में राजकीय सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई। सुनील सिंह यादव ऑपरेशन सिंदूर के दौरान 9 मई की रात राजौरी में पाकिस्तानी ड्रोन हमले में गंभीर रूप से घायल हुए थे। पेट में लगी गोली जो पीठ से बाहर निकली, उसने उनकी जान लेने की कोशिश की। प्राथमिक इलाज के बाद 15 मई को उन्हें एयरलिफ्ट कर उधमपुर सेना अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां 27 दिनों के इलाज के बाद 6 जून को उन्होंने अंतिम सांस ली।

शहीद की सैन्य यात्रा और परिवार

सुनील सिंह यादव 2002 में भारतीय सेना की इलेक्ट्रानिक्स एंड मैकेनिकल इंजीनियरिंग (ईएमई) यूनिट में भर्ती हुए थे। वर्ष 2023 में उन्हें हवलदार के पद पर पदोन्नत किया गया था। वे तीन भाइयों में सबसे बड़े थे। उनके छोटे भाई अनिल यादव खेती-बाड़ी करते हैं, जबकि सबसे छोटे भाई चंदन यादव भी भारतीय सेना में कार्यरत हैं। ऑपरेशन के दौरान दोनों भाइयों के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद मुलाकात भी हुई थी, जो शहीद के छोटे भाई द्वारा बताई गई।

जंगल के बीच स्थित लक्कड़शाह सहित चार मजारें ध्वस्त, डीएफओ बोले-नहीं दे सके कोई कागज

बहराइच, 9 जून (एजेंसियां)। बहराइच के कतर्नियाघाट वन्य जीव प्रभाग के मूर्तिहा रेंज में जंगल के बीच स्थित लक्कड़शाह, भंवरशाह, चमनशाह और शहंशाह मजार को वन विभाग ने बुलडोजर से हटवा दिया। डीएफओ बी. शिवशंकर ने बताया कि बेदखली की नोटिस दी गई थी।

मजारें बाघ बाहुल्य स्थान पर स्थित थी। मजार के जिम्मेदार सिर्फ 1986 का एक कागज दे सके लेकिन 1986 से पहले ये जमीन किसकी थी, इस संबंध में कुछ भी बता नहीं सके। जिसके बाद सुनवाई कर कार्रवाई की गई है।

मामले में वन विभाग की तरफ से देर रात आधा दर्जन से अधिक बुलडोजर चलाकर लक्कड़ शाह, भंवर शाह, चमन शाह एवं शहंशाह की दरगाह के नाम पर किये गए अतिक्रमण को जमीदोंज कर दिया गया है। डीएफओ ने बताया कि अतिक्रमण का मामला काफी दिनों से न्यायालय में चल रहा था जिसमें वन विभाग के पक्ष में फैसला आया था जिसके बाद से अतिक्रमणकारियों को नोटिस देकर स्वतः अतिक्रमण हटाने के लिए कहा गया था लेकिन काफी समय बीत जाने के बाद भी जब अतिक्रमण नहीं हटाया गया तो देर रात बुलडोजर की कार्रवाई करके चारों मजारों को ध्वस्त कर दिया गया। मजारों के मलबे को भी तेजी से हटाया जा रहा है।

आपको बता दें कि लक्कड़ शाह बाबा के नाम पर सैकड़ो साल से मुर्तिहा जंगल के बीच बहुत बड़ी दरगाह बनाई गई थी जिस पर जेठ माह में हर वर्ष मेला भी लगता था। हालांकि इस बार वन विभाग ने मेले को पूर्णतया प्रतिबंधित कर दिया था और अब कार्रवाई करते हुए सभी दरगाहों को ध्वस्त कर दिया गया है। डीएफओ का कहना है कि यह सेंचुरी इलाका है कोर जोन इलाका होने की वजह से यहां पर संरक्षित जीव जंतुओं का ठिकाना रहता है जिसकी वजह से मजार को हटाया गया है।

मामले पर मजार प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रईस अहमद ने कहा कि हर साल लगने वाले मेले हिंदू-मुस्लिम एकता की निशानी हैं। मेले में आने वाले 60 फीसदी से ज्यादा लोग हिंदू हैं। यहां पर सदियों से मेला लग रहा है।

यही वन विभाग जो पहले मेले के लिए बोली लगाता था और ठेके देता था वो अब मजारों को अतिक्रमण बता रहा है।

'ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी'
स्पीकर वासुदेव देवनानी ने नगर निगम को दी एक सप्ताह की मोहलत

अजमेर, 9 जून (एजेंसियां)। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने नगर निगम को होटल अग्निकांड के बाद किए गए सर्वे की सूची एक सप्ताह में सार्वजनिक रूप से ऑनलाइन करने के निर्देश दिए। इसमें ढिलाई बर्दाश्त नहीं होगी। मानसून से पूर्व सभी नालों, जल आवक के मार्गों व जलभराव संभावित क्षेत्र की सफाई सुनिश्चित की जाएगी। जयपुर रोड़ से बस स्टैण्ड तक सड़क का सौन्दर्यीकरण एडीए कराएगा।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने सर्किट हाउस में नगर निगम और अजमेर विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की बैठक लेकर अधिकारियों से अजमेर के होटलों के सर्वे की जानकारी ली।

सर्वेशुदा होटल, गेस्ट हाउस की स्वीकृति, मंजिल, ट्रेड लाइसेंस और फायर एनओसी आदि की सूची एक सप्ताह में सार्वजनिक करने के निर्देश दिए। निगम अधिकारियों ने 581 होटलों का सर्वे किया जाना बताया।

पार्किंग के बनाएं प्रस्ताव

देवनानी ने एलिवेटेड रोड़ के नीचे दोपहिया वाहनों की पार्किंग के प्रस्ताव भी तैयार करने के निर्देश दिए जिससे बाजार आने वाले लोग वाहन खड़े कर सकें। उन्होंने आनासागर से जलकुंभी हटाने, झील से उठ रही दुर्गंध का समाधान करने एवं चौपाटी के बाहर ठेलों को सड़कें दूसरी ओर खड़े करवाने के भी निर्देश दिए। जयपुर रोड एन्ट्री प्लाजा से बस स्टैण्ड तक सड़क का सौन्दर्यीकरण करने के निर्देश एडीए अधिकारियों को दिए। इस अवसर पर नगर जिला प्रशासन, नगर निगम प एडीए के अधिकारी उपस्थित रहे।

नालों की करें सफाई

देवनानी ने मानसून से पूर्व शहर के सभी नालों की सफाई करने के निर्देश दिए। आनासागर व वरुण सागर झील, बांडी नदी, आनासागर एस्केप चैनल व नालों में पानी की आवक के रास्तों व जलभराव के संभावित क्षेत्रों की सफाई समय रहते की जाए।

जांच के बाद दें बिजली-पानी के कनेक्शन

परकोटा क्षेत्र एवं इसके बाहर नए होटल निर्माण, गेस्ट हाउस व व्यावसायिक निर्माण को बिजली-पानी कनेक्शन नगर निगम से पूर्णता प्रमाण-पत्र जारी होने के बाद दिए जाएं। नालों के अंदर पाइप लाइनों को शिट करने का काम किया जाए। काला बाग व ब्रह्मपुरी नाले की विशेष सफाई करवाने के निर्देश दिए।

गांधी भवन लाईब्रेरी होगी क्रमोन्नत

गांधी भवन में लाइब्रेरी क्रमोन्नत के प्रस्ताव पर भी अधिकरियों से चर्चा की। लाईब्रेरी को इस तरह डिजाइन किया जाए कि सैकड़ों विद्यार्थी एक साथ बैठकर वहां अध्ययन कर सकें। लोगों में रीडिंग हैबिट विकसित करने के लिए काम किया जाए।

पीलूपुरा में गुर्जर महापंचायत के बाद ट्रेन रोकने वालों की बढ़ी मुश्किलें
दर्ज हुआ केस; इस एक्ट में होगी कार्रवाई

भरतपुर, 9 जून (एजेंसियां)। राजस्थान के भरतपुर जिले के पीलूपुरा में गुर्जर समाज की महापंचायत के बाद रेलवे ट्रैक जाम करने और ट्रेन रोकने वालों के खिलाफ पुलिस ने कार्रवाई शुरू कर दी है। रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स और रेलवे इंजीनियरिंग विभाग ने बयाना सदर थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज की है।

आरोप है कि प्रदर्शनकारियों ने रेलवे ट्रैक और ट्रेन के इंजन को नुकसान पहुंचाया, जिसके चलते रेल सेवाएं दो घंटे तक बाधित रहीं। आरपीएफ के पास इस घटना के 200 से 300 वीडियो उपलब्ध हैं, जिनके आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

केस में रेलवे एक्ट के तहत कार्रवाई

बयाना सदर थाने के एसएचओ कृष्णवीर सिंह ने सोमवार दोपहर रेलवे अधिकारियों की शिकायत पर मामला दर्ज किया। केस में रेलवे एक्ट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, महापंचायत खत्म होने के बाद बड़ी संख्या में लोग दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक पर पहुंच गए।

उन्होंने कोटा-मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रोक दिया और रेल पटरियों को क्षतिग्रस्त करने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने ट्रेन के इंजन के शीशे तोड़े और ट्रैक की चाबियां (लॉक) निकाल दीं, जिससे रेल संचालन ठप हो गया।

आरपीएफ के पास 300 वीडियो, पहचान शुरू

आरपीएफ थाना भरतपुर के इंचार्ज प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि पीलूपुरा और करवारी गांव के पास दिल्ली-मुंबई रेलवे ट्रैक को अवरुद्ध किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने कोटा-मथुरा पैसेंजर ट्रेन को रोककर रेलवे संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। तिवारी ने कहा कि ट्रेन रोकना और रेलवे संपत्ति को क्षति पहुंचाना गंभीर अपराध है।

उन्होंने कहा कि हमारे पास 200 से 300 वीडियो हैं, जिन्हें हमारी टीम लगातार देख रही है। इनके आधार पर ट्रैक पर मौजूद लोगों की पहचान की जा रही है। इस घटना के कारण 8 से 10 ट्रेनें प्रभावित हुईं। रेलवे की इंजीनियरिंग टीम ने ट्रैक की मरम्मत के बाद रेल संचालन को सुचारू किया।

मदन दिलावर को शिक्षक ने 'रिश्वत' देने का किया प्रयास
हाथोंहाथ गिरफ्तार; इशारों में डोटासरा पर साधा निशाना

जयपुर, 9 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में रिश्वत देने का अजीबोगरीब मामला सामने आया है। एक सरकारी शिक्षक ने मंत्री के आवास पहुंचकर रिश्वत देने का प्रयास किया। शिक्षामंत्री मदन दिलावर ने प्रेस वार्ता कर जानकारी की। इस दौरान माध्यमिक शिक्षा निदेशक आशीष मोदी भी मौजूद रहे।

बताया जा रहा है कि शिक्षामंत्री सोमवार सुबह जनसुनवाई कर रहे थे, उसी दौरान सरकारी टीचर ने पाठ्यक्रम समिति में शामिल करने की मांग के लिए प्रार्थना पत्र लेकर आया। इसके साथ युवक एक लिफाफा और मिठाई का डिब्बा भी लाया। लिफाफे में 5 हजार रुपए थे।

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि मैंने सामान्य लिफाफा समझ कर रख लिया, क्योंकि रोज सिफारिश के पत्र के साथ कई लिफाफे आते हैं। मैंने लिफाफा देखा तो उसमें 5 हजार रुपए थे। पुलिस को सूचित किया, युवक से पूछताछ जारी है।

शिक्षामंत्री पैसा लेता है ऐसी सोच- दिलावर

मंत्री दिलावर ने बताया कि यह मेरे जीवन की पहली घटना है। लगभग 35 – 36 साल राजनीति में हो गए, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ। जब किसी को ये लगा हो कि शिक्षा मंत्री पैसे देकर काम करते हैं। मैं आगे और पीछे वालों के बारे में कुछ नहीं कह सकता हो सकता है। पहले परंपराएं रही हो इसलिए इसने हिम्मत की हो। ये दुखद बात है कि लोगों की सोच ये है कि शिक्षा मंत्री पैसे लेता हैं।

सरकारी शिक्षक ने लिखा पत्र

सरकारी शिक्षक ने पत्र में लिखा कि 'मैं चंद्रकांत वैष्णव बांसवाड़ा के राजकीय विद्यालय में अध्यापक हूं। मैं छात्र जीवन से ही एबीवीपी और संघ की विचारधारा से जुड़ा हूं। भारतीय मजदूर संघ जैसे संगठन से जुड़ा हूं। शिक्षा विभाग में विभागीय गतिविधियों में कई महत्वपूर्ण दायित्वों का निर्वहन कर चुका हूं। वर्तमान सरकार की मंशानुसार नई पाठ्यपुस्तक निर्माण समिति कक्षा 6-8 विज्ञान विषय में लेखक के रूप में शामिल करने की अनुशंषा करवाने की श्रम करावें।'

बाइक सहित 80 फीट गहरे कुएं में गिरने से युवक की मौत

दौसा, 9 जून (एजेंसियां)। दौसा जिले में बसवा कस्बे के पास नीमला रोड पर गोमलाडू की ढाणी के पास में सड़क के पास में बने सूखे कुएं में बाइक सहित गिरने से एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अलवर जिले के नीमला गांव में कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसमें हिस्सा लेने के लिए नवीन गुर्जर (16) पुत्र निरंजन गुर्जर निवासी भगेरी कला किशनगढ़ बास अलवर अपनी टीम के साथ शनिवार को नीमला गांव में कबड्डी खेलने के लिए आया था। रात करीब 10 बजे वह अपने साथियों के साथ बसवा कस्बे में अलवर सिकंदरा मेगा हाईवे पर बनी होटल में खाना खाने के लिए आ गया। खाना खाकर नवीन अपने साथियों को बाइक से नीमला छोड़कर वापस बाइक लेकर बाकी साथियों को लेने के लिए होटल पर आ रहा था।

जिला परिषद उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी ने 1706 वोटों से दर्ज की जीत, कार्यकर्ताओं में खुशी

श्रीगंगानगर, 9 जून (एजेंसियां)। जिला परिषद श्रीगंगानगर के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 16 में सदस्य पद के लिए उपचुनाव रविवार को सम्पन्न हुआ। इसके बाद सोमवार को पंचायत समिति सभागार में मतगणना का कार्य शुरू किया गया। मतगणना को लेकर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारी भी पूरी सतर्कता से निगरानी करते रहे।

मतगणना स्थल पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने बारीकी से नजर रखी। वहीं, मतगणना स्थल के आसपास समर्थकों और आम लोगों की भीड़ भी देखी गई। जैसे ही अंतिम परिणाम घोषित हुआ, भाजपा खेमे में खुशी की लहर दौड़ गई।

रिटर्निंग अधिकारी ने बताया कि

भारतीय जनता पार्टी की प्रत्याशी निर्मला ने 1706 मतों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कुल 4711 वोट प्राप्त हुए। दूसरे स्थान पर रही कांग्रेस प्रत्याशी सुमन देवी को 3005 वोट मिले। तीसरे स्थान पर रही कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) की प्रत्याशी संतरो देवी रहीं।

विजय की घोषणा होते ही भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों में जश्न का माहौल बन गया। समर्थकों ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाई, फूल-मालाएं पहनाईं और पटाखे छोड़कर गुलाल उड़ाकर खुशी का इजहार किया।

चुनाव में कुल 9311 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इनमें 94 मत नोटा को भी प्राप्त हुए। शांतिपूर्ण मतदान और मतगणना को लेकर पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों ने राहत की सांस ली। जिला कलक्टर डॉ. मंजू चौधरी की देखरेख में चुनाव संपन्न हुए। एहतियातन मौके पर दमकल वाहन और एम्बुलेंस की व्यवस्था भी की गई थी।

सांसद संजना जाटव की खाली सीट पर बीजेपी ने दर्ज की जीत

अलवर, 9 जून (एजेंसियां)। संजना जाटव के भरतपुर सांसद बनने से खाली हुई अलवर जिला पार्षद सीट पर उपचुनाव हुए। इसमें भाजपा प्रत्याशी मुन्नी देवी ने कांग्रेस प्रत्याशी चेतराम जाटव को हराया। मुन्नी बाई को 6 हजार 437 वोट मिले। वहीं चेतराम को 5 हजार 157 वोट मिले। गौरतलब है कि दिनभर प्रचंड गर्मी रहने के कारण 47,483 मतदाताओं में से 11,672 ने ही वोट डाले।

कठूमर के निर्वाचन क्षेत्र संख्या 29 जिला परिषद सदस्य के लिए मतदान सुबह सात बजे से शुरू हो गया था। शुरूआत में 9 बजे तक मतदाता घरों से बाहर निकले, लेकिन सूरज ने तेज दिखाना शुरू किया तो लोग घरों में कैद हो गए। वार्ड नंबर 29 के इस उपचुनाव में शाम पांच बजे तक महज 24.58 फीसदी लोगों ने ही मतदान किया। गर्मी के कारण मतदाता घरों से बाहर नहीं निकले। उपखंड अधिकारी श्याम सुंदर चेतीवाल ने बताया कि चुनाव शांतिपूर्ण हुआ है। गौरतलब है कि उपचुनाव में यहां से कांग्रेस व भाजपा में टक्कर है। कांग्रेस ने चेतराम जाटव और भाजपा ने मुन्नी देवी बैरवा पर दांव लगाया है। वहीं, पंचायत समिति मालाखेडा के सदस्य के रूप में निर्वाचन क्षेत्र संख्या 16 के लिए मतगणना मालाखेड़ा में हुई। यहां भाजपा के भारत सिंह जाट को 522 और निर्दलीय प्रत्याशी- भोमराज को 1132 वोट मिले।

रणथंभौर दुर्ग में 'टाइगर अटैक' से मंदिर के पुजारी की मौत
क्षत-विक्षत हालत में मिला शव; पहले भी जा चुकी 2 जान

सवाई माधोपुर, 9 जून (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर के रणथम्भौर अभयारण्य में टाइगर अटैक से एक के बाद एक मौतों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। जैन मंदिर में नियुक्त कर्मचारी राधेश्याम माली (60) रात्रि से नहीं मिल रहा है। पिछले करीब 20 सालों से भी अधिक समय से रणथंभौर दुर्ग स्थित जैन मंदिर में चौकीदारी का कार्य करता था। टाइगर अटैक की पूरी-पूरी संभावना जताई जा रही है।

वन अधिकारियों ने बताया कि सुबह रणथंभौर दुर्ग से एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली थी। जिसके बाद सर्च ऑपरेशन चलाकर क्षत-विक्षत हालत में शव बरामद कर लिया है। जिले मोर्चरी में रखवा दिया गया है।

गौरतलब है कि पिछले दो महीने में टाइगर के हमले में दो मौतें हो चुकी है। 16 अप्रैल को बाघिन के हमले में सात वर्षीय बालक और 11 मई को रेंजर देवेंद्र चौधरी की जान चली गई थी। रणथंभौर दुर्ग में लगातार टाइगरों का मूवमेंट बना हुआ है। कई बार बाघिन रिद्धि अपने शावकों के साथ नजर आई हैं। रणथंभौर दुर्ग की क्षतिग्रस्त दीवारों की मरम्मत नहीं होने से टाइगरों का दुर्ग में प्रवेश होता रहता है।

ड्रोन की सहायता से चलाया गया सर्च ऑपरेशन

रणथंभौर दुर्ग स्थित जैन मंदिर के पास से गायब होने की सूचना पर आनन-फानन में वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और रणथंभौर बाघ परियोजना के सीसीएफ अनूप के आर के निर्देशन में वन विभाग की रेस्क्यू टीम ने ड्रोन कैमरा की सहायता से तलाश शुरू की। इस दौरान वन विभाग की टीम को जैन मंदिर के पास खून से सने हुए कपड़े मिले थे।

टाइगर अटैक की सूचना के बाद बवाल

शेरपुर-खिलचीपुर निवासी राधेश्याम माली पर टाइगर अटैक की सूचना के बाद गणेश धाम पर ग्रामीणों ने जमा लगा दिया है। ग्रामीण और परिजनों ने गणेश धाम गेट को बंद कर प्रदर्शन शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि सुबह की सफारी से वापस लौटने वाले वाहनों को बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। मौके पर वन विभाग के कार्मिक और पुलिस जाब्ता मौजूद है।

कृषि विभाग ने जारी किया नया आदेश इन दुकानों पर नहीं बिकेंगे बीज

बारां, 9 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में फर्जी खाद-बीज को लेकर लगातार कार्रवाई हो रही है। प्रदेश के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा इसको लेकर बहुत सख्त है। अब राजस्थान में कृषि विभाग ने एक आर्डर जारी किया है। जिसमें बिना लाइसेंस के गांव में किराने की दुकान, दूध की डेयरी सहित अन्य विक्रेताओं के द्वारा किसानों को बीज नहीं बचने का आदेश दिया है। कृषि विभाग ने नया आदेश जारी किया है जिसमें बिना लाइसेंस के बीज बेचना पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है। अब किराने की दुकानों, दूध की डेयरियों या अन्य अनधिकृत विक्रेताओं को बीज बेचने की अनुमति नहीं होगी।

अगर कोई दुकानदार ऐसा करते पाया गया तो उसके खिलाफ बीज अधिनियम 1966, बीज नियम 1968 और बीज नियंत्रण आदेश 1983 के तहत सख्त कार्रवाई होगी। यह कदम किसानों को नकली बीजों से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए उठाया गया है।

नकली खाद बनाने की फैक्टरियों का खुलासा होने के बाद किसान खाद की गुणवत्ता को लेकर परेशान हैं। कृषि विभाग ने किसानों से असली डीएपी खाद की पहचान के नुस्खे बताए है। कृषि अधिकारी पवन शर्मा ने बताया कि किसान डीएपी के कुछ दानों को हाथ में लेकर तबाकू की तरह उसमे चूना मिलाकर मलने पर यदि उसमे से तेज गंध निकले जिसे सूंघना मुश्किल हो जाए तो समझे कि यह डीएपी असली है। असली डीएपी के दाने कठोर, भूरे, काले और बादामी रंग के होते है और नाख़ून से आसानी से नहीं टूटते है।

माही बांध के बैकवाटर में डूबने से मां, बेटी और भतीजे की मौत

बांसवाड़ा, 9 जून (एजेंसियां)। बांसवाड़ा जिले के माही बांध के बैकवाटर में सोमवार को एक बड़ा हादसा हो गया। बांसवाड़ा शहर की इंदिरा कॉलोनी में निवासरत मां, बेटी और भतीजे की माही बांध के गेस्ट हाउस के पीछे पानी में डूबने से मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। तीनों के शवों को बांसवाड़ा जिला अस्पताल लाया गया। हादसे से मुस्लिम लखारा समाज में शोक की लहर छा गई। जानकारी के अनुसार इंदिरा कॉलोनी निवासी 30 वर्षीया मरजीना अपनी 9 वर्षीया पुत्री अफसाना और 9 वर्षीय भतीजा अल्फेज के साथ माहीडेम आई थी। वह मूल रूप से समीप के कस्बे भूगडा की निवासी है और ईद पर गांव आई थी। सोमवार को सुबह करीब 11 बजे तीनों अपने दो अन्य रिश्तेदार के साथ माही बांध स्थल पर बने गेस्ट हाउस के पीछे की ओर पानी में नहाने गए, लेकिन डूब गए। बताया गया कि पहले दोनों बच्चे नहाने उतरे।

उन्हें डूबते देख मरजीना भी पानी में कूदी, लेकिन वह भी डूबने लगी। मौके पर कुछ अन्य ग्रामीण मौजूद थे, जिन्होंने सभी को डूबता देखकर पानी में गोता लगाया, लेकिन वे दो जनों को ही बचा पाए। पानी में डूबने से मरजीना, अफसाना और अल्फेश की मौत हो गई। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर ग्रामीण एकत्र हो गए। सूचना मिलने पर भूंगड़ा थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची।

पुलिस, परिजन और ग्रामीण तीनों को लेकर बांसवाड़ा के महात्मा गांधी चिकित्सालय पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया। इधर, घटना की जानकारी मिलने पर इंदिरा कॉलोनी से बड़ी संख्या में लखारा मुस्लिम समाज के लोग भी अस्पताल पहुंचे गए। बाद में भूंगड़ा और कोतवाली थाना पुलिस ने तीनों के शवों को मोर्चरी में रखवाया। बाद में पुलिस ने तीनों के शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिए।

जंगल में मिले शव का पुलिस ने किया खुलासा
साथ रहने की जिद कर रही थी साली, जीजा ने मारकर गाड़ा

बांसवाड़ा, 9 जून (एजेंसियां)। जिले के दानपुर और आंबापुरा थाना क्षेत्र की सीमा पर स्थित सजवानिया गांव के जंगल से 5 जून को गड्ढे में मिले युवती के क्षतविक्षत शव मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। युवती की हत्या उसके जीजा ने ही की थी। जांच में पता चला कि युवती जीजा के साथ ही रहने की जिद कर रही थी इस वजह से हुए विवाद में जीजा ने साली का गला दबाकर हत्या कर दी। पुलिस उप अधीक्षक गोपीचंद मीणा ने बताया कि सजवानिया के जंगल में बरसाती पानी को रोकने के लिए बनाई ट्रेंच में युवती का दबा मिला था। शव का पैर जानवरों ने नोंच डाला था। जंगल में जामुन और खजूर तोड़ने गए बच्चों ने पैर देखकर ग्रामीणों को जानकारी दी थी। गुरुवार को शिनाख्त नहीं हो पाने के कारण शव को मोर्चरी में रखवाया गया था। उन्होंने बताया कि अगले दिन 6 जून को मृतका की शिनाख्त जगलावदा प्रतापगढ़ निवासी सुखा पुत्री रामलाल के रूप में उसकी मां, भाई और अन्य परिजनों ने की। मृतका की मां सजन ने पुलिस को बताया कि 30 मई को पुत्री सुखा गांव मुंगाना जाने निकली थी। वह अलवर से बीएड कर रही थी, इसलिए घर नहीं आने पर उसकी तलाश भी नहीं की।

अवैध हथियारों के खिलाफ पुलिस की बड़ी कार्रवाई
चार आरोपी गिरफ्तार, तीन पिस्तौल व कारतूस बरामद

श्री गंगानगर, 9 जून (एजेंसियां)। जिला पुलिस की विशेष टीम ने कार्रवाई कर तीन पिस्तौल और कारतूस के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

जिले में अवैध हथियारों की धरपकड़ को लेकर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में बीती रात जिला पुलिस ने तीन अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर तीन अवैध पिस्तौल, एक खाली कारतूस, एक मैगजीन और एक स्कॉर्पियो गाड़ी बरामद की है। पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार कर आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस अधीक्षक गौरव यादव ने बताया कि इन कार्रवाइयों को जिला विशेष टीम प्रभारी रामविलास उपनिरीक्षक और लालगढ़ जाटान थानाधिकारी संजय सिंह के सुपरविजन में अंजाम दिया गया। पहली कार्रवाई में गश्त के दौरान पुलिस टीम ने गोधुवाली ढाणी निवासी रोहित (27) के कब्जे से एक अवैध पिस्तौल बरामद कर उसे गिरफ्तार किया। आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

दूसरी कार्रवाई में नाकाबंदी के दौरान हनुमानगढ़ जिले के दो युवकों- जसकरण सिंह (21) और सुखचैन सिंह उर्फ सुखा (21) को पकड़ा गया। जसकरण के पास से एक पिस्तौल जबकि सुखचैन के पास से एक खाली मैगजीन और कारतूस बरामद किया गया। आरोपी स्कॉर्पियो गाड़ी में सवार थे, उसे भी जब्त कर लिया गया है।

भारत भूविज्ञान में भविष्य के लिए रास्ता तैयार कर रहा है : किशन रेड्डी

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने आज हैदराबाद में जीएसआई में नेक्स्ट-जेन जियोफिजिक्स 2025: अनलॉकिंग अर्थ्स छुपे हुए खजाने सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भाजपा सांसद ईटेला राजेंद्र भी मौजूद थे। जनसमूह को संबोधित करते हुए, किशन रेड्डी ने इस बात पर जोर दिया कि भारत एक नए युग में प्रवेश कर रहा है, जहां विज्ञान, स्थिरता और प्रौद्योगिकी खनिज अन्वेषण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन, शहरीकरण और आपदा जोखिम न्यूनीकरण जैसी चुनौतियों का समाधान करने के लिए अभिनव उपकरण प्रदान करके विकसित भारत के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भूभौतिकी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। मंत्री ने समर्पित सेवा के 175 वर्षों का जश्न मनाते हुए इस समय पर सम्मेलन आयोजित करने के लिए भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की सराहना की। उन्होंने इस मील के पत्थर को प्राकृतिक संसाधनों के वैज्ञानिक अन्वेषण के प्रति भारत की दीर्घकालिक प्रतिबद्धता का प्रमाण बताया। किशन रेड्डी ने राष्ट्रीय भूस्खलन पूर्वानुमान केंद्र की स्थापना और आपदा तैयारियों को बढ़ाने के उद्देश्य से इटली के साथ हाल ही में हुए समझौता ज्ञापन सहित महत्वपूर्ण प्रगति पर प्रकाश डाला। उन्होंने निगरानी नेटवर्क के विस्तार और अत्याधुनिक पूर्वानुमान तकनीकों को अपनाने का आह्वान किया। इसके अलावा, मंत्री ने वैश्विक शिक्षा और अनुसंधान में भारत की बढ़ती उपस्थिति की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिसमें क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2025 में शामिल भारतीय संस्थानों में 3187 की वृद्धि देखी गई। उन्होंने वैज्ञानिक उत्कृष्टता के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के उदाहरण के रूप में आईआईटी सीटों को दोगुना करने और अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के निर्माण का भी उल्लेख किया। किशन रेड्डी ने भूवैज्ञानिकों से उन्नत अन्वेषण के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती हुई तकनीकों को अपनाने का आग्रह किया, जिसमें छिपे हुए खनिज संसाधनों की भविष्यवाणी करना और अधिक सटीकता के साथ भूकंपीय आंकड़ों की व्याख्या करना शामिल है। उन्होंने नवाचार के उत्प्रेरक के रूप में 10,300 करोड़ के भारत एआई मिशन और 6,000 करोड़ के राष्ट्रीय क्वांटम मिशन जैसी प्रमुख पहलों पर प्रकाश डाला। महत्वपूर्ण खनिजों के रणनीतिक महत्व पर जोर देते हुए, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की भविष्य की आर्थिक ताकत एआई-संचालित, स्वच्छ और कुशल अन्वेषण विधियों के माध्यम से लिथियम और कोबाल्ट जैसे प्रमुख खनिजों के लिए आयात निर्भरता को कम करने पर निर्भर करती है। उन्होंने सहयोग और स्थिरता के साथ-साथ नवाचार की आवश्यकता को रेखांकित किया, सरकार, शिक्षा और उद्योग के बीच मजबूत साझेदारी की वकालत की। खनिज अन्वेषण हैकथॉन को ऐसे सह-निर्माण के एक सफल मॉडल के रूप में उद्धृत किया गया। उन्होंने जिम्मेदार खनन प्रथाओं के महत्व पर भी जोर दिया जो स्थानीय समुदायों को लाभान्वित करते हैं और पर्यावरण की रक्षा करते हैं। दर्शकों को संबोधित करते हुए सांसद ईटेला राजेंदर ने कहा कि भूविज्ञान एक परिवर्तनकारी युग में प्रवेश कर रहा है- जहां पारंपरिक तरीके एआई-संचालित भविष्य कहनेवाला मॉडल, क्वांटम सेंसिंग और अत्याधुनिक तकनीकों के साथ मिलकर संसाधन अन्वेषण में क्रांति लाते हैं और भविष्य के लिए तैयार, विकसित भारत के निर्माण में योगदान करते हैं। उन्होंने खनिज सुरक्षा, पर्यावरणीय लचीलापन और प्राकृतिक आपदा तैयारी से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने में भूवैज्ञानिक अनुसंधान की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। राजेंद्र ने भू-खतरे के आकलन और खनिज जांच में जीएसआई द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग को अपनाने की सराहना की और डेटा-संचालित अन्वेषण और सतत संसाधन प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने की भारत की क्षमता पर विश्वास व्यक्त किया। इससे पहले दिन में, किशन रेड्डी ने ईटेला राजेंदर के साथ भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) में दो नए शामिल हाइड्रोस्टेटिक ड्रिल रिग का उद्घाटन किया, महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों के सतत विकास के लिए भारत के दृष्टिकोण का समर्थन करने वाली अग्रणी प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन। दो दिवसीय सम्मेलन में भारत और ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, रूस, अमेरिका, पोलैंड, मलेशिया और सिंगापुर सहित देशों के प्रख्यात भू-वैज्ञानिक, शोधकर्ता और उद्योग जगत के नेता एक साथ आए हैं। एजेंडा उन्नत भूभौतिकीय प्रौद्योगिकियों, एआई/एमएल-एकीकृत अन्वेषण मॉडल, उच्च-रिज़ॉल्यूशन सबसरफ़ेस इमेजिंग और डेटा-संचालित खनिज लक्ष्यीकरण पर केंद्रित है।

बीआरएस ने वेमुलावाड़ा बैलों की मौतों के लिए धर्मस्व मंत्री को ठहराया जिम्मेदार

मौतों की रिपोर्ट के बाद बीआरएस प्रभारी ने किया दौरा

राजन्ना-सिरसिल्ला, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस वेमुलावाड़ा निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी चालमेड़ा लक्ष्मी नरसिम्हा राव ने रविवार को आरोप लगाया कि श्री राजराजेश्वर स्वामी मंदिर की गोशाला में हाल ही में बैलों (कोडेलु) की मौत के लिए धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा जिम्मेदार हैं। मौतों की रिपोर्ट के बाद लक्ष्मी नरसिम्हा राव ने गोशाला का दौरा किया और कुप्रबंधन के लिए मंत्री को दोषी ठहराया। उन्होंने दावा किया कि प्रत्येक किसान को दो बैल वितरित करने के बजाय, कलेक्टर की अध्यक्षता वाली समिति ने मंत्री सुरेखा की सिफारिश के आधार पर एक ही लाभार्थी गिसुकोंडा रामबाबू को 60 बैल दिए। इनमें से 49 बैल कथित तौर पर गायब हो गए।

उन्होंने कहा कि मीडिया में घटना की व्यापक रूप से रिपोर्ट किए जाने के बाद, पिछले साल 1 दिसंबर से बैलों का वितरण रोक दिया गया था। नतीजतन, गोशाला की आबादी 1,300 बैलों तक बढ़ गई, जो इसकी 500 की क्षमता से कहीं अधिक है।

स्थानीय विधायक आदि श्रीनिवास के इस दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए कि मौतें गांठदार त्वचा रोग के कारण हुई हैं, लक्ष्मी नरसिम्हा राव ने कहा कि बयान में तथ्यात्मक आधार का अभाव है। उन्होंने कहा कि पशु चिकित्सकों ने स्पष्ट रूप से मौतों को पौष्टिक चारे की कमी के कारण बताया है, न कि बीमारी के कारण। हालांकि मंदिर के अधिकारियों ने दावा किया कि प्रतिदिन 10 टन घास की आपूर्ति की जा रही है, उन्होंने आरोप लगाया कि गोशाला को दो टन से भी कम घास मिल रही है।

उन्होंने पूछा, 5 लाख रुपये का बचा हुआ चारा कहां जा रहा है? बिहार के कुख्यात चारा घोटाले से तुलना करते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि जल्द ही किसी को इसी तरह के गोशाला घास घोटाले में जवाबदेह ठहराया जा सकता है। उन्होंने बताया कि मंदिर कोडेमोक्कुलु से सालाना 22 करोड़ रुपये कमाता है और बैलों की देखभाल के लिए सिर्फ़ 18 लाख रुपये खर्च करना पर्याप्त होगा। उन्होंने पूछा, मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है- अधिकारी या मंदिर के कार्यकारी अधिकारी? उन्होंने आगे कहा कि मंत्री को गोशाला की स्थिति और मौतों के बारे में कोई जानकारी नहीं है।

उन्होंने मंदिर में बुनियादी सुविधाओं की कमी की भी आलोचना की और कहा कि रोजाना करीब 20,000 भक्त आते हैं, लेकिन अक्सर अपर्याप्त सुविधाओं के कारण लंबी कतारों में बेहोश होने सहित कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने अधिकारियों से भविष्य में ऐसी स्थितियों को रोकने, बैलों की सुरक्षा के लिए तत्काल कदम उठाने तथा कथित चारा कुप्रबंधन की गहन जांच शुरू करने का आग्रह किया।

महिला सशक्तिकरण- केवल शब्द नहीं, बल्कि परिवर्तनकारी कार्रवाई : श्रीधर बाबू

आईटी और उद्योग मंत्री ने ऐप लॉन्च किया

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू ने राज्य सरकार की महिला सशक्तिकरण के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता की पुष्टि की, न केवल शब्दों में बल्कि निर्णायक और मापनीय कार्रवाई के माध्यम से। उन्होंने घोषणा की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दूरदर्शी नेतृत्व में, लोगों की सरकार एक करोड़ महिलाओं को करोड़पति बनाने के मिशन पर है, और यह महत्वाकांक्षी यात्रा पहले ही शुरू हो चुकी है। मंत्री हैदराबाद के हाईटेक सिटी में होटल ट्राइडेंट में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में शीजॉब्स द्वारा विकसित 'एसआईटीएचए' (शी इज द हीरो ऑलवेज) ऐप के औपचारिक लॉन्च पर बोल रहे थे। उन्होंने ऐप लॉन्च को एक बड़े आंदोलन का जश्न बताया, जो तेलंगाना भर में महिलाओं को उनकी पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना समान अवसर,

आर्थिक स्वतंत्रता और नेतृत्व प्रदान करने की आकांक्षा रखता है। मंत्री ने जोर देकर कहा, सच्चा सशक्तिकरण तब होता है, जब महिलाएं घर के भीतर अपने अधिकारों का प्रयोग करने के लिए स्वतंत्र होती हैं और निर्णय लेने में सक्रिय रूप से शामिल होती हैं। केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) द्वारा जारी नवीनतम 'भारत में पुरुष और महिलाएं-2024' रिपोर्ट का हवाला देते हुए, उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि तेलंगाना में 86 प्रतिशत ग्रामीण महिलाएं और 89 प्रतिशत शहरी महिलाएं घरेलू निर्णयों में भाग ले रही हैं। उन्होंने कहा, ये केवल आंकड़े नहीं हैं, बल्कि लैंगिक समानता की दिशा में तेलंगाना की मौन क्रांति के संकेतक हैं।

वे एक न्यायपूर्ण और समावेशी समाज के दृष्टिकोण को पूरा करने की दिशा में कदम दर्शाते हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएं तेलंगाना के सामाजिक ताने-बाने की रीढ़ हैं और सरकार शिक्षा, रोजगार और नेतृत्व तक समान पहुंच सुनिश्चित करने के अपने मिशन में अडिग है।

तेलंगाना में नारियल विकास बोर्ड के लिए क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करें : तुम्मला

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कृषि मंत्री तुम्माला नागेश्वर राव ने केंद्र सरकार से भद्राद्री कोत्तागुडेम जिले में नारियल विकास बोर्ड के लिए एक क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करने का आग्रह किया। अपनी आधिकारिक यात्रा के हिस्से के रूप में, केंद्रीय कृषि और किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने केंद्रीय राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी के साथ सोमवार को तेलंगाना का दौरा किया। इस अवसर पर, तेलंगाना के कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव ने केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और तेलंगाना राज्य में कृषि क्षेत्र को बढ़ाने के उद्देश्य से एक पत्र में कई अनुरोध प्रस्तुत किए। अपने पत्र में, तुम्माला ने उल्लेख किया कि तेलंगाना वर्तमान में 3,300 एकड़ में नारियल की खेती करता है, जिसमें भद्राद्री कोत्तागुडेम (1,757 एकड़) और खम्मम (696 एकड़) जिले कुल खेती का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा हैं। मंत्री ने कहा कि राज्य के विभिन्न जिलों में नारियल की खेती को बढ़ाने की संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि नारियल बोर्ड का कार्यालय पहले हैदराबाद में था, लेकिन आंध्र प्रदेश के विभाजन के बाद इसे विजयवाड़ा में स्थानांतरित कर दिया गया। नतीजतन, तेलंगाना में नारियल किसानों को आवश्यक सेवाएं प्राप्त करने में देरी का सामना करना पड़ रहा है। तुम्मला ने केंद्रीय मंत्री से किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए भद्राद्री-कोत्तागुडेम जिले में स्थित अश्वरावपेट या दम्मापेटा में नारियल विकास बोर्ड का एक पूर्ण रूप से संचालित क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित करने का आग्रह किया। उन्होंने केंद्र से तेल ताड़ की खेती के लिए गुणवत्ता वाले बीजों को मंजूरी देने की प्रक्रिया को तुरंत शुरू करने का भी आह्वान किया। तुम्माला ने कहा, तेल पाम की खेती के लिए केंद्र द्वारा शुरू किए गए "खाद्य तेलों पर राष्ट्रीय मिशन- तेल पाम (एनएमईओ-ओपी)" के तहत, तेलंगाना ने 1.25 लाख हेक्टेयर का लक्ष्य रखा है और अब तक 75,000 हेक्टेयर में खेती की गई है, जो देश में पहले स्थान पर है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए गुणवत्ता वाले तेल पाम के बीज महत्वपूर्ण हैं। हालांकि, चूंकि घरेलू स्तर पर पर्याप्त बीज उपलब्ध नहीं हैं, इसलिए तेल पाम कंपनियां विदेशों से बीज आयात कर रही हैं। दुनिया भर से गुणवत्ता वाले बीज आपूर्तिकर्ताओं की पहचान करके और उन्हें सूचीबद्ध करके, किसानों को नुकसान पहुंचाए बिना तेल पाम के विकास को गति दी जा सकती है।

केंद्रीय मंत्री ने काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग राष्ट्र को समर्पित की

केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग पर लाइटिंग का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर श्री लोकेश विश्नोई और पार्षद राकेश जायसवाल अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे।

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय कोयला और खान मंत्री जी. किशन रेड्डी ने सोमवार को काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग राष्ट्र को समर्पित की। एम. अनिल कुमार यादव, संसद सदस्य, राज्य सभा, अद्दांकी दयाकर, विधान परिषद सदस्य, डॉ. पलवई हरीश बाबू, माननीय विधान सभा सदस्य, सिरपुर अन्य गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि इस अवसर पर उपस्थित थे। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे, हैदराबाद डिवीजन के डिवीजनल रेलवे मैनेजर श्री लोकेश विश्नोई और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी मौजूद थे। इस अवसर पर बोलते हुए, जी. किशन रेड्डी ने कहा कि इससे पहले पर्यटन मंत्री के रूप में कार्य करते हुए, काचीगुडा स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग की परियोजना को मंजूरी दी गई थी। उन्होंने कहा कि 2.23 करोड़ रुपये की लागत से अग्रभाग की रोशनी पूरी हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित काचीगुडा रेलवे स्टेशन का निर्माण वर्ष 1916 में इंडो गोथिक वास्तुकला के साथ किया गया था। उन्होंने कहा कि स्टेशन भवन के ऐतिहासिक महत्व को ध्यान में रखते हुए, 775 आधुनिक एलईडी लाइटिंग उपकरणों का उपयोग करके अग्रभाग की रोशनी की गई है। उन्होंने कहा कि औसतन 50,000 यात्री प्रतिदिन स्टेशन पर आते हैं। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में, काचीगुडा स्टेशन को कई पुरस्कार मिले हैं और यह भारतीय रेलवे पर नंबर-1 ऊर्जा कुशल स्टेशन है। उन्होंने कहा कि माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में, ऊर्जा संरक्षण की दिशा में काचीगुडा स्टेशन पर 400 केडब्ल्यूपी का रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल लेन-देन में भी काचीगुडा रेलवे स्टेशन नंबर-1 है।

मंत्रियों के विभागों के आवंटन पर सस्पेंस बरकरार

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। लंबे समय से प्रतीक्षित मंत्रिमंडल विस्तार पूरा हो गया है और तेलंगाना में मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की टीम में तीन और मंत्री शामिल हो गए हैं। हालांकि, चर्चा का वर्तमान केंद्र इन नए मंत्रियों के लिए विभागों के वितरण के इर्द-गिर्द घूम रहा है। इस बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि क्या नए मंत्री केवल मुख्यमंत्री के पास मौजूद विभागों को ही संभालेंगे या फिर पूरे विभाग प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन किया जाएगा, जिससे मौजूदा मंत्रियों की भूमिकाएं भी प्रभावित हो सकती हैं। इस संबंध में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सोमवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि वह मंत्रियों के विभागों में संभावित बदलावों के बारे में कांग्रेस पार्टी नेतृत्व से बातचीत करने की योजना बना रहे हैं। यह भी सुझाव दिया गया है कि वह मंत्रियों के विभागों के आवंटन के संबंध में एक रिपोर्ट अपने साथ लाए हैं। कई मौजूदा मंत्री दो या तीन विभागों का प्रबंधन कर रहे हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि मुख्यमंत्री ने इस बारे में विस्तृत जानकारी के साथ दिल्ली का दौरा किया है कि कौन से मंत्री अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और कौन से कम प्रदर्शन कर रहे हैं। इससे प्रमुख मंत्रियों के बीच विभागों के फेरबदल के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। ऐसा प्रतीत होता है कि उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क गृह मंत्रालय संभाल सकते हैं, खासकर तब जब फोन टैपिंग सहित महत्वपूर्ण मामले इस समय निर्णायक मोड़ पर हैं। यह देखते हुए कि रविवार को शपथ लेने वाले तीन नए मंत्री पहली बार विधायक बने हैं, गृह मंत्रालय का जिम्मा अधिक अनुभवी भट्टी विक्रमार्क को सौंपे जाने पर चर्चा चल रही है। पार्टी हलकों में श्रीधर बाबू को वित्त विभाग, नकीति श्रीहरि को नगर निगम विभाग, अदलुरी लक्ष्मण को एससी कल्याण विभाग और विवेक वेंकट स्वामी को शिक्षा विभाग दिए जाने की संभावना को लेकर काफी चर्चा है। पता चला है कि वित्त और नागरिक आपूर्ति विभागों के बंटवारे पर भी चर्चा होगी। श्रीधर बाबू को आईटी में उनकी भूमिका के साथ-साथ अतिरिक्त विभागों के संभावित पुनर्निर्धारण के बारे में पार्टी सदस्यों के बीच काफी चर्चा है। वर्तमान में, मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सामान्य प्रशासन, गृह, शिक्षा, नगर निगम, एससी, एसटी, अल्पसंख्यक कल्याण, श्रम और पशुपालन के साथ-साथ खनन सहित कई विभागों की देखरेख करते हैं।

भाजपा सांसद लक्ष्मण ने सीएम रेवंत रेड्डी की आलोचना की

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा सांसद लक्ष्मण ने एक बार फिर तेलंगाना कांग्रेस सरकार और सीएम रेवंत रेड्डी पर कड़ी टिप्पणी की। शहर के नामपल्ली भाजपा कार्यालय में आज मीडिया कॉन्फ्रेंस कर रहे लक्ष्मण ने कहा कि कांग्रेस पार्टी के डेढ़ साल के शासन में भ्रष्टाचार के अलावा कुछ नहीं था और कहा कि राज्य सरकार इसे खत्म करने में पूरी तरह विफल रही है। उन्होंने मांग की कि अगर ईमानदारी है तो कालेश्वरम परियोजना अनियमितताओं की पारदर्शी जांच कराई जाए। उन्होंने रेवंत रेड्डी पर तेलंगाना की संपत्ति दिल्ली ले जाने का आरोप लगाया। उन्होंने इस बात पर गुस्सा जताया कि सीएम राज्य में शासन को हवा में छोड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम अपनी सीएम की कुर्सी बचाने के लिए लगातार दिल्ली के नेताओं के चक्कर काट रहे हैं।

बिहार असोसिएशन कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार फाऊंडेशन चैप्टर हैदराबाद द्वारा बैठक आयोजित की गई। प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से महासचिव प्रभास कुमार ने बताया की बिहार स्थापना दिवस पहली बार हैदराबाद में आयोजित की गई थी। बिहार एसोसिएशन अध्यक्ष, हरे राम सिंह ने बताया कि निर्माणाधीन बिहार भवन का कार्य तेजी से प्रगति पर है। मानवेंद्र मिश्रा ने बताया कि बिना धन संग्रह के संगठन के किसी भी कार्य को गति नहीं दिया जा सकता। आत: सभी सदस्य अधिक से अधिक धन संग्रह कर संगठन के प्रगति कार्यों में अपना योगदान दें। उपाध्यक्ष, उत्तम यादव, अशोक प्रसाद सिंह, रवि शंकर सिंह इत्यादि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। बैठक में हरे राम यादव, भारत सिंह, जितेंद्र गुप्ता, रमेश राम, दीपक यादव, विनोद, प्रेम शंकर सिंह, गोपाल शाह एवं विनोद कुमार गुप्ता ने भी अपने विचारों से अवगत कराया।

नि:शुल्क अस्थमा चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मृगशिरा नक्षत्र पर डॉ.एम.पी. शर्मा एवं डॉ. राजेंद्र दाधीच के नेतृत्व में 40वां नि:शुल्क अस्थमा चिकित्सा शिविर का आयोजन गांधी ज्ञान मंदिर, कोठी में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पंडित विशाल तिवारी ने वैदिक मंत्रोच्चार एवं हवन के साथ संपन्न कराया। शिविर में काशी से पधारे महंत निर्मल स्वरूप को सम्मानित किया गया।

इस शिविर में सहयोगी संस्था विप्र फाउंडेशन तेलंगाना जोन-16 अध्यक्ष हरिकिशन ओझा, मंत्री रामदेव नागला, हरिनारायण व्यास, राष्ट्र महा सचिव भगवान व्यास, भरत चंदा, प्रदीप चोटिया तेलंगाना पूर्व राष्ट्रपति शिवसागर त्रिवेदी, पूर्व मंत्री महेश अवस्थी ने भाग लिया। समाज सेवी रमेश भाटी, उपेंद्र यादव, उमेश सांखला अर्जुन थानवी सागर चंदा संदीप जायलवाल सुरेश गांधी श्रीलाल पारीक गोविंद माडी सत्य प्रकाश दाधीच अरविंद नारायणिया ने भी भाग लिया। शिविर में डॉ.राज शर्मा, डॉ. श्यामसुंदर तिवारी, डॉ. घीसूलाल जैन द्वारा सेवा प्रदान की गई।

नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान में, तेलंगाना अग्रवाल समाज ने भातिनी मृगशिरा मछली प्रसाद के लिए आए लोगों को मछली प्रसाद और भोजन प्रदान करने के लिए एक शिविर का आयोजन किया, जिसमें ममिश अग्रवाल, कपूर चंद, कंचन अग्रवाल, पुरषोत्तम अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, आईपीपी अंजनी कुमार अग्रवाल, अजय कुमार अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल और राकेश जालान ने भाग लिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पुलिस के सामने ...

बाद में उन्हें जमानत मिल गई।

पुलिस ने कहा था कि आरोपी उस कथित साजिश का हिस्सा हैं, जिसमें उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों के नागरिकों पर निगरानी रखकर राजनीतिक उद्देश्यों के लिए एसआईबी के संसाधनों का दुरूपयोग किया। पुलिस ने पहले कहा था कि मामले में आरोपी बनाए गए लोगों ने अन्य लोगों के साथ मिलकर कई लोगों के प्रोफाइल अवैध रूप से बनाए।

राहुल ने पूछा ...

हालांकि, चुनाव आयोग की ओर से इस पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। राहुल ने शनिवार को देश के दो दैनिक अखबारों में अपने लेख के जरिए 2024 के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में धांधली का आरोप लगाते हुए चुनाव आयोग से जवाब मांगा था। आयोग के सूत्रों ने रविवार को कहा कि वह तभी जवाब देगा जब राहुल उन्हें डायरेक्ट लेटर लिखेंगे।

राहुल गांधी ने अखबारों में अपने लेख में कहा था कि- महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में 'मैच फिक्सिंग' की गई थी, जिसमें पहले से भाजपा की जीत तय करने की पूरी कोशिश की गई। भाजपा और उसके सहयोगियों ने चुनाव जीतने के लिए 5 स्टेप की प्लानिंग की थी।

राहुल ने ये भी कहा कि महाराष्ट्र की तरह ही मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी, फिर किसी भी राज्य में जहां भाजपा हारती दिख रही हो। हालांकि, चुनाव आयोग ने राहुल के दावों को निराधार करार दिया और कहा कि चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद ऐसे आरोप लगाना बेतुके हैं।

इसके बाद राहुल ने चुनाव आयोग के जवाब देने के तरीके पर भी सवाल उठाए। राहुल ने शनिवार रात एक्स पर पोस्ट कर लिखा, आप (चुनाव आयोग) एक संवैधानिक संस्था हैं। बिना साइन और टालमटोल वाले नोट जारी करके गंभीर सवालों के जवाब देने का तरीका सही नहीं है। अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें।

> पूरा देश जानता है कि मतदाता सूची तैयार करने, मतदान और मतगणना सहित प्रत्येक चुनाव की पूरी प्रक्रिया सरकारी कर्मचारी करते हैं। वह भी मतदान केंद्र से लेकर निर्वाचन क्षेत्र तक राजनीतिक दलों/उम्मीदवारों की तरफ से नियुक्त प्रतिनिधियों की मौजूदगी में।

> फिर चुनाव के फैसले पक्ष में नहीं आने के बाद, यह कहकर चुनाव आयोग को बदनाम करने की कोशिश करना पूरी तरह से बेतुका है।

सिंगापुर के कार्गो ...

शिप 23 मई को केरल के ही विझिनजाम पोर्ट से कोच्चि के लिए रवाना हुआ था। 24 मई की दोपहर करीब 1:25 बजे कोच्चि तट से 38 समुद्री मील की दूरी पर करीब 26 डिग्री तक झुकने की खबर दी गई थी। इमरजेंसी की सूचना मिलते ही कोच्चि में आईसीजी के मरीन रेस्क्यू सब सेंटर (एमआरएससी) ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया था।

24 मई की शाम तक रूस, यूक्रेन, जॉर्जिया और फिलीपींस के 24 क्रू मेंबर्स में से 21 का रेस्क्यू किया गया था। तीन सीनियर क्रू मेंबर शिप को डूबने से बचाने की कोशिश के लिए शिप पर ही रहे थे। हालांकि, शिप का झुकाव बढ़ता रहा और आज वह डूब गया था। इससे पहले ही नेवी शिप आईएनआई सुजाता ने बाकी 3 क्रू मेंबर्स को भी बचा लिया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

बीसीसीआई का बड़ा फैसला

बदल गए टीम इंडिया के मैचों के वेन्यू

मुंबई, 9 जून (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट टीम इस समय इंग्लैंड में पांच टेस्ट मैचों की सीरीज की तैयारियों में जुटी हुई है। इसी दौरान बीसीसीआई ने भारत में होने वाले कुछ घरेलू मुकाबलों के कार्यक्रम में बदलाव किया है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका की टीमों का भारत दौरा अक्टूबर और नवंबर में तय है, और इन श्रृंखलाओं के तहत खेले जाने वाले कुछ मुकाबलों के आयोजन स्थलों में बदलाव किया गया है। बीसीसीआई ने सोमवार को इन बदलावों की आधिकारिक घोषणा की।

वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज का नया कार्यक्रम

वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला की शुरुआत 2 अक्टूबर से होगी, जिसमें पहला टेस्ट मुकाबला अहमदाबाद में खेला जाएगा। हालांकि, दूसरे टेस्ट मैच का स्थल बदल दिया गया है। पहले यह मुकाबला 10 से 14 अक्टूबर के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाना था, लेकिन अब इसे दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। तारीखों में कोई परिवर्तन नहीं किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट मैच की नई जगह

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला 14 नवंबर से शुरू होगा। प्रारंभिक कार्यक्रम के अनुसार यह मैच दिल्ली में होना था, लेकिन अब इसे कोलकाता स्थानांतरित कर दिया गया है और यह ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेला जाएगा। दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे के दौरान 2 टेस्ट, 3 वनडे और 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेलेगी। इन बदलावों के पीछे बोर्ड ने स्पष्ट कारण नहीं बताया है, लेकिन आयोजन स्थलों की उपलब्धता और मौसम जैसे कारक इसकी वजह हो सकते हैं। क्रिकेट प्रेमियों को अब इन शहरों में रोमांचक मुकाबले देखने को मिलेंगे।

आईपीएल जीतने पर आरसीबी को मिले 20 करोड़

फ्रेंच ओपन जीतने वाले कार्लोस अल्काराज की इनामी राशि जान हो जाएंगे हैरान

खेल डेस्क, 9 जून (एजेंसियां)। स्पेन के युवा टेनिस स्टार कार्लोस अल्काराज ने फ्रेंच ओपन 2025 के पुरुष एकल खिताब पर कब्जा जमाकर पूरी दुनिया को हैरान कर दिया। दुनिया के दूसरे नंबर के इस खिलाड़ी ने शीर्ष वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर को पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में 4-6, 6-7, 6-4, 7-6, 7-6 से हराया। यह मुकाबला पूरे पांच घंटे 29 मिनट तक चला, जिसमें अल्काराज ने तीन मैच प्वाइंट बचाए और सिनर के ग्रैंडस्लैम में लगातार 20 जीत के सिलसिले को तोड़ दिया।

मैच की शुरुआत में सिनर ने पहला और दूसरा सेट जीतकर बढ़त बना ली थी। सिनर, जिन्होंने पिछले साल अमेरिकी ओपन और इस साल ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब अपने नाम किया था, पेरिस में ग्रैंडस्लैम हैट्रिक पूरा करने के इरादे से उतरे थे। लेकिन 22 वर्षीय अल्काराज ने हार नहीं मानी और शानदार वापसी करते हुए अगले तीन सेट जीतकर खिताब अपने नाम कर लिया। यह उनका पांचवां ग्रैंडस्लैम खिताब है और खास बात यह है कि उन्होंने अब तक कोई भी ग्रैंडस्लैम फाइनल नहीं गंवाया है। वहीं, सिनर को पहली बार किसी ग्रैंडस्लैम फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। इस जीत के साथ अल्काराज का क्ले कोर्ट पर इस सीजन का रिकॉर्ड 22 जीत और 1 हार का हो गया है। उन्होंने सिनर के खिलाफ अपनी आठवीं जीत दर्ज की, जिसमें लगातार पांच जीत शामिल हैं। दूसरी ओर सिनर ने अल्काराज को अब तक चार बार हराया है।

अल्काराज की इनामी राशि, आरसीबी की कमाई भी पीछे

फ्रेंच ओपन का खिताब जीतने के बाद कार्लोस अल्काराज को 2.55 मिलियन यूरो (लगभग 24 करोड़ 94 लाख रुपये) की इनामी राशि मिली। इस जीत के साथ उनकी कुल करियर कमाई 44.7 मिलियन डॉलर तक पहुंच गई है और वह अब टेनिस इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाले खिलाड़ियों की सूची में सातवें स्थान पर हैं, जहां उन्होंने दिग्गज पीट सैम्प्रास को पीछे छोड़ दिया। वहीं फाइनल में हारने वाले यानिक सिनर को 1.35 मिलियन यूरो (लगभग 13 करोड़ 20 लाख रुपये) मिले और उनकी कुल कमाई 41.5 मिलियन डॉलर हो गई है।

दूसरी ओर अगर हम तुलना करें तो हाल ही में आईपीएल 2025 का खिताब जीतने वाली विराट कोहली की रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को 20 करोड़ रुपये की इनामी राशि मिली थी, जो पूरी टीम में बांटी जाएगी। लेकिन अल्काराज ने अकेले ही 25 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि जीतकर आरसीबी की इस कमाई को भी पीछे छोड़ दिया।

ऋषभ पंत को लगी चोट; इंग्लैंड का एक और पेसर चोटिल

लंदन, 9 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम ने तैयारी शुरू कर दी है। बेकेनहैम में प्रैक्टिस सेशन से शुभमन गिल की अगुआई वाली टीम को लेकर बुरी खबर आई है। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को बाएं हाथ में चोट लग गई। इसके बाद उन्होंने नेट्स पर बल्लेबाजी नहीं कि।

इंग्लैंड की टीम को भी झटका लगा है। मेजबान टीम का फ्रंटलाइन पेसर पहले से ही चोटिल हैं। इस बीच इंडिया ए के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में इंग्लैंड लायंस के लिए खेल रहे जोश टंग भी चोटिल हो गए हैं। वह लंगड़ाते हुए तीसरे दिन मैदान से बाहर जाना पड़ा। वह पहले टेस्ट के लिए चुनी गई इंग्लैंड की टीम का हिस्सा हैं।

पंत को बाएं हाथ में लगी चोट

रेव स्पोर्ट्स की रिपोर्ट के अनुसार भारत ने हाई इंटेसिटी ट्रेनिंग सेशन के साथ तैयारी शुरू की। पंत नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तभी उनके बाएं हाथ में चोट लग गई। वह काफी दर्द में दिखे। इसके बाद मेडिकल टीम को तुरंत बुलाया गया। उनके हाथ पर आइस पैक लगाया गया और कुछ ही देर बाद उनके बाएं हाथ पर भारी टेप लगा दिया गया।

विकेटकीपर बल्लेबाज ने प्रैक्टिस नहीं की

इसके बाद से विकेटकीपर बल्लेबाज ने प्रैक्टिस नहीं की। वह अपने साथियों को नेट सत्र में व्यस्त देखते रहे। चोट लगने से पहले पंत ने नेट्स में काफी समय बिताया था। बाएं हाथ के इस खिलाड़ी ने अपने साथियों की गेंदों का सामना करने से पहले थ्रोडाउन का सामना करते हुए प्रैक्टिस शुरू की। मुख्य कोच गौतम गंभीर सत्र में मौजूद थे और उन्हें पंत के साथ बात करते हुए देखे गए।

इंग्लैंड का पेस अटैक डाउन

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले इंग्लैंड का पेस अटैक डाउन दिख रहा है। मार्क वुड, ओली स्टोन और गस एटकिंसन जैसे गेंदबाज पहले से ही चोटिल हैं। जोफ्रा आर्चर की भी टेस्ट क्रिकेट में वापसी होनी थी, लेकिन वह भी अनफिट हैं। इस बीच जोश टंग का चोटिल होना इंग्लैंड के लिए बड़ा झटका है।

लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर टंग

ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार इंडिया के खिलाफ दूसरी पारी में तेज गेंदबाज जोश टंग सिर्फ चार ओवर गेंदबाजी करने के बाद 27 रन देकर लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर चले गए। उनको क्या चोट आई है और यह कितनी गंभीर है इसका अभी पता नहीं चल पाया है। वह पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम का हिस्सा हैं।

आउट होने के बाद तमतमाए आर अश्विन

अंपायर पर निकाला गुस्सा

चेन्नई, 9 जून (एजेंसियां)। पूर्व भारतीय दिग्गज रविचंद्रन अश्विन मैदान पर पूरी ताकत लगाकर खेलते हुए नजर आते हैं। हालांकि इस बीच कई बार को अपना आपा भी खो बैठते हैं। ऐसा ही एक नजारा तमिलनाडु प्रीमियर लीग 2025 में देखने को मिली। जब अंपायर ने रविचंद्रन अश्विन को आउट करार दिया। जिसके बाद अश्विन अपने नाम को रोक नहीं सके और मैदान पर ही अंपायर के ऊपर बुरी तरह से भड़क गए। जिसका वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

डिंडीगुल ड्रैगन्स के कप्तान रविचंद्रन अश्विन को आईड्रीम तिरुप्पुर तमिज़हंस के खिलाफ मुकाबले में अंपायर पर बड़ा गुस्सा आया। अश्विन की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी तो वाइड कॉल के लिए अश्विन ने अपने दोनों डीआरएस गंवा दिए। जिसके बाद आईड्रीम तिरुप्पुर तमिज़हंस के कप्तान आर साई किशोर की गेंद अश्विन के पैड पर लगी तो अपील हुई। महिला अंपायर ने अश्विन को आउट करार दिया। आर अश्विन को का मानना था कि गेंद लेग स्टंप से बाहर पिच हुई है। ऐसे में रविचंद्रन अश्विन मैदान पर ही अंपायर से भिड़ गए। लंबे समय तक बहस करने के बाद अश्विन ने अपना बल्ला पैड पर मारा और पवेलियन की ओर चले गए।

कप्तान रविचंद्रन अश्विन ने मुकाबले में 18 रनों की पारी खेली। वहीं उनका साथ देते हुए शिवम सिंह ने भी 30 रन बनाए। अंत में आके जयंत ने 18 रन जोड़े। इसके अलावा कोई और बल्ले दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर सका। जिसके कारण ही उनकी टीम सिर्फ 93 रनों पर ही सिमट गई। वहीं आर साई किशोर की टीम ने 9 विकेट से मुकाबला सिर्फ 11.5 ओवर में ही जीत लिया। तुषार रहेजा ने नाबाद 65 रनों की पारी खेली। इस मुकाबले में हार के बाद अश्विन की टीम का रन रेट भी खराब हो गया है।

डब्ल्यूटीसी से पहले हरभजन सिंह ने साउथ अफ्रीका पर दिया बड़ा बयान

बड़े मैचों का प्रेशर अभी तक हैंडल नहीं किया है

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का खिताबी मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के बीच 11 जून से लॉर्ड्स के मैदान में खेला जाएगा. इस मुकाबले से पहले दोनों टीमें मैदान पर जमकर पसीना बहा रही हैं. ऑस्ट्रेलिया पिछली बार भारत को हराकर डब्ल्यूटीसी का खिताब जीता था. ऑस्ट्रेलियाई टीम इस बार अपने खिताब को बचाने के लिए मैदान में उतरेगी. जबकि साउथ अफ्रीका को अभी भी अपनी पहली आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है. इस अहम मुकाबले से पहले टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने साउथ अफ्रीका को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया है. इसको सुनकर क्रिकेट फैंस चौंक गए हैं.

हरभजन सिंह ने क्या कहा?

डब्ल्यूटीसी फाइनल की उल्टी गिनती शुरू हो गई है. इस चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची साउथ अफ्रीका पहली बार कोई आईसीसी ट्रॉफी जीतने के लिए बेताब है. इस दौरान भारतीय टीम के पूर्व स्पिनर हरभजन सिंह ने साउथ अफ्रीका को लेकर बड़ी बात कह दी है. उन्होंने ढकहा, "जब भी कोई बड़ा मैच आता है, चाहे वो वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल हो या वर्ल्ड कप का फाइनल हो, साउथ अफ्रीका नीचे की ओर जाती हुई दिखाई देती है, क्योंकि वो बड़े मैचों का प्रेशर अभी तक हैंडल नहीं किया है".

प्रेशर हैंडल करना सीखना होगा

भज्जी ने कहा कि साउथ अफ्रीका की टीम इस समय अच्छी फॉर्म में है, शायद हो जीत भी जाएं, लेकिन फिर भी मैं यही कहूंगा कि वो अभी भी प्रेशर हैंडल नहीं कर पा रहे हैं. इसका नजारा हमें टी20 वर्ल्ड कप के दौरान देखने को मिला. जब उन्हें जीत के लिए 24 गेंदों पर 28 चाहिए थे, लेकिन जैसे ही उनका एक बल्लेबाज आउट हुआ, वैसे ही पूरी टीम बिखर गई. टीम इंडिया के पूर्व स्पिनर ने कहा कि साउथ अफ्रीका अभी भी प्रेशर हैंडल करना सीख नहीं पाई है. जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम इसमें माहिर है, तभी तो वो बड़े मैचों में हमेशा जीत दर्ज करती है.

पहली बार डब्ल्यूटीसी के फाइनल में पहुंचा है साउथ अफ्रीका

साउथ अफ्रीका की टीम पहली बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंची है. जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरी बार खिताबी मुकाबला खेलने जा रही है. पिछली बार हुए खिताबी मुकाबले में आस्ट्रेलियाई टीम ने टीम इंडिया को हराकर डब्ल्यूटीसी की चैंपियन बनी थी. इस बार वो इस खिताब के बचाव के लिए लॉर्ड्स के मैदान में उतरेगी.

आरसीबी ने पहले ही आईपीएल जीत लिया होता : सुनील गावस्कर

नई दिल्ली, 9 जून (एजेंसियां)। आईपीएल 2025 की चैंपियन टीम आरसीबी अपनी महाजीत का जश्न भी ठीक से नहीं मना सकी क्योंकि उनके जश्न के दौरान ऐसा हादसा हुआ जिसने दिल तोड़ दिया. बेंगलुरु में आरसीबी की विक्ट्री परेड के लिए जमा हुए फैंस हादसे का शिकार हुए. बेंगलुरु में एक इलाके में भगदड़ हुई और वहां 11 लोगों की जान चली गई. इस मुद्दे पर आरसीबी अधिकारियों से लेकर कर्नाटक क्रिकेट एसोसिएशन के अधिकारियों पर कार्रवाई हुई है और अब पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने इस मुद्दे पर बड़ा बयान दिया है. गावस्कर ने कहा कि बेंगलुरु हादसा किसी त्रासदी से कम नहीं है और इसमें किसी को दोष देने का मतलब नहीं है. साथ ही उन्होंने कहा कि अगर आरसीबी ने आईपीएल शुरुआत के कुछ सालों में ही जीत लिया होता तो शायद ऐसी नौबत नहीं आती.

सुनील गावस्कर ने मिडडे पर अपने कॉलम ने लिखा,' क्या त्रासदी है? चिन्नास्वामी स्टेडियम के बाहर भगदड़ के कारण जानों का नुकसान वाकई में दिल दहला देने वाला है. उन सभी लोगों की इच्छा बस इतनी थी कि वे उन खिलाड़ियों की एक झलक देख सकें, जिन्होंने पिछले कई सालों, खासकर पिछले दो महीनों में उन्हें इतनी खुशी और आनंद दिया. आईपीएल ट्रॉफी, जिसे वे हर साल जीतने की उम्मीद रखते थे लेकिन कभी नहीं जीत पाए, 18 साल के लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार उनके पास आ रही थी. उनकी खुशी का ठिकाना न रहना पूरी तरह समझ में आता था, और वे अपने नायकों को ये दिखाना चाहते थे. शायद उन्हें करीब से देखना, शायद उन्हें छूना, या उनके साथ तस्वीर लेना चाहते थे.'

गावस्कर ने आगे लिखा, 'कुछ लोगों का कुचलकर मर जाना और कई लोगों का अभी भी घायल होकर अस्पताल में होना वाकई एक दुखद घटना थी. किसी को दोष देने का कोई मतलब नहीं है. ये बेकार है क्योंकि जानें वापस नहीं लाई जा सकतीं और कुछ घाव, खासकर मानसिक घाव, शायद कभी पूरी तरह ठीक न हों. अगर आरसीबी ने पहले कुछ सालों में ट्रॉफी जीत ली होती, तो 18 साल के लंबे इंतज़ार के बाद ऐसी भावनाएं ना उमड़ती. दूसरी टीमों ने जीत हासिल की, लेकिन उनका जोश इसलिए इतना हाई नहीं था क्योंकि उनके प्रशंसकों को इतना लंबा इंतज़ार नहीं करना पड़ा.'

क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने जीती तीसरी इंटरनेशनल ट्रॉफी

पुर्तगाल ने स्पेन को रोमांचक फाइनल में हराया

म्यूनिख, 9 जून (एजेंसियां)। यूएफा नेशंस लीग 2025 का फाइनल पुर्तगाल और स्पेन के बीच एलियांज एरेना में खेला गया। दोनों टीमों के बीच एक रोमांचक फाइनल खेला गया। मैच का नतीजा पेनल्टी शूट आउट के जरिए निकला। पुर्तगाल ने पेनल्टी शूट आउट स्पेन से 5-3 से जीत ली। इसके साथ ही पुर्तगाल के कप्तान क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने अपने करियर में तीसरी इंटरनेशनल ट्रॉफी जीत ली है। रोनाल्डो ने सबसे पहले 2016 में यूरो कप जीता था। इसके बाद 2019 में नेशंस लीग जीती थी और अब 2025 में उन्होंने एक बार फिर नेशंस लीग का खिताब जीता है। हालांकि, बात करें रोनाल्डो के सबसे बड़े प्रतिद्वंदी लियोनेल मेसी की तो उन्होंने अब तक अपने करियर में 4 इंटरनेशनल ट्रॉफी जीती हैं। फाइनल मैच में पहला गोल स्पेन ने किया था। मार्टिन जुबामेंडी ने स्पेन के लिए पहला गोल 21वें मिनट में किया था। हालांकि, स्पेन की यह लीड ज्यादा देर तक टिकी नहीं रही। उसके 5 मिनट बाद ही नूनो मेंडिस ने पुर्तगाल के लिए इक्वालाइजर गोल किया। इसके बाद 45वें मिनट में मिकेल ओयार्जबल ने स्पेन के लिए गोल किया। इसके बाद दूसरे हाफ में पुर्तगाल ने फिर से कमबैक किया। 61वें मिनट में किसी और ने नहीं बल्कि खुद क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने पुर्तगाल के लिए गोल किया। इसके बाद 90 मिनट तक दोनों टीमों में से किसी ने गोल नहीं किया। स्पेन के उभरते हुए खिलाड़ी लमीन यमाल खिताबी मुकाबले में अपनी छाप छोड़ने में नाकाम रहे। 90 मिनट के बाद आधे घंटे का एक्स्ट्रा टाइम मिला, उसमें भी दोनों टीमें गोल करने में नाकाम रहीं। इसके बाद पेनल्टी शूट आउट में नतीजा निकला। बता दें कि पुर्तगाल के लिए रोनाल्डो ने पेनल्टी शूट आउट में हिस्सा नहीं लिया था, क्योंकि उनको पहले ही (88वें मिनट में) सब्सटीट्यूट कर दिया गया था।

इंग्लैंड ने हाई-स्कोरिंग मैच में वेस्टइंडीज को 4 से रौंदा, टी20 सीरीज पर किया कब्जा

ब्रिस्टल, 9 जून (एजेंसियां)। वेस्टइंडीज और इंग्लैंड के बीच ब्रिस्टल में खेले गए दूसरे टी20 मैच में इंग्लैंड ने चार विकेट से शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की टी20 सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली है। वेस्टइंडीज ने 196 रनों का लक्ष्य रखा था, जिसे इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में हासिल कर लिया ।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज ने छह विकेट पर 196 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जॉनसन चार्ल्स ने 47, कप्तान शाई होप ने 49, रोवमैन पॉवेल ने 34 और जेसन होल्डर ने नौ गेंदों पर नाबाद 29 रन बनाए। इंग्लैंड की ओर से ल्यूक वुड ने चार ओवर में 25 रन देकर दो विकेट और ब्रायडन कार्से, जैकब बेथेल और आदिल राशिद ने एक-एक विकेट लिया।

197 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड शुरुआत खराब रही। इंग्लैंड को नौ के स्कोर पर पहला झटका लगा जब जेमी स्मिथ महज चार रन बनाकर आउट हो गए। उन्हें जेसन होल्डर ने आउट किया। इसके बाद बेन डकेट और जोस बटलर ने दूसरे विकेट के लिए 63 रनों की साझेदारी कर टीम की शुरुआत को मजबूत किया। डकेट 18 गेंदों पर 30 रन बनाकर आउट हुए।

इंग्लैंड ने सीरीज पर किया कब्जा

इसके बाद बटलर ने कप्तान हैरी ब्रूक के साथ तीसरे विकेट के लिए 40 रन जोड़कर टीम का स्कोर 112 तक पहुंचाया। बटलर 36 गेंदों पर 47 रन बनाकर आउट हुए। वह पारी में इंग्लैंड के सर्वश्रेष्ठ स्कोरर रहे। ब्रूक के 34, बेथेल के 30 और टॉम बैंटन के 11 गेंदों में 30 रनों की मदद से इंग्लैंड ने 18.3 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 199 रन बनाए और मैच चार विकेट से जीत लिया। वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसेफ ने दो जबकि अकील हुसैन, होल्डर, शेफर्ड और रोस्टन चेज को एक-एक विकेट मिला। इस जीत के साथ ही इंग्लैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 से कब्जा कर लिया है।

पाई-पाई के लिए तरस रहा पाकिस्तान

जैसे-तैसे नेशंस कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम भेजेगा

कराची, 9 जून (एजेंसियां)। नकदी की कमी का सामना कर रहा पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) 15 से 21 जून तक मलेशिया के कुआलालंपुर में होने वाले एफआईएच नेशंस कप के लिए अपनी राष्ट्रीय टीम भेजेगा। पीएचएफ सचिव राणा मुजाहिद ने कहा कि महासंघ के अध्यक्ष मीर तारिक बुगती ने सरकार से अनुदान, प्रायोजन और यहां तक कि व्यक्तिगत दान प्राप्त किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीनियर टीम कैलेंडर वर्ष में अपने सभी अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में खेल सके।

इस पूर्व ओलंपियन ने कहा, 'पीएचएफ वित्तीय संकट से गुजर रहा है लेकिन हम किसी तरह काम चला रहे हैं क्योंकि जब तक हमारे खिलाड़ी नियमित रूप से प्रतिस्पर्धा नहीं करेंगे वे कभी आगे नहीं बढ़ पाएंगे।' पाकिस्तान की टीम पिछले विश्व कप के लिए क्वालिफाई करने में नाकाम रही थी। टीम 2012 के बाद से ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई करने में विफल रही है।

मुजाहिद ने कहा, 'मैं खुद भी खिलाड़ी रहा हूं। मुझे पता है कि जब महासंघ किसी खिलाड़ी का अच्छे से ख्याल रखता है तो वह पूरी तरह से अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करता है।' पीएचएफ ने इसके साथ ही पहली बार मुख्य कोच ताहिर जमां को चयनकर्ता की मदद के बिना 20 सदस्यीय टीम का चयन करने की अनुमति दी।

शकील इमाद बट को आठ देशों की प्रतियोगिता के लिए टीम का कप्तान बरकरार रखा गया है जबकि राणा वहीद उप-कप्तान हैं। इस प्रतियोगिता में पाकिस्तान और मेजबान मलेशिया के अलावा फ्रांस, जापान, कोरिया, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और वेल्स की टीमें शामिल हैं।

शिवराज सिंह चौहान ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं उन्नत फिनॉमिक्स परिसर का शिलान्यास किया

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भारत सरकार ने श्री अन्न के अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा प्रदान करने हेतु वर्ष 2023 के दौरान श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के निर्माण हेतु < 250 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 18 मार्च, 2023 को भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान का श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में उन्नयन किया। श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के सात प्रमुख घटक हैं, जिनसे श्री अन्न को पूरे विश्व में प्रसारित किया जा सकेगा।

आज 9 जून 2025 को कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामिण विकास मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं उन्नत फिनॉमिक्स परिसर का शिलान्यास किया। इस अवसर पर माननीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री श्री भागीरथ चौधरी जी; श्री तुमल्ला नागेश्वर राव जी, कृषि, सहकारिता तथा कपड़ा मंत्री, तेलंगाना सरकार; सांसद श्री के विश्वेश्वर रेड्डी; सचिव, डेयर तथा महानिदेशक, भाकृअनुप डॉ. मांगी लाल जाट; उप महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप डॉ. डी के यादव एवं पीजेटीएसएयू के कुलपति तथा अन्य भाकृअनुप संस्थानों के निदेशक एवं वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। माननीय मंत्री जी एवं अन्य गणमान्यजनों ने संस्थान में स्थापित विभिन्न इन्कुबेशन सुविधाओं का अवलोकन किया तथा इस अवसर पर वृक्षारोपण भी किया।

कृषि मंत्री जी ने स्टार्टअपों, किसान उत्पादक संगठनों से व्यक्तिगत रूप से चर्चा की तथा उन्हें संस्थान की ओर से मिली सहायता के बारे में पूछा कि आपको इस संस्थान से क्या लाभ प्राप्त हुआ, प्रत्युत्तर में एक स्टार्टअप श्री राम सुब्बा रेड्डी ने बताया कि उन्होंने दिल्ली में अपनी नौकरी छोड़कर श्री अन्न की खेती एवं उसके प्रसंस्करण का कार्य आरंभ किया जिसमें उन्हें भरपूर लाभ मिल रहा है और वह कई अन्य लोगों को भी रोजगार प्रदान कर रहे हैं। तत्पश्चात माननीय मंत्री जी श्री अन्न के विभिन्न उत्पादों का आस्वादन किया तथा उनकी सराहना की।

कृषि मंत्री जी ने प्रेस व मीडिया से वार्तालाप किया तथा श्री अन्न (मिलेट्स) का महत्व बताते हुए कहा कि मिलेट सूपरफूड हैं जिनका सेवन करने से हमें पोषक तत्व आसानी से मिल जाते हैं और ये मृदा स्वास्थ्य के लिए भी वरदान है। उन्होंने कहा कि श्री अन्न को आगे बढ़ाने हेतु माननीय प्रधानमंत्री की पहल को कार्यान्वित करने के लिए ही आज इस श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एवं उन्नत फिनॉमिक्स परिसर का शिलान्यास किया गया है और मैं भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान को श्री अन्न की वैश्विकता के प्रयासों को आगे बढ़ाने हेतु शुभकामनाएं देता हूं।

इस अवसर पर डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने माननीय मंत्री जी एवं अन्य गणमान्यजनों को संस्थान के गतिविधियों एवं भावी योजनाओं से अवगत कराया।

कोंडागट्टू हत्याकांड में पोस्टमार्टम के लिए निकाला गया युवक का शव

जगतियाल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस ने मल्लियाल मंडल के कोंडागट्टू में 30 वर्षीय उप्पू रमण रेड्डी का शव खोदकर निकाला, जिसकी कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी और उसे अंजनेयास्वामी मंदिर की सीढ़ियों के पास दफना दिया गया था। शव की सड़ी-गली अवस्था के कारण मौके पर ही पोस्टमार्टम किया गया। पुलिस के अनुसार, कोंडागट्टू निवासी रमण रेड्डी का 2 जून को युवकों के एक समूह के साथ झगड़ा हुआ था। कथित तौर पर आरोपियों ने उसकी हत्या कर दी और मंदिर की सीढ़ियों के पास शव दफना दिया।

घटना का खुलासा तब हुआ जब पीड़िता के भाई निरंजन रेड्डी ने शिकायत दर्ज कराई। जांच के दौरान पुलिस ने दफनाने वाली जगह का पता लगाया और स्थानीय तहसीलदार की मौजूदगी में शव को बाहर निकाला। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिवार को सौंप दिया गया। पुलिस को हत्या में लगभग आठ व्यक्तियों के शामिल होने का संदेह है तथा उन्होंने आगे की जांच शुरू कर दी है।

अत्तापुर और जलपल्ली में उपद्रवियों ने किया बवाल, पथराव में पुलिसकर्मी घायल

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को मवेशियों की बलि और परिवहन को लेकर हुए विवाद के बाद साइबराबाद के अत्तापुर और जलपल्ली में उपद्रवियों द्वारा किए गए पथराव में पुलिसकर्मियों सहित कुछ लोग घायल हो गए। रविवार रात उपद्रवियों ने दो डीसीएम वाहनों को जला दिया और कुछ अन्य वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया, जो शहर से पशुओं के कंकालों को जलपल्ली स्थित बूचड़खाने ले जा रहे थे। स्थानीय लोगों के अनुसार, जानवरों की हड्डियों से भरी डीसीएम जब आरजीआई एयरपोर्ट कार्गो रोड-मैलारदेवपल्ली रोड पर स्थित वाम्बे कॉलोनी में पहुंची तो लोगों के एक समूह ने वाहनों को रोक लिया और ड्राइवरों के साथ मारपीट की। इसके बाद भीड़ ने ईंधन छिड़ककर वाहनों में आग लगा दी।

सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और लाठीचार्ज किया। कुछ उपद्रवियों ने पुलिस पर भी पथराव किया, जिससे कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए। चंद्रयानगुट्टा और राजेंद्रनगर फायर स्टेशन से दो दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाई। देर रात घटनास्थल का दौरा करने वाले साइबराबाद के पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने कहा कि घटना रात करीब साढ़े नौ बजे हुई और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। अविनाश मोहंती ने लोगों से कानून अपने हाथ में न लेने की अपील करते हुए कहा, 'भीड़ ने पशुओं के शव ले जा रहे वाहनों को आग लगा दी और ड्राइवर पर हमला किया। एफआईआर दर्ज कर ली गई है और पुलिस आवश्यक कार्रवाई कर रही है।'

अत्तापुर में हुई घटना के बारे में साइबराबाद के पुलिस आयुक्त ने कहा कि बहादुरपुरा से राजेंद्रनगर रोड की ओर मवेशियों को ले जा रहे एक वाहन को लोगों के एक समूह ने रोक दिया और उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। अविनाश मोहंती ने कहा, 'ड्राइवर को पीटा गया। इससे पहले कि मामला बिगड़ता, स्थिति को नियंत्रित कर लिया गया।' दोनों घटनाओं के बाद हैदराबाद पुलिस ने अपने जवानों को समस्या से निपटने में सहायता के लिए साइबराबाद भेजा। पुलिस को एनएम गुडा जंक्शन पर उपद्रव के बाद एकत्र हुए दो समूहों को तितर-बितर करने में कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। एनएम गुडा में पुलिस पर भीड़ द्वारा पथराव किए जाने से कुछ पुलिसकर्मी घायल हो गए।

हरीश राव ने आयोग के समक्ष कालेश्वरम परियोजना स्थानांतरण का किया बचाव

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को न्यायमूर्ति पीसी घोष आयोग के समक्ष एक विस्तृत और साक्ष्य-समर्थित बयान में, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और पूर्व सिंचाई मंत्री टी. हरीश राव ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के जल प्रवेश बिंदु को तुम्मिडी हट्टी से मेडिगड्डा में स्थानांतरित करने के निर्णय का दृढ़ता से बचाव किया। राव ने इस बदलाव के लिए तीन महत्वपूर्ण कारकों को जिम्मेदार ठहराया: महाराष्ट्र का लगातार विरोध, पर्यावरण संबंधी बाधाएं और पानी की उपलब्धता का गंभीर मुद्दा, जिसने मूल साइट को अव्यवहारिक बना दिया। व्यापक दस्तावेजों द्वारा समर्थित उनके प्रस्तुतीकरण का उद्देश्य कांग्रेस सरकार द्वारा लगाए गए कुप्रबंधन और राजनीतिक उद्देश्यों के आरोपों का खंडन करना था।

राव ने विस्तार से बताया कि महाराष्ट्र सरकार ने तुम्मिडी हट्टी में आवश्यक 152 मीटर पूर्ण जलाशय स्तर (एफआरएल) को मंजूरी देने से इनकार कर दिया, तथा इसे 148 मीटर तक सीमित कर दिया, जिससे जल उपलब्धता बहुत सीमित हो गई, जिससे यह स्थल महत्वाकांक्षी प्राणहिता-चेवेल्ला परियोजना के लिए अनुपयुक्त हो गया। राव ने अपने दावों को पुष्ट करने के लिए आधिकारिक सीडब्ल्यूसी रिपोर्ट पेश करते हुए कहा, केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) ने तुम्मिडी हट्टी में अपर्याप्त पानी के बारे में चेतावनी दी थी और नए जलाशयों के माध्यम से भंडारण बढ़ाने की सिफारिश की थी। इसके अतिरिक्त, तुम्मिडी हट्टी में चपराल वन्यजीव अभयारण्य की निकटता ने महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चुनौतियाँ पेश कीं, जिससे पारिस्थितिकी प्रभाव पर चिंताओं के कारण लगभग एक दशक तक प्रगति रुकी रही।

राव ने बताया कि इन बाधाओं को दूर करने के लिए, सीडब्ल्यूसी से संबद्ध केंद्र सरकार के सार्वजनिक उपक्रम डब्ल्यूएपीसीओएस ने एक व्यापक मूल्यांकन किया, जिसमें एक लाइडार सर्वेक्षण भी शामिल था, जिसने मेडिगड्डा को एक व्यवहार्य विकल्प के रूप में पहचाना। राव ने जोर देकर कहा, मेडिगड्डा में पानी की उपलब्धता तुम्मिडी हट्टी की सीमित क्षमता से कहीं ज़्यादा है। इस बदलाव ने तीन प्रमुख बैराजों मेडिगड्डा, अन्नाराम और सुंडिला के निर्माण की सुविधा प्रदान की, जिनकी संयुक्त भंडारण क्षमता 38 टीएमसी है, जिससे 20 लाख एकड़ से अधिक भूमि की सिंचाई होती है और तेलंगाना के कृषि परिदृश्य में बदलाव होता है। राव ने इस बात पर जोर दिया कि यह निर्णय कठोर वैज्ञानिक और जल विज्ञान संबंधी आकलन पर आधारित था, जिसमें सभी संबंधित पत्राचार और साक्ष्य जांच के लिए आयोग को प्रस्तुत किए गए थे।

सार्वजनिक माध्यमों से प्राप्त अनुरोधों का शीघ्र समाधान किया जाना चाहिए : आयुक्त

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन ने अधिकारियों को जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का त्वरित और जिम्मेदारी से समाधान करने का निर्देश दिया है। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित जनसुनवाई में शहर भर से आए लोगों ने आयुक्त के समक्ष अपनी समस्याएं रखीं। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को लोगों से प्राप्त शिकायतों की गहन जांच करने और उनका त्वरित समाधान करने का निर्देश दिया। इस अवसर पर बोलते हुए आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जनता को उनकी समस्याओं से अवगत कराएं तथा अनुरोध के आलोक में समस्याओं का समाधान जिम्मेदारी से करें। उन्होंने संबंधित विभागाध्यक्षों को निर्देश दिए कि वे जनता की समस्याओं के समाधान पर विशेष ध्यान दें।

जीएचएमसी में कुल 147 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 4 टेलीफोन द्वारा प्राप्त हुए और बाकी 78 अनुरोध जोनल कार्यालयों से प्राप्त हुए। चारमीनार जोन से 2, एलबी नगर से 11, सिकंदराबाद से 16, कुकटपल्ली से 27, सेरिलिंगमपल्ली से 22 और जीएचएमसी मुख्यालय में 65 अनुरोध प्राप्त हुए। इनमें से इंजीनियरिंग से 3, टाउन प्लानिंग से 28, स्वास्थ्य से 3, स्वच्छता से 5, सतर्कता से 2, वित्त से 1, भूमि अधिग्रहण से 2, आवास, यूबीडी से 1, यूसीडी लीगल से 1 और एस्टेट पशु चिकित्सा विभागों से 1 अनुरोध प्राप्त हुए। आयुक्त के साथ अतिरिक्त आयुक्त स्नेहा शबरुष, वेणुगोपाल, रघु प्रसाद, सीसीपी श्रीनिवास, वेणुगोपाल रेड्डी, नलिनी पद्मावती, पंकजा, गीता राधिका, सत्यनारायण, सम्राट अशोक, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पद्मजा, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ. अब्दुल वकील, उमा प्रकाश, भूमि अधिग्रहण उप कलेक्टर रामू नायक, अतिरिक्त सीसीपी गंगाधर, वेंकन्ना, प्रदीप कुमार, डिप्टी सीईओ पनासा रेड्डी, एसएनडीपी एसई पीवी रेड्डी, एई इस सार्वजनिक संबोधन में बालाजी, हाउसिंग ईई राजेश्वरा राव, कुलकर्णी और अन्य ने भाग लिया।

आयुक्त आरवी कर्णन ने कहा कि शहरवासी जीएचएमसी ऐप के माध्यम से कभी भी अपनी समस्याएं बता सकते हैं। सोमवार को जीएचएमसी मुख्यालय में आयोजित एक सार्वजनिक बैठक के दौरान, गोपनपल्ली डायमंड हाइट्स के कुछ लोग कॉलोनी के निवासियों द्वारा व्हाट्सएप ग्रुप पर पोस्ट किए गए पोस्ट के मद्देनजर ऑनलाइन पोस्ट कर रहे थे कि उनकी कॉलोनी की सड़कें अच्छी स्थिति में नहीं हैं। कॉलोनी के कुछ लोगों ने आयुक्त के ध्यान में लाया कि शहर के निवासी न केवल शारीरिक रूप से बल्कि ऑनलाइन भी अपनी चिंताओं को व्यक्त कर सकते हैं।

ओसीसी ट्रेड यूनियन चुनावों से कांग्रेस में गुटबाजी उजागर

उम्मीदवार के चयन को लेकर कांग्रेस में खींचतान

मंचेरियल, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मंचेरियल जिले के देवपुर में अडानी सीमेंट द्वारा हाल ही में अधिग्रहित ओरिएंट सीमेंट कंपनी प्राइवेट लिमिटेड की मान्यता प्राप्त ट्रेड यूनियन के चुनावों ने कांग्रेस पार्टी के भीतर आंतरिक गुटबाजी को उजागर कर दिया है। प्रबंधन परिवर्तन के कारण चुनाव में देरी हुई थी, लेकिन अब उच्च न्यायालय के निर्देशों के बाद श्रम विभाग द्वारा चुनाव कराए जा रहे हैं।

इस प्रक्रिया के तहत ट्रेड यूनियन नेताओं को चुनाव कार्यक्रम तय करने के लिए बैठक के लिए आमंत्रित किया गया था। कांग्रेस में उम्मीदवार के चयन को लेकर खींचतान शुरू हो गई है। विधायक जी विनोद, जी विवेक और वेदमा बोज्जू जहां कासिपेट मंडल परिषद के पूर्व अध्यक्ष पुष्कर विक्रम राव का समर्थन कर रहे हैं, वहीं मंचेरियल विधायक के प्रेमसागर राव अपने भाई सत्यपाल राव का समर्थन कर रहे हैं। बंटे हुए समर्थन ने पार्टी कार्यकर्ताओं में भ्रम की स्थिति पैदा कर दी है और स्थानीय नेतृत्व में एकता की कमी को उजागर किया है।

इस प्रतिस्पर्धा में पूर्व एमएलसी और पूर्व मान्यता प्राप्त यूनियन अध्यक्ष रामुलु नाइक ने भी चुनाव लड़ने की घोषणा की है, जिससे पार्टी के कई लोग आश्चर्यचकित हैं। नतीजतन, कांग्रेस से जुड़े ट्रेड यूनियन नेता अब खुद को कम से कम दो अलग-अलग समूहों में विभाजित पाते हैं। पार्टी कार्यकर्ताओं का मानना है कि यह आंतरिक प्रतिद्वंद्विता कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों की संभावनाओं को प्रभावित कर सकती है।

दोनों गुटों ने कार्यकर्ताओं तक अपनी पहुंच बढ़ा दी है, कथित तौर पर भव्य समारोहों का आयोजन किया है और प्रलोभन दिए हैं। कहा जाता है कि कार्यकर्ताओं को उनके वोट हासिल करने के प्रयास में टेलीविजन सेट और क्रॉकरी सहित महंगे उपहार दिए गए हैं। दोनों खेमों के नेता अपने उम्मीदवार की जीत के प्रति आश्वस्त हैं।

अधिकारियों के अनुसार, कंपनी में 266 योग्य मतदाता हैं। अगले दो सप्ताह में चुनाव की तारीख की घोषणा होने की उम्मीद है, साथ ही यूनियनों को चुनाव चिन्ह भी आवंटित कर दिए जाएंगे। कुल पांच यूनियनें चुनाव लड़ने के लिए पात्र हैं। चुनाव का इंतजार कर रहे श्रमिकों ने नए सिरे से चुनाव प्रक्रिया पर संतोष व्यक्त किया है।

थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) 14 को संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) की समीक्षा करेंगे

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। वायु सेना अकादमी (एएफए), डुंडीगल, हैदराबाद में 215वें कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) 14 जून 2025 को आयोजित की जाएगी। सैन्य सटीकता से चिह्नित यह कार्यक्रम भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की विभिन्न शाखाओं में उड़ान कैडेटों के प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण के सफल समापन का स्मरण करेगा। थल सेनाध्यक्ष (सीओएएस) जनरल उपेंद्र द्विवेदी परेड के लिए समीक्षा अधिकारी (आरओ) होंगे। समारोह के दौरान, आरओ स्नातक प्रशिक्षुओं को 'राष्ट्रपति कमीशन' प्रदान करेंगे। इस समारोह में भारतीय वायुसेना के फ्लाइट कैडेट, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारी और किसी मित्र विदेशी देश के एक अधिकारी को प्रशिक्षण के सफल समापन पर 'विंग्स' प्रदान किया जाएगा। फ्लाइंग ब्रांच के फ्लाइट कैडेट जो योग्यता के क्रम में प्रथम स्थान पर होंगे, उन्हें प्रतिष्ठित 'प्रेसिडेंट प्लाक' के साथ-साथ 'चीफ ऑफ द एयर स्टाफ स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया जाएगा और वे परेड की कमान संभालेंगे। ग्राउंड ड्यूटी शाखाओं में समग्र योग्यता के क्रम में प्रथम स्थान पर आने वाले फ्लाइट कैडेट को आरओ द्वारा 'प्रेसिडेंट प्लाक' प्रदान किया जाएगा। इस कार्यक्रम में सीजीपी की शुरूआत को चिह्नित करने के लिए आकाश गंगा टीम और एयर वॉरियर ड्रिल टीम (एडब्ल्यूडीटी) द्वारा एक प्रदर्शन शामिल होगा, और बीच-बीच में पिलाटस पीसी-7 एमके-II, हॉक, किरण और चेतक विमानों द्वारा फ्लाई-पास्ट किया जाएगा। पीसी-7 एमके-II, एसयू-30 एमके-I, सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) द्वारा हवाई प्रदर्शन भी इस समारोह का मुख्य आकर्षण होंगे।

बंडी संजय ने पूर्व खुफिया प्रमुख प्रभाकर राव पर निशाना साधा

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंडी संजय ने पूर्व आईपीएस अधिकारी और पूर्व खुफिया प्रमुख प्रभाकर राव पर गंभीर आरोप लगाए हैं और आरोप लगाया है कि राव एक गलत व्यक्ति हैं और उन्होंने कई लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने दावा किया कि प्रभाकर राव ने योजना के अनुसार आत्मसमर्पण किया और एसआईटी जांच के लिए उपस्थित हुए। बंडी ने टिप्पणी की कि पूर्व सीएम केसीआर के परिवार के साथ प्रभाकर राव की काउंसलिंग प्रक्रिया अमेरिका में पूरी हुई थी। बंडी संजय ने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि प्रभाकर राव ही वह व्यक्ति हैं जिन्होंने उनके समेत कई पार्टी कार्यकर्ताओं को परेशान किया। उन्होंने मांग की कि तेलंगाना सरकार एसआईटी जांच के दौरान प्रभाकर राव द्वारा दिए गए बयान को सार्वजनिक करे। क्योंकि सीएम रेवंत रेड्डी ही नहीं, प्रभाकर राव ने मेरे साथ-साथ कांग्रेस, भाजपा, बीआरएस नेताओं और जजों के फोन टैप किए थे। प्रभाकर राव की वजह से कई जिंदगियां बर्बाद हो गई हैं।

कई परिवार बर्बाद हो गए हैं। वह एक बदमाश है जिसने पति-पत्नी की बातचीत भी टैप की। उसने ऐसी स्थिति पैदा कर दी है, जहां पति-पत्नी उसकी वजह से फोन पर बात नहीं कर सकते। उन्होंने कहा कि जनता को यह जानने की जरूरत है कि किसके आदेश पर फोन टैपिंग की गई और उन्होंने फोन टैपिंग के साथ क्या किया? उन्होंने टेपिंग ऑडियो किसे भेजे। उन्होंने उन ऑडियो को इंटरसेप्ट करके किसे धमकाया, बंडी संजय ने पूछा और मांग की कि प्रभाकर राव के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने की जनसुनवाई

हैदराबाद, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना पिछड़ा वर्ग आयोग ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद तेलंगाना बीसी जाति सूची से हटाई गई 26 जातियों को शामिल करने की याचिकाओं पर आज सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक जन सुनवाई की। जन सुनवाई बीसी आयोग के अध्यक्ष जी. निरंजन, सदस्य श्री रापोलू जयप्रकाश, तिरुमालगिरी सुरेंदर, बाला लक्ष्मी रंगू, सदस्य सचिव बाला माया देवी आईएएस, उप निदेशक यू. श्रीनिवास राव, विशेष अधिकारी जी. सतीश कुमार और अनुसंधान अधिकारी जी. लक्ष्मीनारायण द्वारा की गई। सुनवाई के दौरान आयोग ने 13 अभ्यावेदनों की जांच की। कलिंगा और तुरपु कापू जाति संघ आयोग के समक्ष उपस्थित हुए और अनुरोध किया कि उनकी जातियों को तेलंगाना बीसी सूची में शामिल किया जाए। हालांकि, तेलंगाना बीसी संरक्षण समिति, तेलंगाना प्रदेश गंगापुत्र संगम और तेलंगाना के बुद्धिजीवियों ने आयोग से 26 जातियों को शामिल न करने की अपील की। जन सुनवाई 10 और 11 जून को भी आयोग कार्यालय में जारी रहेगी।

विजयवाड़ा डिवीजन को अखिल भारतीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

विजयवाड़ा, 9 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रतिभा और नाट्य उत्कृष्टता के शानदार समारोह में, 'दक्षिण मध्य रेलवे का विजयवाड़ा डिवीजन' एक बार फिर विजयी हुआ है, भुसावल में आयोजित अखिल भारतीय हिंदी नाटक प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए प्रथम पुरस्कार जीता है। यह पुरस्कार मध्य रेलवे के महाप्रबंधक धर्मवीर मीना ने नाटक के निर्देशक को एक भव्य सम्मान समारोह में प्रदान किया, जिसमें टीम की उत्कृष्ट उपलब्धि की सराहना की गई। यह जीत विजयवाड़ा डिवीजन के लिए लगाताथ तीसरी उल्लेखनीय जीत है- एक हैट्रिक जो कलात्मक प्रतिभा और साल दर साल लगातार शीर्ष प्रदर्शन के लिए टीम की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

विजेता नाटक, जिसका शीर्षक "कपिराज" है, रामायण से बाली और सुग्रीव की महाकाव्य कथा से प्रेरित एक शक्तिशाली नाट्य रूपांतरण है। किष्किंधा के भावनात्मक रूप से आवेशित जंगलों में स्थापित, नाटक वफादारी, विश्वासघात, भाग्य और न्याय के विषयों की खोज करता है, दो भाइयों के बीच आंतरिक संघर्ष और भगवान राम के दिव्य हस्तक्षेप को दर्शाता है। 15 सदस्यीय कलाकारों की टोली द्वारा शानदार प्रदर्शन के साथ कथा को जीवंत किया गया, जिसमें शानदार दृश्य, सम्मोहक संगीत और प्रभावशाली मंचीय कला का समर्थन किया गया। शीर्ष सम्मान के अलावा, विजयवाड़ा टीम ने अपने सर्वांगीण प्रभुत्व का प्रदर्शन करते हुए पांच व्यक्तिगत श्रेणी पुरस्कार भी जीते। इन पुरस्कारों में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, सर्वश्रेष्ठ प्रकाश व्यवस्था, सर्वश्रेष्ठ मंच व्यवस्था, सर्वश्रेष्ठ संगीत, सर्वश्रेष्ठ ध्वनि प्रभाव शामिल हैं।

इस गौरवपूर्ण क्षण के बारे में बोलते हुए, मंडल रेल प्रबंधक, विजयवाड़ा मंडल, दक्षिण मध्य रेलवेनरेंद्र ए. पाटिल, ने कहा कि यह लगातार तीसरी जीत सिर्फ एक पुरस्कार नहीं है- यह हमारी सांस्कृतिक ताकत और हमारे रेलवे परिवार के भीतर हमारे द्वारा पोषित अविश्वसनीय प्रतिभा का प्रतीक है। 'कपिराज' ने दिलों को छू लिया है और दिखाया है कि कैसे कालातीत मूल्यों को शक्तिशाली तरीके से मंच पर लाया जा सकता है। पूरी टीम को मेरी हार्दिक बधाई- उन्होंने एक बार फिर साबित कर दिया है कि विजयवाड़ा मंडल एक रचनात्मक शक्ति है। विजयवाड़ा मंडल भारतीय रेलवे में हिंदी भाषा के प्रचार और सांस्कृतिक जुड़ाव की भावना को बनाए रखता है, यह साबित करता है कि मंच भी राष्ट्रीय गौरव का एक मंच हो सकता है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.